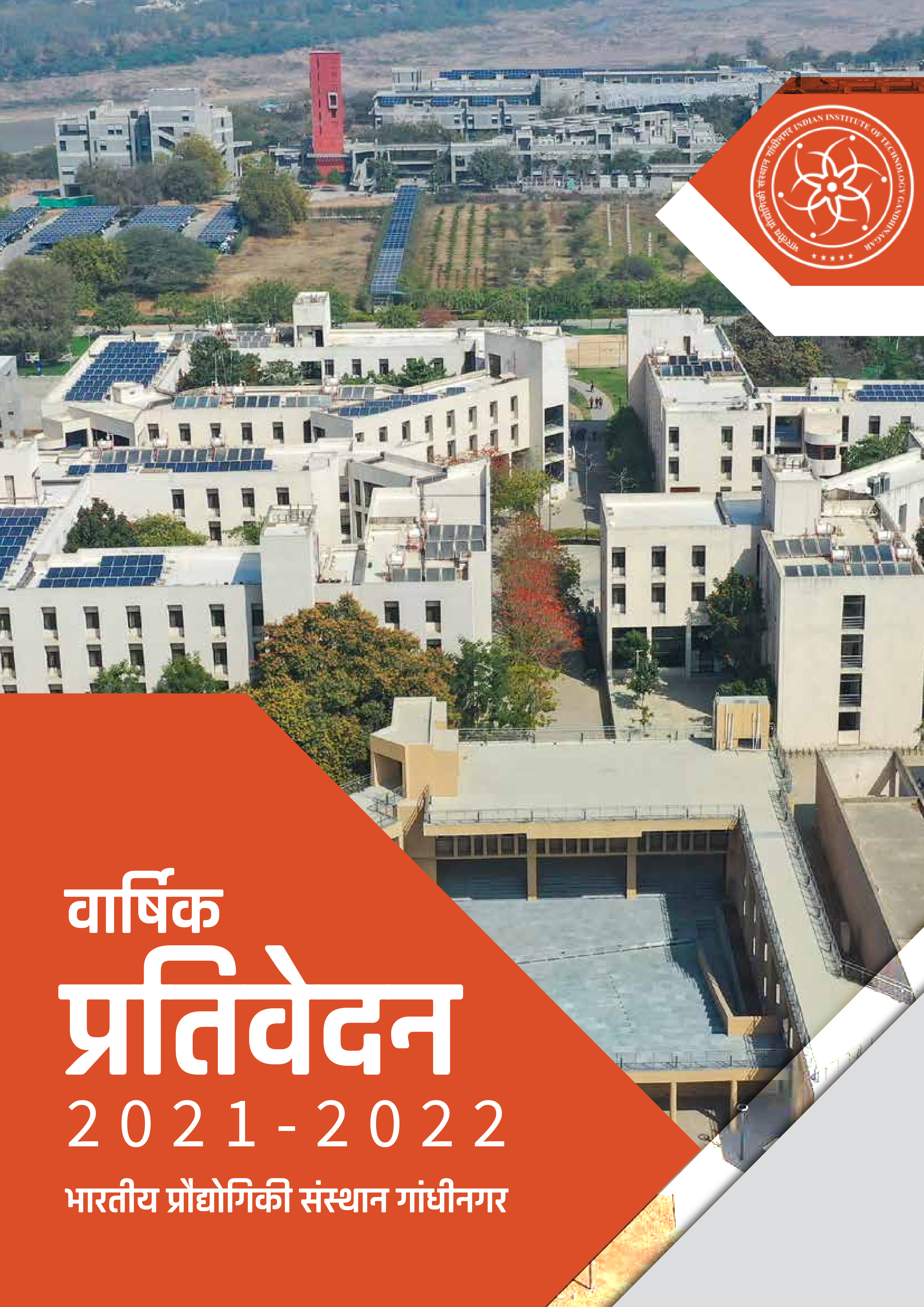

वार्षिक प्रतिवेदन

2021-2022

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

विषय-सूची

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य	03
निदेशक की कलम से	04
संगठन	06
महामारी पर प्रतिक्रिया	14
शैक्षणिक	16
छात्र मामले	28
अनुसंधान और विकास	44
बाह्य संबंध	88
पुरस्कार एवं सम्मान	94
आउटरीच गतिविधियां	104
आयोजन एवं गतिविधियां	108
परिसर	118
संस्थान को सहयोग	123
लोग	134
पूर्व छात्रों के साथ संबंध	144

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य

मूल विशेषताएं

- एक सुरक्षित व शांत वातावरण
- समाज एवं छात्रों की बदलती जरूरतों के अनुरुप क्रियाएं
- शैक्षणिक स्वायत्तता व लचीलापन
- शोध परिवेश
- संकाय सदस्यों एवं छात्रों की प्रकृति:
  - संकाय नियुक्ति मापदंड भारत के ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों से कहीं ऊँचा है।
  - छात्रों का चयन पूर्णत: यग्यता के आधार पर होता है।
- समुदाय हितकारी नीतियों के साथ सर्वांगीण विकास
- आधारभूत सुविधाएं- प्रयोगशाला सुविधा को विश्वस्तरीय बनाने के लिए उदार निधिकरण।
- प्रशासन- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का विशिष्ट सरोकार व आंतरिक प्रबंधन
  - निदेशक को प्रशासनिक, वित्तीय व शैक्षणिक मामलों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त विशेषाधिकार (ढांचागत) प्राप्त हैं।
- आवासीय परिसर:
  - छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच करीबी शैक्षणिक व सामाजिक मेल-मिलाप की ओर प्रेरित करता है।
  - ज्यादा घनि▪ सामुदायिक भावना का विकास करता है तथा एक दूसरे से सीखने का अवसर देता है।
  - सदैव शिक्षा का माहौल बनाए रखता है जिससे सभी की ओर से सृजनात्मकता आती है।

सिद्धान्त

- आजीवन सीखते रहने की प्रतिबद्धता
- योग्यता को बढ़ावा
- कार्य के प्रति उत्साह एवं अभिप्रेरणा
- व्यवसायिकता
- कानून का सम्मान
- सामाजिक सुधार से सरोकार
- संस्थान के कामकाज में पारदर्शिता
- संस्थान के प्रति समर्पण

मूल्य

- प्रतिभातंत्र
- अतुलनीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता
- ईमानदारी, अखंडता, लगन और अनुशासन
- विश्वास व जवाबदेही युक्त आजादी
- सृजनात्मकता के प्रोत्साहन एवं सम्मान
- नए विचारों का स्वागत गलती करने की अनुमति
- सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी
- प्रत्येक व्यक्ति व विविधता का सम्मान
- सहयोग, सहयोजन व मिलकर कार्य करना

लक्ष्य

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर प्रौद्योगिकी व संबंधित क्षेत्रों में एक उच्चतर शिक्षण संस्थान के रुप में वर्तमान व भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए उच्च कोटि के वैज्ञानिकों, अभियंताओं व उद्दमिओं के विकास की आकांक्षा रखता है। इससे बढ़कर महात्मा गांधी की इस भूमि पर उनके उच्च नैतिक मूल्यों व समाज सेवा के भाव को ध्यान में रखते हुए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर शोध के लिए प्रथम कदम बढ़ाने और कठिनाइयों से उभारने वाले ऐसे उत्पाद विकसित करने की जिम्मेदारी लेता है जो हमारे समुदायों की जंदिगी को बेहतर बनाएगी।

ध्येय

- एक विश्वस्तरीय संस्था का निर्माण व विकास करना जहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल स्तर पर ऐसा ज्ञान प्रदान किया जाए जो सम्पूर्ण मानवता के विकास के लिए योगदान दे।
- ऐसे दूरदर्शी नेतृत्व का विकास करना जिसमें सृजनात्मक सोच व सामाजिक जागरुकता हो और जो हमारे मूल्यों का आदर करे।
- सार्वभौमिक प्रभाव के लिए शिक्षण व शोध में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
- राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करने वाले पथ-निर्धारक शोध के लिए संलग्नित रहना।
- सामाजिक समस्याओं के लिए चिर स्थायी रहने वाले प्रौद्योगिकी समाधान का लक्ष्य प्राप्त करना।
- सदा बने रहने वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान बनाए रखना।
- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों में शैक्षणिक व औद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में अग्रणी बनना।
- ज्ञान अर्जित करने व शिक्षा देने के वास्तविक महत्व के प्रति जागरुकता पैदा करना।
- मूल्यों पर आधारित पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से स्थानीय विद्यालयों व समुदायों को समृद्ध करना।
- संस्थागत संस्कृति के एक हिस्से की तरह उत्तम भाषा-कौशल को प्रोत्साहन देना।
- छात्रों को न केवल उनकी पहली नियुक्ति के लिए अपितु उनकी अन्तिम नौकरी के लिए तैयार करना।

दृष्टि

- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को ज्ञान अर्जित करने, शिक्षा व शोध के लिए एक दिलचस्प स्थान के रुप में ढालना।
- ज्ञान अर्जन करने वाली ऐसी व्यवस्था को स्थापित करना जो आजादी के साथ पूर्णता व आनन्द का अनुभव कराने वाली हो।
- एक ऐसा सुगम वातावरण तैयार करना जो समालोचनात्मक व सृजनात्मक मस्तिष्क का परिपोषण करे और उत्कृष्टता तक ले जाने के लिए प्रेरित करे।
- एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो आने वाले कल के लिए अग्रणी अन्वेषक, वैज्ञानिक, अभियंता, उद्दमी, शिक्षक तथा विचारक पैदा करे।
- छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करना ताकि वे जहां से, जैसे भी और जो भी चाहें पढ़ सकें।
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगरको भावी पीढ़ी के छात्रों, कर्मचारियों व संकायों के लिए वरीयता प्राप्त स्थान बनाना।

निदेशक की कलम से

प्रो अमित प्रशांत | स्थानापन्न निदेशक

इस वर्ष हम "आभासी ढंग" से परिवर्तित हुए हैं। कोविड का प्रभाव कम होने के साथ ही हम अपने नवीन और बेहतर सामान्य परिवेश की ओर बढ़ गए। वर्ष के अधिकाधिक समय हमारी स्थिति पूर्ण रूप से व्यक्तिगत संचालन का संयोजन रही, जिसमें उपकरणों और प्रौद्योगिकी के उपयोग की दक्षता बढ़ाई गई जिससे महामारी के वर्षों में हमे काफी मदद मिली है। सुरक्षा हमारी सर्वोपरि प्राथमिकता है।

शैक्षणिक मोर्चे पर, हमने "छात्र कल्याण कार्यक्रम" शुरू किया ताकि शैक्षणिक हो या गैर-शैक्षणिक, छात्रों को अपनी कैसी भी समस्याओं को साझा करने के लिए एक पोषक वातावरण प्रदान किया जा सके। इसके लिए संकाय सदस्यों की एक प्रतिबद्ध टीम से भी सहायता प्राप्त की गई। हम विशेष प्रवेश कार्यक्रमों के माध्यम से भारत और विदेश के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए आईआईटी शिक्षा के नए अवसर भी खोल रहे हैं। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने सबसे पुराने चार ओलंपियाड: गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, और इनफोर्मेटिक्स के प्रशिक्षण शिविरों में चयनित छात्रों को बीटेक में प्रवेश दिलाने के लिए सुपरसंख्यात्मक सीटों का निर्माण किया। संस्थान ने इस माध्यम से विद्यार्थियों के चयन और प्रवेश के लिए एक प्रक्रिया स्थापित की है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अपने अधिस्नातक कार्यक्रमों में शीतकालीन प्रवेश भी दिया।

हमें इस बात पर गर्व है कि हमारे पूर्व छात्र निरंतर संस्थान के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहते हैं: कम से कम 50% पूर्व छात्रों ने लगातार तीसरे वर्ष भी "वार्षिक पूर्व छात्र दान" में अपना योगदान दिया है। ये दुनिया के उच्च शिक्षा संस्थानों में सबसे अधिक पूर्व छात्रों की भागीदारी दरों में से है। वर्ष के दौरान अनेक नई छात्रवृत्तियां हमारे युवा पूर्व छात्रों द्वारा शुरू की गईं। इसमें लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति, डॉ टी जी विश्वेश्वरइया छात्रवृत्ति, श्री सत्यनारायण ककरानिया छात्रवृत्ति, श्री आनंदीलाल बुबना छात्रवृत्ति, निशा व विपिन जैन छात्रवृत्ति, सेवा छात्रवृत्ति, तथा प्रो बी एल झा स्मारक छात्रवृत्ति शामिल हैं। टाटा मोटर्स लिमिटेड ने एक और वर्ष के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में टाटा मोटर्स लिमिटेड – आर्थिक सहायता कार्यक्रम (टीएमएल-एफएपी) के लिए अनुदान सहायता प्रदान की है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान होती है। संस्थान को इंगरसोल रेंड (भारत) लि तथा सीएसआई अभियांत्रिकी सॉफ्टवेयर प्रा लि जैसे उद्योगों से सीएसआर दान भी प्राप्त हुआ है।

संस्थान ने अन्य शैक्षणिक संस्थानों, सरकारों, तथा उद्योगों से विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और अधिक मज़बूत किया है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर और डरहम विश्वविद्यालय, यूके ने 17 नवंबर, 2021 को छात्रों, शिक्षकों और दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से सांस्कृतिक, शैक्षिक और वैज्ञानिक सहयोग के लिए एक सहमति ज्ञापन में प्रवेश किया है। इस वर्ष के आरंभ में, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने रा॰प्रौ॰सं॰ सिक्किम (एनआईटी) और रा॰प्रौ॰सं॰ हमीरपुर (एनआईटीएच) के साथ दोनों संस्थानों के बीच संकाय संदस्यों और छात्रों के विनिमय, शैक्षणिक सहभागिता, तथा शोध सहयोग के लिए सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने फरवरी 21, 2022 को जलवायु परिवर्तन विभाग, गुजरात सरकार के साथ 2070 तक गुजरात में जलवायु परिवर्तन नीति तथा नेट-ज़ीरो के लिए रणनीतिक साझेदारी के लिए सहमति ज्ञापन में प्रवेश किया। गुजरात में सरकारी अभियांत्रिकी कॉलेजों के छात्रों के

लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में बाहरी छात्र विनिमय कार्यक्रमों के शैक्षिक सेटअप के क्षेत्र में एक रणनीतिक साझेदारी बनाने के लिए, 05 जनवरी, 2022 को तकनीकी शिक्षा निदेशालय, गुजरात और गुजरात सरकार के साथ एक और समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। संस्थान ने गुजरात विज्ञान नगर परिषद के साथ फरवरी 23, 2022 को एसटीईएम शिक्षा व सृजनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए एक सहमति ज्ञापन में प्रवेश किया है। संस्थान ने मार्च 03, 2022 को गुजरात वाणिज्य व उद्योग चेंबर (जीसीसीआई) के सदस्यों के साथ एक उद्योग संबंध बैठक भी आयोजित की है। हम लगातार नए शोध कर रहे हैं। इस दौरान दो एकस्व भी सौंपे गए, तथा दो संकाय—सदस्यों द्वारा नेतृत्व प्राप्त कंपनियों ने अपना नया कार्य आरंभ किया, जबकि एक अन्य कंपनी का कार्य प्रगति पर है।

संस्थान ने उत्कृष्ट संकाय सदस्यों की नियुक्ति करना जारी रखा है। पिछले एक वर्ष में 11 नए करियर संकाय सदस्य संस्थान के साथ जुड़े। संस्थान ने कम प्रतिनिधित्व एवं आरक्षित वर्ग से संकाय सदस्यों की भर्ती के लिए एक विशेष नियुक्ति अभियान भी शुरू किया है। वर्तमान में, संस्थान में 120 करियर संकाय सदस्य तथा अभ्यागत संकाय सदस्यों सहित 30 गैर-संकाय सदस्य हैं। इस साल पांच संकाय चेयर पद स्थापित किए गए: श्रीमती अंबा व श्री वी एस शास्त्री चेयर, डॉ विलास मजुमदार चेयर, श्रीमती मीरा व प्रो गिरीश के शर्मा चेयर, कंकुबेन बक्शीरामभाई गेलोत चेयर, तथा डॉ दिनेश ओ शाह चेयर। हमारे यहां करीब 80 पोस्ट डॉक्टोरल फेलोज़ भी हैं।

हमारा परिसर निर्माण कार्य भलीभांति चल रहा है। शैक्षिक भवनों के सिवाय अन्य सभी चरण 1 की परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। नया भा०प्रौ०सं० गांधीनगर अनुसंधान पार्क तथा आईआईईसी परिसर अब बन कर तैयार है तथा वहां से कई स्टार्ट-अप्स व कंपनियां अपना कार्य कर रही हैं। हम कंपनियों और स्टार्ट-अप्स के लिए अनेक सह-कार्य स्थलों का निर्माण भी कर रहे हैं। हमने बैडमिंटन कोर्ट, स्क्वैश कोर्ट, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, योग हॉल, जिम, क्लाइंबिंग दीवार, फुटबॉल मैदान, क्रिकेट मैदान, एथलेटिक ट्रैक इत्यादि सहित विभिन्न इनडोर और आउटडोर खेलों / गतिविधियों के लिए अनेक विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ अपना नया खेल कॉम्प्लेक्स भी चालू किया है।

हम अपनी आउटरीच गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध हैं। आसपास के समुदायों, विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं के उत्थान की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, एनईईवी-भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने कई कौशल विकास पाठ्यक्रम संचालित किए और आसपास के गांवों की 200 से अधिक ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को विभिन्न कौशलों में प्रशिक्षित किया। इन कार्यक्रमों को देसाई प्रतिष्ठान ट्रस्ट, गुजरात राजकीय पेट्रोनेट लि (जीएसपीएल), तथा मेसीबस ऑटोमेशन का सहयोग प्राप्त हुआ। न्यासा भा०प्रौ०सं० गांधीनगर समुदाय के सहयोग से परिसर के संविदा कर्मचारियों तथा निर्माण श्रमिकों के जीवन को प्रभावित करना जारी रख रहा है। सामुदायिक पहुंच की दिशा में एक और पहल में, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने संस्थान के चिकित्सा कर्मचारियों के अथक प्रयासों के साथ निर्माण श्रमिकों की कॉलोनियों में साप्ताहिक चिकित्सा शिविरों का आयोजन रोटेशन के आधार पर किया।

28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस से पहले, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने कक्षा 11 वीं और 12 वीं के स्कूली छात्रों के लिए विज्ञान जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया। कार्यक्रम में अहमदाबाद/गांधीनगर क्षेत्र के 800 से अधिक स्कूली छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। हमारे सृजनात्मक अधिगम केंद्र ने विज्ञान और गणित अधिगम के लिए अनेक शैक्षिक श्रृंखलाएं और गतिविधियां आयोजित की हैं जिसमें सीबीएसई के सहयोग से '30-30 एकलव्य श्रृंखला'; देश भर के 200 जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) से कक्षा 11 के लगभग 10,000 विज्ञान ज्योति विद्वानों के लिए 'स्पार्कल श्रृंखला'; और उत्तर प्रदेश के 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में लगभग 74,600 छात्राओं के लिए विज्ञान शिक्षा में सुधार के लिए सर्व शिक्षा अभियान, तथा उत्तर प्रदेश के साथ 'क्यूरियोसिटी' कार्यक्रम शामिल हैं। भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में क्यूरियोसिटी लैब, एक अंतःविषय स्थान है जो क्यूरियोसिटी पर अनुसंधान और आउटरीच पहल को बढ़ावा देता है। इस प्रयोगशाला ने तीन अलग-अलग जिज्ञासा शिविर आयोजित किए हैं, जिन्हें जबरदस्त प्रतिक्रिया भी मिली है।

अंत में, इस वर्ष संस्थान ने अपने संस्थापक निदेशक प्रो सुधीर कु जैन को अलविदा कह दिया, जिन्हें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी का कुलपति नियुक्त किया गया है। एक दशक से भी अधिक समय तक प्रो जैन के नेतृत्व में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की एक मजबूत सांस्कृतिक और दार्शनिक नींव रही है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की भावना मजबूत बनी रहेगी, और मैं यहां से आगे बढ़ते हुए विकास के एक नए और रोमांचक चरण का स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं।

प्रो अमित प्रशांत
स्थानापन्न निदेशक

संगठन

शासकीय मंडल

(मार्च 31, 2022 तक)

सभापति

डॉ संजीव गोयनका
सभापति
आरपी-संजीव गोयनका समूह
कोलकाता

सदस्य

डॉ बी एन गंगाधार
पूर्व निदेशक
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान
बेंगलुरु

श्री बी सी त्रिपाठी
पूर्व सभापति व प्रबंध निदेशक गेल (भारत) लिमिटेड
नई दिल्ली

श्री कमल बाली
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
वोल्वो समूह भारत प्राइवेट लिमिटेड
बेंगलुरु

श्री राकेश रंजन, भाप्रसे
अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)
उच्चतर शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री पंकज कुमार, भाप्रसे
मुख्य सचिव
गुजरात सरकार
गांधीनगर

श्री प्रफुल्भाई के पटेल
प्रशासनिक
दमण व दियू दमण यूटी प्रशासन (यूटी)

प्रो सुधीर कु जैन
निदेशक (अप्रैल 1, 2021 – जनवरी 3, 2022)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो अमित प्रशांत
स्थानापन्न निदेशक (जनवरी 4, 2022 से)
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो प्रणब मोहापात्रा
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री प्रे कु चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

वित्तीय समिति

(मार्च 31, 2022 तक)

सभापति

डॉ संजीव गोयनका
सभापति
आरपी-संजीव गोयनका समूह
कोलकाता

सदस्य

प्रो सुधीर कु जैन
निदेशक (अप्रैल 1, 2021 – जनवरी 3, 2022)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो अमित प्रशांत
स्थानापन्न निदेशक (जनवरी 4, 2022 से) एवं प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

श्री राकेश रंजन, भाप्रसे
अपर सचिव (तकनीकी सचिव)
उच्चतर शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली

श्रीमती दर्शना एम डबराल
संयुक्त सचिव (एकीकृत वित्त ब्यूरो) व वित्त सलाहकार
शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री भद्रेश मेहता
सनदी लेखाकार
अहमदाबाद

प्रो प्रतीक मूथा
सह प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री प्रे कु चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

भवन व निर्माण समिति

(मार्च 31, 2022 तक)

सभापति

प्रो सुधीर कु जैन
निदेशक (अप्रैल 1, 2021 – जनवरी 3, 2022)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो अमित प्रशांत
स्थानापन्न निदेशक (जनवरी 4, 2022 से)
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सदस्य

प्रो नीलकंठ छाया
पूर्व अधिष्ठाता
वास्तुशिल्प संकाय
सीईपीटी विश्वविद्यालय
अहमदाबाद

श्री एम बी भलाला
पूर्व मुख्य अभियंता
सड़क व भवन विभाग
गुजरात सरकार
गांधीनगर

श्री के एस वाघ
मुख्य सलाहकार (सिविल अवसंरचना)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे

श्री ए के जैन
पूर्व विशेष महानिदेशक
केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री एल पी श्रीवास्तव
सलाहकार (निर्माण)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो गौरव एस
डीन (परिसर विकास)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सचिव

श्री प्रे कु चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

अभिषद् सभा

(मार्च 31, 2022 तक)

सभापति

प्रो सुधीर कु जैन

निदेशक (अप्रैल 1, 2021 – जनवरी 3, 2022)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

प्रो अमित प्रशांत

स्थानापन्न निदेशक (जनवरी 4, 2022 से)
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

सदस्य

प्रो डी पी रॉय
प्रो जी के शर्मा
प्रो एस पी मेहरोत्रा
प्रो प्रणब कुमार मोहापात्र
प्रो विक्रांत जैन
प्रो जयसन मंजली
प्रो चिण्मय घोरोई
प्रो समीर दलवी
प्रो निहार रंजन मोहापात्र
प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
प्रो इंद्रनाथ सेनगुप्ता
प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती
प्रो उत्तमा लाहिड़ी
प्रो अतुल भार्गव
प्रो विमल मिश्रा
प्रो दीपक कुंज्रू
प्रो नमित महाजन
प्रो गायत्री मेनन
श्री आनंद पारेख
श्री सुनील पारेख
प्रो कबीर जसूजा
प्रो गौरव एस
प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण
प्रो प्रतीक मूथा
प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार
प्रो भास्कर दत्ता
प्रो उदित भाटिया
प्रो सौम्यकांति खटुआ
प्रो सुदीप्ता बासु
प्रो प्रत्युश दयाल
प्रो मिथुन राधाकृष्ण
प्रो विनीत वशिष्ट
प्रो नीलधारा मिश्रा
प्रो शंमुगनाथन आर
प्रो नारण पिंडोरिया
प्रो नितिन वी जॉर्ज
प्रो अंबिका अय्यादुराई
प्रो शर्मिता लाहिड़ी
प्रो जगमोहन त्यागी
प्रो अक्षा वटवानी
प्रो विनोद नारायणन
प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम
प्रो अमित अरोड़ा
प्रो अभिजीत मिश्रा
प्रो विनोद चंद्रा
प्रो कृष्ण कांति डे

सचिव

श्री प्रे कु चोपड़ा

कुलसचिव

स्थायी अतिथि

डॉ टी एस कुंभार
पुस्तकालयाध्यक्ष

आमंत्रित छात्र

राम बलहारा
महा सचिव, छात्र परिषद
अनस अली
समन्वयक, छात्र अभिषद् सभा
धनेश भुटाडा (बीटेक 2018)
वरड पी कौसदीकर (एमटेक 2020)
प्रशांत मिश्रा (पीएचडी 2018)

अभिषद् सभा की स्थाई समितियां

अभिषद् सभा शैक्षिक कार्य मूल्यांकन समिति (एसएपीईसी)

प्रो समीर दलवी, समन्वयक
प्रो कबीर जसूजा (डीन, शैक्षिक मामले)
प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम
प्रो सौम्यकांती खटुआ
प्रो भास्कर दत्ता
प्रो इंद्रनाथ सेनगुप्ता
प्रो शर्मिता लाहिड़ी
प्रो झुमा साहा
प्रो एस राजेन्द्रन
प्रो जॉयसी मेकी

अभिषद् सभा शैक्षिक कार्यक्रम समिति (एसएपीसी)

प्रो कबीर जसूजा, डीन, शैक्षिक मामले [सभापति, पदेन]
प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम
प्रो सौम्यकांती खटुआ
प्रो समीर दलवी
प्रो विक्रांत जैन
प्रो जयसन मंजली
प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार
प्रो चिण्मय घोरोई
प्रो सुदीप्ता बासु
प्रो विमल मिश्रा
प्रो प्रतीक मूथा
प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
प्रो नारण पिंडोरिया
प्रो अंबिका अय्यादुराई
प्रो अमित अरोड़ा
प्रो जगमोहन त्यागी
प्रो विनोद नारायणन
प्रो विनोद चंद्रा
भव्या गुप्ता (छात्र नामिती)
रेवंत शाह (छात्र नामिती)

अभिषद् सभा छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार समिति (एसएसपीसी)

प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, सभापति (डीन, छात्र मामले)
प्रो अभिजीत मिश्रा
प्रो नारण पिंडोरिया
प्रो मनीष कुमार
प्रो चेतन पहलाजानी

अभिषद् सभा छात्र मामले समिति (एसएसएसी)

प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, सभापति (डीन, छात्र मामले)
प्रो एंगस मेकब्लेन
प्रो राघवन रंगनाथन
प्रो मीरा एम सनी
प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार
प्रो चंद्रकुमार अप्पाई
प्रो अर्णब साहा
राम बलहारा (महासचिव, छात्र परिषद्)
अनल अली, समन्वयक (छात्र नामिती)
हर्षित कुमार, (छात्र नामिती)
आशीश तिवारी, (छात्र नामिती)

अभिषद् सभा पुस्तकालय समिति

प्रो अनिर्बन दासगुप्ता, सभापति
डॉ टी एस कुंभार
श्री निर्मल झा
प्रो निशांत चौकसी
प्रो इन्द्रनाथ सेनगुप्ता
प्रो रवि शास्त्री अय्यागरी
अभिजीत सिंह (छात्र नामिती)
भानू प्रिया (छात्र नामिती)

शैक्षिक पदाधिकारी

निदेशक
प्रो सुधीर कुमार जैन
निदेशक (अप्रैल 1, 2021 – जनवरी 3, 2022)

प्रो अमित प्रशांत
निदेशक (जनवरी 4, 2022 से)

शैक्षिक मामले
प्रो कबीर जसूजा

डीन, शैक्षिक मामले

प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम
सह-डीन, अवरस्नातक अध्ययन

प्रो सौम्यकांती खटुआ
सह-डीन, अधिस्नातक अध्ययन

प्रो बिरेश्वर दास
समन्वयक, अधिस्नातक प्रवेश

प्रो वी एन प्राभाकर
समन्वयक, लघु पाठ्यक्रम

प्रो शंमुगा आर
समन्वयक, अंतरराष्ट्रीय छात्र व
समन्वयक, गैर-उपाधि विद्यार्थी

प्रो हरी साई गणेश
समन्वयक, ऑनलाइन पाठ्यक्रम

प्रो अर्पण भट्टाचार्य
समन्वयक, पीएमआरएफ

प्रो इति गुप्ता
समन्वयक, अवरस्नातक शोध समिति

प्रो विनीत वशिष्ट
समन्वयक, अवरस्नातक शोध समिति

प्रो मनोज गुप्ता
समन्वयक, समय सूची समन्वयक

प्रो विनोद चंद्रा
समन्वयक, पीआरएल कार्यक्रम

प्रो दीपक सिंघानिया
समन्वयक, प्रबंधन माइनर

प्रो लेसली लाज़र
समन्वयक, अभिकल्प माइनर

प्रो अनिर्बन मंडल
समन्वयक, पीजी असिस्टेंटशिप

प्रो भारद्वाज कोलप्पा
चेयर, जेईई

प्रो श्रीराम गुंडीमेदा
चेयर, जेएएम

प्रो लेसली लाज़र
समन्वयक, लेखन स्टूडियो

प्रो जूयंग किम
सह-समन्वयक, लेखन स्टूडियो

प्रो कारला पी मर्काडो-शेखर
समन्वयक, वैज्ञानिक लेखन प्रमाणपत्र

प्रो निपुन बत्रा
समन्वयक, अवरस्नातक शिक्षण असिस्टेंटशिप

छात्र मामले
प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण
डीन, छात्र मामले

प्रो अभिजीत मिश्रा
सह-डीन, छात्र विकास

प्रो राघवन रंगनाथन
सह-डीन, छात्र कल्याण

प्रो मिथुन राधाकृष्ण
प्रमुख, कैरियर विकास सेवाएं (एवं समन्वयक, नियुक्ति)

प्रो कौस्तुभ राणे
समन्वयक, अंत:शिक्षुता

प्रो हिमांशु शेखर
समन्वयक, भावी संकाय कार्यक्रम एवं उच्चतर शिक्षा

प्रो अर्नब साहा
वार्डन, भोजनालय व ढाबे

प्रो सत्यजीत प्रमाणिक
वार्डन, छात्रावास

प्रो चंदन मिश्रा
वार्डन, छात्रावास

प्रो सुतापा रॉय
वार्डन, छात्रावास

प्रो तरुण अग्रवाल
वार्डन, छात्रावास

प्रो भास्कर दत्ता
प्रमुख, परामर्श सेवाएं

प्रो अक्षा वटवानी
सह-प्रमुख, परामर्श सेवाएं

प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
प्रमुख, छात्र गतिविधि व आयोजन, तथा
सलाहकार, तकनीकी व सांस्कृतिक गतिविध

प्रो जयचंदर स्वामीनाथन
सलाहकार, अमलथिया व ब्लिथक्रॉन

प्रो लेसली लाज़र
समन्वयक, टिंकरर प्रयोगशाला

प्रो जयसन मंजली
समन्वयक, क्ले स्टूडियो

प्रो मधु वडाली
प्रमुख, खेल-कूद

प्रो गोपीनाधन केलन
सलाहकार, खेल-कूद

प्रो भारद्वाज कोलप्पा
सलाहकार, खेल-कूद

प्रो तान्या श्रीवास्तव
सलाहकार, खेल-कूद

प्रो गोपीनाधन केलन
समन्वयक, ओसीईओ

प्रो शारदा सी वी
समन्वयक, न्यासा

प्रो इंद्रनाथ सेनगुप्ता
समन्वयक, छात्र सुख

संकाय मामले

प्रो जी के शर्मा
प्राध्यापक प्रभारी, संकाय मामले

प्रो नितिन जॉर्ज
सह-डीन, संकाय संबंध

प्रो उदित भाटिया
सह-डीन, संकाय नियुक्ति

बाह्य संबंध

प्रो एस पी मेहरोत्रा
प्राध्यापक प्रभारी, बाह्य संबंध

डॉ॰ रविकुमार भास्करण
माननीय सलाहकार, बाह्य संबंध

प्रो नीलधारा मिश्रा
सह-डीन, बाह्य संचार

श्री निर्मल झा
टीम लीडर – बाह्य संबंध

प्रो अचल मेहरा
टीम लीडर – विदेशी साझेदारी

सामान्य प्रशासन

प्रो डी पी रॉय
प्राध्यापक प्रभारी, सामान्य प्रशासन

अनुसंधान एवं विकास

प्रो अमित प्रशांत
डीन, अनुसंधान एवं विकास

प्रो शरद गुप्ता
सह-डीन, बाह्य परियोजनाएं

प्रो समीर दलवी
चेयर, केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा एवं
समन्वयक, मुख्य उपकरण निधीकरण प्रस्ताव

प्रो प्रत्युश दयाल
समन्वयक, जारी शिक्षा कार्यक्रम

प्रो धीरज भाटिया
समन्वयक, अनुदान अवसर सूचना

प्रो चिण्मय घोरोई
समन्वयक, उद्योग संपर्क

प्रो शारदा सी वी
समन्वयक, शोध व विकास संचार

प्रो सुपर्ब मिश्रा
समन्वयक, पोस्टडॉक्टोरल स्टाफ व परियोजना स्टाफ कल्याण

प्रो उत्तमा लाहिड़ी
समन्वयक, बाह्य अध्येतावृत्ति व उद्यमिता

पूर्व छात्र संबंध

प्रो जयसन मंजली
प्राध्यापक प्रभारी, पूर्व छात्र संबंध

परिसर विकास

प्रो गौरव श्रीवास्तव
डीन, परिसर विकास

प्रो रवि शास्री अय्यागरी
समन्वयक, परिसर प्रबंधन

सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा

प्रो जयसन ए मंजली
समन्वयक, सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा

प्रो मयंक सिंह
सह-समन्वयक, सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा

प्रो दिलीप सुंदरम
सह-समन्वयक, सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा

संस्थान उन्नति

प्रो प्रतीक मूथा
डीन, संस्थान उन्नति

संस्थान प्रबंधन प्रणाली

प्रो अमित प्रशांत
सभापति, आईएमएस

प्रो समीर कुलकर्णी
समन्वयक, आईएमएस

प्रो जयचंदर स्वामीनाथन
आईएमएस संपर्क

प्रमुख

प्रो समीर दलवी
प्रमुख, अभियांत्रिकी संकाय

प्रो जयसन ए मंजली
प्रमुख, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

प्रो विक्रांत जैन
प्रमुख, प्राकृतिक विज्ञान

प्रमुख सतर्कता अधिकारी

प्रो प्रणब मोहापात्र
प्रमुख सतर्कता अधिकारी

विषय समन्वयक
(31 मार्च 2022 तक)

प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार
जीवविज्ञान अभियांत्रिकी

प्रो चिण्मय घोरोई
रासायनिक अभियांत्रिकी

प्रो सुदीप्ता बासु
रसायन विज्ञान

प्रो विमल मिश्रा
सिविल अभियांत्रिकी

प्रो प्रतीक मूथा
जीवविज्ञान अभियांत्रिकी

प्रो अनिर्बन दासगुप्ता
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

प्रो नारण पिंडोरिया
विद्युत अभियांत्रिकी

प्रो अंबिका अय्यादुराई
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

प्रो अमित अरोड़ा
पदार्थ अभियांत्रिकी

प्रो जमगोहन त्यागी
गणित

प्रो विनोद नारायणन
यांत्रिक अभियांत्रिकी

प्रो विनोद चंद्रा
भौतिक विज्ञान

प्रो विक्रांत जैन
भू विज्ञान

केंद्र समन्वयक
(31 मार्च 2022 तक)

पुरातत्व विज्ञान केंद्र
समन्वयक: प्रो मिशेल डेनीनो
सह-समन्वयक: प्रो एस पी मेहरोत्रा

जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र
समन्वयक: प्रो उत्तमा लाहिड़ी
सह-समन्वयक: प्रो कारला पी मरकाडो-शेखर

सृजनात्मकता अधिगम केंद्र
समन्वयक: प्रो मनीष जैन
सह-समन्वयक: प्रो हिमांशु शेखर

संज्ञानात्मक विज्ञान व मस्तिष्क विज्ञान केंद्र
समन्वयक: प्रो प्रतीक मूथा
सह-समन्वयक: प्रो विनीत वशिष्ट

अभिकल्प व नवीनता केंद्र
समन्वयक: प्रो लेसली लाज़र
सह-समन्वयक: प्रो अमित अरोड़ा

डॉ० किरण सी पटेल स्थिरता विकास केंद्र
समन्वयक: प्रो अचल मेहरा
सह-समन्वयक: प्रो विमल मिश्रा

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र
समन्वयक: प्रो चिण्मय घोरोई
सह-समन्वयक: प्रो गौरव श्रीवास्तव

छात्र नेतृत्व
निम्नलिखित छात्र शैक्षिक वर्ष 2021-22 के लिए पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित किए गए:

संयोजक, छात्र अभिषद् सभा	: अनस अली
महासचिव	: राम बलहारा
कल्याण सचिव	: शिवांशु शर्मा
शैक्षणिक सचिव	: भव्या गुप्ता
तकनीकी सचिव	: वृतिक शाह
सांस्कृतिक सचिव	: तण्मय शर्मा
खेल-कूद सचिव	: गौरव शर्मा
पेशेवर विकास समिति (पीडीसी) सचिव	: मैत्रैय ठाकुर
उद्योग संबंध एवं परियोजना (आईआर व पी) सचिव	: अदिति गेरा
भोजनालय सचिव	: सत्यम कुमार

महामारी पर प्रतिक्रिया

परिसर में कोविड देखभाल सुविधा

दूसरी लहर के दौरान, संस्थान ने अपने नवनिर्मित गेस्ट हाउस को एक आइसोलेशन-कम-कोविड देखभाल सुविधा में बदल दिया, ताकि समुदाय के हल्के से मध्यम लक्षणों वाले कोविड संक्रमित रोगियों का इलाज किया जा सके। समावेशिता और सहानुभूति के परिभाषित संस्थागत सिद्धांतों के आधार पर, इस सुविधा ने छात्रों, परियोजना कर्मचारियों, संकाय, व्यवस्थापक कर्मचारियों, ड्राइवर, मेस स्टाफ, हाउसकीपिंग स्टाफ, माली, सुरक्षा कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों जैसे पूरे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय को आइसोलेशन और स्वास्थ्य सहायता प्रदान की। अप्रैल के मध्य में एक समय में 121 छात्रों सहित 240 से अधिक कोविड रोगियों का इलाज किया गया था, जिसमें अप्रैल माह में रोगियों की संख्या सर्वाधिक 95 की हो गयी थी। इस सुविधा ने बुनियादी चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं, जैसे तापमान और ऑक्सीजन रीडिंग, डॉक्टरों और नर्सों से सलाह, दवाएं, आरटी-पीसीआर परीक्षण, पौष्टिक भोजन, साथ ही ऑक्सीजन सांद्रता और सिलेंडर जैसी अतिआवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की भी व्यवस्था की गई। संस्थान के चिकित्सा कर्मचारी और एम्बुलेंस सेवाएं 24 x 7 उपलब्ध थीं। इस सुविधा ने मरीजों को जरूरत पड़ने पर स्थानीय अस्पतालों में भर्ती होने में भी मदद की। इसके अलावा, परामर्श सेवाओं ने रोगियों, चिकित्सा कर्मचारियों और उनके परिवारों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की। इस सुविधा का प्रबंधन **प्रो गौरव श्रीवास्तव** के नेतृत्व में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की **कोविड-19 चिकित्सा प्रतिक्रिया टीम** द्वारा किया गया था।

कोविड देखभाल सुविधा पर श्वेत पत्र

संस्थान ने एक श्वेत पत्र जारी किया जिसमें परिसर में सामुदायिक कोविड देखभाल सुविधा के विकास और प्रबंधन से अपने अनुभव और सबक को रेखांकित किया गया है। इसका उद्देश्य अन्य संस्थानों और समुदायों को अपने समुदाय के सदस्यों को सहायता और राहत प्रदान करने के लिए समान सुविधाएं विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जो अंततः देश के चिकित्सा बुनियादी ढांचे पर दबाव को कम कर सकता है। परिसर में 190 बिस्तरों की सामुदायिक देखभाल सुविधा स्थापित करने के लाभ और यात्रा को उजागर करने के अलावा, यह दस्तावेज़ प्रोटोकॉल, एसओपी, दिशानिर्देश, और चिकित्सा सहायता और ऐसी सुविधा स्थापित करने के लिए आवश्यक आपूर्ति की रूपरेखा तैयार करता है। यह बताता है कि विभिन्न संगठन और यहां तक कि आवासीय समुदाय भी समान सुविधाओं को स्थापित करने के लिए अपने उपलब्ध बुनियादी ढांचे और मानव संसाधनों का उपयोग कैसे कर सकते हैं। श्वेतपत्र यहां से डाउनलोड किया जा सकता है: https://iitgn. ac.in/pdf/ccf.pdf

विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहयोग

महामारी की दूसरी लहर ने सत्र II 2020-21 में छात्रों के लिए कई चुनौतियां पेश कीं, क्योंकि महामारी ने उन्हें और उनके परिवारों को अलग-अलग प्रकार से प्रभावित किया था। असाधारण और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर उनके संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, अभिषद् सभा ने सत्र II 2020-21 के लिए छात्रों को राहत प्रदान करने के लिए कई उपायों को मंजूरी दी, जिसमें कई मेकअप परीक्षाओं के प्रावधान, उन छात्रों के पुनर्मूल्यांकन का अवसर जिन्हें ई/एफ ग्रेड प्राप्त हैं, परियोजना पाठ्यक्रम छोड़ने का विकल्प आदि शामिल हैं।

श्रमिक कल्याण समिति

अपनी समावेशी नीति के अनुरूप, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर संस्थान से जुड़े निर्माण और आउटसोर्स श्रमिकों का समर्थन करता रहा है। संस्थान उन्हें और उनके परिवारों को प्राथमिक चिकित्सा किट, मुफ्त चिकित्सा सहायता (संस्थान के चिकित्सा केंद्र में ओपीडी और निर्माण श्रमिक कॉलोनियों में नियमित चिकित्सा शिविरों के माध्यम से), एम्बुलेंस सेवाएं, राहत सामग्री का वितरण, सैनिटरी नैपकिन और कपड़े के मास्क प्रदान करता है। संस्थान ने समय-समय पर निर्माण श्रमिकों की कॉलोनियों का सेनिटाइजेशन और कीटाणुशोधन भी किया है।

श्रमिक कल्याण समिति द्वारा आयोजित विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों के लाभार्थी

कल्याणकारी गतिविधि	वितरण का विवरण (लगभग)
मास्क वितरण	1076 मास्क
मच्छर भगाने वाली कॉइलों का वितरण	300 पैकेट
सैनिटरी पैड वितरण	112 पैकेट
सेब वितरण	600 व्यक्ति
फलों के पैकटों का वितरण	600 पैकेट
हुडी वितरण (निर्माण श्रमिक)	174
मिठाई वितरण	800 पैकेट
टी-शर्ट वितरण (बाह्य श्रमिक)	463

2021-22 के दौरान कुल 8 वितरण अभियान चलाए गए

पड़ोसी गांव तक पहुंच

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान अपने पड़ोसी गांवों की मदद करना जारी रखा। अप्रैल 2021 में, संस्थान ने महामारी के बारे में जागरूकता फैलाने और प्रारंभिक चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए युवा ग्रामीणों और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय के सदस्यों को शामिल करते हुए स्वयंसेवकों की एक टीम बनाने की पहल की। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों के ऑक्सीजन स्तर की डोर-टू-डोर निगरानी के लिए गांवों का दौरा किया और किसी भी आपात स्थिति के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर चिकित्सा केंद्र के संपर्क विवरण साझा किए। तत्काल चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता वाले ग्रामीणों को मुफ्त बुनियादी उपचार के लिए संस्थान की एम्बुलेंस में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर औषधालय में लाया गया। डॉ रिया सैनी, निवासी चिकित्सा अधिकारी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने भी पालज और बासन गांवों में साप्ताहिक चिकित्सा शिविर आयोजित किए। इसके माध्यम से संस्थान महामारी के दौरान सीधे 800 से अधिक ग्रामीणों तक पहुंच सका है।

संस्थान की **पड़ोसी ग्राम सहयोग समिति** ने पालज गांव में 84 जरूरतमंद परिवारों को कोविड -19 के खिलाफ सावधानी पर एक सूचनात्मक पैम्फलेट और तेल, आटा और दाल जैसे उच्च पोषण आवश्यक खाद्य पदार्थों से युक्त किराना किट वितरित किया।

शैक्षणिक

बीटेक ● **एमएससी ✦** **एमए ▣**

एमटेक/ पीजीडीआईआईटी ■ **पीएचडी ⊙**

विषय

जैविक अभियांत्रिकी ■ ⊙

रासायनिक अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

रसायन विज्ञान ✦ ⊙

सिविल अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

संज्ञानात्मक विज्ञान ✦ ⊙

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

भू विज्ञान ⊙

भू प्रणाली विज्ञान ■

विद्युत अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

मानविकी एवं समाज विज्ञान ⊙

पदार्थ अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

गणित ✦ ⊙

यांत्रिक अभियांत्रिकी ● ■ ⊙

भौतिक विज्ञान ✦ ⊙

समाज एवं संस्कृति ▣

उपरोक्त दिए कार्यक्रमों के अतिरिक्त, बीटेक में डुअल मेजर कार्यक्रम, बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि तथा बीटेक-एमएससी दोहरी उपाधि भी प्रदान की जाती है।

डुअल मेजर बीटेक कार्यक्रम

- जिससे एक विद्यार्थी दो विषयों में उपाधि ग्रहण कर सकता है

बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि

- जिससे एक विद्यार्थी पांच वर्षों में बीटेक व एमटेक की दोनों उपाधियां ग्रहण कर सकता है

बीटेक-एमएससी दोहरी उपाधि

- जिससे एक विद्यार्थी पांच वर्षों में बीटेक व एमएससी की दोनों उपाधियां ग्रहण कर सकता है

बीएससी (अभियांत्रिकी)

- तीन वर्ष का यह बीएससी कार्यक्रम एक तीन वर्ष की “निर्मग” उपाधि है तथा इस कार्यक्रम में अलग से प्रवेश नहीं दिया जाता है। बीएससी अभियांत्रिकी में कोई उप-विशेषज्ञता नहीं है।

अभ्यागत कार्यक्रम

- एक छात्र जो भारत या विदेश में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय में डिग्री के लिए पंजीकृत है, और जो उस संस्थान या विश्वविद्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में उसकी शैक्षणिक आवश्यकताओं का भाग पूरा करने के लिए प्रायोजित है, एक अभ्यागत छात्र के रूप में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

नवीन पाठ्यक्रम तथा सक्रिय विद्यार्जन

आउट-ऑफ-बॉक्स तथा अरैखिक सोच को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार प्राप्त पाठ्यक्रम, परियोजना आधारित विद्यार्जन, रचनात्मकता, उद्यमिता, डिज़ाइन पर ज़ोर, मानविकी, तथा जीवन विज्ञान।

- तकरीबन 40% अवरस्नातक तथा 90% पीएचडी छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त
- 36 % पीएचडी स्नातक विदेशों में एक सत्र व्यतीत करते हैं
- क्रियामूलक अधिगम तथा सक्रिय अधिगम पर अधिक ज़ोर
- निडरता के साथ प्रयोग करने के लिए टिंकरर प्रयोगशाला
- नवीनता तथा आविष्कारों को बढ़ावा देने के लिए इनवेंट@आईआईटीजीएन जैसे कार्यक्रम
- क्रियाशील अधिगम तथा शोध में नवीनीकरण के लिए मेकर भवन
- नई शैक्षणिक पद्धतियों के लिए स्वतंत्रता, लचीलापन, स्वायत्तता तथा सहयोग

10 वां दीक्षांत समारोह

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का ऐतिहासिक 10वां दीक्षांत समारोह अगस्त 29, 2021 को आभासी रूप में मनाया गया। संस्थान ने कुल 548 छात्रों को उपाधियां सौंपी, इसमें 175 बीटेक, 5 डुअल मेजर बीटेक उपाधि, 1बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि, 155 एमटेक, 95 एमएससी, 30 एमए, 86 पीएचडी, तथा 1 पीजीडीआईआईटी उपाधियां शामिल हैं। कुल 52 छात्रों को विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्टता के लिए 58 पदक सौंपे गए, जिसमें 42 स्वर्ण पदक और 16 रजत पदक शामिल हैं। इस वर्ष भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पांच-वर्षीय डुअल मेजर बीटेक कार्यक्रम का प्रथम बैच स्नातक हुआ। इस अवसर पर, **डॉ पवन मुंजाल,** अध्यक्ष व प्रकाअ, हीरो मोटोकॉर्प लि. प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ मुंजाल ने अपने प्रेरक संबोधन में स्नातक छात्रों को बड़े सपने देखने और भविष्य के भारत का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया। **डॉ संजीव गोयनका**, अध्यक्ष व आरपी- संजीव गोयनका समूह तथा भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के शासी मंडल के अध्यक्ष, ने सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं और पदक विजेताओं को बधाई दी। **प्रो सुधीर कु जैन**, निदेशक, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने वर्ष के दौरान संस्थान की गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षिप्त ब्योरा दिया। उन्होंने महामारी के दौरान परिसर का प्रबंधन करने में मदद करने के लिए छात्र समुदाय की असाधारण परिपक्वता, टीम वर्क और नेतृत्व कौशल की भी सराहना की।

व्रज पटेल को बीटेक के लिए प्रेसीडेंट स्वर्ण पदक, **अनन्या शर्मा** को एमटेक के लिए प्रेसीडेंट सर्वण पदक, तथा **जोइता दास** व **कृष्णन श्रुति** को एमएससी व एमए के लिए प्रेसीडेंट स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। **उत्कर्श गंगवाल** ने बीटेक के लिए निदेशक स्वर्ण पदक, **जैन जैनेंद्र ब्रिजकुमार** ने एमटेक के लिए निदेशक स्वर्ण पदक, **एकता लाहिड़ी** ने एमएससी एवं एमए के लिए निदेशक स्वर्ण पदक, तथा **गोल्डी यादव** ने पीएचडी के लिए निदेशक स्वर्ण पदक प्राप्त किया। संपूर्ण समारोह को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के यूट्यूब चैनल व फेसबुक पृष्ठ पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया था।

2012-2017 में स्नातक होने वाले बैच की बीटेक उपाधियों का वितरण

वर्ष	बीटेक	बीटेक ऑनर्स	एक माइनर के साथ बीटेक	दो माइनर के साथ बीटेक	ऑनर्स और एक माइनर के साथ बीटेक	कुल क्षमता
2012 बैच	75	6	31	0	2	**114**
2013 बैच	64	15	44	0	1	**124**
2014 बैच	42	28	37	2	3	**112**
2015 बैच	93	21	26	0	4	**144**
2016 बैच	116	24	32	1	0	**173**
2017 बैच	100	21	52	1	1	**175**

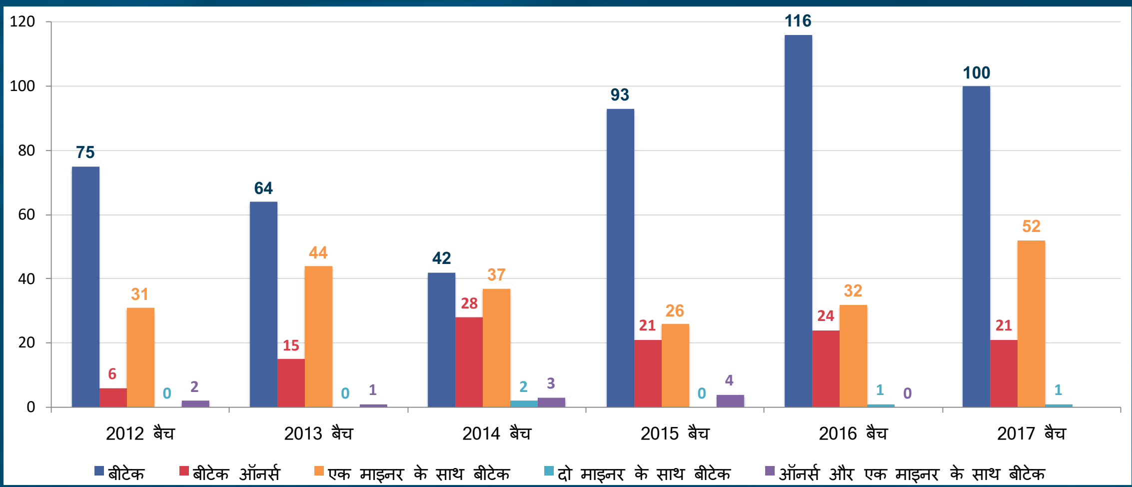

प्रौद्योगिकी स्नातक उपाधि के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
15110034	अविनाश जॉय बारा	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110127	राहुल शाक्य	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110014	आनंद हिरेन मर्चेंट	अभिकल्प में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110017	अंकुर वैभव	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110024	अनुराग सिंह	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110025	अरुण शाक्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110032	आयुष्मान बहुगुणा	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110044	दीपेन्द्र कुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110048	देव अजय कक्कड़	प्रबंधन में माइनर एवं ऑनर्स के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110058	थूल हर्शल राष्ट्रपाल	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110098	परिचय ठाकोर	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110102	पार्थ उपाध्याय	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110113	प्रियांश सिंह	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110115	रचित रे	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110116	राहुल धमानिया	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110118	शाह राजस प्रसाद	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110119	राजकुमार सैन	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110130	सम्यक जैन	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110131	संजीत कुमार यादव	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110134	सत्ती कार्तिक नायक	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110143	शांतनु जना	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110153	शुभी महेश्वरी	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110155	सोलंकी सोहम प्रतीक	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110172	विनोद कुमार प्रजापत	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110175	मुद्गल व्योम	प्रबंधन में माइनर के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110181	प्रद्युम्न पांडे	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110009	अकाश अन्नारे	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110013	अक्षय पी नम्बिअर	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110015	अनिल बेरवाल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110040	चिंताकयाला वेणु गोपाल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110043	दीपक मीणा	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110054	गौरव कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110057	शाह हर्ष सरजू	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110063	जीतेंद्र कुमार	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110079	माधव तिवारी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110093	निशांत	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110110	प्रांजल सिंह	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110111	बोरसे प्रांजलि अनिल	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110123	रेंसी पिपलिया	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110133	सारंग पाटिल	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110142	शाहज़ेब खान	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110152	बहेती शुभम रविप्रकाश	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110163	गंगवाल उत्कर्ष संदीप	सिविल अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110164	उत्सव प्रशांत राक्का	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110168	वरंगंती हरी प्रताप गौथम	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110173	विशेष रॉय आनंद	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110180	यशस्वी सोनी	सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110035	बिक्रम्जोत सिंह धिन्द्सा	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110055	गजपुरे क्षितिज देवानंद	अभिकल्प व संज्ञानात्मक विज्ञान में माइनर के साथ संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110002	अभीष्ट तिवारी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110003	आदित्य गर्ग	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110018	अंकुश चौहान	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110020	अंशुमन यादव	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110021	अनुभव जैन	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110023	अग्लावे अनूप रविन्द्र	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110029	अथर्व पांडुरंग छेवाले	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110030	आयुष अग्रवाल	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110037	चन्दन माजी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
17110039	चेन्ना केसवा तिरुनगरी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110041	देबार्य दास	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110050	धरावाथ अनिथा	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110053	द्यावारशेट्टी पीयूष	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110060	जैन हर्षिल राकेश	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110066	ककुमणि प्रुध्वी राज	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110067	कनिष्क कालरा	संज्ञानात्मक विज्ञान में माइनर के साथ संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110073	कविता वैष्णव	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110074	किशन एन गौड़ा	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110077	लक्ष्य	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110078	एम मोहित मीणा	प्रबंधन में माइनर के साथ संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110087	मृणाल आनंद	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110092	निधीन हरिलाल	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110099	परिमि सिवा कृष्णा सरमा	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110105	पटेल वंदन प्रवीणभाई	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110108	पित्तला निखिल	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110120	राम भगवान प्रजापत	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110125	पाटिल रोहन प्रशांत	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110126	पाटिल रोहित शांताराम	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110135	सौमित्रा शर्मा	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110140	शाह रुशील राजीव	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110145	शौर्य अग्रवाल	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110174	व्रज पटेल	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
14110141	वरदे अमित भास्कर	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110030	बनोथ दिनेश	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110130	रजत कुमार वर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110181	हिमांशु राय	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110007	अजय मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110011	अक्षय बीजू	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110027	आशीष कुमार मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110038	चौहान जैनिश निलेशकुमार	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110045	दीपिका सोनी	विद्युत अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110046	देहाड़े संकेश दीपक	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110059	इशिता गोयल	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110061	जसप्रीत सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110064	जेठवा उत्सव गोपालभाई	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110068	कौशिक रौनक नितिन	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110080	मनोज कुमार कुमावत	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110083	मिथ्बव्कर ओजस शशिकांत	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110085	मुहम्मद आसिम शेख़	विद्युत अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110089	नमन कुमार सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110090	नरनी विष्णु कर्थिकेया	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110091	नयन चौधरी	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110094	ओंतेद्दु रामा कृष्णा रेड्डी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110096	पंदिपति वम्शी निखिल	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110097	परदेशी श्वेता राजेश	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110103	पटेल अज्जकुमार दह्यलाल	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110104	पटेल उर्विश्कुमार जयरामभाई	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110109	आर प्रकाश	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110112	पटेल प्रीत गोकुलेश	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110114	पुन्द्रू चंद्रहास	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110121	राम उदित साध	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110122	राठोड रवि जसवंतभाई	प्रबंधन में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110124	ऋभु वाजपेयी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110150	श्रेया पामेचा	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110160	तन्मय गुप्ता	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110165	उत्थारापल्ली साईं चन्द्र	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110171	वेदांत कृष्णा भूटानी	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110011	अक्षत सांधलिया	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110063	कुलदीप सिंह	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
16110052	दिनेश राज डी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110133	रामप्रताप कुमार	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110022	अनुज यादव	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110028	घोलप अथर्व महेंद्र	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110033	बी ध्यानेश	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110034	बनोथ विष्णु साईं नायक	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110049	धैवत काबरिया	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110051	शाह ध्रुवल सुरेश	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110056	हरेन्द्र सिंह गुर्जर	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110070	कर्रा उमा नागा श्रीकर	भौतिक विज्ञान में माइनर के साथ पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110072	कौशिक कुमार भैया	प्रबंधन में माइनर के साथ पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110075	खोट कृतार्थ हेमंत	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110082	मेवाडा रोहन मुकेशकुमार	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110088	मुलास्थम अमिथा रानी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110107	पिन्निबोइना मुनीस्वर	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110149	शिवानी पाटले	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110154	शुची धीरेन्द्र सनान्दिया	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110159	सुरभि ऐ टोरने	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110162	उज्जवल गौतम	प्रबंधन में माइनर के साथ पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110169	वरुण बिरेन डोलिया	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110179	मूंदड़ा याषम अमर	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110182	नीना तातु	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110026	अनुपम स्वर्णकार	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
15110107	रोहित कुमार सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110004	आदिथ्य आर	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110087	मनीष अलरिया	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110114	पोलमपल्ली बाला श्रीमंनारायण	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110001	अभिनव	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110005	अग्रवाल पार्थ सुनीलकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110012	तन्दाले अक्षय जय	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110016	सोनी अनिरुद्ध प्रदीपकुमार	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110019	अंकुश मिश्रा	यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110026	आशीष कुमार झा	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110031	आयुष कुमार गुप्ता	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110035	भूक्या हेरम नैक	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110042	दीपक कुमार मीणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110052	दीप निलिम दास	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110065	काकड़िया हर्ष बाबूलाल	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110069	करणं अविनाश	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110100	परमार हितार्थ जगदीश	यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक
17110101	पार्थ शिंदे	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110128	सब्बी पवन कुमार चक्री	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110136	मुनेश्वर सौरभ कार्तिक	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110137	शाह ध्रुविन मनीष	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110138	शाह जैनम पिंकेश	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110139	शाह मीत पराग	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110146	शेल्के शिरीष रघुनाथ	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110148	शिवांग पारीक	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110151	श्रेयस सोनवाने	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110157	सुक्कला बालाजी	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110161	तुषार चौधरी	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110166	वाला वेदंगराज राजेन्द्रसिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110167	वंदित गोयल	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110170	वत्सल केतनकुमार जोशी	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110176	यान्नावर प्रणव समीर	प्रबंधन में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110177	यश गौर	रोबोटिक्स में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
17110178	ढाके यश नीलकंठ	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में माइनर के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

बीटेक डुअल मेजर के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
16110001	अभव्या चन्द्र	रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक एवं संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110007	अखिलेश रवि	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक एवं संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110050	देशपांडे शुभम गोपाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक एवं प्रबंधन में माइनर के साथ संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110075	कौशल आर मोदी	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक एवं संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
16110102	निसर्ग उज्जैनकर	यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक एवं संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक

कला स्नातक उपाधि के प्राप्तकर्ता

समाज व संस्कृति

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18520002	आकांक्षा यशश्री
18520003	अमृता मथेर
18520027	रकीब अहमद दर
19520003	अभिषेक रमेश
19520005	अद्याषा बहेरा
19520006	अजय देवड़ा
19520008	भार्गवी जी
19520009	चैतन्य आनंद चलाख
19520011	एकता लाहिरी
19520012	फासना के
19520013	गहना पर्चा
19520014	गुरप्रीत कौर
19520015	इशिता शर्मा
19520016	जोईता दास
19520017	आचार्य कैरवी वत्सल्कुमार तृप्ति
19520018	खुशबू सहरावत
19520020	मोहम्मद जावेद
19520021	मोईन कुरैशी
19520022	नेहा कुमार
19520023	प्रतीति रज्जाक
19520024	राजसी मुख़र्जी
19520025	राशिद के के
19520026	रेन्ना ज़ेहरा
19520027	सैकत पांडा
19520028	संधरा एस
19520029	संजुक्ता मन्ना
19520030	कृष्णन श्रुति
19520031	श्रुति मेहता
19520032	स्नेहा सथ्याँ वी वी
19520034	विशाल वर्मा

विज्ञान स्नातक उपाधि के प्राप्तकर्ता

रसायन विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18510040	मानब देसाई
19510001	अलोक कुमार
19510002	अनन्या राणा
19510003	अंकिता शर्मा
19510004	बनवारी कुमार मंडल
19510005	गगन दीप
19510006	गणेश जबोत्रा
19510007	देदनिया हिरेनकुमार जितेंद्रभाई
19510008	के एम ज्योति चौहान
19510009	कुंजांग डोलकर
19510010	मंजीत
19510011	मोहित कुमार
19510012	मृत्युंजय कुमार झा
19510013	प्रदीप कुमार यादव
19510014	रवि कंवंत
19510016	संजू कुमारी
19510017	शिवांगी शर्मा
19510018	सिद्दार्थ कुमार
19510019	सोम्या
19510020	सुधीर
19510021	वर्षा कुमारी

संज्ञानात्मक विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
19510022	अंजना चेम्बिल पलत
19510023	अदेवुमी ओलुवादामिलारे बुकुंमी
19510024	केरेंन फेलिसिया जे
19510025	कृतिका मुज्मेर
19510026	मीनम पायस
19510027	नशरा अहमद
19510028	निकिता अनिल कुमार
19510029	पलक शर्मा
19510032	सान्या जैन
19510033	श्रीरंजनी मनिवसगम
19510034	थारण एस
19510035	उथरा ब्रहादीश
19510036	वैष्णवी शिवप्रसाद
19510037	विक्रम सिंह नेगी

गणित

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18510004	अल्का बालियान
19510038	अभिजीत दुन्दप्पा दुग्गनी
19510039	खराडे अक्षय चंद्रकांत
19510040	अक्षय कुमार
19510041	अंजू सिंह
19510042	अंकित शर्मा
19510043	अवी नवा मुखोपाध्याय
19510044	भास्कर वर्मा
19510045	भुनेश नागर
19510046	ठक्कर चाँदनी राजेशकुमार
19510047	जी गोमथ्य
19510048	गौतम बर्मन
19510049	हरी सिंह धयाल
19510051	खुशबू अगरवाल
19510053	मयंक नागर
19510054	मिल्टन बिस्वास
19510055	मोहम्मद नावेद
19510056	मुकेश कुमार वर्मा
19510057	नंथिनी ऐ
19510058	प्रजापति राकेश मगनलाल
19510059	प्रिया
19510060	रमण शर्मा
19510061	रासिका आर
19510062	रुद्रेन्द्र कश्यप
19510063	संजय कुमार

19510064	सार्थक शर्मा
19510065	शिवा
19510066	तुल्सा पुझारी

भौतिक विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18510015	आशीष अहलावत
19510067	अक्षत खन्ना
19510068	तन्दुल्जे अक्षय पद्माकर
19510069	आशा चौधरी
19510070	आशा कुमारी
19510071	छोटू सिंह मिरासी
19510072	गगन कुमार भट्ट
19510073	गजेन्द्र कुमार सैनी
19510074	जयेस्थी माली
19510075	कौशल मीणा
19510076	नीलभ चटर्जी
19510077	नेहा चौधरी
19510078	लोंढे निखिल मिलिंद
19510079	निकिता शर्मा
19510080	पंकज
19510081	प्रतिभा
19510082	प्रियांशु शर्मा
19510083	राधिका गाँधी
19510084	रश्मि
19510085	रवि चोपड़ा
19510086	संजोय साहा
19510087	शीला मीणा
19510088	श्रद्धा मोहानी
19510089	शुभम मलिक
19510090	शुभम रस्तोगी
19510091	सिद्धार्थ गंगवार
19510092	सिद्धार्थ एस कश्यप
19510093	सुनीता कुमारी
19510094	विजय कुमार बालियान
19510095	विनोद
19510096	विपिन यादव
19510097	योगेश कुमार यादव

संस्थान के अधिस्नातक डिप्लोमा (पीजीडीआईआईटी) के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
19210109	सूरज कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी में अधिस्नातक डिप्लोमा

अधिस्नातक उपाधि के प्राप्तकर्ता

जीवविज्ञान अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18210082	शिन्गाने सोमेश नाना
19210001	आकृति बंसल
19210002	आदर्श पटेल
19210003	अक्षय एस
19210004	अनन्या शर्मा
19210005	अशदुल हक
19210006	अक्सिता पटेल
19210007	बोधिदिप्रा मुखर्जी
19210008	चन्दन नंदी
19210009	चन्द्रमा घोष
19210010	जयिष्णु रॉय
19210011	कहकशां बंसल
19210012	पंकज यादव
19210013	पंखुड़ी सिन्हा
19210015	शिन्य पंडित
19210017	तमालिका पॉल
19210018	तनुश्री हल्दर

रासायनिक अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
19210019	अमित कुमार मिश्रा
19210020	अरविंद कुमार गुप्ता
19210021	चित्रा बोरकर
19210023	गौरव शुक्ला
19210024	सोजित्रा कंदर्प अशोकभाई
19210025	मयंक श्रीवास्तव
19210026	मेकेताये अबेर एन्देशॉ
19210027	रचना सिंघल
19210028	सकेथाराम रेड्डी एन
19210030	जनि वृद्धि बाबूलाल
19250001	भौमिक पाटीदार
19250003	निरालीबेन पटेल

सिविल अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
17250013	हिमांशी देवांगन
18210002	अजय चंद्रन पी वी
18210047	लवकेश शिवानी
18210052	खान मुहम्मदसलीम द्रशहलम
18210066	रेंजिनी आर
18210099	अंकुश जैन
18210108	साहिल वाणी
18210110	शिवेश शांडिल्य
18210114	महागओंकर सुविल काशीनाथ
18250016	कार्तिकेय भारद्वाज
18250022	ओज़ा पर्येश सुनीलभाई
18250033	सुरेन्द्र राज वी
18350001	अभि मित्तल
19210032	काले आकाश रविन्द्रा
19210033	दीप्तिजा पाण्डेय
19210035	मेहता दीप त्रिलोककुमार
19210039	सुधांशु दीक्षित
19210040	सुजाता एस कुलकर्णी
19210041	वेगड़ उर्मिन देवेंभाई
19210042	वेद प्रकाश
19250004	ऐश्वर्या मेनन
19250005	आश्रय सक्सेना
19250006	शाह द्रष्टि चिरागभाई
19250007	शाह जाह्नवी हितेशकुमार
19250008	जयलक्ष्मी न्गासेपम
19250009	पवित्रा सी टी
19250010	प्रणव चंद्राकर
19250011	सोमनाथ पॉल
19250012	स्पन्धना एम हरिदास
19250013	तरुण सिंह राजपूत
19250014	ज़रनैन फ़याज़

संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18210084	श्रीजीत श्रीकृष्ण
19210044	जयदीप सिंह बंकोती
19210045	जतिन कुमार
19210047	ज्योति कुमारी
19210048	प्रज्वल कुमार सिंह
19210050	शेख़ महबूब जानी बाशा
19210052	उत्पल पोद्दर
19210053	वगाड़िया जनिलकुमार वीरेंद्र

भू प्रणाली विज्ञान

अनुक्रमांक संख्या	नाम
19210054	अक्षय राजीव
19210055	अनंत मिश्रा
19210057	अरिन्दोम गोगोई
19210058	देबाशीश नाथ
19210059	हिमांशु
19210060	किरण बरसू धनगर
19210061	जैन नितिन भंवरलाल
19210062	सम्राट पटनी
19210063	सुभाशीश मिश्रा

विद्युत अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
14110013	अमित भोंगड़े
18210009	अंकित कुमार वर्मा
18210106	कुमार भानु खंडेलवाल

18250014	जे सुजाथा
18250031	सोनू कुमार
19210064	सयद नाफ़िज़ हसन
19210065	आबिला थर्ज़ीन
19210066	अभिलाष दुबे
19210067	अभिषेक कुमार सिंह
19210068	ऐल्नेनी रक्षिथा
19210069	अनूप कुमार
19210070	अनुष्का यादव
19210071	अपर्णा सिंह
19210072	आयुष अगरवाल
19210073	बछु वरुण तेज
19210074	बोयापति सुरेश
19210076	गजेन्द्र सिंह राजपूत
19210077	हर्षुल टंडन
19210078	शाह हेनिल विरंगभाई
19210079	जैन जैनेन्द्र ब्रिजकुमार
19210080	गुदिबोइना कार्थिक कुमार
19210081	कुलदीप जजोरिया
19210084	शाह मानसी कुलदीप
19210085	मयंक नौटियाल
19210087	नवीन पुरी
19210089	प्रारब्ध रैपुरकर
19210091	प्रतीक शर्मा
19210092	प्रवेश श्रीवास्तव
19210093	कुकडिया पुर्णाबेन भीकूभाई
19210094	धोते पुष्पक एकनाथ
19210096	बोरकर रजत श्याम
19210097	राजेश कुमार
19210098	राजलक्ष्मी पाण्डेय
19210099	राविंस कटियार
19210101	रौशनी धन्दामुडी
19210103	सजल कुमार जैन
19210104	सतीश कुमार सिंह
19210105	शिवानी सिंघल
19210106	गुंजल श्रीहरी एकनाथ
19210107	सिद्धार्थ वर्मा
19210108	स्मित शाह
19210111	तुषार अगरवाल
19210112	वासा वामसी कृष्णा
19210113	वीरेंद्र दान
19210115	विवेक सिंह
19250015	देवेश कुमार
19250016	पन्द्रंगी आदित्य
19250017	शर्मा प्रियंका विनोदकुमार

पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18210117	जोगी गौरव कीर्तीकुमार
19210116	अक्षय कुमार सोनी
19210118	अंकिता शाही
19210119	अनुराग शर्मा
19210122	भूमिका लोंगाक्षी
19210124	भडाने प्रथमेश किरण मनीषा
19210125	प्रिया सूर्यकांत गाडेकर
19210126	रोहित गहलोत
19210127	सोम दीक्षित
19210128	शाह वत्स नितिनकुमार
19250018	समीक्षा दास

यांत्रिक अभियांत्रिकी

अनुक्रमांक संख्या	नाम
18210010	वरिएर अनुज सिवान
18210041	करणबीर सिंह सिधू
18210089	स्वरुप जाना
18210093	मिस्त्री उत्सवकुमार जितेंद्रभाई
19210129	आदित्य विनायक नातू
19210135	जातेगाओंकर चिन्मय शिरीष
19210139	जाधव ओमकार प्रताप
19210140	परितोष कवरा
19210141	पूजा गुप्ता
19210142	राहुल दास
19210143	दुद्याला राहुल रेड्डी
19210144	मित्ताकोलू रोशिथ
19210145	सागर अर्याल
19210146	शुभम गुप्ता
19210147	शुभम
19210150	तंडेल वैभवकुमार धनसुखभाई
19250019	चिराग अनिलकुमार
19250021	परांजपे ओमकार दिलीप
19250022	सार्थ दुबे

बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
16110042	चेन्नुरी प्रतीक	विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक एवं विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी अधिस्नातक

डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी के प्राप्तकर्ता

अनुक्रमांक संख्या	नाम	उपाधि
13310036	भोईर सिद्धांत पांडुरंग	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
14310003	एस इन्दुमथि	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
14310033	नलिनी नटराजन	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
14310051	हीरल मनोजकुमार संघवी	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
15310031	पटेल मंथन महेशभाई	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
15310047	पटेल दिव्येशुकुमार अमृतभाई	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
15310049	निशाबेन पटेल	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
15310050	वसुधा शर्मा	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
16310002	स्वरुप चक्रवर्ती	जीवविज्ञान अभियांत्रिकी
11320001	शीतल अरुणकुमार अमिन	रासायनिक अभियांत्रिकी
12320039	जया प्रसन्ना कुमार डी	रासायनिक अभियांत्रिकी
13310038	कोमल पाण्डेय	रासायनिक अभियांत्रिकी
14310006	रुपांजली गुरप्रसाद प्रसाद	रासायनिक अभियांत्रिकी
14310007	साकेत कुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी
13510007	अमरज्योति दास महापात्रा	रसायन विज्ञान
13510008	पलाश जना	रसायन विज्ञान
14310008	लता रानी	रसायन विज्ञान
14310035	शिखा खंडेलवाल	रसायन विज्ञान
14310053	जवीना हुसैन	रसायन विज्ञान
14310054	अभिजीत मधुकर सर्कले	रसायन विज्ञान
14310055	विजयलक्ष्मी पाण्डेय	रसायन विज्ञान
15310034	नेहा मानव	रसायन विज्ञान
15310037	वर्षा थाम्बी	रसायन विज्ञान
15310052	अफसर अली	रसायन विज्ञान
15310054	विद्यासागर मौर्या	रसायन विज्ञान
16310007	एब क़यूम मीर	रसायन विज्ञान
13310043	राजकुमारी कौरव	सिविल अभियांत्रिकी
14310009	प्रभात कुमार	सिविल अभियांत्रिकी
15310008	सरन आधार	सिविल अभियांत्रिकी
15310038	कलिंग ताकि	सिविल अभियांत्रिकी
16350003	कन्टेसरिया नमन प्राणलाल	सिविल अभियांत्रिकी
13510021	गोल्डी यादव	संज्ञानात्मक विज्ञान
14310036	नितिन जॉर्ज	संज्ञानात्मक विज्ञान
14310041	वेली मिलिंदभाई मेहता	संज्ञानात्मक विज्ञान

15310057	विशाव ज्योति	संज्ञानात्मक विज्ञान
14310059	सुधाकर कुमावत	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
14350002	अनन्या श्रीवास्तव	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
15310011	इंद्र दीप मस्तान	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
15310012	सुप्रतिम शीत	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
15350007	शिव दत्त शर्मा	संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
14310039	रवि कान्त प्रसाद	भू विज्ञान
14310061	शांतामोय गुहा	भू विज्ञान
15330001	हर्ष राज	भू विज्ञान
15330002	हर्ष जगदीप ओज़ा	भू विज्ञान
15330003	नमन दीप सिंह	भू विज्ञान
10002027	गगन कनोजिया	विद्युत अभियांत्रिकी
13310021	मंजू भषिणी वी	विद्युत अभियांत्रिकी
13310048	ऋषभ अभिनव	विद्युत अभियांत्रिकी
13310050	ज़रीन ऐ एस	विद्युत अभियांत्रिकी
14310014	कदम सुजय दिलीप	विद्युत अभियांत्रिकी
14310018	सत्यजीत मोहपात्रा	विद्युत अभियांत्रिकी
14350007	विनय वर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी
15310018	नीलम सुराना	विद्युत अभियांत्रिकी
15310059	पटनम बाला साईं किरण	विद्युत अभियांत्रिकी
15310060	शरद जोशी	विद्युत अभियांत्रिकी
15350004	चंदन कुमार झा	विद्युत अभियांत्रिकी
15350009	चंदन कुमार झा	विद्युत अभियांत्रिकी
15350010	संखा सुभ्रा भट्टाचार्यजी	विद्युत अभियांत्रिकी
16310043	व्यास हार्दिक श्याम	विद्युत अभियांत्रिकी
14310038	प्रशांत रामप्रसाद इंगोले	मानविकी व सामाजिक विज्ञान
13310031	कृष्णा मनवानी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी
14350008	पूनम रात्रे	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी
14350013	अर्चिनी परूथी	पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी
15310066	राहुल कुमार	गणित
12310014	रेणिका बरुआ	यांत्रिक अभियांत्रिकी
13310053	अंकिता सिन्हा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
14310024	ज़ीशान अहमद	यांत्रिक अभियांत्रिकी
15350011	आदर्श कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
14310027	सौमेन रॉय	भोतिक विज्ञान
14310028	अमित रेज़ा	भोतिक विज्ञान
14310048	चक्रेश कुमार सिंह	भोतिक विज्ञान
15310029	ऋचा त्रिपाठी	भोतिक विज्ञान
15330005	आरती ई	भोतिक विज्ञान
15330006	अर्चिता राय	भोतिक विज्ञान
15330007	शिवांगी गुप्ता	भोतिक विज्ञान
15330009	निधि त्रिपाठी	भोतिक विज्ञान
15330010	शेफाली उत्तम	भोतिक विज्ञान
15330011	ऋचा आर्या	भोतिक विज्ञान
15330012	अकांक्षा भारद्वाज	भोतिक विज्ञान
15330013	सुबीर मंडल	भोतिक विज्ञान
15330015	बलबीर सिंह	भोतिक विज्ञान
15330016	आशीष	भोतिक विज्ञान
15330018	रणदीप सरकार	भोतिक विज्ञान
15330019	कौस्तव चक्रवर्ती	भोतिक विज्ञान
15330021	प्रशांत कुमार	भोतिक विज्ञान
16310021	मनु कुरियन	भोतिक विज्ञान

पदक प्राप्तकर्ता

पदक श्रेणी	छात्र का नाम
प्रेसीडेंट स्वर्ण पदक, बीटेक	व्रज पटेल
प्रेसीडेंट स्वर्ण पदक, एमटेक	अनन्या शर्मा
प्रेसीडेंट स्वर्ण पदक, एमएससी व एमए	जोईता दास
प्रेसीडेंट स्वर्ण पदक, एमएससी व एमए	कृष्णन श्रुति
संस्थान स्वर्ण पदक – सिविल अभियांत्रिकी, बीटेक	गंगवाल उत्कर्ष संदीप
संस्थान स्वर्ण पदक – रासायनिक अभियांत्रिकी, बीटेक	शांतनु जाना
संस्थान स्वर्ण पदक – संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	व्रज पटेल
संस्थान स्वर्ण पदक – विद्युत अभियांत्रिकी, बीटेक	नार्नि विष्णु कार्तिकेय
संस्थान स्वर्ण पदक – विद्युत अभियांत्रिकी, बीटेक	आर प्रकाश
संस्थान स्वर्ण पदक – यांत्रिक अभियांत्रिकी, बीटेक	शाह ध्रुविन मनीष
संस्थान स्वर्ण पदक – पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	वरुण बिरेन डोलिया
संस्थान स्वर्ण पदक – समाज व संस्कृति, एमए	जोईता दास
संस्थान स्वर्ण पदक – समाज व संस्कृति, एमए	कृष्णन श्रुति
संस्थान स्वर्ण पदक – संज्ञानात्मक विज्ञान, एमएससी	कृतिका मुजमेर
संस्थान स्वर्ण पदक – रसायन विज्ञान, एमएससी	अनन्या राणा
संस्थान स्वर्ण पदक – गणित, एमएससी	ठक्कर चाँदनी राजेशकुमार
संस्थान स्वर्ण पदक – भौतिक विज्ञान, एमएससी	निकिता शर्मा
संस्थान स्वर्ण पदक – जैविक अभियांत्रिकी, एमटेक	अनन्या शर्मा
संस्थान स्वर्ण पदक – सिविल अभियांत्रिकी, एमटेक	आश्रय सक्सेना
संस्थान स्वर्ण पदक – सिविल अभियांत्रिकी, एमटेक	ज़रनैन फ़याज़
संस्थान स्वर्ण पदक – रासायनिक अभियांत्रिकी, एमटेक	भौमिक पाटीदार
संस्थान स्वर्ण पदक – रासायनिक अभियांत्रिकी, एमटेक	चैत्रा बोरकर
संस्थान स्वर्ण पदक – विद्युत अभियांत्रिकी, एमटेक	शाह हेनिल वीरंगभाई
संस्थान स्वर्ण पदक – भू प्रणाली विज्ञान, एमटेक	किरण बरसू धनगर
संस्थान स्वर्ण पदक – यांत्रिक अभियांत्रिकी, एमटेक	आदित्य विनायक नटू
संस्थान स्वर्ण पदक – पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी, एमटेक	प्रिया सूर्यकान्त गाडेकर
संस्थान रजत पदक – सिविल अभियांत्रिकी, बीटेक	शाह हर्ष सरजू
संस्थान रजत पदक – रासायनिक अभियांत्रिकी, बीटेक	शुभी माहेश्वरी
संस्थान रजत पदक – संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	पाटिल रोहन प्रशांत
संस्थान रजत पदक – यांत्रिक अभियांत्रिकी, बीटेक	अंकुश मिश्रा
संस्थान रजत पदक – पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	बी ध्यानेश
संस्थान रजत पदक – रसायन विज्ञान, एमएससी	मोहित कुमार
संस्थान रजत पदक – गणित, एमएससी	जी गोमथी

संस्थान रजत पदक - भौतिक विज्ञान, एमएससी	अक्षत खन्ना
संस्थान रजत पदक - विद्युत अभियांत्रिकी, एमटेक	जैन जैनेन्द्र बृजकुमार
संस्थान रजत पदक - यांत्रिक अभियांत्रिकी, एमटेक	जाटेगाओंकर चिण्मय शिरीष
निदेशक स्वर्ण पदक, बीटेक	गंगवाल उत्कर्ष संदीप
निदेशक स्वर्ण पदक, एमएससी व एमए	एकता लाहिरी
निदेशक स्वर्ण पदक, एमटेक	जैन जैनेन्द्र बृजकुमार
निदेशक स्वर्ण पदक, पीएचडी	गोल्डी यादव
निदेशक रजत पदक - सिविल अभियांत्रिकी, बीटेक	निशांत
निदेशक रजत पदक - रासायनिक अभियांत्रिकी, बीटेक	देव अजय कक्कड़
निदेशक रजत पदक - संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	कनिष्क कालरा
निदेशक रजत पदक - विद्युत अभियांत्रिकी, बीटेक	दीपिका सोनी
निदेशक रजत पदक - यांत्रिक अभियांत्रिकी, बीटेक	वंदित गोयल
निदेशक रजत पदक - पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी, बीटेक	मुलास्थम अमिथा रानी
उत्कृष्ट नवीनता के लिए स्वर्ण पदक	चंदन कुमार झा
उत्कृष्ट समाज सेवा के लिए स्वर्ण पदक	उत्सव प्रशांत राका
ईमानदारी व अनुकरणीय मानवीय गुणों के लिए स्वर्ण पदक	सोलंकी सोहम प्रतीक
उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए स्वर्ण पदक, बीटेक	वरुण बीरेन डोलिया
उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए स्वर्ण पदक, एमटेक	मयंक नौटियाल
उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए स्वर्ण पदक, पीएचडी	मनु कूरियन
खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक	शुभी माहेश्वरी
एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक	दीपेन्द्र कुमार
तैराकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक	बी ध्यानेश
बाहरी खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक	विशेष रॉय आनंद
कला व संस्कृति में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक	प्रांजल सिंह
आरंभिक बैच में उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए स्वर्ण पदक	शिवांग पारीक
अभियांत्रिकी ग्राफिक्स, व उत्पादन तथा कार्यशाला अभ्यास के मुख्य पाठ्यक्रम में उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक	पटेल उर्विशकुमार जयरामभाई
मानविकी व सामाजिक विज्ञान के समस्त मुख्य पाठ्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सर्वण पदक	जैन हर्षिल राकेश
मानविकी व सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक	शांतनु जाना
गणित के मुख्य पाठ्यक्रम में उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक	शाह ध्रुविन मनीष
भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा जीवन विज्ञान के मुख्य पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक	किशन एन गौड़ा

छात्र

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर छात्रों का कार्यक्रम के अनुसार सारांश

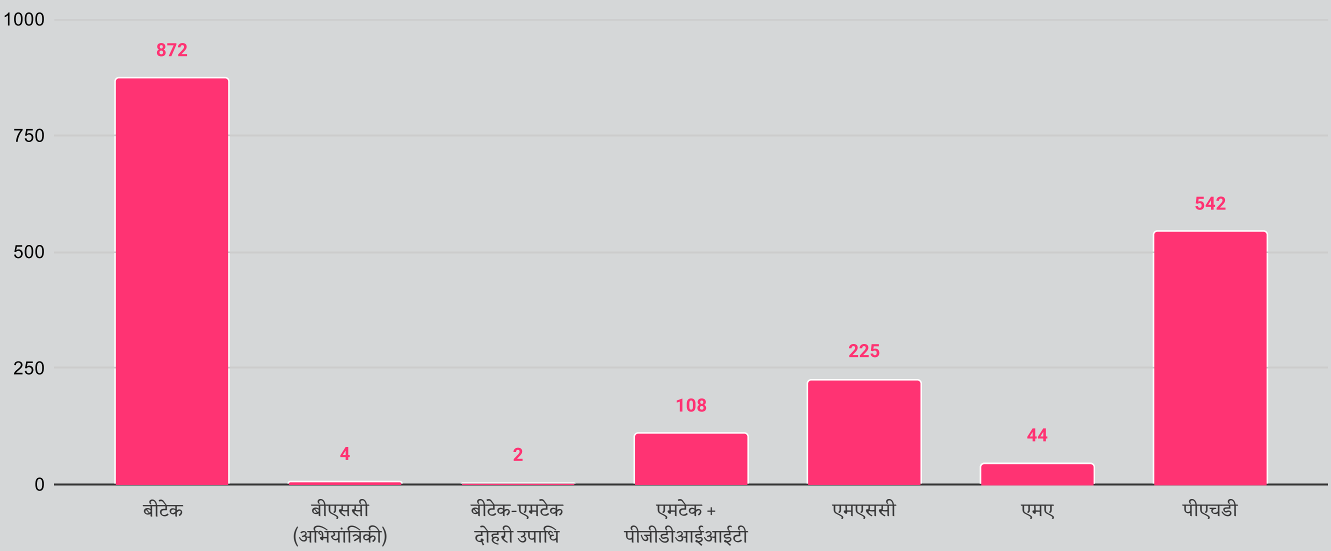

लघु पाठ्यक्रम

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में 2010 से लघु पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। यह 1-क्रेडिट के 10 से 12 घंटों की भागीदारी के पाठ्यक्रम होते हैं। संस्थान औसतन प्रत्येक सत्र में 8-9 पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है, जो अब तक कुल 192 हो चुके हैं। विशेष रूप से, संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष मई 2021 - मार्च 2022 में 24 लघु पाठ्यक्रमों की पेशकश की है। इसमें विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे **प्रो माइकल विंकलर,** इंस्टिट्यूट फर मैथमेटिक के प्राध्यापक, यूनिवर्सिटेट पेडरबर्न, जर्मनी द्वारा **केमोटेक्सिस प्रणाली का विश्लेषण**, से लेकर **प्रो कृष्णेंदु सेनगुप्ता,** सैद्धांतिक भौतिकी के प्रोफेसर, आईएसीएस, कलकाता द्वारा **टोपोलोजिकल और ठंडे परमाणु प्रणालियों के कुछ पहलू,** शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों से विभिन्न विषयों और स्तरों के 300 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए हैं। लघु पाठ्यक्रम संस्थान के सर्व-समावेशी दर्शन का प्रमाण हैं।

ऐसे प्रारुप में उपलब्ध पाठ्यक्रमों के कई कारण हैं। इन लघु पाठ्यक्रमों से निम्नलिखित की अनुमति मिलती है:

क) वैश्विक स्तर पर शोधकर्ताओं से सक्रिय बातचीत तथा इन-हाउस पोर्टफोलियो में बदलाव के लिए

ख) विस्तृत विषयों को समेकित करने के लिए जो निर्धारित पाठ्यक्रम में शामिल हो पाते हैं

ग) सभी के लिए खुले मंच द्वारा अंतर विषयक विचारों को बढ़ावा देने के लिए

अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के मध्य आयोजित लघु पाठ्यक्रमों की सूची इस प्रकार है:

- टोपोलोजिकल और ठंडे परमाणु प्रणालियों के कुछ पहलू, **प्रो कृष्णेंदु सेनगुप्ता,** सैद्धांतिक भौतिकी के प्रोफेसर, आईएसीएस, कलकत्ता, प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार, मई 25 – जुलाई 2, 2021
- वैज्ञानिक लेखन (अनुखंड 1-5), **डॉ मोनल के देसाई**, शिक्षण सहयोगी, लेखन स्टूडियो, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, प्रत्येक बृहस्पतिवार व शुक्रवार जुलाई 15 - अगस्त 13, 2021
- विज्ञान में गणित लेखन (अनुखंड 1-4), **डॉ मोनल के देसाई,** शिक्षण सहयोगी, लेखन स्टूडियो, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, प्रत्येक सोमवार व मंगलवार जुलाई 19 - अगस्त 10, 2021
- वित्त बाज़ार की समझ, **श्री विपिन चौधरी**, प्रमुख, मार्केट रिस्क डेटा व एनेलिटिक्स, ड्यूश बैंक, मुंबई, प्रत्येक शनिवार व रविवार अगस्त 14 - सितंबर 19, 2021
- डिजिटल टेरेन मॉडल (डीटीएम): डेटा स्रोत व प्रसंस्करण, **प्रो प्रदीप श्रीवास्तव**, सहायक प्राध्यापक, भू विज्ञान, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, अगस्त 16-30, 2021
- अभियंताओं के लिए अनुसंधान पद्धति और कौशल, **डॉ राज छाबड़ा**, प्रौध्योपक व मार्गदर्शक, भा॰प्रौ॰सं॰ रोपड़, प्रत्येक मंगलवार व बृहस्पतिवार अगस्त 17 - सितंबर02, 2021
- घरेलू अपशिष्ट जल का प्रबंधन - वाहन, उपचार और पुनः उपयोग: दृष्टिकोण में प्रतिमान परिवर्तन, **प्रो सुधीर के अरोड़ा**, अभ्यास से प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, बृहस्पतिवार, शुक्रवार व शनिवार अगस्त 20 – सितंबर 24, 2021
- मांग पक्ष प्रबंधन और ऊर्जा दक्षता “नीतियां और विनियम”, **प्रो आनंद कुमार,** अभ्यास से प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, रविवार, सोमवार व बुधवार अगस्त 29 – सितंबर 19, 2021
- फ्लैश फिकशन: चलते-फिरते कहानी कहना, **निविद देसाई,** शिक्षण सहयोगी, लेखन स्टूडियो, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, सितंबर 13, 15, 17, 20 एवं 22, 2021
- भारत में विद्युत विनिमय, **प्रो आनंद कुमार,** अभ्यास से प्राध्यापक,

विद्युत अभियांत्रिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार अक्टूबर 15 - नवंबर 16, 2021

- ऊर्जा रूपांतरण और इलेक्ट्रो-ऑर्गेनिक संश्लेषण के लिए होमोजेनस इलेक्ट्रोकैटेलिसिस, **प्रो बिस्वजीत मंडल**, सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, नवंबर 09, 17, 20, 22 एवं 23, 2021
- कार्बनिक इलेक्ट्रोनिक्स, **प्रो अनिर्बन मंडल**, सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, नवंबर 09, 17, 19, 22 एवं 23, 2021
- सी*-बीजगणित, **प्रो एस सुंदर**, सहायक प्राध्यापक, गणित विभाग, आईएमएससी, चेन्नई, प्रत्येक बुधवार, शनिवार और रविवार दिसंबर 04-26, 2021
- वैज्ञानिक लेखन, **डॉ मोनल के देसाई**, शिक्षण सहयोगी, लेखन स्टूडियो, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, प्रत्येक मंगलवार और बुधवार दिसंबर 14, 2021 - जनवरी 12, 2022
- विज्ञान के लिए गणित लेखन, **डॉ मोनल के देसाई**, शिक्षण सहयोगी, लेखन स्टूडियो, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, प्रत्येक बृहस्तिवार और शुक्रवार दिसंबर 16, 2021- जनवरी 13, 2022
- पुरातत्वविज्ञान और भू-आकृति विज्ञान में ऐतिहासिक मानचित्रों और उनके अध्ययन का परिचय, **डॉ एकता गुप्ता,** अर्ली करियर फेलो, एएसससी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, प्रत्येक मंगलवार, बृहस्पतिवार, शनिवार एवं रविवार जनवरी 11-27, 2022
- समीपस्थ सतही पृथ्वी की रोगोपचार, **प्रो आर एन सिंह,** अभ्यागत प्राध्यापक, भू विज्ञान, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर; और **डॉ रवि के प्रसाद,** पोस्टडॉक्टोरल फेलो, एएससी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर; जनवरी - अप्रैल 2022 के बीच 10 सत्र लिए गए
- तैनाती और नौवहन के लिए अंतरिक्ष आधारित प्रणालियां, **प्रो प्रदीप श्रीवास्तव**; जनवरी 22 - मार्च 07, 2022 के बीच 12 सत्र लिए गए
- विनियामक अर्थशास्त्र और दर निर्माण, **प्रो आनंद कुमार,** अभ्यास से प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार जनवरी 28 - फरवरी 28, 2022
- केमोटेक्सिस प्रणाली का विश्लेषण, **माइकल विंकलर,** इंस्टिट्यूट फर मैथमेटिक के प्राध्यापक, यूनिवर्सिटेट पेडरबर्न, जर्मनी, जनवरी 28-29, फरवरी 4-5, एवं 11-12, 2022
- घरेलू अपशिष्ट जल का प्रबंधन - वाहन, उपचार और पुनः उपयोग: दृष्टिकोण में प्रतिमान परिवर्तन, **प्रो सुधीर के अरोड़ा**, अभ्यास से प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, जनवरी 31-फरवरी 04, 07-11, 2022
- 3डी स्कैनिंग और प्रिंटिंग, **श्री लक्ष्मीकांत शर्मा,** एप्लीकेशन सलाहकार, एलटेम प्रौद्योगिकी प्रा॰लि॰, फरवरी 21-25, 2022
- 2030 के बाद नवीकरणीय ऊर्जा का भविष्य, **प्रो आनंद कुमार,** अभ्यास से प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार से मार्च 22 - अप्रैल 22, 2022
- अभियांत्रिकी के लिए लेखन, **निविद देसाई,** शिक्षण सहयोगी, लेखन स्टूडियो, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, मार्च 28 एवं 30, तथा अप्रैल 2, 4 व 6, 2022

छात्र मामले

नियुक्ति, अंत:शिक्षुता तथा उच्च शिक्षा 2021

परिसर नियुक्ति 2021

हमने महामारी के बावजूद पिछले साल की तुलना में नियुक्तियों में सुधार देखा है। पिछले वर्ष की तुलना में, हमने उन संगठनों की संख्या में लगभग 20% की वृद्धि देखी है जिन्होंने हमारे छात्रों की भर्ती में रुचि दिखाई है। औसत पैकेज में लगभग 10% की वृद्धि देखी गई है जबकि औसत पैकेज में लगभग 18% की वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, हमने अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी, आईटी-सॉफ्टवेयर, वित्त, परामर्श, अनुसंधान एवं विकास, शिक्षा, सेवाओं आदि सहित क्षेत्रों के व्यापक स्पेक्ट्रम से प्रस्ताव आते हुए देखे हैं। निम्नलिखित संगठनों ने 2021 में निवर्तमान स्नातक बैच की परिसर नियुक्त की पेशकश की:

संगठनों के नाम:

- आरती उद्योग लिमिटेड
- एस्सेंचर
- एकनेट प्रौद्योगिकी इंक
- अडानी इंटरप्राइज़ लिमिटेड
- अडानी अवसंरचना संस्थान, अहमदाबाद
- अडानी टोटल गैस लिमिटेड
- एडवर्ब प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड
- अमागी मीडिया प्रयोगशाला प्राइवेट लिमिटेड
- आर्सेलर मित्तल भारती निप्पोन स्टील लिमिटेड
- एक्सिस माई इंडिया लिमिटेड
- एक्सेला सलाहकार सेवा
- बानको उत्पाद (भारत) लिमिटेड
- अमेरिकी बैंक
- बारक्लेस
- केडिला फार्मासियूटिकल्स लिमिटेड
- उन्नत कम्प्यूटर विकास केंद्र
- भारतीय सेरेमॉर्फिक प्राइवेट लिमिटेड
- क्लूमियो, इंक
- भारतीय डी ई शॉ प्राइवेट लिमिटेड
- डेसिमल पॉइंट एनेलिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- एनफेज़ सौर ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड
- गेल
- जीसीएमएमएफ लि (अमूल)
- जीईपी वर्ल्डवाइड
- गोल्डमेन शैक्स सेवा प्राइवेट लिमिटेड
- ग्रेविटॅान अनुसंधान केपिटल एलएलपी
- भारतीय हेलीबर्टन विकास केंद्र
- हेमानी उद्योग लिमिटेड
- एचएलई ग्लासकोट लिमिटेड
- आवरग्लास अनुसंधान प्राइवेट लिमिटेड
- आई एंड इंश्योरेंस ब्रोकर प्राइवेट लिमिटेड
- आईसीयू चिकित्सा भारत एलएलपी
- इंमपेक्ट गुरू प्रौद्योगिकी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
- इंफोसिस
- आईक्यूवीईए
- जगुआर लेंड रोवर भारत
- जियो प्लेटफॉर्म लिमिटेड
- जेएसडब्लू स्टील लिमिटेड
- के12 टेक्नो सेवा प्राइवेट लिमिटेड
- एल एंड टी प्रौद्योगिकी सेवा
- लार्सन व टुबरो लिमिटेड
- महिंद्रा एंड महिंद्रा वित्त सेवाएं लिमिटेड
- मारवेल प्रौद्योगिकी, इंक
- मेरिलिटिक्स
- न्यूज़ेरा टेक प्रयोगशाला प्राइवेट लिमिटेड
- न्यूटानिक्स प्रौद्योगिकी भारत प्राइवेट लिमिटेड
- पारुल विश्वविद्यालय
- पिरिमिड फिनटेक एलएलपी
- पोस्टडॉट प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड (पोस्टमैन)
- पबलिक्स सेपिएंट
- सेडेमेक मेकाट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- सिल्वर बुलेट
- एसआईएम सलाहकार
- स्पेक्ट्रम टेक्नो सलाहकार प्राइवेट लिमिटेड
- स्टरलाइट प्रौद्योगिकी लिमिटेड
- स्ट्रेंड जीवन विज्ञान
- सुज़लॉन ऊर्जा लिमिटेड
- टाटा परामर्श सेवाएं आर एंड डी प्रभाग
- टाटा ऊर्जा
- टेस्टबुक एडु सोलूशंस प्राइवेट लिमिटेड
- टॉपर
- ट्रेडेंस एनेलिटिक्स
- ट्रॉइका फार्मासियूटिकल्स लिमिटेड
- विप्रो
- ज़ाइलम जल उपचार भारत प्राइवेट लिमिटेड
- ज़ेडएस एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड

ग्रीष्मकालीन अंत:शिक्षुता 2021

कोविड महामारी के कारण शैक्षणिक अंत:शिक्षुता आभासी रूप से संपन्न किए गए। तकरीबन 25 छात्रों ने कुछ बेहतरीन संस्थानों से आभासी अंत:शिक्षुता पूरी की जिसमें केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, संराअ; क्लेमसन विश्वविद्यालय, संराअ; नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिंगापोर; वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, संराअ; केएयूएसटी, सउदी अरेबिया शामिल हैं।

निम्नलिखित 25 छात्रों ने अतंरराष्ट्रीय संस्थानों से अपनी आभासी अंत:शिक्षुता प्राप्त की:

विदेशी संस्थान

छात्र का नाम	विषय	संचालक संस्थान
क्रिस फ्रांसिस	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, संराअ
पलक पुरोहित	विद्युत अभियांत्रिकी	केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, संराअ
ध्रुव मेनन	पदार्थ अभियांत्रिकी	केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, संराअ
ए के गोकुल रमण	रासायनिक अभियांत्रिकी	क्लेमसन विश्वविद्यालय, संराअ
भट्ट प्रत्युश हेमंत	रासायनिक अभियांत्रिकी	क्लेमसन विश्वविद्यालय, संराअ
ठक्कर देवांशु निलेश	रासायनिक अभियांत्रिकी	क्लेमसन विश्वविद्यालय, संराअ
गोंडालिया ध्रुवी रमणीकलाल	सिविल अभियांत्रिकी	ग्रेनोबल एल्प्स विवि, फ्रांस
पटेल नील किरणकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय, संराअ
ऋक राणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय, संराअ
वगीशा	विद्युत अभियांत्रिकी	केएयूएसटी, सउदी अरेबिया
आरिश पराग शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिंगापोर
ध्रुवी प्रकाश लोधाविया	विद्युत अभियांत्रिकी	नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिंगापोर
हर्ष महेन्द्र भाई पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिंगापोर
नवनीत कौर	यांत्रिक अभियांत्रिकी	नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिंगापोर
लोधा आयुश मनोजकुमार	सिविल अभियांत्रिकी	मायामी विश्वविद्यालय, संराअ
दवे हरी मनीश	सिविल अभियांत्रिकी	मायामी विश्वविद्यालय, संराअ
शाह जय आशीश	रासायनिक अभियांत्रिकी	मायामी विश्वविद्यालय, संराअ
राहुल गुप्ता	यांत्रिक अभियांत्रिकी	मायामी विश्वविद्यालय, संराअ
अदिति गेरा	रासायनिक अभियांत्रिकी	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, संराअ
एस गणेश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, संराअ
प्रवीण वेण्कटेश	विद्युत अभियांत्रिकी	पिश्चिमी विवि, संराअ
अश्वनी सुनील राय	सिविल अभियांत्रिकी	टेक्सस ए एंड एम विश्वविद्यालय, संराअ
इशिका पाठक	विद्युत अभियांत्रिकी	टेक्सस ए एंड एम विश्वविद्यालय, संराअ
पार्थ मदन	रासायनिक अभियांत्रिकी	टेक्सस ए एंड एम विश्वविद्यालय, संराअ
एंजल मारिया वर्गीश	मानविकी व सामाजिक विज्ञान	क्लेमसन विश्वविद्यालय, संराअ

भारतीय संगठन

छात्रों के दूसरे समूह (146 ग्रीष्मकाल के दौरान तथा शीतकाल के समय 22) ने भारत के अग्रणी उद्योगों तथा संस्थानों में अपनी अंत:शिक्षुता प्राप्त की:

स्थानीय अंत:शिक्षुता (ग्रीष्मकाल)

छात्र का नाम	विषय	संचालक संस्थान
रूपक शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	एबीबी ऊर्जा उत्पाद व प्रणाली भारत
मोदी श्रिल परेश	विद्युत अभियांत्रिकी	एक्सेंचर
विराज कल्पेश शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	एक्सेंचर
दिव्यांशु मीणा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एडाफेस
कोकदवार वैश्वणवी अरुण	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एलटेयर अभियांत्रिकी इंक
जानी ध्येय हरेशभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	अशोका विश्वविद्यालय
कुमार आयुश परमहंस	विद्युत अभियांत्रिकी	अशोका विश्वविद्यालय
जय राहुलभाई शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	अशोका विश्वविद्यालय

छात्र का नाम	विषय	संचालक संस्थान
दागा पार्थ प्रकाश	रासायनिक अभियांत्रिकी	ब्लैक आर्मर
रचित श्रीमल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
ध्रुव दारडा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
श्रेयष सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
श्रेष्ठ तोशनीवाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
अनुष्का नीती	सिविल अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
भूमिका मंडोलोई	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
बिक्कूमल्ला ऋषिता	सिविल अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
जितेन्द्र कुमार	पदार्थ अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
पल्लव जैन	पदार्थ अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
प्रतीक कुमार झा	पदार्थ अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
विश्वास जोशी	पदार्थ अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
दीपक पटेल	रासायनिक अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
प्रसन्ना डी	रासायनिक अभियांत्रिकी	केपजेमिनी
गुडिवड़ा वेण्कट पृद्वी तेज	विद्युत अभियांत्रिकी	सेरेमॉर्फिक इंक
हरीश मेघवाल	विद्युत अभियांत्रिकी	सेरेमॉर्फिक इंक
प्रजापति प्रदीपभाई दहयाभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	सेरेमॉर्फिक इंक
काबरा अर्पिता संजय	विद्युत अभियांत्रिकी	सेरेमॉर्फिक इंक
ध्रुविन पंकजकुमार पटेल	विद्युत अभियांत्रिकी	सेरेमॉर्फिक इंक
अनिकेत रजनीश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	क्रेजी लैब्स लिमिटेड
निशिकांत परमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	डी ई शॉ भारत प्राइवेट लिमिटेड
वरुण जैन	विद्युत अभियांत्रिकी	डी ई शॉ भारत प्राइवेट लिमिटेड
गुंटूरकर चैतन्य शशिकांत	पदार्थ अभियांत्रिकी	डी पी पल्वेराइजर उद्योग
अजिंक्या शिरीश पवार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	डेसिमल पॉइंट एनेलेटिक्स
अमेय अमोल कुलकर्णी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	डेसिमल पॉइंट एनेलेटिक्स
जानवी विनोदकुमार ठक्कर	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	डेसिमल पॉइंट एनेलेटिक्स
जोशी देवव्रत शैलेश	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	डेसिमल पॉइंट एनेलेटिक्स
सामा साई श्रेय मुदिराज	विद्युत अभियांत्रिकी	डिजिनीक टेकलैब्स
कनीश भगत	यांत्रिक अभियांत्रिकी	डाउटनट
साई यशवर्धन	रासायनिक अभियांत्रिकी	डीआरडीओ, डीएलआई
जितेन्द्र कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	अर्लीसेलेरी
प्रांशु कुमार गोंड	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अर्लीसेलेरी
अनुपम कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	इलेवनयल्लो पीटीई. लि.
रामोलिया हर्षित मनसुखभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	फेलटेल
भसीन अभिराज	यांत्रिक अभियांत्रिकी	फोर्ड मोटर कंपनी
कल्याण रेड्डि एस	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	जीएमएसी इंटेलीजेंस
विभूते प्रथमेश संजीवकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	गुडइयर दक्षिण एशिया टायर प्राइवेट लिमिटेड
पहुनि जैन	रासायनिक अभियांत्रिकी	हिंदुस्तान जिंक लि (एचज़ेडएल)
त्रिवेदी शुभांग कृष्णकांत	सिविल अभियांत्रिकी	भा०वि०सं० बेंगलोर
वशिष्ठ गौतम प्रशांत	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०वि०सं० बेंगलोर
निपुन महाजन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा०वि०सं० बेंगलोर
संजय वेण्किटेश	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे
देसाई आदेश केतन	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे
मद्देला सिद्धार्थ	यांत्रिक अभियांत्रिकी	आईआईईसी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
अनुशील कौला	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
शास्त्री हेतवी हीरेन	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
जयदीप गुलाप रमणानी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर

छात्र का नाम	विषय	संचालक संस्थान
काकड़िया जयदीप सुरेशभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
कमलेश अरुण सवादेकर	सिविल अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
कुलकर्णी शारदुल सुनील	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
कुंतल सुनीलकुमार पटेल	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
आर मिथुन	पदार्थ अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
प्रांकुश अग्रवाल	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
अथावे प्रसाद देवीदास	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
पूशण प्रवीन पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
रेड्डि वेण्कट नीरज कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
वाधवाना संकेत जगदीश कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
सौरित्रा गराई	रासायनिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
उदित	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
वैभव सैनी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
वैभव शर्मा	सिविल अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
यशी गौर	सिविल अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
आरुशी अर्नव	सिविल अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
रावी विनोदकुमार पटेल	सिविल अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
रियूबेन शिबू देवानेसन	रासायनिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
आयुष आनंद	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
अक्षत नायकू कोकणे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
मु आमिर सोहेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
सवुदम साई सात्विक	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
अभिज्ञान मार्टिन निनामा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
शाह रेवंत	रासायनिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
साक्षी जगताप	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
मुहम्मद यूसुफ हास्सन	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
तरुण शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
अर्पित कौशल	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
चौधरी क्षितिज मनीश	रासायनिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गुवाहाटी
सागर पारिख	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गुवाहाटी
ईशान रंधीर गुजराती	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० हैदराबाद
सृजन पाण्ड्या	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० कानपुर
सयान बिस्वास	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० कानपुर
प्रीत एस शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० कानपुर
सिद्धी प्रवीण सुरवार	पदार्थ अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० कानपुर
निमित अग्रवाल	विद्युत अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० खड़गपुर
सुमित कुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० मद्रास
प्रदीप सैनी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० रोपड़ टीआईएफ(एडब्लूएडीएच)
श्रेया सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	इनकोर सेमीकंडक्टर्स
बावरिया मीतकुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी	भारतीय विज्ञान अकादमी
जूही अल्पेशकुमार पारिख	पदार्थ अभियांत्रिकी	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
देसाई ऋशिक जतिन	पदार्थ अभियांत्रिकी	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
हर्षित कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	इनर इंजीनियरिंग
गौरव शर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	इनोवेटर्स एंड यू
उन्नत निखिल दवे	विद्युत अभियांत्रिकी	प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान
अनुराग कुरले	विद्युत अभियांत्रिकी	इंटरेस्टआईक्यू
मोरे यश हीरेन	विद्युत अभियांत्रिकी	इंटरेस्टआईक्यू

छात्र का नाम	**विषय**	**संचालक संस्थान**
कार्तिक हिल्लाल	रासायनिक अभियांत्रिकी	इपका प्रयोगशाला लिमिटेड
अर्पित वेणीलाल पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	आयरनलिस्ट
तेजेन्द्र पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	आईटीसी लिमिटेड
मैत्रेय ठाकुर	रासायनिक अभियांत्रिकी	आईटीसी लिमिटेड
तनिश्क ज़वारे	पदार्थ अभियांत्रिकी	आईटीसी लिमिटेड
वृतिक चंद्रेश शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	आईटीसी लिमिटेड
रोहित वर्मा	सिविल अभियांत्रिकी	जयपुर विकास प्राधिकरण
प्रीती चिलुवेरु	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	जेएसडब्लू समूह
धनेश जगदीश भुताडा	रासायनिक अभियांत्रिकी	जेएसडब्लू समूह
यश गौतम कांबले	विद्युत अभियांत्रिकी	जेएसडब्लू समूह
शिरोडकर रोहन निनाद	यांत्रिक अभियांत्रिकी	जेएसडब्लू समूह
मनीधर एम	रासायनिक अभियांत्रिकी	केएचएस मशीनर प्राइवेट लिमिटेड
इयारंदी साईनाथ	विद्युत अभियांत्रिकी	एलएसएफ युवा पर्यावरण समिति
आस्था जीवरजनी	पदार्थ अभियांत्रिकी	मेज़रस्कूल
शिवम साहनी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन
तेल्ला सेलवा सौम्या रानी	रासायनिक अभियांत्रिकी	राष्ट्रीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान, बेरहामपुर
बहेती साक्षी प्रभुलाल	रासायनिक अभियांत्रिकी	नेसले भारत
पुसालकर आदित्य दिलीप	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	न्यूज़ेरा टेक प्रयोगशाला प्राइवेट लिमिटेड
आदित्य त्रिपाठी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	न्यूज़ेरा टेक प्रयोगशाला प्राइवेट लिमिटेड
तण्मय शर्मा	रासायनिक अभियांत्रिकी	एनजोर्ड ट्रेडिंग (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
श्रुति प्रकाश गुप्ता	विद्युत अभियांत्रिकी	एनवीडिया कार्पोरेशन
कटपारा श्रुति अशोककुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	ऑपटम यूएचजी
सिद्धार्थ सोनी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	ऑपटम यूएचजी
तहा मुहम्मद सय्यद	रासायनिक अभियांत्रिकी	ऑपटम यूएचजी
विराज मितुल शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पंकज धरकर व सहायक
सी फाहीम शाहनवाज़	रासायनिक अभियांत्रिकी	प्रोग्रेड बाई एफएसीई प्रेप
राघव गोयल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पबलिक्स सेपिएंट
साक्षी योगेश काबरा	रासायनिक अभियांत्रिकी	राम समूह
कुशाग्र शर्मा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	अनुसंधान अभिकल्प व मानक संगठन
पुश्कर मजुमदार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सेमसंग आर एंड डी संस्थान भारत
सचिन यादव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सेमसंग आर एंड डी संस्थान भारत
दिशांक गोयल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सपतांग लैब्स प्राइवेट लिमिटेड
दुधात्रा हर्ष प्रवीणकुमार	सिविल अभियांत्रिकी	श्रीजी डेवलेपर्स
पार्थ सचान	सिविल अभियांत्रिकी	सिस्त्रा
ध्वनि मनीश शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	टाटा मोटर्स लिमिटेड
आदर्श गोलायत	यांत्रिक अभियांत्रिकी	टाटा इस्पात लिमिटेड
ऐशना अग्रवाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	दि गोल्डमैन शैक्स ग्रुप, इंक.
मेशराम यश अरुण	यांत्रिक अभियांत्रिकी	दि स्पार्क्स प्रतिष्ठान
धनश्री संजय इंगले	रासायनिक अभियांत्रिकी	दि होल ट्रुथ
ध्रुव महेश बुकिनकेरे	पदार्थ अभियांत्रिकी	थर्मेक्स लिमिटेड
कृष गुप्ता	पदार्थ अभियांत्रिकी	टिंगटिंग
अमन शर्मा	रासायनिक अभियांत्रिकी	टॉपर.कॉम
मेकला ऋषिता रवि	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	ट्रेडिंग कार्पोरेशन
प्रयागी ईशान सुनील	यांत्रिक अभियांत्रिकी	विश्वेश्वरइया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान

स्थानीय अंत:शिक्षुता (शीतकाल)

छात्र का नाम	विषय	संचालक संस्थान
आस्था जीवरजनी	पदार्थ अभियांत्रिकी	आद एक्सप्रेस
सिद्धि प्रवीण सुरावर	पदार्थ अभियांत्रिकी	आदित्य बिरला विज्ञान व प्रौद्योगिकी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
हरेश पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एआईवीआईडी प्रौद्योगिकी
मिथुन आर	पदार्थ अभियांत्रिकी	दि क्रिएटर इंडस्ट्रीज
आनंद कुमार यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एडविज़ो
अभिनव कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एफटेक्स को. लिमिटेड
सागर पारिख	विद्युत अभियांत्रिकी	ईइनफोचिप्स प्रशिक्षण व अनुसंधान अकादमी
आदेश देसाई	विद्युत अभियांत्रिकी	ईइनफोचिप्स प्रशिक्षण व अनुसंधान अकादमी
ध्रुव दारडा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	ग्रिप प्रतिष्ठान
मृत्युंजय सर्राफ	रासायनिक अभियांत्रिकी	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर
संजय वेण्किटेश	विद्युत अभियांत्रिकी	इनश्री एक्सेस सेवा प्रा. लि. (बूनबॉक्स)
अनिकेत रजनीश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	क्वाली
ध्रुवि गोंडलिया	सिविल अभियांत्रिकी	मेटेस्ट अभियांत्रिकी सेवा
वी पी शिवशंकरण	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमसीजी (मैसुरु सलाहकार समूह)
विशाल कुमार	रासायनिक अभियांत्रिकी	नशा मुक्त भारत अभियान
आर्यमान तोमर	विद्युत अभियांत्रिकी	एनएचपीसी लिमिटेड
उदित व्यास	विद्युत अभियांत्रिकी	न्यूज़ेरा टेक प्रयोगशाला प्राइवेट लिमिटेड
कुशाग्र शर्मा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	नोकिया कार्पोरेशन
हरीश मेघवाल	विद्युत अभियांत्रिकी	भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड
धनेश भुटाडा	रासायनिक अभियांत्रिकी	राम समूह
गौरव दालमिया	यांत्रिक अभियांत्रिकी	सीमेंस डिजिटल उद्योग प्राइवेट लिमिटेड
शुभम वर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	वेरज़ियो

विदेशों में उच्च शिक्षा पाने वाले कक्षा 2021 के अवरस्नातक छात्र

नाम	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में विषय	कार्यक्रम	संस्थान	राष्ट्र
बीटेक				
प्रकाश आर	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, संराअ	संराअ
वत्सल केतनकुमार जोशी	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमएस	कार्नेजी मेलन विवि, संराअ	संराअ
देव कक्कड़	रासायनिक अभियांत्रिकी	एमएस	कार्नेजी मेलन विवि, संराअ	संराअ
व्रज पटेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएससी	ईटीएच ज्यूरिक, स्विटज़रलेंड	स्विटज़रलेंड
मुहम्मद आसिम शेख़	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस-पीएचडी	किंग अबदुल्लाह विज्ञान व प्रौद्योगिकी विवि, सउदी अरेबिया	सउदी अरेबिया
दिनेश राज डी	पदार्थ अभियांत्रिकी	एमएस	कथोलिके यूनिवर्सिटेट लियूवेन, बेल्जियम	बेल्जियम
रनसी पिपालिया	सिविल अभियांत्रिकी	एमएस	पर्ड्यू विवि, संराअ	संराअ
कृतार्थ हेमंत खोट	पदार्थ अभियांत्रिकी	पीएचडी	पर्ड्यू विवि, संराअ	संराअ
वरुण बिरेन डोलिया	पदार्थ अभियांत्रिकी	पीएचडी	स्टेनफोर्ड विवि, संराअ	संराअ
रौनक नितिन कौशिक	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	केलिफोर्निया लॉस एंजिलेस विवि, संराअ	संराअ
रोहन प्रशांत पाटिल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एमएस	केलिफोर्निया सेन डिएगो विवि, संराअ	संराअ
चौहान जैनीश निलेशकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	केलिफोर्निया सेन डिएगो विवि, संराअ	संराअ
निधान हरीलाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	बोल्डर कोलोरेडो विवि, संराअ	संराअ
उत्कर्ष संदीप गंगवाल	सिविल अभियांत्रिकी	पीएचडी	डेलवेयर विवि, संराअ	संराअ
बी ध्यानेश	पदार्थ अभियांत्रिकी	एमएस	इलिनॉइस अरबाना-शेमपेन विवि, संराअ	संराअ
प्रांजलि अनिल बोरसे	सिविल अभियांत्रिकी	एमएस	इलिनॉइस अरबाना-शेमपेन विवि, संराअ	संराअ
शाह हर्ष सरजू	सिविल अभियांत्रिकी	पीएचडी	इलिनॉइस अरबाना-शेमपेन विवि, संराअ	संराअ
किशन एन गौड़ा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	मेरीलेंड विवि, कॉलेज पार्क, संराअ	संराअ

शाह ध्रुवल सुरेश	पदार्थ अभियांत्रिकी	एमएस	पेंसिलवेनिया विवि, संराअ	संराअ
पार्थ शिंडे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	एमएस	ऑस्टिन का टेक्सस विवि, संराअ	संराअ
रोहन मेवाड़ा	पदार्थ अभियांत्रिकी	एमएस	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, संराअ	संराअ
शाहज़ेब खान	सिविल अभियांत्रिकी	एमएस	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, संराअ	संराअ
मुलस्थम अमिता रानी	पदार्थ अभियांत्रिकी	पीएचडी	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, संराअ	संराअ
एमएससी				
जी गौमती	गणित	पीएचडी	बॉस्टन विद्यालय, संराअ	संराअ
निकिता अनिल कुमार	संज्ञानात्मक विज्ञान	पीएचडी	इकोले नोरमाले सुपीरियरे, फ्रांस	फ्रांस
केरेन फेलेसिया जे	संज्ञानात्मक विज्ञान	पीजी अनुसंधान अध्येतावृत्ति	स्कोला इंटरनेशनले सुपीरियरे डी स्टडी एवनज़ती, इटली	इटली
शिवांगी शर्मा	रसायन विज्ञान	पीएचडी	टेक्सस ए एंड एम विश्वविद्यालय, संराअ	संराअ
थारन एस	संज्ञानात्मक विज्ञान	पीएचडी	ऑस्टिन का टेक्सस विवि, संराअ	संराअ
वैष्णवी शिवप्रसाद	संज्ञानात्मक विज्ञान	पीएचडी	कनेक्टिकट विवि, संराअ	संराअ
अविनव मुखोपाध्याय	गणित	पीएचडी	फ्लोरिडा विवि, संराअ	संराअ
रुपेन्द्र कश्यप	गणित	पीएचडी	पिट्सबर्ग विवि, संराअ	संराअ
एमटेक				
आदर्श पायल	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	बार इयान विवि, इज़रायल	इज़रायल
सोम दीक्षित	पदार्थ अभियांत्रिकी	पीएचडी	ऑटोमोटिव अनुसंधान का क्लेमसन अंतरराष्ट्रीय केंद्र, संराअ	संराअ
पंखुड़ी सिन्हा	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	इंस्टिट्यू क्यूरी, फ्रांस	फ्रांस
अनुराग शर्मा	पदार्थ अभियांत्रिकी	पीएचडी	नानयांग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिंगापोर	सिंगापोर
सोजित्रा कंदर्प अशोकभाई	रासायनिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	टेक्सस ए एंड एम विश्वविद्यालय, संराअ	संराअ
सईस नाफिज़ हसन	विद्युत अभियांत्रिकी	एमएस	दि एफएच आचेन – एप्लाइड विज्ञान का आचेन विवि, जर्मनी	जर्मनी
चंद्रमा घोष	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	दि इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर मिकेनिज्म एंड मशीन पॉलिश एकेडमी ऑफ साइंश, पोलेंड	पोलेंड
आश्रय सक्सेना	सिविल अभियांत्रिकी	पीएचडी	ऑस्टिन का टेक्सस विवि, संराअ	संराअ
चिराग अनिलकुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीएचडी	टोकयो विवि, जापान	जापान
तमालिका पॉल	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	वर्जीनिया राजकीय पॉलीटेकनीक विवि, संराअ	संराअ
एमए				
जोइता दास	एचएसएस	पीएचडी	सिंगापोर राष्ट्रीय विवि, सिंगापोर	सिंगापोर
श्रुति कृष्णन	एचएसएस	पीएचडी	ओरिएंटल व अफ्रीकन अध्ययन विद्यालय, यूके	यूके
मुहम्मद जावेद	एचएसएस	एमए	दि ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट, जेनेवा, जेनेवा (आईएचईआईडी), स्विटज़रलेंड	स्विटज़रलेंड

भारत में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले कक्षा 2021 के अवरस्नातक छात्र

नाम	भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में विषय	कार्यक्रम	संस्थान
बीटेक			
आनंद मर्चेंट	रासायनिक अभियांत्रिकी	पीजीपी	भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता
हर्षल राष्ट्रपाल थूल	रासायनिक अभियांत्रिकी	पीजीपी	भारतीय प्रबंध संस्थान इंदोर
दीपिका सोनी	विद्युत अभियांत्रिकी	पीजीपी	भारतीय प्रबंध संस्थान इंदोर
दीप निलिम दास	यांत्रिक अभियांत्रिकी	पीजीपी	भारतीय प्रबंध संस्थान कोज़ीकोड
बानोथ विष्णु साई नायक	पदार्थ अभियांत्रिकी	एमएससी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
एमएससी			
उथरा ब्रहदीश	संज्ञानात्मक विज्ञान	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
मोहित कुमार	रसायन विज्ञान	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी
एमटेक			
राजलक्ष्मी पाण्डे	विद्युत अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलोर
अनन्या शर्मा	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलोर

सोमेश नाना शिंगने	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलोर
हेनिल शाह	विद्युत अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे
अमित भोंगड़े	विद्युत अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
वेगद उर्मिन देवेनभाई	सिविल अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पंकज यादव	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
अक्सिता पटेल	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
प्रथमेश भदाने	पदार्थ अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
अक्षय कुमार सोनी	पदार्थ अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी
ज्योती कुमारी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
साहिल वाणी	सिविल अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
प्रज्वल कुमार सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
शाइनी पंडित	जैविक अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की
अंकिता शाही	पदार्थ अभियांत्रिकी	पीएचडी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की
एमएएससी			
राजसी मुखर्जी	एचएसएस	एमफिल	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे

शोध प्रकाशनों के लिए नकद पुरस्कार:

28 मार्च, 2013 को अपनी 9वीं बैठक में, शासी मंडल ने अवरस्नातक और अधिस्नातक छात्रों को सहकर्मी-समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में एक नकद पुरस्कार योजना की मंजूरी दी थी। वर्ष 2021-22:

छात्र का नाम	कार्यक्रम
लवप्रीत सिंह	बीटेक
चौहान जैनिश निलेशकुमार	बीटेक
कविता वैष्णव	बीटेक
आर प्रकाश	बीटेक
व्रज पटेल	बीटेक
कनिश्क कालरा	बीटेक
मुहम्मद आसिम शेख़	बीटेक
निधिन हरीलाल	बीटेक
वरुण बिरेन डोलिया	बीटेक
कौशल मोदी	बीटेक
सोमेश प्रताप सिंह	बीटेक में डुअल मेजर
अखिल अनिल राजपूत	बीटेक (पूर्व छात्र)
सम्मेद शांतिनाथ कागी	बीटेक (पूर्व छात्र)
गोहिल वरुण चंद्रशेखर	बीटेक (पूर्व छात्र)
समित वालिया	बीटेक (पूर्व छात्र)
वेण्कट साई अखिल वारी	बीटेक (पूर्व छात्र)
बेदमुथा मानस सतीश	बीटेक (पूर्व छात्र)
केविन पटेल	बीटेक (पूर्व छात्र)
नमन जैन	बीटेक (पूर्व छात्र)
बी प्रणव चक्रवर्ती	बीटेक – एमटेक दोहरी उपाधि (पूर्व छात्र)
सुधीर	एमएससी
सान्या जैन	एमएससी
दीपतिजा पाण्डे	एमटेक
मेहता दीप त्रिलोककुमार	एमटेक
अनंत मिश्रा	एमटेक

छात्र का नाम	कार्यक्रम
किरण बारसु धानगर	एमटेक
रोहित गहलोत	एमटेक
अक्षय राजीव	एमटेक
लिट्टन भंडारी	एमटेक (पूर्व छात्र)
आकाश किरण वर्मा	एमटेक (पूर्व छात्र)
आकिब खान	एमटेक (पूर्व छात्र)
ईशिता दोशी	एमटेक (पूर्व छात्र)
कपिलकुमार मेहता	एमटेक (पूर्व छात्र)
कौशिक भौमिक	एमटेक (पूर्व छात्र)
प्रसन्ना पी कुलकर्णी	एमटेक (पूर्व छात्र)
सौरव मुकुल तिवारी	एमटेक (पूर्व छात्र)
दीप शाह	एमटेक (पूर्व छात्र)
त्रिसरोत देब	एमटेक (पूर्व छात्र)
अजय कुमार	एमएससी (पूर्व छात्र)
तान्या हांस	एमएससी (पूर्व छात्र)
तरुण कुमार	एमएससी (पूर्व छात्र)
आलोक कुमार ठाकुर	एमटेक (पूर्व छात्र)
कृष्ण कुमार	एमटेक (पूर्व छात्र)
कुणाल भारद्वाज	एमटेक (पूर्व छात्र)
ऋषभ पाटीदार	एमटेक (पूर्व छात्र)
जाधव सयाली नितिन	एमटेक (पूर्व छात्र)
स्वरूपकुमार सुरवासे	एमटेक (पूर्व छात्र)
विशेष शर्मा	एमटेक (पूर्व छात्र)
मुहम्मद ज़ाफर अहमद	एमटेक (पूर्व छात्र)
शालिनी भारत	एमटेक (पूर्व छात्र)
प्रतीक प्रजापति	पीएचडी व एमटेक (पूर्व छात्र)

छात्रवृत्तियां

छात्रों के लिए छात्रवृत्तियां एवं वित्तीय सहयोग

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का मानना है कि वित्तीय बाध्यताएं किसी भी छात्र की शैक्षणिक यात्र में रुकावट न बनें। संस्थान वित्तीय सहायता प्रदान करने में बहुत उदार है तथा यहां के छात्रवृत्ति कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी छात्र उसके/उसकी वित्तीय परिस्थिति के कारण वंचित न महसूस करे। इसके लिए संस्थान ने कई छात्रवृत्तियां तथा वित्तीय सहायता प्रणालियां स्थापित की हैं जैसे दानदाता छात्रवृत्ति, उत्कृष्टता छात्रवृत्ति, टीएमएल-एफएपी (टाटा मोटर वित्तीय सहायता कार्यक्रम), ट्यूशन शुल्क में छूट आदि। उपरोक्त के अलावा, संस्थान वित्तीय अनुदान, ब्याज मुक्त लघु / दीर्घकालिक ऋण के रूप में वित्तीय छात्रों को अपनी आवश्यकताओं के लिए शैक्षणिक शुल्क, छात्रावास शुल्क, किताबें, कंप्यूटर, जेब खर्च, चिकित्सा आपात स्थिति (बीमा से आच्छादित), सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों, अंत:शिक्षुता और शैक्षिक पर्यटन जैसे खर्चों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

ब्याज-मुक्त ऋण व अनुदान छात्र हितकारी निधि से उपलब्ध किए जाते हैं। दीर्घावधि ऋणों के लिए पुनर्भुगतान की तारीखें प्राप्तकर्ता छात्र के स्नातक की तारीख से अधिकतम 36 माह तक हो सकती हैं। अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋणों के विपरीत, वित्तीय अनुदान के रूप में प्राप्त सहायता को लाभार्थी छात्रों द्वारा पुनर्भुगतान नहीं किया जाता है।

छात्रों को प्राप्त कुल छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता

छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता के प्रकार	2021-22	
	लाभार्थियों की संख्या	छात्रवृत्ति की राशि (रु० में)
दस माह की अवधि तक प्रति माह रु.250/- प्रति माह की मुफ्त मौलिक भोजनालय व जेब खर्च राशि	84	32,89,350
दानदाता छात्रवृत्ति	58	69,35,000
उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	28	4,36.000
टीएमएल-एफएपी सहयोग	62	35,72,088
शैक्षिक शुल्क में छूट (यूजी)	208	3,69,66,709
शैक्षिक शुल्क में छूट (पीजी)	75	7,25,000
ब्याज मुक्त ऋण व अनुदान (छात्र हितैषी कोष से प्राप्त वित्तीय सहायता)	232	1,50,53,231
लैपटॉप अनुदान	42	16,80,000
कुल राशि (रु० में)	**789**	**6,86,57,378**

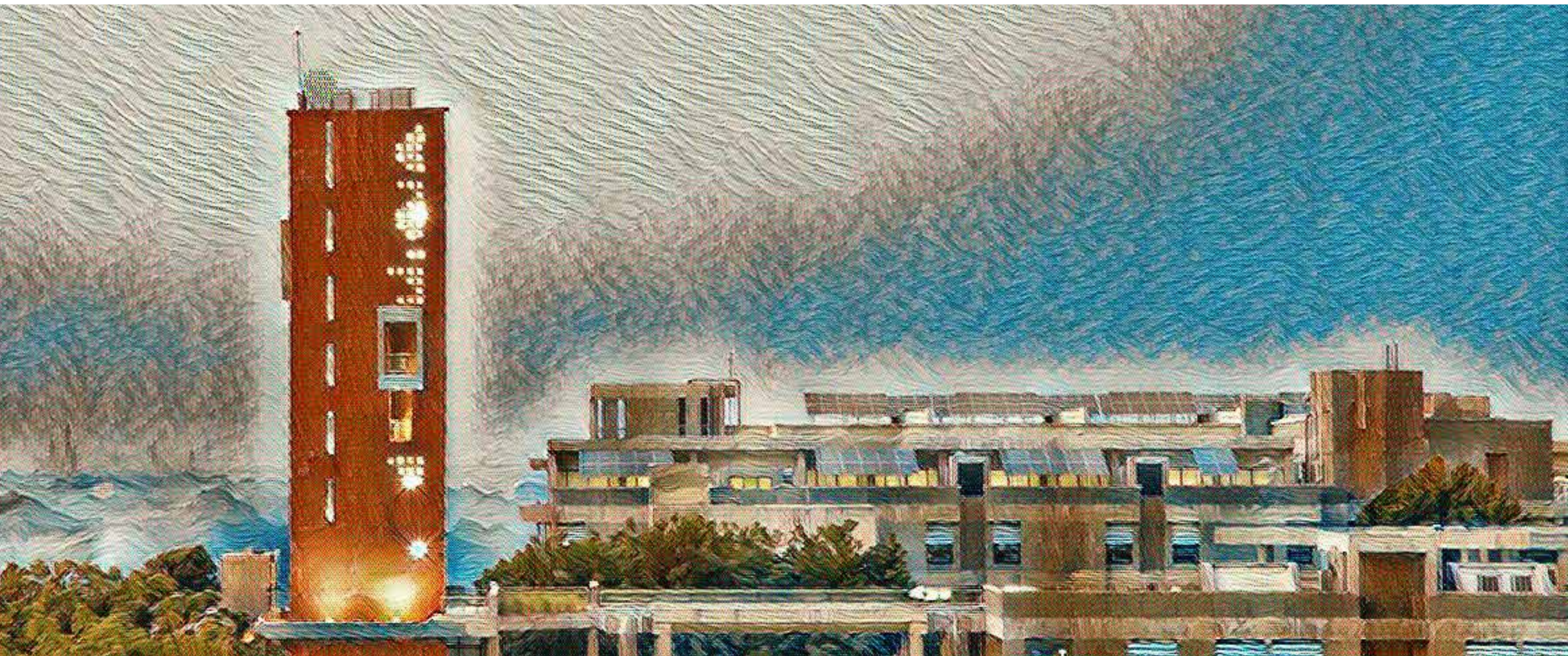

छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

अवरस्नातक छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

मंत्रालय के मानदंडों के अनुसार 1 लाख रुपये से कम की माता-पिता की आय वाले छात्रों की पूर्ण ट्यूशन फीस माफ की जाती है जबकि 1 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक की मूल आय वाले छात्रों की दो तिहाई फीस की माफी मिलती है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर एक लाख रुपये से 2.5 लाख रुपये तक की मूल आय वाले छात्रों को एक तिहाई ट्यूशन शुल्क की प्रतिपूर्ति करता है। यह सहायता छात्र हितकारी एवं कल्याण निधि अथवा उत्कृष्टता निधियों से प्रदान की जाती है।

कुल 51 विद्यार्थियों को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान इस अतिरिक्त 1/3 ट्यूशन शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ प्राप्त हुआ।

अधिस्नातक छात्रों के लिए वित्तीय सहायता

वे छात्र जिनकी पैतृक आय रु॰ 2.5 लाख तक है, उनकी ट्यूशन शुल्क में पूरी प्रतिपूर्ति की जाती है। यह सहायता छात्र हितैषी और कल्याणकारी कोष या अक्षय निधि के उत्कृष्टता कोष से प्रदान की जाती है।

वर्ष 2021-22 के दौरान कुल 75 अधिस्नातक (एमटेक, एमएससी तथा एमए) छात्रों को ट्यूशन शुल्क में पूरी छूट दी गई।

मुफ्त बुनियादी भोजनालय व जेब खर्च सहायता

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के सभी छात्र पूर्ण शिक्षण शुल्क माफी का लाभ उठाते हैं। इसके अलावा, संस्थान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों, जिनकी वार्षिक पैतृक आय 4.5 लाख रुपये तक है, को दस महीने के लिए 250 रुपये प्रति माह का मुफ्त बुनियादी भोजनालय व जेब खर्च प्रदान करता है। यह सहायता बीटेक और एमएससी (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के सभी छात्रों को प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के कुल 63 अवरस्नातक और 21 अधिस्नातक छात्र, जिनकी वार्षिक पैतृक आय इस सहायता के लिए निर्धारित सीमा के भीतर थी, को मुफ्त बुनियादी भोजन की सुविधा और दस महीने के लिए 250 रुपये प्रति माह का जेब खर्च प्रदान किया गया।

उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने शिक्षण, खेल, कला व संस्कृति, तथा लोक सेवा व नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई उत्कृष्टता छात्रवृत्तियां स्थापित की हैं। ये छात्रवृत्तियां संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर प्रदान की जाती हैं। छात्रवृत्ति के अंतर्गत 10 माह तक प्रति माह रु2,000 प्रदान करने का प्रावधान है। हालांकि यदि प्राप्तकर्ता को समान या उससे अधिक मूल्य की कोई अन्य छात्रवृत्ति मिल रही है तो उसे मात्र रु5,000 प्रदान किए जाते हैं। 2021-22 के शैक्षणिक वर्ष के दौरान निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध कराई गई हैं:

शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

¬ बीटेक 2018 के **दवे हरी मनीश, बहेती साक्षी प्रभुलाल, कुशाग्र शर्मा, प्रवीण वेण्कटेश, भसीन अभिराज** एवं **ध्रुव मेनन** को शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है।

¬ बीटेक 2019 के **अश्विनी सुनील राय, पहुनि जैन, श्रेया सिंह, इशिका पाठक, संस्कार अनिल नलकांडे** एवं **जूही अल्पेशकुमार पारिख** को शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है।

¬ **युवराज गुप्ता, अनुज उज्वल बुच, प्रोज्ञान दास, जिनय ए दागली, पविधर जैन** एवं **श्रेया शुक्ला** ने बीटेक 2020 बैच के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्राप्त की है।

खेल-कूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में खेल उत्कृष्टता छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों में शामिल हैं **बोड्डु साई गौरी झांसी, साक्षी योगेश काबरा, जितेन्द्र कुमार, सुमित कुमार, पेदमाज्जी राकेशनायडू** एवं **गौरव शर्मा**।

कला व संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

जानवी विनोदकुमार ठक्कर एवं **पलक पुरोहित** को वर्ष 2021-22 के शैक्षणिक वर्ष के लिए कला व संस्कृति उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

समाज सेवा व नेतृत्व उत्कृष्टता

धनेश जगदीश भुटाडा एवं **शिवांशु शर्मा** 2021-22 के शैक्षणिक वर्ष के लिए समाज सेवा तथा नेतृत्व उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता

उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति	प्राप्तकर्ता का नाम
शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति बीटेक 2018 बैच	दवे हरि मनीष, बहेती साक्षी प्रभुलाल, कुशाग्र शर्मा, प्रवीण वेंकटेश, भसीन अभिराज और ध्रुव मेनन
शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति बीटेक 2019 बैच	अश्विनी सुनील राय, पहुनी जैन, श्रेया सिंह, इशिका पाठक, संस्कार अनिल नलकांडे और जूही अल्पेशकुमार पारिख
शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति बीटेक 2020 बैच	युवराज गुप्ता, अनुज उज्जवल बुच, प्रोज्ञान दास, जिनय ए दागली, पविधर जैन और श्रेय शुक्ला
खेलकूद उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	बोड्डु साई गौरी झांसी, साक्षी योगेश काबरा, जितेन्द्र कुमार, सुमित कुमार, पेदमाज्जी राकेशनायडू एवं गौरव शर्मा
कला व संस्कृति उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	जानवी विनोदकुमार ठक्कर एवं पलक पुरोहित
सेमाज सेवा व नेतृत्व उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	धनेश जगदीश भुटाडा व शिवांशु शर्मा
सेमाज सेवा व नेतृत्व उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	धनेश जगदीश भुटाडा व शिवांशु शर्मा

विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति	प्राप्तकर्ता का नाम
श्री शांति सरूप अग्रवाल छात्रवृत्ति	संस्कार अनिल नलकांडे
गौरी सुगन अग्रवाल छात्रवृत्ति	शेजिना एम
चेतन धांडे छात्रवृत्ति	त्रिवेदी शुभांग कृष्णकांत
चंद्रकांत व पेट्रीशिया देसाई छात्रवृत्ति	अश्वनी सुनील राय
प्रो एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति	बहेती साक्षी प्रभुलाल
कंकुबेन बक्शीराम गेलोत छात्रवृत्ति	अक्षा नायकू कोकणे
नेहा व विनय गुप्ता छात्रवृत्ति	इशान रंधीर गुजराती
अशोक जैन छात्रवृत्ति	सचिन यादव
एन के जैन छात्रवृत्ति	बहेती साक्षी प्रभुलाल
सीमा जैन छात्रवृत्ति	यश खंडेलवाल
सुश्री सीता झा स्मारक छात्रवृत्ति	ध्वनि मनीश शाह
श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनाडे छात्रवृत्ति	संस्कार अनिल नालकंडे
पी के केलकर छात्रवृत्ति	मुहम्मद शमीर टी एम
कच्छ छात्रवृत्ति	व्यवहारे सौरभ निलेश
एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति	लेधा आयुष मनोजकुमार
श्री अर्जुन राज मेहता छात्रवृत्ति	पटवर्धन सानिया अभय
एरक एवं मेहरू मेहता योग्यता छात्रवृत्ति	हितर्व गांधी, वीरमगामी गौरव, लवती शुभ सुनील, धैर्य शाह, सात्विक राव, भावेश जैन, वेण्कट श्रीमान नारायणा माली, कनिष्क सिंहल, गौरव जोशी, नमन धर्मानी, आर्यन दरड़, अदित कौशिक व सचिन जलान
भाई कृष्ण चंद्र मोहन मित्तल छात्रवृत्ति	देसाई ऋशिक जतिन
भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृत्ति	रूरुगोंडा राजेश
प्रो के वी वेण्कटेश मूर्ती छात्रवृत्ति	देसाई आदेश केतन
डॉ जे एल नय्यर छात्रवृत्ति	सौरित्रा गराई
प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति	श्री विष्णु प्रिय बालाजी
रामानुजन छात्रवृत्ति	हेमंत पूनिया
अजोद्याबाई गुलाबचंदजी रांदड छात्रवृत्ति	आयुष गुप्ता
सत्यराम छात्रवृत्ति	अमलीन जोसे, तेल्ला सेल्वा सौम्या रानी व यशि गौर
ललिता जे शाह व जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति	जानवी विनोदकुमार ठक्कर
बिपिन व रेखा शाह छात्रवृत्ति	आर यूशु धुरंधर
दया शंकर व शकुंतला छात्रवृत्ति	शशि सर्राफ
विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति	ठक्कर देवांशु निलेश
प्रो एस पी सुखात्मे छात्रवृत्ति	धाकड़ भगत सिंह
दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति	दीप समीर ठक्कर
महाबीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति	ऐश्वर्य ओमार

संतोश रानी टंडन छात्रवृत्ति	अमन चौधरी
श्री ओंकारप्रसाद टंडन छात्रवृत्ति	हर्ष महेन्द्रभाई पटेल
प्रोफेसर नितीश ठाकोर छात्रवृत्ति	सोनी विशाल जयेश
वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन छात्रवृत्ति	प्रिया गुप्ता व वीणा के
लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति	ईश्व पटेल
डॉ टी जी विश्वेश्वरइया छात्रवृत्ति	मंडालिया हर्ष देवेन्द्रभाई

विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां

प्रो एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति

प्रो एम एच दिवेकर छात्रवृत्ति वर्ष 2014 में स्थापित की गई थी और रासायनिक अभियांत्रिकी के तीसरे वर्ष के बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि 40,000 / - रुपये है और हर साल तृतीय वर्ष के अंत में रासायनिक अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम में उच्चतम ग्रेड हासिल करने वाले छात्र को प्रदान की जाती है। **बहेती साक्षी प्रभुलाल** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

सत्यराम छात्रवृत्ति

सत्यराम छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में स्थापित की गई थी। 6.5 की न्यूनतम सीपीआई वाले छात्र और जिनकी वार्षिक पैतृक आय 3 लाख से अधिक नहीं है, वे इस छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं। छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और वर्ष 2021-22 में कुल 3 छात्रों को सत्यराम छात्रवृत्ति प्रदान की गई। प्राप्तकर्ता छात्र पात्रता मानदंड को पूरा करने के अधीन, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में अपने बीटेक कार्यक्रम के पूरा होने तक छात्रवृत्ति समर्थन प्राप्त करना जारी रखता है। छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता से यह उम्मीद रखी जाती है कि भविष्य में वह कम से कम एक भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के ज़रूरतमंद छात्र की सहायता करेगा। **अमलीन जोसे, तेल्ला सेल्वा सौम्या रानी** तथा **यषि गौर** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति

प्रोफेसर डी वी पाई छात्रवृत्ति वर्ष 2018 में संस्थान में स्थापित की गई जो भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में चल रहे एमएससी गणित कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष के सभी छात्रों के लिए उपलब्ध है जिनकी न्यूनतम सीपीआई 7.0 तथा पैतृक वार्षिक आय 8 लाख प्रति माह या उससे कम है। छात्रवृत्ति की राशि रु. 25,000 प्रति शैक्षिक वर्ष रखी गई है। इसके अतिरिक्त छात्र पुस्तकों की वास्तविक खरीद पर खर्च की गई राशि रु. 5,000 तक का अनुदान ग्रहण कर सकता है। **श्री विष्णु प्रिया बालाजी** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

एरक व मेहरु मेहता छात्रवृत्ति

एरक व मेहरू मेरिट छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में गठित हुई तथा अब यह भा०प्रौ०सं० गांधीनगर को शै.व. 2019-20, शै.व. 2020-21 तथा शै.व. 2021-22 के बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। प्रति छात्र 8 लाख रुपये की कुल छात्रवृत्ति राशि के साथ चार साल की अवधि के लिए छात्रवृत्ति प्रति वर्ष 2 लाख रुपये प्रति छात्र है। भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में बीटेक कार्यक्रम में दाखिला लेने वाले शीर्ष पांच छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है और उन छात्रों को जिन्होंने किसी भी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 1000 या उससे बेहतर या एक जेईई एडवांस्ड रैंक हासिल की है। छात्रवृत्ति हर साल नए सिरे से संतोषजनक शैक्षिक प्रगति {8.5 के एसपीआई या 8.00 के न्यूनतम सीपीआई (न्यूनतम सामान्य शैक्षणिक भार और बिना किसी असफल ग्रेड के साथ)} के अधीन नवीनीकृत की जाती है और किसी भी अनुशासनात्मक मंजूरी के तहत नहीं है। **हितार्थ गांधी, वीरमगामी गौरव, लवती शुभ सुनील, धैर्य शाह, सात्विक राव, भावेश जैन, वेण्कट श्रीमान नारायण मल्ली, कनिश्क सिंहन, गौरव जोशी, नमन धर्मनी, आर्यन दारड, अदित कौशिक और सचिन जलान** शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

वेगशक्ति महिला कल्याण संगठन छात्रवृत्ति

वीएमकेएस छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और यह प्रथम वर्ष की सभी महिला छात्राओं के लिए उपलब्ध है। इसकी राशि प्रति वर्ष प्रति छात्र रु 1 लाख रखी गई है जो कि भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की दो प्रथम वर्ष की बीटेक छात्राओं को उनके शैक्षणिक व्यय को सहयोग प्रदान करने के लिए दी जाती है। छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ताओं को चार वर्षों तक उनके यूजी कार्यक्रम के दौरान इसका लाभ मिलता है, बशर्ते वे छात्रवृत्ति के शैक्षणिक मानकों को पूर्ण कर सकें। **प्रिया गुप्ता** एवं **वीणा के** शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

महावीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति एवं दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्तियां वर्ष 2016 में संस्थान ने स्थापित की हैं तथा सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। यह राशि अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों तथा वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति राशि है। **ऐश्वर्य ओमार** शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए महावीर प्रसाद सुल्तानिया छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं तथा **दीप समीर ठक्कर** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए दुर्गा देवी सुल्तानिया छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

बिपिन और रेखा शाह छात्रवृत्ति

बिपिन और रेखा शाह छात्रवृत्ति वर्ष 2018 में स्थापित की गई थी और विद्युत अभियांत्रिकी के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति राशि प्रत्येक शैक्षिक वर्ष में 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती हैं। **आर येशु धुरंधर** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृत्ति और भाई कृष्ण चंद्र मित्तल छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति वर्ष 2018 और 2019 में स्थापित की गई हैं और संस्थान के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति 1 लाख रुपये की है जो कि अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रत्येक वर्ष प्रदान की जाती है। **वूरुगोंडा राजेश** वर्ष 2021-22 के लिए भाई सुरेश मोहन मित्तल छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं तथा वर्ष 2021-22 के लिए **देसाई ऋषिक जैन** भाई कृष्ण चंद्र मित्तल छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

संतोष रानी टंडन छात्रवृत्ति

संतोष रानी टंडन छात्रवृत्ति 2018 में स्थापित की गई थी और सिविल अभियांत्रिकी के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक सिविल अभियांत्रिकी छात्र को दिया जाता है। स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी में रुचि रखने वाली महिला छात्रों को वरीयता दी जाती है। **अमन चौधरी** 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो एस पी सुखात्मे छात्रवृत्ति

प्रो एस पी सुखात्मे छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई है और भा.प्रौ. सं. गांधीनगर में सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **धाकड़ भगत सिंह** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति

विमला श्रीनिवास छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई है और भा.प्रौ. सं. गांधीनगर में सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। न्यूनतम सीपीआई 6.5 के साथ बीटेक छात्र इसे प्राप्त कर सकते हैं। **ठक्कर देवांशु निलेश** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

अशोक जैन छात्रवृत्ति

अशोक जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। न्यूनतम सीपीआई 6.5 के साथ बीटेक छात्र इसके पात्र हैं। **सचिन यादव** 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रोफेसर नीतीश ठाकोर छात्रवृत्ति

प्रोफेसर नीतीश ठाकोर छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **सोनी विशाल जयेश** शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

चंद्रकांत एवं पेट्रीशिया देसाई छात्रवृत्ति

चंद्रकांत एवं पेट्रीशिया देसाई छात्रवृत्ति वर्ष **2017** में स्थापित की गई थी जो कि सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष **1** लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **अश्वनी सुनील राय** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

प्रो के वी वेंकटेश मूर्ति छात्रवृत्ति

प्रो के वी वेंकटेश मूर्ति छात्रवृत्ति वर्ष 2017 में स्थापित की गई जो विद्युत अभियांत्रिकी के सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष विद्युत अभियांत्रिकी के एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **देसाई आदेश केतन** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

डॉ जे एल नय्यर छात्रवृत्ति

डॉ जे एल नय्यर छात्रवृत्ति वर्ष 2017 में स्थापित की गई जो सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **सौरित्रा गराई** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

ललिता जे शाह और जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति

ललिता जे शाह और जयंतीलाल बी शाह छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का सहयोग करने के लिए प्रति वर्ष एक बीटेक छात्र को प्रदान की जाती है। **जानवी विनोदकुमार ठक्कर** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

पी के केलकर छात्रवृत्ति

पी के केलकर छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक छात्र को प्रदान की जाती है। **मुहम्मद शमीर टी एम** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति

एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति वर्ष 2010 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतरराष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों, आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष एक छात्र को सम्मानित किया जाता है। **लोधा आयुष मनोजकुमार** को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

श्रीमती सीता झा स्मारक छात्रवृत्ति

श्रीमती सीता झा स्मारक छात्रवृत्ति वर्ष 2018 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। सामान्यत: महिला छात्राओं को इसमें वरीयता दी जाती है। **ध्वनि मनीश शाह** शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

नेहा व विनय गुप्ता छात्रवृत्ति

नेहा व विनय गुप्ता छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **ईशान रंधीर गुजराती** शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

दया शंकर व शकुंतला छात्रवृत्ति
दया शंकर व शकुंतला छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **शशि सर्राफ** शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

कंकुबेन बक्शीरामभाई गेलोत छात्रवृत्ति
कंकुबेन बक्शीरामाभाई गेलोत छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और यह सभी महिला बीटेक छात्राओं के लिए उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि 1 लाख रुपये है और यह अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए **अक्षत नायकू कोकणे** को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

सीमा जैन छात्रवृत्ति
सीमा जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **यश खंडेलवाल** शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

एन के जैन छात्रवृत्ति
एन के जैन छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **बहेती साक्षी प्रभुलाल** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री अर्जुन राज मेहता छात्रवृत्ति
श्री अर्जुन राज मेहता छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **पटवर्धन सानिया अभय** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

अजोद्याबाई गुलाबचंदजी रांदड छात्रवृत्ति
श्री अर्जुन राज मेहता छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **आयुष गुप्ता** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री ओंकारप्रसाद टंडन छात्रवृत्ति
श्री ओंकारप्रसाद टंडन छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **हर्ष महेंद्रभाई पटेल** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्री शांति सरूप अग्रवाल छात्रवृत्ति
श्री शांति सरूप अग्रवाल छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **भट्ट प्रत्युश हेमंत** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनाड़े छात्रवृत्ति
श्रीमती सुमित्राबाई मनोहर कनाड़े छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **संस्कार अनिल नालकंडे** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

कच्छ छात्रवृत्ति
कच्छ छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **व्यवहारे सौरभ नीलेश** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

चेतन धांडे छात्रवृत्ति
चेतन धांडे छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **त्रिवेदी शुभांग कृष्णकांत** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

गौरी सुगन अग्रवाल छात्रवृत्ति
गौरी सुगन अग्रवाल छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **शेजिना एम** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

रामानुजन छात्रवृत्ति
रामानुजन छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **हेमंत पूनिया** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

डॉ टी जी विश्वेश्वरइया छात्रवृत्ति
डॉ टी जी विश्वेश्वरइया छात्रवृत्ति वर्ष 2021 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **मंडालिया हर्ष देवेन्द्रभाई** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति संस्थान में वर्ष 2021 में स्थापित की गई और इसका मुख्य उद्देश्य ऐसी छात्रा को उत्कृष्टता छात्रवृत्ति प्रदान करना है जो भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के बीटेक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाली शीर्ष-रैंकिंग महिला छात्र है तथा जिसे कार्यक्रम पूर्ण करने हेतु वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्रा प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है यदि न्यूनतम सीपीआई 7.0 प्राप्त की जाती रहे। **ईश्वा पटेल** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

कक्षा 2013 छात्रवृत्ति

कक्षा 2013 छात्रवृत्ति वर्ष 2019 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **शिवांशु शर्मा** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

कक्षा 2014 छात्रवृत्ति

कक्षा 2014 छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **सुहानी मित्तल** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

कक्षा 2015 छात्रवृत्ति

कक्षा 2015 छात्रवृत्ति वर्ष 2017 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **गौरव शर्मा** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

कक्षा 2016 छात्रवृत्ति

कक्षा 2016 छात्रवृत्ति वर्ष 2016 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **बोम्मिसेट्टि शिव साई** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं।

कक्षा 2017 छात्रवृत्ति

कक्षा 2017 छात्रवृत्ति वर्ष 2020 में स्थापित की गई थी और यह सभी बीटेक छात्रों को उपलब्ध है। छात्रवृत्ति की राशि प्रति छात्र प्रति वर्ष 1 लाख रुपये है और अंत:शिक्षुता (अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू), विशेष परियोजनाओं और अवसरों, वित्तीय जरूरतों आदि का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष प्रदान की जाती है। **अदिति अग्रवाल** वर्ष 2021-22 के लिए इस छात्रवृत्ति की प्राप्तकर्ता हैं।

अनुसंधान और विकास

प्रकाशन

अप्रैल 2021 - मार्च 2022 तक के शोध प्रकाशनों की संख्या

दस्तावेजों का प्रकार	**प्रकाशनों की संख्या**
पुस्तकों के पाठ	30
पुस्तकें	4
संपादित पुस्तकें	2
ई-प्रिंट अभिलेखागार	142
पत्रिका लेख	517
पत्रिका/समाचार लेख/लघु कहानी	17
सम्मेलनों में प्रस्तुत पत्र	207
प्रस्तुत पोस्टर	28
समीक्षाएं	8
श्वेत पृष्ठ	1
जारी पत्र	1
अन्य	19
कुल	**976**

प्रायोजित शोध परियोजनाएं

2021-22 के दौरान स्वीकृत परियोजनाएं

- उभरती हुई स्मृति प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए अगली पीढ़ी के कार्यभार के लिए मेमोरी कंप्यूटिंग में, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जॉयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- मात्रात्मक अल्ट्रासाउंड और एलास्टिटी इमेजिंग का उपयोग करके मुख कैंसर के घावों का मूल्यांकन, (जीएसबीटीएम)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कार्ला पेट्रीसिया मर्काडो-शेखर**, जैविक अभियांत्रिकी
- डीएनए कार्यक्रम, कोविड 19 का पता लगाने के लिए किफायती उच्च प्रवाह क्षमता वाले प्वाइंट-ऑफ-केयर डायग्रोस्टिक प्लेटफॉर्मों के रूप में माइक्रोफ्लिडिक डिवाइस, (जीएसबीटीएम)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया**, जैविक अभियांत्रिकी
- कपड़वंज कांच का प्रतिचित्रण: भारत में अंतिम जीवित पारंपरिक टंकी की भट्टी (सीएमओडीजी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो आलोक कानूनगो**, पुरातत्व विज्ञान
- हिंद महासागर में गतिशीलता और बहुभाषावाद : स्थानीय समाज पर वैश्विक पारिस्थितिकीय परिवर्तन का प्रभाव, (एसएसआरसी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निशांत चौकसी,** मानविकी व सामाजिक विज्ञान
- लंबी प्रोफाइलों के क्लस्टरिंग के माध्यम से प्रायद्वीपीय नदियों का आनुवंशिक आकृति वर्गीकरण : सतत नदी प्रबंधन के लिए एक उपकरण, (सीएसआईआर)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन**, भू विज्ञान
- प्रमुख पर्यावरणीय मानकों की नोवेल लेसर-आधारित निगरानी - भारत के विकासशील क्षेत्रों में बेहतरी, आजीविका और एक स्वस्थ वातावरण का समाधान।, (आरएईएनजी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**, विद्युत अभियांत्रिकी
- स्तन कैंसर के उपचार के लिए अल्ट्रासाउंड-चालित ऑनकोट्रिप्सी, (डीबीटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो हिमांशु शेखर**, विद्युत अभियांत्रिकी
- मिश्रित चरणों के वैकल्पिक रसायन का उपयोग करके रासायनिक लूपिंग संयोजन के लिए नए ऑक्सीजन कैरियरों का विकास करना, (डीएसटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुधांशु शर्मा**, रसायन विज्ञान
- गुजरात की मेंग्रोव कहानियां, (एसएसआरसी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अंबिका अय्यादुरई**, मानविकी व सामाजिक विज्ञान
- गुजरात के लिए एकीकृत रियल टाइम जलवायु-रूपरेखा और पूर्वानुमान प्रणाली, (यूनीसेफ)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विमल मिश्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- कम्पैक्ट क्वांटम ग्रुप और उनके सजातीय स्थानों का विषमता, (एनबीएचएम)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो बिपुल सौरभ**, गणित
- स्मार्ट मीटर- पार्किंसन गेट विकारों की निगरानी और उपचार, (डीबीटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- सीरीज एलास्टिक एक्चुएटर और कंट्रोल यूनिट का विकास, (इसरो)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो हरीश पालनथंडलम मादापुसी**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- मम्मलियन सर्कडियन घड़ी परिसरों का एकीकरण और नेटवर्क मॉडलिंग, (डीबीटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो आशुतोष श्रीवास्तव**, जैविक अभियांत्रिकी
- मात्रा सूचना का उपयोग करके ग्रेविटी को कम करना, (बीआरएनएस)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अर्पण भट्टाचार्य**, भौतिक विज्ञान
- अरूणाचल प्रदेश में वन्य जीव के शिकार और ट्रैपिंग का इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, (इनसा)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अंबिका अय्यादुरई**, मानविकी व सामाजिक विज्ञान
- अल्जाइमर रोग और संबंधित न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों में चिकित्सीय हस्तक्षेप के लिए कार्यात्मक पेप्टाइड और डीएनए आधारित नैनो-असेम्बली, (हेफा)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शरद गुप्ता**, जैविक अभियांत्रिकी
- वेब सुरक्षा प्रोटोकॉल के सत्यापित मॉडल और कार्यान्वयन, (डीएसटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अभिषेक बिच्छावत**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- पश्चिमी भारत में विभिन्न जलवायु और भूगर्भीय सेटिंग्स सहित तीन अलग-अलग महत्वपूर्ण जोनों में पृथ्वी

सतह प्रक्रियाओं का अध्ययन, (एमओईएस)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन**, भू विज्ञान

- होमियोथर्मी के विकास का विशिष्ट आधार: गर्मी के तनाव के प्रत्युत्तर में सीजीजीबीपी1-सीटीसीएफ अक्ष, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उमाशंकर सिंह**, जैविक अभियांत्रिकी
- वास्तविक संवेदक तत्वों में पतले-फिल्म कोटिंग के प्रदर्शन पर प्रक्रिया मापदंडों के प्रभाव का आकलन करने के लिए सॉफ्टवेयर उपकरण विकास, (इसरो)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो राघवन रंगनाथन**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- मानव गेट की बहाली के लिए पहनने योग्य रोबोट: केबल चालित पैर एक्सोसेलेटन, (आईएचएफसी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- पिन कोलोइडल सुपरकूल्ड तरल और ग्लास की कीनेटिक स्थिरता की जांच करना, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चंदन कुमार मिश्रा**, भौतिक विज्ञान
- आरएफ पावर एलडीएमओएस डिवाइस का प्रौद्योगिकी विकास, (इसरो)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- संकुचित मीडिया में प्रवाह और परिवहन का गणितीय मॉडलिंग : एक मानवकरण दृष्टिकोण, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सत्यजीत प्रमाणिक**, गणित
- स्मार्टवेयर: पार्किंसन चालन विकारों का एआई-सक्षम समाधान, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- गुरुत्वीय तरंगों में ब्लैक होल की उपस्थिति के लिए जाना, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **मुस्तफिज़ूर रहमान** (मार्गदर्शन: **प्रो अर्पण भट्टाचार्य**), भौतिक विज्ञान
- निम्न तापमान उच्च चुंबकीय फील्ड क्रायोजेनिक, (डीएसटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो गोपीनाधन केलन**, भौतिक विज्ञान
- शहरी भारत में निर्मित वातावरण में वायु गुणवत्ता और उसके गतिशीलता की जांच करना, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो समीर पटेल**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- गुर्दे प्रत्यारोपण निगरानी में संभावित अनुप्रयोग के लिए डुप्लेक्स शीयर वेव एलास्टिसिटी इमेजिंग और अल्ट्राफास्ट डोपलर अल्ट्रासाउंड विकसित करना, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कार्ला पेट्रीशिया मर्काडो शेखर**, जैविक अभियांत्रिकी
- स्तनधारी सर्कडियन घड़ी परिसरों का एकीकृत मॉडलिंग और गतिशीलता, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो आशुतोष श्रीवास्तव**, जैविक अभियांत्रिकी
- क्वांटम सर्किट जटिलता का विश्लेषण करके क्यूएफटी को व्यवस्थित करना, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अर्पण भट्टाचार्य**, भौतिक विज्ञान
- जोखिम मुक्त परिपथ: एल्गोरिदम और जटिलता, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो बालगोपाल कोमरथ**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- कोरीसेट के माध्यम से स्केलेबल और निजी मशीन लर्निंग, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अनिर्बन दासगुप्ता**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- नैनोस्केल धातु जैविक ढांचे के माध्यम से बायोमार्कर का पता लगाना (एमओएफ), (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो श्रीराम कण्वाह** (तपन कुमार पाल), रसायन विज्ञान
- संख्यात्मक गुणक बीजगणित के लिए व्यावहारिक सन्निकटन एल्गोरिदम, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अनिर्बन दासगुप्ता**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- साइबर-भौतिक वितरण प्रणाली के लिए संख्यात्मक मल्टीलीनियर अलजेबरा-साइबर-अटैक विश्लेषण टूलकिट के लिए व्यावहारिक सन्निकटन एल्गोरिदम [सायबरडिस], (सीपीआरआई)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो नारण पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी
- उच्च शक्ति आरएफएलडीएमओएस ट्रांजिस्टर के व्युत्क्रम डिजाइन के लिए एक डीप न्यूरल नेटवर्क (डीएनएन) आधारित ढांचा, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- सामान्यीकृत हेरग्लोट्ज फ़ंक्शन, जेएटा मॉड्यूलर रिलेशन्स, सामान्यीकृत लैम्बर्ट सीरीज के एसिम्प्टोमेटिक, और मॉक थीटा का कार्य, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अतुल दीक्षित**, गणित
- एमआईएमओ रैखिक गतिशील प्रणालियों के लिए सिस्टम व्युत्पन्नता और सापेक्ष डिग्री, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो हरीश पालनथंडलम मादापुसी**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सीएसई-एफआईएसटी, (एफआईएसटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मयंक सिंह**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- जल तरंगों के एक वर्ग के लिए एक अभिन्न समीकरण दृष्टिकोण से बिगड़ती समस्याएं, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: अयान चंद (हितैषी: **प्रो सत्यजीत प्रमाणिक**), गणित
- भारत और ऑस्ट्रेलिया में प्रचालनरत महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी उद्योगों में नैतिक ढांचे को प्रचालनशील बनाना, (एलटीयू)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो समीर जी कुलकर्णी**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- जीईएमडब्ल्यूईआईएण (पश्चिमी भारतीय मार्जिन के लिए भूगतिशील मॉडल), (डीएसटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्सव मन्नू**, भू विज्ञान
- मॉड्यूलर रूपों और विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत के बीच परस्पर क्रिया, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **डॉ सौम्यदीप बैनर्जी** (हितैषी: **प्रो अतुल दीक्षित**), गणित
- जेबराफिश मॉडल में कैंसर की शीघ्र जांच के लिए डीएनए कार्यात्मक नैनोकणों का विकास और वैधीकरण, (एसईआरबी)। प्रमुख अन्वेषक: **डॉ कृपा कंसारा** (हितैषी: **प्रो धीरज भाटिया**), जैविक अभियांत्रिकी
- मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के लिए अल्ट्रा-हाई सेंसिटिविटी ट्यूनेबल लेजर आधारित स्पेक्ट्रोस्कोपिक गैस डिटेक्शन सिस्टम।, (इसरो)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**, विद्युत अभियांत्रिकी
- सीएचई-एफआईएसटी, (डीएसटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्राची थरेजा**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- पोषण संतुलन और नियंत्रण में सुधार करने के लिए मल्टीमॉडल खानपान की भूमिका, (सीएसआरआई)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी

जारी प्रायोजित परियोजनाएं

- इलेक्ट्रोनिक व आईटी के लिए पीएचडी योजना, इलेक्ट्रोनिक व सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- डीएसआईआर - सामान्य अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास केंद्र – रासायनिक प्रक्रियाएं, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- विश्वविद्यालयों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों (एफआईएसटी) के कार्यक्रम में एस एंड टी अवसंरचना में सुधार के लिए डीएसटी निधि के तहत स्वीकृत एकल क्रिस्टल एक्सआरडी उपकरण – 2016, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, रसायन विज्ञान
- एक और दो आयामी ग्रेन्युलर मीडिया के गैर-रेखीय गुण, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयप्रकाश के आर**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- पाइप में आंशिक अवरोध का पता लगाना, विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रणब कुमार मोहापात्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- ईको-वेट - स्मार्ट स्थायी शहरों के लिए कुशल जल और ऊर्जा प्रौद्योगिकी, भारत-जर्मनी विज्ञान व प्रौद्योगिकी केंद्र। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो नारण पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी
- एक्सपायर्ड चतुर्भुज से एनडब्ल्यू हिमालय में तलछट की परिवर्तनशीलता पर टेकनिक और जलवायु नियंत्रण, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन** (सप्तऋषि डे), भू विज्ञान
- संवेदनशील मीडिया (रामानुजन) में सक्रिय परिवहन, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उद्दीप्ता घोष**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- ग्रेनुलर मेटासामग्री में लहर के प्रसार का सैद्धांतिक और प्रायोगिक अध्ययन, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयप्रकाश के आर**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- एक स्थायी नदी प्रबंधन के लिए एक उपकरण के रूप में प्रेडिक्टिव जियोमोर्फिक मॉडल का विकास, भू विज्ञान मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन**, भू विज्ञान
- रामानुजन अध्येतावृत्ति – डीएनए सूक्ष्मउपकरण से मूल कोषिकाओं तक, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया**, जैविक अभियांत्रिकी
- सामग्री बिंदु विधि का उपयोग करके तापीय और यांत्रिक इंसुल्टों के अधीन ऊर्जा सामग्री का कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो गौरव श्रीवास्तव**, सिविल अभियांत्रिकी
- इंसपायर संकाय पुरस्कार, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अक्षा वटवानी**, गणित
- भारत के लिए नदी बेसिन जलविज्ञान और चरम क्षेत्रों के लिए एक प्रायोगिक प्रचालनात्मक जल विज्ञान मॉडलिंग और पूर्वानुमान प्रणाली, भारतीय उष्ण देशीय मौसम विज्ञान संस्थान। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विमल मिश्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- प्रौद्योगिकी-सहायता प्राप्त पेल्विक गति की विशेषता और बुजुर्गों के लिए पुनर्वास, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- बेडलोड मापन के लिए उपकरण, विज्ञान व अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल (इमप्रिंट)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रणब मोहपात्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- साइटोसोलिक माइलियम में एंजाइम डायनेमिक्स: इंट्रासेलुलर मैकेनिक्स और परिवहन पर एक नया दृष्टिकोण, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कृष्ण कांति डे**, भौतिक विज्ञान
- रैंडमाइज्ड न्यूमेरिकल बीजगणित का उपयोग करके

एक हाई-थ्रूपुट ग्रेविटेशनल-वेव सर्च पाइपलाइन को बढ़ाना, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो आनंद सेनगुप्ता**, भौतिक विज्ञान

- $\zeta^2(2m+1)$ तथा बेसेल श्रृंखला के लिए रामानुजन-सरीक सूत्र, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अतुल अभय दीक्षित**, गणित
- असंतृप्त एल्डिहाइड के स्टिरियोसेलेक्टिव विनाइलोगस फंक्शनलाइजेशन के लिए अनोखे बाइसिकल सेकेंडरी एमाइन उत्प्रेरक का विकास, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: प्रो चंद्रकुमार अप्पाई, रसायन विज्ञान
- प्रोटीन एग्रीगेट का पता लगाने और इमेजिंग के लिए आणविक प्रोब्स का डिजाइन और संश्लेषण, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो श्रीराम कण्वाह**, रसायन विज्ञान
- स्वास्थ्य और रोग में दिमागी क्रियाशील संपर्क-भारत-आधुनिक अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कृष्ण प्रसाद मियापुरम**, संज्ञानात्मक विज्ञान
- विश्लेषणात्मक संख्या में प्रश्न - शास्त्रीय और नंबर फील्ड सेटिंग, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अक्षा वटवानी**, गणित
- गुजरात राज्य जलवायु परिवर्तन केन्द्र की स्थापना, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन**, भू विज्ञान
- सॉफ्ट एरर टॉलरेंट सिंक्रोनस और एसिंक्रोनस प्रोसेसर्स के तुलनात्मक अध्ययन, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जॉयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- सामाजिक विकल्प के कम्प्यूटेशनल पहलू: सिद्धांत व अभ्यास, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो नीलधारा मिश्रा**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- औषधि मध्यवर्ती और उनके अनुप्रयोगों में बहुरूपता का अध्ययन करना, रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, रसायन विज्ञान; सह-पीआई: **प्रो विजय थिरुवेण्कटम**, जैविक अभियांत्रिकी
- लेशमेनियासिस के अनोखे उपचार के लिए रसायन विज्ञान की लीड, (डीएनडीआई) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, रसायन विज्ञान
- गांधीपीडिया: गांधीवादी साहित्य, जीवन कार्यक्रमों और उनके सामाजिक नेटवर्क को ब्राउज करने के लिए एआई-सक्षम पोर्टल, (एनसीएसएम) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मयंक सिंह** (सह-पीआई), संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- शहरी भारत में इनडोर वीओसी और पार्टिकुलेट पदार्थ (पीएम) की सान्द्रता और स्रोतों का आकलन करना और चीन और अमेरिका में स्तरों की तुलना करना, (ड्यूक)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- पॉइंट-ऑफ-यूज (पीओयू) जल कीटाणुशोधन के लिए कम लागत और गैर-विद्युत जल फिल्टर, (डब्लूआईएनएफ)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- परिवर्तन के लिए जल: तेजी से विकसित हो रहे जीवंत शहरों के लिए एकीकृत और उपयुक्त जल संवेदनशील डिजाइन फ्रेमवर्क, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रणब मोहापात्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- ऊर्जा दक्ष कपड़ा रंगाई बहिस्राव के पुन: उपयोग के लिए ब्रेन स्प्लेटिंग, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयचंदर स्वामीनाथन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- उच्च ऊर्जा घनत्व अनुप्रयोगों के लिए ग्राफ सिद्धांत और आणविक सिमुलेशन द्वारा निर्देशित नवीन चित्रकला के साथ मजबूत और लचीले 3डी मुद्रित इलेक्ट्रोड का डिजाइन और परीक्षण, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मिथुन राधाकृष्ण**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- सीओ2 का विस्तार करके विस्फोटक का माइक्रोनाइजेशन और एनकैप्सुलेशन - विस्तारित समाधान, रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो समीर दलवी**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- बोरोन आधारित नैनोशीट का विकास करते हुए हल्के ब्लास्ट प्रतिरोधी अस्त्र डिजाइन के लिए पॉलीमर मैट्रिक्स को पुष्ट किया गया, रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कबीर जसूजा**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- प्राकृतिक रूप से उपलब्ध गैर-विषैले स्थिर सामग्रियों और औद्योगिक ठोस अपशिष्ट का उपयोग करके सीओ2 कैप्चर के लिए कम लागत वाला और स्केलेबल सामग्री का विकास, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- आरएफ अनुप्रयोगों के लिए स्व-संरेखित दोहरे पॉलिसीलिकॉन उत्सर्जक सिलिकॉन बायोपोलर ट्रांजिस्टर का डिजाइन सक्षम बनाना, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- बहुघटक भूकंपीय उत्तेजना: डिजाइन स्पेक्ट्रम की विशेषता और संयोजन नियम विकसित करना, भू विज्ञान मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीमन बसु**, सिविल अभियांत्रिकी
- विद्युत चालित प्रवाहों को मिलाना : रियोलॉजी का प्रभाव, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उद्दीप्ता घोष**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- बायोमेडिकल एप्लिकेशन में संयोजन चिकित्सा के लिए नई सामग्री विकास के लिए एक इंजीनियरिंग दृष्टिकोण, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुपर्ब के मिश्रा**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- धातु-तरल ऑक्सीकरण ऊर्जावान सामग्री में ढेर के प्रसार का गणितीय मॉडलिंग और अनुरूपण, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- बिजली, अस्थाई और तार्किक मास्क पर आधारित अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन किए गए सर्किट में विविध इवेंट ट्रांजिशन के कारण त्रुटि संभावनाओं का आकलन करना, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जॉयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- इलेक्ट्रिक वाहन अनुप्रयोग हेतु अभियान, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो राघवन कनगराज** व **प्रो नारण पिंडोरिया** (सह-पीआई), विद्युत अभियांत्रिकी
- ग्राफ़ न्यूरल नेटवर्क और उनके अनुप्रयोग, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शंमुगनाथन रमण**, विद्युत अभियांत्रिकी
- खाद्य सुरक्षा और अनुप्रयुक्त पोषण के लिए वैज्ञानिक सहयोग हेतु नेटवर्क, (एफएसएसएआई) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो भास्कर दत्ता**, जैविक अभियांत्रिकी
- मुंह के कैंसर और मार्जिन मंजूरी के लिए स्वस्थ ऊतक के निर्धारण हेतु बायोमार्कर की पहचान करने के लिए बहु-आयामी विश्लेषण।, (जीएसबीटीएम) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अनिर्बन दासगुप्ता**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी, तथा **प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार**, जैविक अभियांत्रिकी (सह-पीआई)
- आरएफ अनुप्रयोगों के लिए स्व-संरेखित दोहरे पॉलिसीलिकॉन उत्सर्जक सिलिकॉन बायोपोलर ट्रांजिस्टर का डिजाइन सक्षम बनाना, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- टिकाऊ और ऊर्जा कुशल भवनों के लिए सामग्री, इकोले नोरमले सुपीरियरे डे काहान, फ्रांस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अतुल भार्गव**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सौर फोटोवोल्टिक्स पर वायु प्रदूषण और सौर संयंत्रों के बेहतर प्रदर्शन के लिए सतही इंजीनियर्ड पैनल सामग्री विकसित करना, ड्यूक विवि, संराअ, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- हिमालयी नदी प्रणाली के संवहनीय प्रबंधन हेतु भू-आकृति उपकरण का विकास और अनुप्रयोग, भारत, ऑकलैंड विवि, न्यू जीलैंड, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन**, भू विज्ञान
- नॉनलीनियर कौस्टिक मेटासामग्री का विश्लेषणात्मक और कम्प्यूटेशनल अध्ययन, टेकनियन- इज़रायल प्रौद्योगिकी संस्थान, इज़रायल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयप्रकाश के आर**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- विश्लेषणात्मक और संयोजकीय संख्या सिद्धांत में समस्याएं, किंग्स्टन का क्वींस विवि, कनाडा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अतुल दीक्षित**, गणित
- सतत विकास के लिए सुविधा के रूप में स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत (जीएसबीटीएम) लक्ष्य, फ्लिंडर्स विवि, ऑस्ट्रेलिया, (एफयू) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो आलोक कुमार कानूनगो**, मानविकी
- स्वतंत्रता की एक डिग्री की द्विपक्षीय चाल प्रशिक्षक का उपयोग करके लोकोमोटर अनुकूलन का अध्ययन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- शारीरिक रूप से पहने हुए सेंसरों का उपयोग करने के दौरान चाल और संतुलन का आकलन करना, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- एनआईआर पोर्फिरिन-माइक्रोबबल को मल्टी-कलर आणविक इमेजिंग प्रोब्स के रूप में, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो समीर दलवी**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- पोषक धातु संरचनाओं के उत्पादन के लिए नयी वैक्यूम आधारित प्रक्रिया का विकास, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अभय राज सिंह गौतम**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- न्यूरोइमेजिंग गाइडेड नॉन-इनवेसिव इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेशन के साथ संयोजन में वीआर आधारित उत्खनन मंच, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख

अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी,** विद्युत अभियांत्रिकी

- उच्च निष्पादन संख्यात्मक सिमुलेशन और कण परिवहन और रोटेशनल फ्लो में अशांति की प्रायोगिक जांच: पर्यावरणिक और संक्रामक टाइलर-कूट कॉन्फ़िगरेशन के लिए अनुप्रयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उद्दीप्ता घोष**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- CO_2 के सूखे सुधार के लिए उच्च एनट्रोपी मिश्रधातु सूक्ष्मअणु CeO_2, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुधांशु शर्मा**, रसायन विज्ञान
- जल विज्ञान प्रक्रियाओं की पूर्वानुमानित समझ के लिए भौतिक निर्देशित डेटा विज्ञान दृष्टिकोण, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया**, सिविल अभियांत्रिकी
- भारतीय उपमहाद्वीप के लिए भूकंपीय उत्पीड़न और संबद्ध जीएमपीई के विकास के लिए महत्वपूर्ण अभिविन्यास को समझना, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीमन बासु**, सिविल अभियांत्रिकी
- जलविद्युत भूमोर्फिक मॉडलिंग का उपयोग करते हुए जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के अंतर्गत मानवरहित नदियों में बाढ़ जोखिम आकलन, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन**, भू विज्ञान
- उच्च क्षमता वाले स्थिर फोटोवोल्टानिक्स लेयर्ड हाइब्रिड परवोस्काइट्स पर आधारित कम लागत का उपयोग, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो रूपक बैनर्जी**, भौतिक विज्ञान
- अलवणीकरण अनुप्रयोगों के लिए अभ्रक और एसआई-नाइट्राइड शीटों पर सब-एनएम कणों का इलेक्ट्रोकेमिकल निर्माण, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो गोपीनाधन केलन**, भौतिक विज्ञान
- ड्रग प्रतिरोधी बैक्टीरिया का मुकाबला करने के लिए एंटीबैक्टीरियल पॉलिमर, (एसटीएआरएस) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अभिजीत मिश्रा,** पदार्थ अभियांत्रिकी
- जल विज्ञान प्रक्रियाओं की भविष्य कहनेवाला समझ के लिए भौतिकी-निर्देशित डेटा विज्ञान दृष्टिकोण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया**, सिविल अभियांत्रिकी
- गुजरात राज्य जैव प्रौद्योगिकी मिशन, मार्जिन क्लीयरेंस के लिए मौखिक कैंसर और स्वस्थ ऊतक का सीमांकन करने के लिए बायोमार्कर की पहचान करने के लिए बहु-ओमिक विश्लेषण। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अनिर्बन दासगुप्ता**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- स्केलेबल न्यूमेरिकल मल्टीलीनियर बीजगणित के लिए रैंडमाइज्ड एल्गोरिदम, (गूगल) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अनिर्बन दासगुप्ता**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- स्तरित हाइब्रिड पेरोव्स्काइट्स के आधार पर कम लागत वाली, उच्च दक्षता वाली स्थिर फोटोवोल्टिक का उपयोग करना, मानव संसाधन विकास मंत्रालय। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो रूपक बैनर्जी, भौतिक विज्ञान**
- चेहरे की भावनात्मक पहचान: ऑटिज्म से पीड़ित किशोरों में अंतर्निहित तंत्रिका संपर्क को समझना, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- त्वचा, मजबूत, उर्जा-परिचित इन-मेमोरी कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर, (एसआरसी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जॉयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- स्वच्छ ईंधनों के रूप में सौर ऊर्जा के कुशल भंडारण हेतु नया प्लाज्मोनिक एंटीना रिएक्टर प्लेटफॉर्म विकसित करना, गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सौम्यकांति खटुआ**, रसायन विज्ञान
- गोल्ड नैनोहीटर के अगले चरण के लिए कैंसर में बिजली पैदा करने का मध्यवर्ती मध्यस्थ तरीका, गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुदीप्ता बासु**, रसायन विज्ञान
- केबल चालित फ्लेक्सिबल रोबोटिक मेनिपुलेटर का डिजाइन, गतिशील अध्ययन और नियंत्रण, गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मधु वडाली**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- शहरी वायु गुणवत्ता पर औद्योगिक उत्सर्जन की निगरानी के लिए वायुमंडलीय प्रदूषक गैसों का उच्च संवेदनशील पता लगाना, गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**, विद्युत अभियांत्रिकी
- हाई परफार्मेंस फाइबर युक्त कंक्रीट का उपयोग (एचपीएफआरसी): क्षमता आधारित मिक्स डिजाइन फ्रेमवर्क की शुरुआत करना, गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीमन बासु,** सिविल अभियांत्रिकी
- कोविड से संबंधित माध्यमिक स्तर पर वायु प्रदूषण का प्रभाव, (गूगल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निपुण बत्रा**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- अल्ट्रालो सांद्रता पर कोविड- 19 आरएनए का पता लगाने के लिए एक पुन: प्रयोज्य प्लाज्मिक प्लेटफार्म का विकास, (बीआरएनएस)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सौम्यकांति खटुआ**, रसायन विज्ञान
- आरएफ अनुप्रयोगों के लिए स्व-संरेखित दोहरे पॉलिसीलिकॉन उत्सर्जक बायोपोलर प्रौद्योगिकी, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- सतत विकास लक्ष्यों के लिए सहायक के रूप में स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत, (फ्लिंडर्स विवि) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो आलोक कानूनगो**, मानविकी व सामाजिक विज्ञान
- तरल इंप्रेग्रेटेड माइक्रो-कैविटीज़ की स्लिपर संपत्तियां, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो श्रीहरिता रोउतु**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- स्थानीय जीवाणु संक्रमण के लिए सोनोडायनेमिक थेरेपी, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो हिमांशु शेखर**, विद्युत अभियांत्रिकी
- डेल्टा ज्यामिति, मॉड्यूलर फॉर्म और पी-डैक हौज सिद्धांत, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अर्नब साहा**, गणित
- वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए एआई और सेंसर नेटवर्क, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निपुण बत्रा**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- मात्रात्मक झूठे स्थानों के लिए समान स्पेक्ट्रल, **विज्ञान** व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो बिपुल सौरभ**, गणित
- लो स्टैकिंग फॉल्ट एनर्जी सिंगल फेज फेस-सेंटेड-क्यूबिक एलॉय में माइक्रोस्ट्रक्चर आधारित यूनिवर्सल स्ट्रेन हार्डनिंग मॉडल की तलाश में, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रदीप्ता घोष**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- भारत के कोविड -19 प्रेरित लॉकडाउन के बाद स्वदेशी समुदायों पर रिवर्स माइग्रेशन का प्रभाव, (एसएसआरसी) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निशांत चौकसी,** मानविकी व सामाजिक विज्ञान
- मात्रा सूचना प्रमेय उपकरणों का उपयोग करके प्रेषण गुरुत्वाकर्षण, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अर्पण भट्टाचार्य,** भौतिक विज्ञान
- उच्च आवृत्ति इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला का विकास, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- दोषपूर्ण इंजीनियरिंग किये गये उच्च एन्ट्रापी मिश्रणों में दृष्टिकोणों की बहुस्तरीय मॉडलिंग, **विज्ञान** व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो राघवन रंगनाथन**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- थेरेनोस्टिक्स के लिए बायोथेरेबबल बायो-एक्टिव अल्ट्रासाउंड-संचालित माइक्रोबबल, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कृष्ण कांति डे**, भौतिक विज्ञान
- "स्मार्ट" सोखने वालों तत्वों के तर्कसंगत डिजाइन की सहायता के लिए थर्मोडायनामिक मॉडल और मोंटे कार्लो सिमुलेशन का उपयोग करके एक तरल चरण में सह-विलेय सहायक सोखना या विलेय के अवशोषण पर सोखना की रासायनिक प्रकृति की भूमिका को समझना, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कौस्तुभ राणे**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- अगली पीढ़ी के रसायन - फोटो थेरेपी के लिए कैंसर में विद्युत गृह के छोटे मोलेक्यूल मध्यस्थ लक्ष्य, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुदीप्ता बसु**, रसायन विज्ञान
- उच्च शक्ति हाइड्रोजिल्स- संश्लेषण, रोहविज्ञान और अनुप्रयोग, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्राची थरेजा**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- गर्म मैग्रेटाइज्ड और विस्कोस क्यूसीडी माध्यम में भारी संख्या में गतिशीलता पर जांच, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनोद चंद्र**, भौतिक विज्ञान
- एएमआर बहाव: विनिर्माण प्रवाह से लोगों के लिए रोगाणुरोधी और प्रतिरोध - प्रयोग में शामिल होना, गणितीय मॉडलिंग और जोखिम विश्लेषण, जैवप्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रणब कुमार मोहापात्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- एडज नॉन-इन्ट्रूजन लोड मॉनीटरिंग, (सिसको) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निपुण बत्रा**, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
- विशिष्ट फोटोकैटालिटिक रिएक्शन चलाने के लिए प्लाज्मोनिक उत्प्रेरक डिजाइन का अनुकूलन, **विज्ञान** व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सौम्यकांति खटुआ**, रसायन विज्ञान
- एलएचसी में मानक मॉडल से परे भौतिकी को प्रेरित करना, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो भारद्वाज कोलप्पा, भौतिक विज्ञान**
- टीटीटी के उल्लंघन की गणना करना ताकि आणविक प्रणालियों के गतिमान का पता लगाया जा सके।, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कौस्तुभ राणे**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- गुरुत्वीय भौतिकी पर सैद्धांतिक और पर्यवेक्षण अवरोध, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुदीप्ता सरकार, भौतिक विज्ञान**
- कुछ परिवर्तनों का संख्यात्मक विश्लेषण और रामानुजन मास्टर थ्योरम का विस्तार, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अतुल दीक्षित**, गणित
- विकास और रोग में विषाणु, (सिसको) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार**, जैविक अभियांत्रिकी

- मॉड्यूलर विलवणीकरण और ब्राइन सांद्रता के लिए बहु प्रभाव झिल्ली, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयचंदर स्वामीनाथन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- चरम पक्की समीकरणों और संबंधित समरूपता और लिउविल प्रकार के परिणामों के लिए अतिनिर्धारित समस्याएं, अन्वेषक: **प्रो जगमोहन त्यागी**, गणित
- 6-घटक भूकंपीय परीक्षणों के लिए दिशात्मक संयोजन नियम विकसित करना, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीमन बसु**, सिविल अभियांत्रिकी
- सौर सेल अनुप्रयोगों के लिए MoS_2, SnS_2 और MoS_2-SnS_2 हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर्ड पतली फिल्मों के ऑप्टिकल, इलेक्ट्रिकल और माइक्रोस्ट्रक्चरल गुणों पर अध्ययन, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो एमिला पांडा,** पदार्थ अभियांत्रिकी
- द्रुतगति रेलवे प्रणाली के लिए जिओसिंथेटिक रीइनफोर्स्ड मिटी की दीवारें और बट्टें, (एचएसआईआईसी) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत**, सिविल अभियांत्रिकी
- ब्राइन उपचार के लिए शून्य कार्बन उत्सर्जन को प्राप्त करने हेतु सौर ऊर्जा का दोहन, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो जयचंदर स्वामीनाथन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- बाहरी हवाई परिवहन अनुप्रयोगों के लिए एक नया सहयोगात्मक मानव-क्वाडाप्टर इंटरफेस, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सामान्यीकृत इनसेंबल्स में आणविक प्रणालियों के संक्रमण मैट्रिक्स मॉन्ट कार्लो सिमुलेशन के लिए एक कुशल एल्गोरिथ्म विकसित करना, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कौस्तुभ राणे**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- ट्रैकों के प्रदूषकों को हटाने के लिए चुंबकीय उत्प्रेरक-लेपित माइक्रोबबल का संश्लेषण, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो समीर दलवी**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- डीएनए अनुक्रमण के लिए कार्यात्मक सामग्रियों के रूप में ग्राफिन सूक्ष्मछिद्रों का अध्ययन करने के लिए आणविक गतिशीलता का उपयोग करना।, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो साईराम एस मल्लाजोसयुला**, रसायन विज्ञान
- लोड कैरिज नियंत्रण के लिए केबल-चालित हाइब्रिड निर्माण, रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विनीत वशिष्ट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- मधुमेह से संबद्ध एडी के विनियमन में संभावित ऑटोलॉजी मॉड्यूलेटर के रूप में प्राकृतिक फ्लेवोनोइड्स की जांच, विज्ञान व अभियांत्रिकी मंडल। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शरद गुप्ता**, जैविक अभियांत्रिकी
- एकल अणु से जीवित कोशिकाओं तक: डीएनए-नैनो प्रौद्योगिकी के साथ बहुप्रवाही वाली इमेजिंग, गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया,** जैविक अभियांत्रिकी
- ढांचों के भूकंप संरक्षण के लिए स्लाइडिंग का विकास, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार**, सिविल अभियांत्रिकी
- ब्रेन ट्यूमर के परिसीमन के लिए बिमोडल इंट्रा-ऑपरेटिव जांच, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो कार्ला पेट्रीसिया मर्काडो-शेखर**, जैविक अभियांत्रिकी
- नैनो-स्केल लिथोग्राफी सिमुलेशन के लिए बहु-स्तरीय कुशल ओपीसी फ्रेमवर्क का विकास, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो निहार रंजन मोहापात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी
- शहरी और ग्रामीण भारत में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की यूएव-आधारित लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपिक मॉनीटरिंग, (आरएईएनजी) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**, विद्युत अभियांत्रिकी
- शिकारी-शिकार बातचीत: हेमीपटेरा में रासायनिक बचाव: पेंटाटोमाइडे बग (गोंधी बग) और उसके रिसाव, जैवप्रौद्योगिकी विभाग. प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया**, जैविक अभियांत्रिकी
- पार्किंसनिज़्म में चाल विकारों की निगरानी और उपचार के लिए स्मार्टवियर, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उत्तमा लाहिड़ी,** विद्युत अभियांत्रिकी
- लिथियम बैटरियों में ठोस इलेक्ट्रोलाइट इंटरफेस के बहुआयामी मॉडल: एक्स्केल सिमुलेशन के लिए, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो राघवन रंगनाथन**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- अत्यधिक प्रतिक्रियाशील बनाए जाने के लिए उद्योग अनुकूल प्रौद्योगिकी का विकास, गैर-विषाक्त और पारदर्शी एंटीवायरल सतह कोटिंग, गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो एमिला पांडा**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- स्व-संगठन पर सामूहिक बातचीत का प्रभाव, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रसन्ना वेंकटेश बालसुब्रमणियम**, भौतिक विज्ञान

परामर्श परियोजनाएं

2021-22 के दौरान प्रायोजित परियोजनाएं

- जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में गुजरात राज्य पर कोविड-19 के प्रभाव, (गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विमल मिश्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- दवा वितरण अनुप्रयोगों को प्रोत्साहन देने के लिए डीएनए हाइड्रोजन, (ब्लास्टो अनुसंधान)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया**, जैविक अभियांत्रिकी
- एलिवेटर द्वार के लिए लिनियर इलेक्ट्रिक मशीन, (कोन एलिवेटर्स)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो राघवन के**, विद्युत अभियांत्रिकी
- साइकिल गैस उद्देश्य हेतु एमओसी के रूप में कार्बन स्टील के लिए संक्षन भत्ता विश्लेषण, (एलटीसीएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित अरोड़ा**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- मानव अपशिष्ट प्रसंस्करण के माध्यम से उपयोगी उत्पाद बनाना, (आरएमएटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो भास्कर दत्ता**, जैविक अभियांत्रिकी
- सीयू/सीडी त्रिकोणीय परीक्षण के लिए इंजीनियरों को प्रशिक्षण, (आईजीएस)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अजंता सचान**, सिविल अभियांत्रिकी
- कच्छ के रण में 5 गीगावाट पवन सौर हाइब्रिड परियोजना के लिए क्षेत्र जल निकासी अध्ययन, सड़क नेटवर्क डिजाइन और संभार तंत्र सहायता, गुजरात, (एनटीपीसी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत**, सिविल अभियांत्रिकी
- एपीआई और 3डी संरचना पहचान के लिए अनुकूलन क्रिस्टलाइजेशन ट्रायल, (पीईएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विजय थिरुवेण्कटम**, जैविक अभियांत्रिकी
- प्रोटीन को अनुकूलित और शुद्ध करना, (एमएमपीएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विजय थिरुवेण्कटम**, जैविक अभियांत्रिकी
- स्वास्थ्य देखभाल उपकरणों और समाधानों के लिए परामर्श, (आरआईएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो धीरज भाटिया**, जैविक अभियांत्रिकी
- अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना की प्राथमिकता में चुनिंदा संरचनात्मक सदस्यों की तकनीकी लेखा परीक्षा, वस्त्राल ग्राम से परिधान पार्क तक चरण-1। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीष कुमार**, सिविल अभियांत्रिकी
- मीथेन युक्त गैस उत्पन्न करने के लिए बायोमास पायरोलिसिस/गैसीफिकेशन, (एटीएमओएस)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुधांशु शर्मा**, रसायन विज्ञान
- आकाशवाणी में 183 मीटर ऊंचे गाई-मास्ट की सत्यापन और जांच, राजकोट, (एसएजी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो मनीश कुमार**, सिविल अभियांत्रिकी
- भू-कोशिकाओं का उपयोग करके पुल दृष्टिकोणों को सुदृढ़ करने के लिए प्रायोगिक अध्ययन, (आरवीएनएल) प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत,** सिविल अभियांत्रिकी
- गुजरात ऊर्जा अनुसंधान और विकास के लिए अधिकारियों के चयन के लिए प्रश्न पत्र तैयार करने हेतु विशेषज्ञ सेवा तथा उसका मूल्यांकन (जीपीआरडी) प्रकोष्ठ, (जीयूवीएनएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो नारण पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी
- सूरत मेट्रो रेल परियोजना के लिए बाढ़ और जलवायु परिवर्तन अध्ययन, (जीएमआरसी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो प्रणब कुमार मोहापात्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- राजकोट में छह लेन वाले एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए उपयुक्त आधारिक प्रणाली और संबंधित दृढ़ भूतकनीकी जांच का मूल्यांकन, गुजरात, (एनएचएआईआर)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत**, सिविल अभियांत्रिकी
- पेप्टाइड का संस्लेषण, (केजीपी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शरद गुप्ता**, जैविक अभियांत्रिकी
- अल्ट्रासोनिक और ऑप्टिकल दूध गुणवत्ता विश्लेषक, (ईआईपीएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती,** विद्युत अभियांत्रिकी
- धोलेरा में कंक्रीट सतह क्षरण और लवणता के प्रभावों की जांच, (डीआईसीडीएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया**, सिविल अभियांत्रिकी
- जल भराव की जांच करना और इसके परिणामस्वरूप धोलेरा में भूमिगत अवसंरचना का आपसी संबंध, (डीआईसीडीएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया**, सिविल अभियांत्रिकी
- भू-अंतरिक्ष नमूनों के कीटाणुशोधन, (डीएसएस)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत,** सिविल अभियांत्रिकी
- पौधों पर आधारित मांस, (ब्लास्टो)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो भास्कर दत्ता**, रसायन विज्ञान
- इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए मोटर की उपयुक्तता का आकलन, (आईएमपीएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो राघवन के**, विद्युत अभियांत्रिकी
- सिक्किम के लिए एसएपीसीसी का अध्याय तैयार करने में विशेषज्ञता, (डीएसटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो उदित भाटिया**, सिविल अभियांत्रिकी
- भाड़भूत बाँध परियोजना के लिए कन्फर्मेटरी भू-तकनीकी जांच, (केएएलपीएसआर)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत**, सिविल अभियांत्रिकी
- बनासकांठा जिले के ओई/महत्वपूर्ण तालुकों में भूजल

की कमी के लिए विभिन्न चालकों के प्रभाव का निर्धारण करने के लिए विशेष अध्ययन, (जीडब्लूआरडीसी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विक्रांत जैन**, भू विज्ञान

- अस्थायी फर्नेस क्षेत्र में फ्लोर सेटलमेंट के लिए सुधारात्मक उपाय, (एआईजीएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत**, सिविल अभियांत्रिकी
- संगत संहिता टिप्पणियों और सरलीकृत दिशानिर्देशों के विकास के माध्यम से भारत में अग्नि सुरक्षा को बढ़ाना, (टीडब्लूबी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो गौरव श्रीवास्तव**, सिविल अभियांत्रिकी
- अस्पताल निर्माण हेतु तकनीकी सलाह, (एचआईटीईएस)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शैलेश आर गांधी**, सिविल अभियांत्रिकी
- भारत में जलविद्युत पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, (यूएनडीपी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विमल मिश्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- जीआरबीसी के महत्वपूर्ण पैच पर उपचारात्मक उपाय, (वीआईडीसी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत,** सिविल अभियांत्रिकी
- उच्च गति रेल के लिए नींव निष्पादन के दौरान समस्या समाधान के समय सलाह, (एल एंड टी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शैलेश आर गांधी**, सिविल अभियांत्रिकी
- वीआरयू की अभिकल्पना, (आईईपीएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो चिण्मय घोरोई**, रासायनिक अभियांत्रिकी
- जलवायु परिवर्तन अध्ययनों और कार्रवाइयों पर क्षमताओं का संस्थानीकरण, (जीडीसी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो विमल मिश्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- प्राथमिक स्लज से बहुमूल्य धातुओं की प्राप्ति, (एचआईएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सुपर्ब कुमार मिश्रा**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- भाड़भूत बैराज के विभिन्न क्लस्टरों के लिए भू-तकनीकी डिजाइन पद्धति, (केएएलपीएसआर)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित प्रशांत,** सिविल अभियांत्रिकी
- आद्रतायुक्त हवा से जल संग्रहण हेतु सतह, (एसवाईएमएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सौम्यदीप सेट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- हनीकोंब कूलिंग पैडों की सतह कोटिंग के माध्यम से वायु जल का संवर्धन, (एसवाईएमएल)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो सौम्यदीप सेट**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- अनुरोध पर परामर्श, (एल एंड टी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो शैलेश आर गांधी**, सिविल अभियांत्रिकी
- कोप्स/बोबिंस के कुचलने/संकुचन का सिमुलेशन, (सिद्धि)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो अमित अरोड़ा**, पदार्थ अभियांत्रिकी
- अवसादी विज्ञान और अनुक्रम सांख्यिकीय विश्लेषण और कार्बोनेट और गहरे पानी की प्रणाली के लिए व्याख्या, (एसीटी)। प्रमुख अन्वेषक: **प्रो पंकज के**

बौद्धिक संपदा

2021-22 के दौरान सौंपे गए एकस्व अधिकार इस प्रकार हैं:

- हस्त चालित बांस से बनाई जाने वाली अगरबत्ती की डंडी बनाने की मशीन: **केशव गिरियापनावर** (2012 के एक बीटेक के पूर्व छात्र) इसके आविष्कारक हैं। इसकी एकस्व संख्या 375325 है।
- पोलीमेर-रिइनफोर्स्ड मेटल मैट्रिक्स संघटक और उसी के निर्माण की प्रक्रिया: **प्रो अमित अरोड़ा, प्रो चंद्र शेखर तिवारी, अर्पण राउत, अनुराग कृष्णकेदार गुमास्ते,** और **महेश वी पी** इसके आविष्कारक हैं। इसकी एकस्व संख्या 389338 है।
- एस - पैराकोनिक एसिड के विषम संश्लेषण के लिए विधि: **प्रो चंद्रकुमार अप्पाई और डॉ अभिजीत मधुकर सरकले** इसके आविष्कारक हैं। इसकी एकस्व संख्या 391941 है।

2021-22 के दौरान फाइल किए गए एकस्व इस प्रकार हैं:

- अल्ट्रा उच्च दर वाली ली-आयन बैटरियों हेतु नोड सामग्री: **वर्मा आकाश किरण, मत्सुमी नोरियोशी, बादाम राजशेखर, जेम्स आशा लीज़ा,** और **प्रो जसूजा कबीर** इसके आविष्कारक हैं।
- इंडोल बेस्ड काइनेज इनहिबिटर और इसकी तैयारी की प्रक्रिया: **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, प्रो विजय थिरुवेण्कटम**, और **डेलना जॉनसन** इसके आविष्कारक हैं।
- बेंजिमाइडाजोल-आधारित यौगिकों और उनकी तैयारी की प्रक्रिया: **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, प्रो विजय थिरुवेण्कटम**, और **हरिता दिलीप** इसके आविष्कारक हैं।
- फ्लोरोफोर्स और इनके संश्लेषण की प्रक्रिया: **प्रो श्रीराम कण्वाह गुंडीमेदा, दीपमाला सिंह**, और **डॉ वीरूपक्षी सोप्पिना** इसके आविष्कारक हैं।
- बैठकों को सुचारू बनाने के लिए एक कम्प्यूट्रीकृत और वर्क ऑप्टिमाइजेशन प्रणाली और उसकी पद्धति: **प्राशुं कुमार गोंड, ध्रुव मेनन, प्रांकुश अग्रवाल, ऋक राणा,** और **प्रो उदित भाटिया** इसके आविष्कारक हैं।

शोध गतिविधियां: आयोजन एवं बाहरी पहुंच

अनुसंधान और सहयोगी कार्यक्रम जैसे सम्मेलन, कार्यशालाए, परिसंवाद और संगोष्ठियां अकादमिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो आवश्यक विषयों की एक विस्तृत श्रंखला पर चर्चा को प्रोत्साहित करने में मदद करते हैं। इनमें से कई गतिविधियां अन्य संगठनों से भागीदारी को आमंत्रित करती हैं और विभिन्न स्तरों पर संस्थान की दृश्यता को बढ़ाती है। 2021-22 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया है:

सम्मेलन

होमी युवा विद्वान सम्मेलन

भारत में गणित के इतिहास (होमी) परियोजना के भाग के रूप में, संस्थान ने भारत पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए अप्रैल 17-18, 2021 को गणित के इतिहास पर दो दिवसीय ऑनलाइन युवा विद्वान सम्मेलन का आयोजन किया। इस वर्चुअल कार्यक्रम ने विश्व भर के युवा शोधकर्ताओं को गणित या संबंधित क्षेत्रों के इतिहास में विभिन्न प्रगतियों को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान किया। **प्रो मिशेल डेनीनो, इंद्रनाथ सेनगुप्ता, सुदीप्ता सरकार,** व **अतुल दीक्षित** इस कार्यक्रम के समन्वयक थे।

रसायन विज्ञान पर चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अगस्त 06-07, 2021 तक रसायन विज्ञान पर चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। दो दिवसीय आभासी सम्मेलन में भारत और विदेश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों के विशिष्ट संकाय के 14 आमंत्रित व्याख्यान, पीएचडी विद्वानों के 17 फ्लैश प्रदर्शन, तथा विदेश से अपना डॉक्टोरल अध्ययन प्राप्त करने वाले संस्थान के पूर्व छात्रों के तीन विशेष व्याख्यान आयोजित किये गए। **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण** व **प्रो श्रीराम कण्वाह** ने इस सम्मेलन का संचालन किया।

गणित व द्रव्य की भौतिकी पर सम्मेलन

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में भौतिक विज्ञान और गणित विषयों ने संयुक्त रूप से नवंबर 01-03, 2021 के मध्य **गणित और दृव्य की भौतिकी** पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में वार्ता और पोस्टर सत्रों का आयोजन किया गया और इसमें भारत और विदेशों के लगभग 100 शोधकर्ताओं ने भाग लिया। **प्रो सुतापा रॉय** व **प्रो सत्यजीत प्रमाणिक** ने इस सम्मेलन का संचालन किया।

जटिल द्रव्यों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर और भारतीय रियोलॉजी सोसायटी (आईएसआर) ने मिलकर दिसम्बर 13-15, 2021 के दौरान **जटिल दृव्यों व मृदु पदार्थ पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन** आयोजित किया। आभासी सम्मेलन में संकाय, वैज्ञानिकों, छात्रों और उद्योग भागीदारों सहित कुल 350 लोगों ने भाग लिया, जिसमें ऑनलाइन व्याख्यान, पोस्टर प्रदर्शन तथा प्रदर्शनी मंच जैसी गतिविधियां शामिल थीं। **प्रो प्राची थरेजा** इस सम्मेलन के समन्वयक तथा **प्रो धीरज भाटिया** इसके सह समन्वयक थे।

गतिशीलता तथा बहुभाष्यता सम्मेलन

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने **दक्षिण तथा दक्षिणउत्तरी एशिया में गतिशीलता व बहुभाष्यताः स्थानीय समाज व भूमंडल परिवर्तन पर प्रभाव**, पर दिसंबर 27-29, 2021 के दौरान कॉटन विवि, असम में एक ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन में सहभागिता दी। इस सम्मेलन में लगभग 100 प्रतिभागी मौजूद थे। **प्रो निशांत चौकसी** (भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर), **प्रो मंज़िल हज़ारिका** (कॉटन विवि), **श्री फणीन्द्र तालुकदार** (पीसीसीआर), तथा **प्रो जे ए एच खत्री** (नवरचना विवि) इस सम्मेलन के समन्वयक थे।

एनएमआरएस 2022

रसायन विज्ञान संकाय ने मार्च 6-9, 2022 के दौरान **राष्ट्रीय चुंबकीय प्रतिध्वनि सोसायटी** (एनएमआरएस 2022) की 27 वीं बैठक के साथ आणविक चुंबकीय प्रतिध्वनि (एनएमआर):रसायन विज्ञान, जैविकी तथा औषधि खोज पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस वार्षिक सम्मेलन में नौ वार्ताएं और 40 आमंत्रित व्याख्यान, 6 पुरस्कार व्याख्यान, के साथ कई कम अवधि की वार्ताएं और छात्रों के मौखिक पोस्टर प्रदर्शन शामिल थे। **प्रो श्रीराम कण्वाह गुंडीमेदा** व **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण** इस सम्मेलन के समन्वयक थे।

सामान्य सापेक्षता सम्मेलन

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के भौतिकी संकाय, भा॰प्रौ॰सू॰सं॰ इलाहाबाद तथा लेथब्रिज विवि, कनाडा ने साथ मिलकर मार्च 11-14, 2022 के दौरान **सामान्य सापेक्षता के प्रायोगिक पहलु** पर एक आभासी सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में हाल के घटनाक्रमों और इस संदर्भ में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए कुछ प्रमुख वैश्विक विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। **प्रो अर्पण भट्टाचार्य** (भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर), **श्रीजीत भट्टाचार्य** (भा॰प्रौ॰सू॰सं॰ इलाहाबाद), तथा **शौर्य दास** (यूलेथ) इस सम्मेलन के समन्वयक थे।

कार्यशालाएं

- व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन 101, **श्री गौरांग सांघवी,** ई-उद्योग प्रमुख, डीएसपी म्यूच्युल फंड, अप्रैल 10, 2021
- थिंक.डिज़ाइन.प्रिंट – धातु 3डी छपाई कार्यशाला, **श्री आदित्य सवारदेकर,** वरिष्ठ अनुप्रयोग अभियंता, 3डी छपाई, जून 17-18, 2021
- वैकिंग कार्यशाला, **सुश्री रिद्धि उपाध्याय**, मुंबई निवासी पेशेवर नृत्यांगना, जून 27, 2021
- वैज्ञानिक व्याख्यान कार्यशाला, **रफीक मवूर,** विज्ञान व्याख्याता, आईआईएसईआर पुणे, जुलाई 09 -16, 2021
- डीफॉर्म-3डी सॉफ्टेवेयर प्रदर्शन, **बिकाश मुसीब,** प्रबंधक, कारोबार विकास, एडवांस्ड फॉर्मिंग, जुलाई 23, 2021
- 3डी स्केनिंग कार्यशाला, **अवनीत कुमार,** अनुप्रयोग अभियंता – 3डी स्केनिंग, पेल्फ इन्फोटेक प्रा लि, पुणे, जुलाई 26-27, 2021
- ग्रामर्ली के माध्यम से शैक्षणिक लेखन व शोध उत्पाद में बढ़ोत्तरी, **रतीश अय्यर,** विशेषज्ञ प्रशिक्षक, ब्रिज पीपल टेक्रोलॉजी सलूशंस प्रा लि, अगस्त 31, 2021
- पत्रिका साहित्य को पाने के लिए जे-गेट का एक शोध व खोज उपकरण के रूप में इस्तेमाल, **रवि शंकर,** प्रशिक्षक, इन्फोर्मेटिक्स प्रकाशक लि, सितंबर 03, 2021
- आपकी कहानी क्या है?: जीवन लेखनी पर एक कार्यशाला श्रंखला, **निविद देसाई,** शिक्षण सहायक, लेखन स्टूडियो, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, सितंबर 04, 11 एवं 18, 2021
- विज्ञान वेब: अपने शोध को नए स्तर तक ले जाना, सितंबर 06, 2021, तथा अंतिम टिप्पणी-उद्धरण प्रबंधन तथा पबलोंस को सुगम बनाना, सितंबर 07, 2021, **डॉ सुभाश्री नाग,** उपाय परामर्शदाता, क्लेरीवेट एनेलिटिक्स
- शोध की ऊर्जा के साथ स्कोपस व मेंडले, **डॉ शुभ्रा दत्ता**, उपभोक्ता सलाहकार (कोर कंटेंट) – दक्षिण एशिया ए एंड जी टीम, एलज़ेवियर, सितंबर 15, 2021
- उन्नत एक्सेल कार्यशाला, **राज के सिंह,** माइक्रोसाफ्ट स्तायपित प्रशिक्षक, सितंबर 18-19, 2021
- सूक्ष्म मिलिंग कार्यशाला, **तनवीर खोरजिया,** मेकर भवन, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, सितंबर 20-21, 2021
- प्राकृतिक रंगाई कार्यशाला, **नीरव पटेल,** अभिकल्पक, अभिकल्पना व नवीनता केंद्र, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, अक्टूबर 02, 2021
- प्रारंभकर्ता के लिए क्ले स्टूडियो कार्यशाला तथा प्राकृति: टेराकोटा भित्ति चित्र कार्यशाला, क्रमशः कलाकार **नेहल राच्छ** तथा **निलाय नंदी,** अक्टूबर 05-07, 2021
- जेनटेंगल कार्यशाला, **प्रो आदित्य मेहता,** सहायक प्राध्यापक, जीएलएस अभिकल्प संस्थान, अहमदाबाद, अक्टूबर 09, 2021
- साइफाइंडर-एन-डेटाबेस: शोध व विकास उत्पादक क्षमता को बढ़ाने की आपकी कुंजी, **श्री विसित कुंटे,** उपभोक्ता सफलता विशेषज्ञ, एसीएस अंतरराष्ट्रीय लि – के सीएएस प्रतिनिधि, अक्टूबर 13, 2021
- आईईईई एक्सप्लोर (डिजिटल पुस्तकालय) प्रकाशन: चौथे उद्योग क्रांती में अपने भविष्य को कैसे बनाएं, **श्री धनुकुमार पट्टनशेट्टी,** वरिष्ठ आईईईई क्लाइंट सेवा प्रबंधक, आईईईई भारत, अक्टूबर 14, 2021
- प्रभावशाली विद्यालय से स्नातक आवेदकों की तैयारी, **प्रो हिमाशुं शेखर,** सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, अक्टूबर 16-17, 2021
- हस्तनिर्मित इंटेरेक्टिव पेंफलेट की कला, **सुश्री अदिति बाबेल,** हेड डिज़ाइनर की संस्थापक, अदिति बाबेल स्टूडियो, अक्टूबर 30, 2021
- पीसीबी मूलरूप, **डॉ संकेत बी कस्तूरिया**, शोध परियोजना वैज्ञानिक, टेकनोवेंटर इनोवेशन प्रा लि, नवंबर 01-02, 2021
- वैज्ञानिक लेखन, **डॉ अजय कुमार झा,** विकास संपादक, एसीएस ओमेगा, एसीएस प्रकाशक, नवंबर 29, 2021
- अंतरनिहित एआई कार्यशाला, **श्री रोहित प्रजापति,** तकनीकी प्रबंधक, डिजिटेड प्रौद्योगिकी, दिसंबर 02, 2021
- अभिकल्प विचार कार्यशाला, आईबीएम इंडिया सॉफ्टेवयर लेब्स, केपीएसडी व आईआईईसी के सहयोग से, दिसंबर 08, 2021
- बहुचरण बहाव के संगणक, **प्रो सूर्य प्रताप वांका,** इलिनॉइस अरबाना-केमपेन विवि व **प्रो विनोद नारायणन,** भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, प्रत्येक शनिवार जनवरी 29 से मार्च 27, 2022
- आपके शोध व विकास उत्पादकता को बढ़ाने की कुंजी ‘सीएएस साइफाइंडर-एन’, **श्री विनीत कुंटे,** विशेषज्ञ प्रशिक्षक, एसीएस भारत, फरवरी 02, 2022
- ग्रामर्ली के उपयोग से शैक्षणिक व शोध लेखन को बेहतर करना, **श्री रतीश अय्यर,** विशेषज्ञ प्रशिक्षक, ब्रिज पीपल प्रौद्योगिकी सोलूशन प्रा लि, फरवरी 07, 2022
- आईईई प्रकाशनों का उपयोग करके अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना, **श्री धनुकुमार पट्टनशेट्टी,** वरिष्ठ आईईईई क्लाइंट सेवा प्रबंधक, आईईईई भारत, फरवरी 09, 2022
- प्रेस रीडर के उपयोग को शुरू करना: एक ई-समाचार पत्र व मैगज़ीन संग्रह, **श्री जोशुआ डॉकेटोलेरो,** लेखा प्रबंधक, पुस्तकालय टीम (फलीपींस), प्रेसरीडर, फरवरी 15, 2022
- ‘विज्ञान का वेब’ व अंतिमटिप्पणी: अपने शोध को अगले स्तर तक ले जाना, **डॉ सुभाश्री नाग,** उपाय सलाहकार, वैज्ञानिक शोध खंड, क्लेरीवेट एनेलिटिक्स, फरवरी 18, 2022
- चित्रण के माध्यम से दृश्य, **श्री नीरवकुमार पटेल,** अभिकल्पक, डीआईसी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, फरवरी 19, 2022
- स्कोपस व मेंडले के साथ आपके शोध की ऊर्जा, **डॉ शुभ्रा दत्ता,** उपभोक्ता सलाहकार (कोर कंटेंट), दक्षिण एशिया ए एंड जी टीम, एलज़ेवियर प्रकाशक, मार्च 15, 2022
- “कैप्टिव माइंड”: समकालीन एशियाई अकादमी (द्वितीय संस्करण) में बौद्धिक साम्राज्य को पुनर्जीवित करना, **सिपरी जेहां पाजू डेल** व **कीशो शूचिया,** क्योटो विवि; **प्रशांत इंगोले,** भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर; व **सय्यद फरीद एटलस,** राष्ट्रीय सिंगापोर विवि, मार्च 19, 2022
- चीज़े बनाने की कला, **डॉ गुरुप्रसाद राव,** निदेशक व हितैषी, इमेजिनेरियम भारत प्रा लि, मार्च 21, 2022
- ज़ोटेरे के उपयोग से संदर्भो का प्रबंधन – एक संदर्भ प्रबंधन सॉफ्टवेयर, **भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर पुस्तकालय टीम व देबस्मिता घोष** (शोध छात्र), मार्च 24, 2022
- छायाचित्र संघटन कार्यशाला, **16 पिक्सल क्लब**, मार्च 27, 2022
- अपने विद्वानों की पहचान बनाना और उसका प्रबंधन करना, **सुश्री पन्ना चौधरी,** सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, मार्च 30, 2022

टोपोलॉजी व अंतर रेखागणित पाठ्यक्रम

भौतिकी संकाय ने **प्रो सुनील मुखी,** प्राध्यापक, आईआईएसईआर पुणे द्वारा भौतिकी के लिए टोपोलॉजी और अंतर रेखागणित पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किया। 12 जुलाई, 2021 से शुरू करते हुए सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को 250 यूजी, एमएससी और पीएचडी विद्वानों के लिए 10-व्याख्यान का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम के संचालक **प्रो सुदीप्ता सरकार** थे।

अल्ट्रासाउंड कंट्रास्ट एजेंट कार्यशाला

जीएसबीटीएम के सहयोग से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 'अल्ट्रासाउंड कन्ट्रास्ट एजेंट: जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी में गैस-फील्ड के अनुप्रयोग' का आयोजन किया। व्याख्यान के अलावा, लगभग 80 प्रतिभागियों को माइक्रोबबल संश्लेषण और विशेषता पर ध्यान केंद्रित करने वाले वर्चुअल लैब डेमो सत्रों से भी अवगत कराया गया। दुनिया की अलग-अलग जगहों से प्रशिक्षकों ने कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया। **प्रो समीर दलवी, कार्ला मरकाडो-शेखर**, तथा **हिमांशु शेखर** इस कार्यक्रम के संचालक थे।

चिकित्सा मानविकी की बातचीत

मानविकी व सामाजिक विज्ञान संकाय ने चिकित्सा मावनिकी की बातचीत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस श्रंखला में प्रथम व्याख्यान **डॉ वीनिया डकारी,** एडजंक्ट लेक्चरर, राष्ट्रीय एथेंस कपोडीस्ट्रियन विवि, ग्रीस द्वारा अगस्त 13, 2021, तथा दूसरा व्याख्यान **डॉ आर्थर रोज़,** पोस्टडॉक्टोरल शोध फेलो, एक्सटर विवि, यूके द्वारा सितंबर 14, 2021 को दिया गया। इस बातचीत के संचालक **प्रो आर्का चट्टोपाध्याय** तथा एचएसएस डॉक्टोरल अभ्यर्थी **स्वाती जोशी** ने किया।

मानव-जंतु संबंध कार्यशाला

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने अगस्त 17, 18 व 20, 2021 को एक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की, 'हाशिये पर मानव-जंतु संबंध: सामाजिक न्याय की तलाश'। **प्रो सूर्यकांत वाघमोरे,** भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे में सामाजिक विज्ञान के प्राध्यापक, ने आधार व्याख्यान दिया। आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्वानों उपस्थित हुए थे। कार्यशाला का संचालन **प्रो अंबिका अय्यादुरई** तथा **प्रशांत इंगोले** (पीएचडी विद्वान) ने किया।

क्वांटम सूचना पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, भा॰प्रौ॰सं॰ हैदराबाद तथा भा॰वि॰सं॰ बेंगलोर ने मिलकर अगस्त 18-20, 2021 के दौरान 'क्यूएफटी तथा एड्स/सीएफटीआईआई की क्वांटम सूचना पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला' का आयोजन किया। इस कार्यशाला में कुछ विश्वस्तरीय विशेषज्ञ साथ आए। इसमें अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं द्वारा 14 वार्ताएं की गई और पूरे विश्व के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन **प्रो अर्पण भट्टाचार्य** (भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर), **आनिंदा सिन्हा** (भा॰वि॰सं॰ बेंगलोर) तथा **शुभो रॉय** (भा॰प्रौ॰सं॰ हैदराबाद) ने किया था।

गणित का इतिहास पठ्यक्रम

'भारतीय गणित का इतिहास' परियोजना के भाग के रूप में संस्थान ने चेन्नई के **प्रो अमिताभ वीरमणि** द्वारा गणित के इतिहास पर 10 व्याख्यान पाठ्यक्रम का आयोजन किया। यह पाठ्यक्रम हर सोमवार और गुरुवार को अगस्त 09 और सितंबर 13 के बीच आयोजित किया गया था और इसने विभिन्न सभ्यताओं से संबंधित गणित का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत किया गया। पाठ्यक्रम का संयोजन **प्रो सुदीप्ता सरकार** ने किया था।

"कैप्टिव माइंड" कार्यशाला

मानविकी व सामाजिक विज्ञान संकाय ने दक्षिणपूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, क्योटो विवि, जापान के साथ मिलकर '"कैप्टिव माइंड" की पुनः स्मृतिः पारंपरिक एशियाई अकादमी में बौद्धिक साम्राज्यवाद' पर सितम्बर 25, 2021 को एक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की। विश्व भर के कुल 40 छात्र-छात्राओं और अनुसंधानकर्ताओं ने इसमें भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन **प्रो निशांत चौकसी** (भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर) तथा **ताकामीची सेरिज़वा** (क्योटो विश्वविद्याल) ने किया।

यंत्रीकरण व सिग्नल अनुप्रयोग कार्यशाला

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 22-28 अक्टूबर, 2021 तक 'जैवचिकित्सा इमेजिंग एवं पुनर्वास में यंत्रीकरण व सिग्नल अनुप्रयोग' नामक सात दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के वक्ताओं के अलावा, कार्यशाला में भारतीय विज्ञान संस्थान, भा॰प्रौ॰सं॰ मद्रास, भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली, भा॰प्रौ॰सं॰ खड़गपुर, भा॰प्रौ॰सं॰ हैदराबाद और भा॰प्रौ॰सं॰ पलक्कड़ के 12 प्रख्यात वक्ताओं ने प्रस्तुतियाँ दीं। **प्रो हिमांशु शेखर, उत्तम लाहिड़ी**, और **कार्ला मर्काडो शेखर** कार्यशाला के समन्वयक थे।

प्रमात्रा सूचना पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, लेथब्रिज विश्वविद्यालय, कनाडा; केप टाउन विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका; और पैसिफिक लूथरन विश्वविद्यालय, संराअ ने 22-24 नवंबर, 2021 तक 'क्यूएफटी और कॉस्मोलॉजी में प्रमात्रा सूचना के अनुप्रयोग' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। ऑनलाइन कार्यशाला में दुनिया भर से लगभग 100 लोगों ने भाग लिया। **प्रो अर्पण भट्टाचार्य** (भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर), **शौर्य दास** (लेथब्रिज विश्वविद्यालय), **शाजिद हक** (केप टाउन विश्वविद्यालय), और **ब्रेट अंडरवुड** (पेसिफिक लूथरन विश्वविद्यालय) ने इस कार्यक्रम का सह-आयोजन किया।

आईएनडीओएमएल

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर और भा०प्रौ०सं० खड़गपुर ने संयुक्त रूप से "एआई के लिए डेटा और डेटा के लिए एआई" विषय पर 16-18 दिसंबर, 2021 के दौरान मशीन लर्निंग (इंडोएमएल) पर भारतीय संगोष्ठी के दूसरे संस्करण का आयोजन किया।

इसने भारत और विदेशों के प्रमुख विशेषज्ञों से आमंत्रित वार्ता के माध्यम से अत्याधुनिक मशीन लर्निंग शोध पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। इस कार्यक्रम का आयोजन भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के **प्रो अनिर्बन दासगुप्ता, मयंक सिंह** और **उदित भाटिया** और भा०प्रौ०सं० खड़गपुर के **प्रो अनिमेश मुखर्जी** और **निलॉय गांगुली** ने किया।

कॉगसी शिविर

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के **उत्सुकता प्रयोगशाला** और **संज्ञानात्मक व मस्तिष्क विज्ञान केंद्र** ने जनवरी 7—9 2022 के दौरान 'कॉगसी शिविर' रखा, जिसमें 8 से 12 वर्ष की कक्षा तक के विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों, अभिभावकों तथा शिक्षाविदों को उत्सुकता व मनोरंजक खेलों के माध्यम से संज्ञानात्मक विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमता तथा तंत्रिका विज्ञान से परिचय कराया गया। **प्रो जयसन मंजली** द्वारा संचालित इस कार्यशाला में देश-विदेश से अकादमिक विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए।

श्री अनूप बागची के साथ वार्तालाप

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने जनवरी 21, 2022 को **श्री अनूप बागची,** कार्यकारी निदेशक, आईसीआईसीआई बैंक, के साथ "जीवन की दौड़: स्प्रिंट, मेराथन, या दोनों?" शीर्षक पर एक संभाषण आयोजित किया। ऑनलाइन वार्ता के दौरान, श्री बागची ने भा०प्रौ०सं० कानपुर और भा०प्र०सं० बेंगलुरू में एक छात्र होने से लेकर आईसीआईसीआई बैंक में एक प्रतिष्ठित पद पर पहुंचने की कहानी और दर्शकों के साथ बातचीत करने के लिए अपनी जीवन यात्रा और अनुभव साझा किए।

विज्ञान जागरुकता सप्ताह

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने फरवरी 28, 2022 को कक्षा 11 से 12 (विज्ञान विषय) के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस से पूर्व एक विज्ञान जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया। अहमदाबाद/गांधीनगर क्षेत्र के 800 से अधिक स्कूली छात्रों और शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और स्कूली छात्रों के बीच एसटीईएम शिक्षा को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से कई रोमांचक और प्रायोगिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन **प्रो एमिला पांडा, श्रीराम कण्वाह,** तथा **सुपर्ब मिश्रा** ने किया।

एप्लाइड यांत्रिकी व गतिकी परिसंवाद

यांत्रिक अभियांत्रिकी संकाय, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, तथा एसपीएआरसी के सहयोग से, मार्च 3-4, 2022 को एप्लाइड यांत्रिकी व गतिकी पर एक दो-दिवसीय ऑनलाइन परिसंवाद रखा गया। शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के लगभग 30 स्नातक और वरिष्ठ स्नातक छात्रों और शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिसने विश्व के विभिन्न भागों के प्रख्यात वक्ताओं के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। परिसंवाद का संचालन **प्रो जयप्रकाश के आर** द्वारा किया गया था।

Power of Innovation
(Silicon Valley)
Company Name
IIT GANDHINAGAR

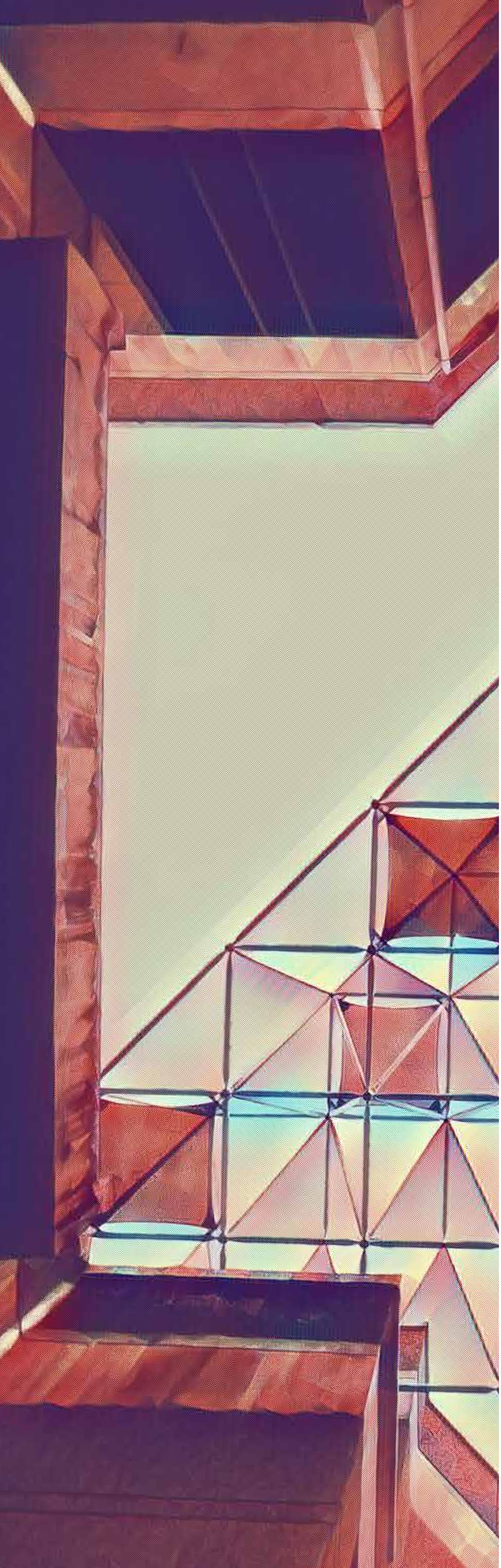

भारतीय वैज्ञानिकों पर संगोष्ठी श्रृंखला

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 17 अप्रैल, 2021 को ऑनलाइन मोड में भारतीय वैज्ञानिकों पर संगोष्ठी श्रृंखला के तीसरे संस्करण की मेजबानी की। इस आयोजन में जाने-माने भारतीय वैज्ञानिकों- आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे तथा ओबैद सिद्दीकी के जीवन और कार्यों पर दो ऑनलाइन संगोष्ठियां आयोजित किए गए। भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता के **प्रो अमृत्य कुमार दत्ता** ने 'आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे: उनके विविध योगदानों की झलक' पर पहला सत्र दिया। दूसरा सत्र 'ओबैद सिद्दीकी' शीर्षक पर **प्रो शर्मिष्ठा मजूमदार** द्वारा व्याख्यान दिया गया था। **प्रो सुदीप्ता सरकार** तथा **प्रो मिशेल डेनीनो** द्वारा इस संगोष्ठी श्रंखला का संचालन किया गया था।

विकिरण और प्रकाश-रसायन विज्ञान में 14वीं द्विवार्षिक राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय विविकरण व फोटोरसायन विज्ञान संघ के समर्थन से रसायन विज्ञान संकाय ने 25 और 26 जून, 2021 को विकिरण और फोटोरसायन में 14 वें द्विवार्षिक राष्ट्रीय संगोष्ठी की मेजबानी की। विषयों के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करने वाले दुनिया भर के प्रतिष्ठित शिक्षकों द्वारा 16 आमंत्रित वार्ताओं के अलावा, दो दिवसीय संगोष्ठी में 17 मौखिक प्रस्तुतियों और वरिष्ठ पीएचडी और पोस्टडॉक्टरल छात्रों से 55 फ्लैश वार्ता की मेजबानी की गई। इस आभासी बैठक में 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और कुल 18 छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से **प्रो श्रीराम कण्वाह** तथा बीएआरसी से **डॉ ज्योतिर्मयी मोहंती** इस संगोष्ठी के संयोजक थे।

भारतीय वैज्ञानिकों की संगोष्ठी श्रंखला

संस्थान ने 21 अगस्त, 2021 को भारतीय वैज्ञानिकों पर संगोष्ठी श्रृंखला के चौथे संस्करण की मेजबानी की, जिसमें सलीम मोइज़ुद्दीन अब्दुल अली और अमल कुमार रायचौधुरी के जीवन और कार्यों पर दो ऑनलाइन संगोष्ठियां संपन्न हुई। एक प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी और संरक्षणवादी तारा गांधी ने "सलीम अली - भारतीय पक्षी विज्ञान के पिता" शीर्षक पर पहला व्याख्यान दिया। दूसरा व्याख्यान, "रायचौधरी और उनका समीकरण", **प्रो सुदीप्ता सरकार** द्वारा दिया गया था। संगोष्ठी में दुनिया भर के लगभग 100 विद्वानों, छात्रों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। श्रृंखला को **प्रो सुदीप्ता सरकार** और **प्रो मिशेल डैनिनो** द्वारा क्यूरेट किया जा रहा है।

जलवायु कार्रवाई पर वेबिनार

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के **डॉ किरण सी पटेल स्थिरता विकास केंद्र** (केपीसीएसडी) और प्राइसवॉटरहाउसकूपर्स (पीडब्लूसी) तथा डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल जुसामेनरबीट (जीआईजेड) जीएमबीएच, नई दिल्ली ने साथ मिलकर 20 अक्टूबर, 2021 को 'एडवांसिंग फ्रंटियर्स ऑफ नॉलेज ऑन क्लाइमेट एक्शन: क्रॉस-सेक्शनल अप्रोच फॉर मिटिगेशन एंड रेजिलिएंस' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। ई-वेबिनार में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से लगभग 100 वैज्ञानिक दर्शकों और चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की मेजबानी केपीसीएसडी के समन्वयक **प्रो विमल मिश्रा** ने की।

आमंत्रित व्याख्यान

- बहु-शरीर स्थानीयकरण: जब क्वांटम सिस्टम थर्मल करने से इनकार करते हैं, **प्रो राजदीप सेंसारमा,** सैद्धांतिक भौतिकी विभाग, टीआईएफआर, मुंबई, **3** अप्रैल, **2021**
- माइक्रोचैनल में सक्रिय कणों के हाइड्रोडायनामिक्स, **डॉ सुरेश थम्पी,** सहायक प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, भा॰प्रौ॰सं॰ मद्रास, **8** अप्रैल, **2021**
- मल्टीफिल्ट्रेशन और टॉरिक वेक्टर बंडल, **प्रो विवेक मोहन मलिक,** आईआईएसईआर पुणे, **9** अप्रैल, **2021**
- पेरोव्स्काइट सेमीकंडक्टर्स के नैनोस्केल ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक गुण, **प्रो अंगशुमान नाग,** सह-प्राध्यापक, रसायन विज्ञान, आईआईएसईआर पुणे, **9** अप्रैल, **2021**
- प्लेबियन दार्शनिक महात्मा फुले, **प्रो उमेश बगडे,** इतिहास के प्राध्यापक, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, **12** अप्रैल, **2021**
- बंगाल में अम्बेडकरवादी प्रवचन का अदृश्यकरण: भद्रलोक की उच्च जाति, **डॉ सुभाजीत नस्कर,** सहायक प्राध्यापक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, अप्रैल 13, 2021
- नागरिक और राजनीतिक स्वतंत्रता और भारतीयों की खुशी: कलकत्ता, 1843, **रौसिंका चौधरी,** सांस्कृतिक अध्ययन की निदेशक और प्राध्यापक, सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र, कलकत्ता, अप्रैल 14, 2021
- अंकगणितीय प्रगति में विभाजन के आँकड़ों का वितरण, **प्रो केन ओनो,** थॉमस जैफरसन गणित के प्राध्यापक, वर्जीनिया विश्वविद्यालय, संराअ, अप्रैल 16, 2021
- पुस्तकों को एक कला के रूप में देखना; वस्तु, **सुश्री अदिति बाबेल,** संस्थापक और प्रमुख डिजाइनर, अदिति बाबेल डिजाइन स्टूडियो, अप्रैल 20, 2021
- आर्यन आक्रमण बहस में आनुवंशिकी, **डॉ ज्ञानेश्वर चौबे,** प्राध्यापक, प्राणी विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, अप्रैल 21, 2021
- पूर्वोत्तर गलियारा: उपमहाद्वीप के अंदर और बाहर होमिनिन का फैलाव, **डॉ यान-पियरे** मोंटेले, स्पेलियोआर्कियोलॉजिस्ट, अप्रैल 23, 2021
- समकालीन केरल में यौवन/कामुकता का अपमान, **प्रो जे देविका,** नारीवादी शोधकर्ता और शिक्षक, विकास अध्ययन केंद्र, केरल, अप्रैल 23, 2021
- गैर-तुच्छ शून्यों के निर्देशांकों का समान वितरण, **डॉ फातमा सिसेक,** सहायक अनुसंधान प्राध्यापक, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, अप्रैल 23, 2021
- गुजरात में हड़प्पा सभ्यता: वर्तमान परिप्रेक्ष्य, **प्रो अजितप्रसाद,** प्राध्यापक, पुरातत्व और प्राचीन इतिहास विभाग, एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा, अप्रैल 24, 2021
- भारतीय श्रम इतिहास पर पुनर्विचार: औपनिवेशिक युग में उत्तर भारतीय प्रवासी श्रमिक प्रवास, **प्रो क्रिस्पिन बेट्स,** आधुनिक और समकालीन दक्षिण एशियाई इतिहास के प्राध्यापक, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, यूके, और दक्षिण एशियाई और हिंद महासागर अध्ययन में अनुसंधान प्राध्यापक, सनवे विश्वविद्यालय, मलेशिया, अप्रैल 28, 2021
- एक नरम झरझरा माध्यम में द्रव-द्रव चरण पृथक्करण, **प्रो क्रिस मैकमिन,** सह प्राध्यापक, अभियांत्रिकी विज्ञान विभाग, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, अप्रैल 30, 2021
- क्वांटम बूंदों का आयामी क्रॉसओवर, **डॉ चिन्मयी मिश्रा,** अर्ली करियर फेलो आईआईटी गांधीनगर, मई 07, 2021
- संतुलित दिमाग से करियर के लक्ष्यों के लिए सरल कौशल को समझना और हासिल करना, **डॉ योगेश फुलपागरे,** पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, राष्ट्रीय चिआओ तुंग विवि, ताइवान, मई 8, 2021
- आइजैक न्यूटन का वैज्ञानिक कार्य, **प्रो के पी योगेंद्रन,** सहायक प्राध्यापक, आईआईएसईआर मोहाली, मई 13, 2021
- प्रो के पी योगेंद्रन, सहायक प्राध्यापक, आईआईएसईआर मोहाली, **डॉ मुस्तफिज़ुर रहमान,** पोस्टडॉक्टोरल फेलो, आईआईटी गांधीनगर, मई 21, 2021
- अब से 10 वर्षों के लिए प्रतिस्पर्धा करें, **श्री भाविन पंड्या,** प्रबंध निदेशक, एटलस कोप्को एसआरओ, पराग, चेक गणराज्य, मई 29, 2021
- भारत में पत्थर कला: भाषा और लिपियों के लिए एक कदम?, **प्रो अजय प्रताप,** प्राध्यापक, इतिहास, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, मई 29, 2021
- अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए वितरित पैरामीटर सिस्टम पर केबल के दोहन के गतिशील प्रभाव: विश्लेषणात्मक मॉडलिंग और प्रयोगात्मक सत्यापन, **डॉ प्रणव अग्रवाल,** सेशनल लेक्चरर यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू, कनाडा, जून 17, 2021
- कैंप बैंगलोर के वैज्ञानिकों द्वारा मेडटेक पर संगोष्ठी, जून 18, 2021
- गणितज्ञों की प्रारंभिक अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस कितनी अंतर्राष्ट्रीय थी?, **प्रो क्रिस्टोफर हॉलिंग्स,** विभागीय व्याख्याता, मैथमैटिकल इंस्टीट्यूट में गणित और इसका इतिहास, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, और क्लिफोर्ड नॉर्टन वरिष्ठ शोध फेलो, गणित का इतिहास, द क्वींस कॉलेज, जून 18, 2021
- प्रकृति में प्रकाशन: एक जलवायु विज्ञान परिप्रेक्ष्य, **डॉ माइकल व्हाइट,** वरिष्ठ संपादक, नेचर जर्नल, सैन फ्रांसिस्को, संरअ, जून 18, 2021
- चरम प्रदर्शन के लिए अपनी ऊर्जा को रिचार्ज करें, **सुश्री हेदी हन्ना,** वक्ता, प्रकाशित लेखक, और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त तनाव और लचीलापन विशेषज्ञ, जून 19, 2021
- नॉइज़ इंटरमीडिएट-स्केल क्वांटम डिवाइसेस के साथ क्वांटम लाभ और प्रमाणन की ओर, **श्री किशोर भारती,** शोध विद्वान, सेंटर फॉर क्वांटम टेक्नोलॉजीज, सिंगापुर राष्ट्रीय विवि, जून 24, 2021
- ओमान प्रायद्वीप के उम्म-ए-नार समुदायों के साथ सिंधु सभ्यता का व्यापार: एक 'गोलोकल' मार्केटिंग रणनीति के संकेत?, **प्रो डेनिस फ्रेनेज़,** सह-प्राध्यापक, इतिहास संस्कृति सभ्यता विभाग, बोलोग्ना विश्वविद्यालय, इटली, जून 26, 2021
- इंटरएक्टिव सत्र, **श्री रोहन गणपति,** सीईओ और सीटीओ, बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस लिमिटेड, जुलाई 3, 2021
- स्ट्रिंग सिद्धांत और H0-Ly तनाव, **डॉ अरित्रा बैनर्जी,** पोस्टडॉक्टोरल फेलो, ओकिनावा विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान (ओआईएसटी), जापान, जुलाई 9, 2021
- लचीलापन का निर्माण, **प्रो तातियाना कोलोवो,** संकाय, केली प्रबंधन विद्यालय, जुलाई 10, 2021.
- पेशेवर लक्ष्यों को परिभाषित करना और प्राप्त करना, **प्रो डोरी क्लार्क,** संकाय, ड्यूक यूनिवर्सिटी के फूक्वा स्कूल ऑफ बिजनेस, और कोलंबिया प्रबंधन विद्यालय, जुलाई 10, 2021
- ऊतक अभियांत्रिकी और पुनर्योजी चिकित्सा के लिए भौतिक सतहों की सूक्ष्म/नैनो-अभियांत्रिकी, **प्रो केतुल पोपट,** प्राध्यापक, बायोमैटिरियल्स और सरफेस माइक्रो / नैनोअभियांत्रिकी प्रयोगशाला, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विद्यालय, स्कूल ऑफ एडवांस्ड मैटेरियल्स डिस्कवरी, कोलोराडो राजकीय विवि, जुलाई 13, 2021
- गुरुत्वाकर्षण तरंगों (जीडब्लू) के माध्यम से बड़े बीएच का पता लगाकर हम क्या सीख सकते हैं?, **डॉ अजीत मेहता,** पोस्टडॉक्टोरल विद्वान, मैक्स प्लैंक गुरुत्वाकर्षण भौतिकी संस्थान (एईआई), जर्मनी, जुलाई 13, 2021
- एम87 की 2017 ईएचटी टिप्पणियों के साथ ब्लैक-होल शुल्क पर प्रतिबंध, **डॉ प्रशांत कोचरलाकोटा,** पोस्टडॉक्टोरल विद्वान, सैद्धांतिक भौतिकी संस्थान (आईटीपी), जर्मनी, जुलाई 15, 2021
- इलेक्ट्रॉनिक ग्लास और अन्य कहानियों में टोपोलॉजिकल चरण, **डॉ अधिप अग्रवाल,** पोस्टडॉक्टोरल फेलो, मैक्स-प्लैंक जटिल प्रणाली संस्थान, ड्रेसडेन, जुलाई 21, 2021
- नेतृत्व: व्यावहारिक कौशल (भाग 1), **श्री क्रिस क्रॉफ्ट,** लेखक और मुख्य वक्ता, जुलाई 24, 2021
- डाकुओं की लड़ाई, **डॉ आदिरूप साहा,** पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च न्यूयॉर्क सिटी, जुलाई 28, 2021
- क्रॉस-फ्लो टर्बाइनों में गतिशील स्टॉल का अनुकरण, **श्री मुकुल दवे,** पीएचडी छात्र, यांत्रिक अभियांत्रिकी, विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, जुलाई 30, 2021
- जैव प्रेरित तरल-विकर्षक सतहें, **डॉ श्रीनाद मट्टापर्थी,** पोस्टडॉक्टोरल फेलो, पदार्थ अभियांत्रिकी, आईआईटी गांधीनगर, जुलाई 30, 2021
- शहरी चरण के अंत में हड़प्पा सभ्यता और बहरीन के बीच समुद्री व्यापार, जापान के एक स्वतंत्र विद्वान **डॉ अकिनोरी यूसुगी,** जुलाई 31, 2021
- नेतृत्व: व्यावहारिक कौशल (2 का भाग 2), **श्री क्रिस क्रॉफ्ट,** लेखक और मुख्य वक्ता, जुलाई 7, 2021
- आवधिक गुणांक और क्वांटम मॉड्यूलर रूपों के साथ आंशिक थीटा श्रृंखला, **डॉ अंकुश गोस्वामी,** पोस्टडॉक्टोरल फेलो, गणित, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, अगस्त 9, 2021
- अंकगणितीय सर्किट: विभाजन उन्मूलन, और गुणनखंड, **डॉ अमित सिन्हाबाबू,** पोस्टडॉक्टोरल फेलो, एलेन विवि, जर्मनी, अगस्त 11, 2021
- अहमदाबाद के शहरी खाद्य दृश्य, **श्री जेरेन जॉर्ज,** पीएचडी छात्र, मानविकी व सामाजिक विज्ञान, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, अगस्त 11, 2021
- इलेक्ट्रोसपुन पॉलिमरिक मैट्रिसेस: मौलिक अंतर्दृष्टि और जैव चिकित्सा अनुप्रयोग, **डॉ सत्यव्रत सामवेदी,** सहायक प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ हैदराबाद, अगस्त 12, 2021
- ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए मितव्ययी स्वास्थ्य देखभाल जैव चिकित्सा उपकरणों का महत्व, **डॉ शिरसेन्दु मित्रा,** अर्ली करियर फेलो, भौतिक विज्ञान, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, अगस्त 13, 2021
- थिएटर में बीमारी और दवा: सौंदर्य, अनुशासनात्मक, और (अंतर) व्यक्तिगत क्रॉसिंग, **डॉ विनिया डकारी,** सहायक व्याख्याता, अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग, एथेंस के राष्ट्रीय और कपोडिस्ट्रियन विश्वविद्यालय, अगस्त 13, 2021
- एक मॉडल के माध्यम से, अंधेरे में: गर्म जलवायु, अतीत और भविष्य की गतिशीलता में अंतर्दृष्टि, **प्रो मैथ्यू ह्यूबर,** हेड, क्लाइमेट डायनेमिक्स प्रेडिक्शन लेबोरेटरी, और एसोसिएट डायरेक्टर, पर्ड्यू वायुमंडल परिवर्तन शोध केंद्र, पर्ड्यू विवि, अगस्त 13, 2021
- जी2 ज्यामिति और ज्यामितीय प्रवाह, **डॉ. शुभम द्विवेदी,** पोस्टडॉक्टोरल फेलो, इंस्टिट्यूट फर मैथमैटिक, हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी, बर्लिन, अगस्त 16, 2021,
- पवित्र गाय हिंदू सर्वदेशीयता से परे प्रेम और एक शाकाहारी कुत्ते की खोज, **प्रो सूर्यकांत वाघमोर,** समाजशास्त्र के प्राध्यापक, मानविकी व सामाजिक विज्ञान विभाग, भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे, अगस्त 17, 2021
- संचार जटिलता के माध्यम से मोनोटोन अंकगणितीय सर्किट के लिए निचली सीमाएं, **प्रो पार्थ मुखोपाध्याय,** सह

प्राध्यापक, चेन्नई गणित संस्थान, अगस्त 18, 2021

- 2डी नैनोमटेरियल्स और उनके अनुप्रयोग, **प्रो समीर सपरा,** प्राध्यापक, रसायन विज्ञान, भा०प्रौ०सं० दिल्ली, अगस्त 20, 2021
- परिष्कृत कोब्लिट्ज अनुमान पर, **डॉ संपा डे**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, गणित, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, अगस्त 23, 2021
- वैश्विक दक्षिण के लिए स्मार्टफोन आधारित तकनीकी समाधान, **डॉ मोहित जैन,** शोधकर्ता, उभरते बाजार समूह के लिए प्रौद्योगिकी, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया, अगस्त 25, 2021
- सीखने के एल्गोरिदम पर प्रतिकूल हमलों को हराने के लिए हाई-स्कूल ज्यामिति का उपयोग करना, **प्रो पुरुषोत्तम कर,** परामर्श शोधकर्ता, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया, बेंगलुरु, और सहायक प्राध्यापक, सीएसई, भा०प्रौ०सं० कानपुर, अगस्त 25, 2021
- 100 मिलियन उत्पादों में अपने पसंदीदा को खोजने के लिए स्यामेस नेटवर्क का उपयोग करना, **प्रो पुरुषोत्तम कर,** परामर्श शोधकर्ता, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया, बेंगलुरु, और सहायक प्राध्यापक, सीएसई, भा०प्रौ०सं० कानपुर, अगस्त 25, 2021
- कृत्रिम स्मृति के युग में मानविकी, **प्रो जी एन देवी**, अंग्रेजी के पूर्व प्राध्यापक, एम एस विश्वविद्यालय, वडोदरा, और संस्थापक-ट्रस्टी, भाषा अनुसंधान और प्रकाशन केंद्र, वडोदरा, अगस्त 25, 2021
- गर्म क्यूसीडी माध्यम में भारी क्वार्क परिवहन, **डॉ मनु कूरियन**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, भौतिक विज्ञान, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, अगस्त 26, 2021
- कार्यात्मक नैनो-पैटर्न वाली सतहों का स्व-संगठन-आधारित निर्माण और स्थायित्व अध्ययन, **डॉ नंदिनी भंडारू**, सहायक प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, बीआईटीएस पिलानी, हैदराबाद परिसर, अगस्त 26, 2021
- उच्च वैलेंटाइन धातु प्रजातियों की यात्रा, **डॉ मुनमुन घोष**, सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग, अशोक विश्वविद्यालय, अगस्त 26, 2021
- भविष्य के ऊर्जा भंडारण के लिए हाइब्रिड सामग्री और डिवाइस आर्किटेक्चर, **डॉ मीनू शर्मा**, अर्ली करियर फेलो, यांत्रिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, अगस्त 27, 2021
- आईआईटी को इससे क्या संबंध: उत्पाद डिजाइन, **श्री ईशान कौल,** पूर्व उत्पाद डिजाइनर, फ्लिपकार्ट, अगस्त 27, 2021
- हर दिन जीतने की आदत, **डॉ जेसन रिचर्डसन,** कार्यकारी कोच, वक्ता और लेखक, अगस्त 28, 2021
- स्मार्ट इलेक्ट्रिक वाहन और उसके ऊर्जा स्रोत, **श्री किसलय पंकज**, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, मिसेलियो-इलेक्ट्रिक वाहन, बेंगलोर, अगस्त 28, 2021
- मानवता और स्थिरता के लिए डिजाइन नवाचार, **श्री अमित इनामदार,** औद्योगिक डिजाइनर, शिक्षक और सामाजिक उद्यमी, अगस्त 28, 2021
- धौलावीरा का हड़प्पा शहर और विश्व विरासत सूची में उसका शिलालेख, **प्रो वी एन प्रभाकर**, सह प्राध्यापक, एचएसएस, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, अगस्त 28, 2021
- सामाजिक प्रथाओं में तर्क की तलाश, **प्रो आर रामानुजम,** सेवानिवृत्त प्राध्यापक, गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई, सितंबर 01, 2021
- इमेजिंग से परे आणविक उपकरण के रूप में बहुक्रियाशील फ्लोरोसेंट रंजक, **डॉ प्रतीक कुमार,** एचएचएमआई पोस्टडॉक्टोरल फेलो, जेनेलिया शोध परिसर, संराअ, सितंबर 02, 2021
- जटिल परिवेश में कृत्रिम सक्रिय पदार्थ, **प्रो राहुल मंगल**, सहायक प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० कानपुर, सितंबर 02, 2021
- जमावट और टक्कर-प्रेरित टूटे समीकरण के लिए बड़े पैमाने पर संरक्षण समाधान का अस्तित्व और विशिष्टता, **डॉ जीतराज साहा**, सहायक प्राध्यापक, गणित, रा०प्रौ०सं० तिरुचिरापल्ली, सितंबर 06, 2021
- सोशल मीडिया और मल्टीमॉडल सेंसिंग डेटा पर कम्प्यूटेशनल और कारणात्मक दृष्टिकोण: स्थित संदर्भों में भलाई की जांच करना, **डॉ कौस्तुव साहा,** पीएचडी विद्वान, संगणक विज्ञान, जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, संराअ, सितंबर 08, 2021
- ईएचटी छाया का उपयोग करके एम87 ब्लैक होल के चारों ओर अल्ट्रालाइट स्केलर फ़ील्ड को रोकना, **डॉ पेट्रो कुन्हा**, पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, गणित विभाग, एवीरो विवि, पुर्तगाल, सितंबर 09, 2021
- आणविक सिमुलेशन का उपयोग करके लंबे आंतरिक रूप से अव्यवस्थित पेप्टाइड्स के लिए नमूनाकरण चुनौतियों पर काबू पाना, **प्रो आनंद श्रीवास्तव**, सहायक प्राध्यापक, आण्विक जैवभौतिकी इकाई, भा०वि०सं० बेंगलोर, सितंबर 09, 2021
- क्लस्टर और क्लस्टर-असेंबली: परिवर्तन रसायन और ऑप्टो-विद्युत गुण, **प्रो सुखेन्दु मंडल**, सह प्राध्यापक, रसायन विज्ञान, आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम, सितंबर 10, 2021
- कुशल द्वि-धातु प्लास्मोनिक फोटोकैटलिस्ट का विकास, **डॉ अभिजीत रॉय**, अर्ली करियर फेलो, रसायन विज्ञान भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, सितंबर 10, 2021
- स्टीवन वेनबर्ग और आधुनिक कण भौतिकी का निर्माण, **प्रो भारद्वाज कोलप्पा**, सहायक प्राध्यापक, भौतिक विज्ञान, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, सितंबर 11, 2021
- फुच्सियन समूह, परवलयिक बंडल, पैराहोरिक टॉर्सर, **प्रो विक्रमन बालाजी,** प्राध्यापक, गणित, चेन्नई गणितीय संस्थान, सितंबर 13, 2021
- कोविडियोट्स! कोविड -19 के दौरान शर्म, कलंक और बुरे शब्द, **डॉ आर्थर रोज,** पोस्टडॉक्टोरल शोध फेलो, अंग्रेजी विभाग और वेलकम सेंटर फॉर द कल्चर एंड एनवायरनमेंट ऑफ हेल्थ, एक्सेटर विवि, सितंबर 14, 2021
- कम्प्यूटेशनल जटिलता में शून्य, **डॉ अनुराग पांडे,** पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर इंफॉर्मेटिक्स एंड सारलैंड यूनिवर्सिटी, जर्मनी, सितंबर 15, 2021
- स्पिन के साथ सापेक्षतावादी हाइड्रोडायनामिक्स का निर्माण और अनुप्रयोग, **डॉ अवधेश कुमार**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, भौतिक विज्ञान, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, सितंबर 16, 2021
- सतही तरंगों और अस्थिरता से संबंधित दो समस्याएं, **डॉ रातुल दासगुप्ता**, सह प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, सितंबर 16, 2021
- बुनियादी ढांचा प्रणालियों में अनुकूली लचीलापन का आकलन करने और बढ़ाने के लिए सिद्धांत और पद्धतियां, **डॉ प्रेरणा सिंह,** पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, स्कूल ऑफ सिविल व पर्यावरण अभियांत्रिकी विद्यालय, जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, सितंबर 16, 2021
- एल्युमिनियम - खदान से धातु तक, **श्री आर एन चौहान,** वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, और **श्री विश्वनाथ अम्मू,** वरिष्ठ वैज्ञानिक, जवाहरलाल नेहरू एल्यूमिनियम अनुसंधान विकास और डिजाइन केंद्र, सितंबर 17, 2021
- नेटवर्क-ऑन-चिप (एनओसी) प्रदर्शन विश्लेषण और गहन शिक्षण अनुप्रयोगों के लिए अनुकूलन, **सुमित के मंडल,** पीएचडी विद्वान, इलेक्ट्रिकल संगणक अभियांत्रिकी, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, मैडिसन, सितंबर 17, 2021
- अपोडिक्टिक प्रवचन: तर्कसंगत विद्वानों के संचार के लिए एक प्रतिमान?, **प्रो सत्यानद किचेनासामी,** विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, रिम्स गणित प्रयोगशाला, रिम्स शैम्पेन-आर्डेन विवि, फ्रांस, सितंबर 17, 2021
- काम पर लेखक 1.0, **प्रो चिण्मय तुंबे,** अर्थशास्त्र के सहायक प्राध्यापक, भा०प्र०सं० अहमदाबाद, सितंबर 17, 2021
- लक्ष्य निर्धारण - उद्देश्य और मुख्य परिणाम (ओकेआर), **सुश्री जेसी विदर,** वरिष्ठ प्रबंधक, कॉर्पोरेट रणनीति, सितंबर 18, 2021
- स्थायी ऊर्जा भविष्य के लिए मांग पक्ष प्रबंधन, **श्री आनंद कुमार,** अभ्यास से प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, सितंबर 20, 2021
- पीएसी उच्च आयामी वितरण सीख रहा है, **डॉ सुतनु गायेन,** पोस्टडॉक्टोरल शोध फेलो, संगणक विद्यालय, सिंगापुर राष्ट्रीय विवि, सितंबर 20, 2021
- विशार्ट वितरण से क्वांटम राज्यों के आईआईडी और समस्या-विशिष्ट नमूने, **डॉ श्रोबोना बागची**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, तेल एवीव विवि, इज़रायल, सितंबर 23, 2021
- सहसंयोजक चुंबकीय चिमटी: जीव विज्ञान देखने के लिए एक नई खिड़की, **डॉ शुभाशीश हलदरी**, सहायक प्राध्यापक, जैविक विज्ञान, अशोक विश्वविद्यालय, सितंबर 23, 2021
- दर्द रहित सहकर्मी समीक्षा: प्रक्रिया को नेविगेट करना, **प्रो कार्ला पी मर्काडो-शेखर**, सहायक प्राध्यापक, जैविक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, सितंबर 23, 2021
- रोजमर्रा की जिंदगी में प्रदर्शन, **प्रो स्टेनली गोंटार्स्की,** रॉबर्ट ओ लॉटन अंग्रेजी के विशिष्ट प्राध्यापक, फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएस, सितंबर 23, 2021
- पृथ्वी के जलाशयों में समस्थानिक विकास मॉडलिंग: कोर गठन, देर से अभिवृद्धि, और क्रस्ट-मेंटल भेदभाव के लिए निहितार्थ, **प्रो देबज्योति पॉल**, प्राध्यापक और प्रमुख, पृथ्वी विज्ञान, भा०प्रौ०सं० कानपुर, सितंबर 24, 2021
- जटिल इंटरफेस पर जांच संरचना और गतिशीलता, **प्रो रवींद्र पांडे**, सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान भा०प्रौ०सं० रूड़की, सितंबर 24, 2021
- कार्य प्रगति पर है: एक वास्तुशिल्प डिजाइन परिप्रेक्ष्य, **श्री प्रशांत नदीप्रसाद,** वास्तुकार और औद्योगिक डिजाइनर, डिजाइन और नवाचार केंद्र, सितंबर 25, 2021
- हड़प्पा नगर नियोजन: अनुपातों और रैखिक मापों के उपयोग का खुलासा करना, **प्रो मिशेल डैनिनो,** अभ्यागत प्राध्यापक, मानविकी व सामाजिक विज्ञान और समन्वयक, पुरातत्व विज्ञान केंद्र, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, सितंबर 25, 2021
- अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम: भारत के हितों के लिए निहितार्थ, **श्री तल्मिज़ अहमद,** सऊदी अरब, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात में पूर्व भारतीय राजदूत, सितंबर 29, 2021
- भारत में कोविड-19 प्रोटोकॉल और वैक्सीन हिचकिचाहट के लिए सार्वजनिक व्यवहार में स्थानिक-अस्थायी रुझान: फेसबुक उपयोगकर्ताओं के एक राष्ट्रव्यापी वेब सर्वेक्षण से निष्कर्ष, **सौमी रॉय चौधरी,** सलाहकार, एनसीएईआर, और **शांतनु प्रमाणिक,** वरिष्ठ फेलो, एनसीएईआर और उप निदेशक, राष्ट्रीय डेटा नवाचार केंद्र, एनसीएईआर, नई दिल्ली, सितंबर 29, 2021
- गुरुत्वाकर्षण के ब्रह्माण्ड संबंधी परीक्षण, **प्रो काजुया कोयामा,** प्राध्यापक, प्रौद्योगिकी संकाय, ब्रह्मांड विज्ञान और गुरुत्वाकर्षण संस्थान, पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय, सितंबर 30, 2021
- स्थायी खाद्य वायदा की दिशा में अवसर, **प्रो मत्ती कुमु**, सह प्राध्यापक, आल्टो विश्वविद्यालय, फिनलैंड, अक्टूबर

6, 2021

- संरक्षण: संभव की कला, **श्री विवेक मेनन,** संस्थापक और कार्यकारी निदेशक, भारतीय वाइल्डलाइफ ट्रस्ट, अक्टूबर 8, 2021
- अर्धसमूहों के साथ एक मुलाकात, **डॉ कृति गोयल,** अर्ली करियर फेलो, गणित, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, अक्टूबर 8, 2021
- विश्वास के साथ संचार, **श्री जेफ एंसेल,** प्रमुख, जेफ एंसेल एंड एसोसिएट्स, अक्टूबर 9, 2021
- लोचदार माध्यम में उलटी समस्याएं (आंशिक अंतर समीकरणों का एक अनुप्रयोग), **प्रो सोमबुद्ध भट्टाचार्य,** सहायक प्राध्यापक, गणित विभाग, आईआईएसईआर भोपाल, अक्टूबर 11, 2021
- संघर्ष मुक्त बाधाओं के साथ समस्याओं के लिए एफपीटी एल्गोरिदम डिजाइन करना, **डॉ रूहानी शर्मा,** लिसे-मीटनर पोस्ट-डॉक्टरल फेलो, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर इंफॉर्मेटिक्स, जर्मनी, अक्टूबर 11, 2021.
- अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी का रणनीतिक नतीजा, **राजदूत गौतम मुखोपाध्याय,** सीरिया, अफगानिस्तान और म्यांमार में भारत के पूर्व राजदूत और वर्तमान में नीति शोध केंद्र में वरिष्ठ विजिटिंग फेलो हैं, नई दिल्ली, अक्टूबर 13, 2021
- आणविक सिमुलेशन का उपयोग करके लंबे आंतरिक रूप से अव्यवस्थित पेप्टाइड्स के लिए नमूनाकरण चुनौतियों पर काबू पाना, **प्रो आनंद श्रीवास्तव,** सहायक प्राध्यापक, आण्विक बायोफिज़िक्स इकाई, भा०वि०सं० बेंगलोर, अक्टूबर 14, 2021
- सामाजिक नेटवर्क के संज्ञानात्मक मानचित्रों का निर्माण, **जे-यंग सन** (स्नातक छात्र) और **अपूर्वा भंडारी** (पोस्ट-डॉक्टोरल रिसर्च एसोसिएट), ब्राउन यूनिवर्सिटी, रोड, आइलैंड, संराअ, अक्टूबर 14, 2021
- एक अवधारणा के रूप में लिपि: देवनागरी वर्णमाला की संरचना, तकनीक और कविता, **डॉ संतोष क्षीरसागर,** एक प्रख्यात सुलेखक और एक पत्र-रूप विशेषज्ञ, अक्टूबर 16, 2021
- मेटाग्रोसिस, **डॉ डेनिएल स्पेंसर,** कोलंबिया विश्वविद्यालय के अकादमिक निदेशक और एक लेखक, अक्टूबर 19, 2021
- मानदंडों के साथ समूह: एक बहुश्रुत साहसिक, **प्रो अपूर्वा खरे,** सह प्राध्यापक, गणित, भा०वि०सं० बेंगलोर, अक्टूबर 20, 2021
- रासायनिक रिएक्टरों के लिए गणितीय मॉडल - कैनेटीक्स का महत्व, **प्रो प्रीती अघलायम,** प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० मद्रास, अक्टूबर 21, 2021
- रसायन विज्ञान में नोबल पुरस्कार 2021 – चिरल अणुओं के निर्माण में ऑरगेनोकेटेलिसिस, **प्रो चंद्रकुमार अप्पाई,** सह प्राध्यापक, रसायन विज्ञान भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, अक्टूबर 21, 202
- लिथियम-आधारित रिचार्जेबल बैटरी के लिए धातु-मुक्त, बाइंडर-मुक्त 3D इलेक्ट्रोड आर्किटेक्चर, **प्रो सुरेंद्र कुमार मार्था,** सह प्राध्यापक, रसायन विज्ञान भा०प्रौ०सं० हैदराबाद, अक्टूबर 22, 2021
- भारत में विरासत स्मारकों की मरम्मत और पुनर्वास, **डॉ स्वाति मनोहर,** अर्ली करियर फेलो, सिविल अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, अक्टूबर 22, 2021
- शहरी बाढ़ में परिवर्तन से वर्षा की चरम सीमा में वृद्धि को कम करना, **प्रो आशीष शर्मा,** प्राध्यापक, सिविल और पर्यावरण अभियांत्रिकी, न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया, अक्टूबर 25, 2021
- द्विअक्षीय ध्वनियों के साथ बाहरी दृश्यों की अर्थपूर्ण समझ, **डॉ अरुण बालाजी वासुदेवन,** पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, कंप्यूटर विजन लैब, ईटीएच ज्यूरिख, अक्टूबर 25, 2021
- संभाव्य सोच, **प्रो पार्थ सारथी चक्रवर्ती,** प्राध्यापक, सैद्धांतिक सांख्यिकी और गणित इकाई, भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), कोलकाता, अक्टूबर 25, 2021
- हमारी विद्वतापूर्ण प्रकाशन प्रणाली को आगे बढ़ाना जो खुली, टिकाऊ और न्यायसंगत है, **श्री कोलीन कैंपबेल,** ओपन एक्सेस **2020** इनिशिएटिव में पार्टनर डेवलपमेंट, मैक्स प्लैंक सोसाइटी, मैक्स प्लैंक डिजिटल लाइब्रेरी, जर्मनी, अक्टूबर 25, 2021
- सुविधा और स्थानिक ध्यान नियंत्रण के तंत्रिका तंत्र, **डॉ श्रीनिवासन मय्यप्पन,** पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस, अक्टूबर 27, 2021
- महामारी का युग, **प्रो चिण्मय तुंबे,** सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र क्षेत्र, भा०प्र०सं० अहमदाबाद, अक्टूबर 27, 2021
- लंबाई, मुफ्त समूह और कंप्यूटर सबूत, **प्रो सिद्धार्थ गाडगिल,** पूर्ण प्राध्यापक, गणित, भा०वि०सं० बेंगलोर, अक्टूबर 27, 2021
- अगली पीढ़ी के सेंसर और सामग्री के डिजाइन की दिशा में जैव-नैनो प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण, **डॉ कार्तिक पुष्पवनम,** सहायक प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, अक्टूबर 28, 2021
- हेलीकाप्टर: एक जटिल गतिशील प्रणाली, विकास और चुनौतीपूर्ण अनुसंधान समस्याएं, **प्रो सी वेंकटेशन,** अभ्यागत प्राध्यापक, यांत्रिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० जोधपुर, अक्टूबर 28, 2021
- आईईईई मुक्त विज्ञान समाधान के साथ प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाना, **श्री कॉलिन डीमेलो,** अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र प्रबंधक, आईईईई इंडिया ऑपरेशंस सेंटर, बेंगलुरु, अक्टूबर 28, 2021
- संज्ञानात्मक भ्रम और तत्काल अनुभव: बौद्ध दर्शन से परिप्रेक्ष्य, **प्रो जे एल गारफील्ड,** मानविकी में डोरिस सिलबर्ट प्राध्यापक और दर्शनशास्त्र के प्राध्यापक, स्मिथ कॉलेज, अक्टूबर 28, 2021.
- नैनोसंरचित थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा रूपांतरण, **प्रो कनिश्क बिस्वास,** सह प्राध्यापक, उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए जवाहरलाल नेहरू केंद्र, बेंगलोर, अक्टूबर 29, 2021
- एक एनालॉग व्हाइट-ब्लैक होल जोड़ी और उसके उत्तेजित समकक्ष पर हॉकिंग विकिरण, **प्रो इवान अगूलो,** सहायक प्राध्यापक, भौतिक विज्ञान, लूसियाना राजकीय विवि, संराअ, अक्टूबर 29, 2021.
- अधिकतम प्रभाव के लिए अपने काम को कैसे प्रस्तुत करें, **हर्ष गुप्ता** (बीटेक/एमई/2015), उत्पाद प्रमुख, वीसी, बेंगलोर, अक्टूबर 30, 2021
- सिक्कों के माध्यम से प्राचीन राजव्यवस्था और अर्थव्यवस्था की एक झलक, **प्रो अभिजीत दांडेकर,** सह प्राध्यापक, पुरालेख, पुरालेख और मुद्राशास्त्र, डेक्कन कॉलेज स्नातकोत्तर और अनुसंधान संस्थान, पुणे, अक्टूबर 30, 2021
- गैर-स्थल पर गर्टूड स्टीन का विस्तारित ध्यान, **प्रो अनुपमा ए,** सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, नवंबर 01, 2021
- स्पर्श, दर्द और तापमान: 2021 का नोबेल पुरस्कार, **प्रो लेस्ली लाज़र,** सहायक शिक्षण प्राध्यापक, मानविकी व सामाजिक विज्ञान, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, नवंबर 01, 2021
- प्रायिकता मानदंड के साथ ज़ीरो-सम सेमी-मार्कोव गेम, **प्रो शुभामय साहा,** सहायक प्राध्यापक, गणित, भा०प्रौ०सं० गुवाहाटी, नवंबर 01, 2021
- गणना-कुशल और मजबूत डीप लर्निंग के लिए कोरसेट, **प्रो ऋषभ अय्यर,** सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान, डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय, नवंबर 02, 2021
- अनसिविल सिटी: इकोलॉजी, इक्विटी एंड द कॉमन्स इन दिल्ली (सेज 2020), **प्रो अमिता बाविस्कर,** प्राध्यापक, पर्यावरण अध्ययन और समाजशास्त्र एंड एंप; नृविज्ञान, अशोक विश्वविद्यालय, नवंबर 02, 2021
- **प्रो विनीत अग्रवाल** के साथ वार्तालाप, सहायक प्राध्यापक, औद्योगिक अभियांत्रिकी, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, नवंबर 06, 2021
- आंशिक आदेशों का उपयोग करते हुए कमजोर स्मृति संगामिति का कुशल विश्लेषण, **प्रो सुबोध शर्मा,** सहायक प्राध्यापक, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० दिल्ली, नवंबर 08, 2021
- मोमेंटम तरंगों में बदलाव, **डॉ सुमन कुमार साहू,** पोस्टडॉक्टोरल फेलो, जिवरकिला विवि, फिनलेंड, नवंबर 08, 2021
- निर्वाह बाजारों में संलग्न छात्रवृत्ति, **प्रो श्रीनिवास वेणुगोपाल,** सहायक प्राध्यापक, वेरमोंट विपणन विवि, नवंबर 10, 2021
- पृथ्वी के आगे का जीवन, **डॉ गौतम चट्टोपाध्याय,** वरिष्ठ वैज्ञानिक, नासा जेट प्रपल्शन प्रयोगशाला, नवंबर 11, 2021
- इलेक्ट्रॉनिक्स के थर्मल प्रबंधन में बहुउद्देशीय अनुकूलन, **प्रो सी बालाजी,** प्राध्यापक, यांत्रिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० मद्रास, नवंबर 12, 2021
- नए दौर की ब्रांडिंग रणनीतियां, **श्री विजयबाहू जोशी,** एवीपी - अनुभव डिजाइन के प्रमुख, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड, नवंबर 13, 2021
- मानव और मशीनों को विघटनकारी प्रौद्योगिकियों के साथ मिलाना, **ऋत्विक बैनर्जी,** पीएचडी उम्मीदवार, पदार्थ संस्थान, ईपीएफएल, स्विटज़रलेंड, नवंबर 14, 2021
- काउंटेबल स्टेट स्पेस पर मार्कोव प्रक्रियाओं के एर्गोडिक जोखिम-संवेदनशील नियंत्रण पर दोबारा गौर किया गया, **डॉ सोमनाथ प्रधान,** पोस्टडॉक्टोरल फेलो, गणित और सांख्यिकी विभाग, क्वीन्स विवि, कनाडा, नवंबर 15, 2021
- असम में हथियार के रूप में बेदखली, **डॉ निज़ामूद्दीन सिद्दीकी,** असम स्थित एक शोधकर्ता, नवंबर 17, 2021.
- ब्लैक-होल माइक्रोस्टेट स्पेक्ट्रोस्कोपी, **प्रो पाओलो पानी,** सह प्राध्यापक, रोम के सैपिएन्ज़ा विश्वविद्यालय, नवंबर 18, 2021.
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के साथ सामग्री मॉडलिंग और खोज में तेजी लाना, **प्रो अनूप कृष्णन,** सहायक प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० दिल्ली, नवंबर 18, 2021
- उबलते संकट की उन्नत भविष्यवाणी के लिए उबलने की आवाज को डिकोड करना, **प्रो ऋषि राज,** सह प्राध्यापक, यांत्रिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० पटना, नवंबर 19, 2021
- कम लागत वाले सेंसर और डेटा विश्लेषण: पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य में सुधार का भविष्य, **प्रो माइकल बर्गिन,** सिविल और पर्यावरण अभियांत्रिकी के स्टर्नबर्ग परिवार के प्राध्यापक, ड्यूक विश्वविद्यालय, नवंबर 19, 2021
- न्यूजीलैंड भूकंपीय इमारतों का डिजाइन और कुछ शोध अध्ययन, **प्रो ग्रेगरी मेकरे,** सह प्राध्यापक, केंटरबरी विवि, न्यू जीलेंड, नवंबर 22, 2021
- चचेरे भाई माँ-बेटियों की तुलना में अधिक समान क्यों हैं: कैंसर कोशिका वंश से कोशिका-चक्र पर सर्केडियन नियंत्रण का उल्लेख करते हुए, **डॉ शेओन चक्रवर्ती,** कोषिका संगठन व राष्ट्रीय जैविक विज्ञान संकेतक केंद्र के संकाय (एनसीबीएस), नवंबर 22, 2021
- अभियांत्रिकी संगणना के एक वर्ग के लिए अनुकूली बहुस्तरीय तेज बहुध्रुवीय विधि, **प्रो सौम्यब्रत चक्रवर्ती,** अभ्यागत प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, नवंबर 22, 2021
- ऑन स्केल, राजकीय अर्थशास्त्र तथा स्थानीय, **प्रो उपल**

चक्रवर्ती, सहायक प्राध्यापक, सोसियोलॉजी, प्रेसीडेंसी विवि, नवंबर 24, 2021

- बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और सामग्रियों की 3डी प्रिंटिंग, **प्रो कौशिक चटर्जी**, सह प्राध्यापक, पदार्थ अभियांत्रिकी, भा०वि०सं० बेंगलोर, नवंबर 25, 2021
- ल्यूमिनसेंट नैनो-सामग्री पर चार्ज ट्रांसफर डायनेमिक्स, **डॉ सौम्यदीप भूनिया**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, रसायन विज्ञान भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, नवंबर 26, 2021
- दक्षिण भारत की महापाषाण संस्कृतियां, **प्रो वी सेल्वाकुमार**, सह प्राध्यापक, समुद्री इतिहास और समुद्री पुरातत्व विभाग के प्रमुख और समन्वयक, हिंद महासागर अध्ययन केंद्र, तमिल विश्वविद्यालय, तंजावुर, नवंबर 27, 2021
- क्वांटम गैर-हर्मिटियन टोपोलॉजिकल सिस्टम के कई-शरीर चरण, **डॉ अधीप अग्रवाल**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो (पूर्व), सैद्धांतिक विज्ञान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, बेंगलुरु, नवंबर 30, 2021
- फिलिप्स में अल्ट्रासाउंड इमेजिंग, **डॉ दीप बेरा,** वरिष्ठ वैज्ञानिक, फिलिप्स अनुसंधान, बेंगलोर, दिसंबर 09, 2021
- पुरातत्व और भू-आकृति विज्ञान में प्रारंभिक कार्टोग्राफिक दस्तावेजों की चुनौतियां और क्षमता, **डॉ एकता गुप्ता,** अर्ली करियर फेलो, पुरातत्व, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, दिसंबर 10, 2021
- फैलाव कैसे विकसित होता है और हमें क्यों सावधान रहना चाहिए , **प्रो सुतीर्थ डे**, सहायक प्राध्यापक, जीव विज्ञान, आईआईएसईआर पुणे, दिसंबर 13, 2021
- एनपीएस ग्राहक जागरुकता कार्यक्रम, **डॉ विवेक शुक्ला,** सहायक प्रबंधक, प्रोटियन, ईगव प्रौद्योगिकी लि, दिसंबर 16, 2021.
- तत्कालीन नरम लोचदार फिल्मों की चिपचिपाहट को नियंत्रित करके प्रोग्राम करने योग्य नैनो पैटर्न आकारिकी, **प्रो रबिब्रत मुखर्जी,** प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० खड़गपुर, दिसंबर 16, 2021
- बड़े पैमाने पर 3डी पुनर्निर्माण में वैश्विक तरीके, **प्रो वेणु माधव गोविंदु,** सह प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा०वि०सं० बेंगलोर, दिसंबर 17, 2021
- डिजाइन, आधुनिकता और भारत, एक उलझा हुआ इतिहास, **प्रो सौरभ तिवारी,** सहायक प्राध्यापक, भोपाल नियोजन व वास्तुकला विद्यालय, दिसंबर 18, 2021
- पादप अंतःक्रियाओं का रसायन और पारिस्थितिकी, **प्रो राधिका वेण्कटेशन**, सहायक प्राध्यापक, जैविक विज्ञान, आईआईएसईआर कोलकता, दिसंबर 22, 2021
- प्लास्मोनिक नैनोगैप्स पर एकल-अणु प्रतिदीप्ति को बढ़ाना, **डॉ आशीश कर,** अर्ली करियर फेलो, रसायन विज्ञान भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, दिसंबर 24, 2021.
- दक्षिण भारत का प्रारंभिक ऐतिहासिक व्यापार, **प्रो के राजन**, पूर्व प्राध्यापक, इतिहास विभाग, पोंडिचेरी विवि, दिसंबर 25, 2021
- समय-भिन्न प्रणालियों का रैखिक स्थिरता विश्लेषण, **प्रो तपन कुमार** होता, सहायक प्राध्यापक, गणित, एसआरएम विवि, आंध्र प्रदेश, जनवरी 05, 2022
- प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप के लिए महत्वपूर्ण सफलता कारक, **श्री कमलेश द्विवेदी**, अध्यक्ष और जनरल पार्टनर, 3 लाइन्स वेंचर कैपिटल, डेनवर, संराअ, जनवरी 06, 2022
- मानव की तरह अधिगम नियंत्रण, **डॉ सुजय कदम**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, यांत्रिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, जनवरी 07, 2022
- काम पर लेखक, **प्रो विक्रम चंद्रा**, एक अंतरराष्ट्रीय बेस्टसेलिंग पुरस्कार विजेता उपन्यासकार, लघु कहानी लेखक, पटकथा लेखक, गैर-कथा लेखक, और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में रचनात्मक लेखन के प्राध्यापक, जनवरी 10, 2022
- पढ़ने में सक्षम नहीं होने पर: महामारी के समय में कयामत और चिंता, **प्रो लौरा सेलीसबरी**, प्राध्यापक, आधुनिक साहित्य और चिकित्सा मानविकी, एक्सेटर विश्वविद्यालय, यूके, जनवरी 11, 2022
- अनंत हार्मोनिक कार्य और विविधताओं की गणना, **मनराज गुम्मान**, पूर्व छात्र, बीएस-एमएस, आईआईएसईआर पुणे, जनवरी 12, 2022
- 2-डी सामग्री और उपकरणों का एब प्रारंभिक मॉडलिंग?, **प्रो मैथ्यू लूसियर**, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, विद्युत अभियांत्रिकी, ईटीएच ज्यूरिक, जनवरी 12, 2022
- डिजाइन प्रबंधन, **डॉ रवींद्र राजहंस**, सेवानिवृत्त महाप्रबंधक, कैब डिजाइन, टाटा मोटर्स (अभियांत्रिकी शोध केंद्र), जनवरी 15, 2022
- एक परवलयिक पीडीई में मैट्रिक्स प्रसार गुणांक की पहचान पर, **डॉ शुभांकर मंडल**, पोस्टडॉक्टोरल विद्वान, गोटिंगन विवि, जर्मनी, जनवरी 19, 2022
- सिरेमिक कण, प्रसंस्करण, और प्रोटोटाइप सत्यापन, **प्रो देबाशीश सरकार**, प्राध्यापक, सेरामिक अभियांत्रिकी, एनआईटी रूरकेला, जनवरी 20, 2022
- बैटरी में कुशल ऊर्जा भंडारण के लिए सामग्री विकास: उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स से अक्षय ऊर्जा भंडारण तक, **डॉ ए एस प्रकाश**, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, केंद्रीय इलेक्ट्रो रसायन शोध संस्थान, चेन्नई केंद्र, जनवरी 21, 2022
- क्वांटम आ रहा है, **डॉ अनुज अग्रवाल**, अर्ली करियर शोध फेलो, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, जनवरी 21, 2022
- जीवर की दौड़: स्प्रिंट, मेराथन, अथवा दोनों?, **श्री अनूप बागची**, कार्यकारी निदेशक, आईसीआईसीआई बैंक, जनवरी 21, 2022
- आईपीआर समझना और आईपीआर के डिजाइन का महत्व, योहन इंजीनियर, पीएचडी छात्र, भा०प्रौ०सं० हैदराबाद, जनवरी 24, 2022.
- बेकार, **प्रो सुमना रॉय**, एक प्रसिद्ध लेखक व सह प्राध्यापक, सृजनात्मक लेखन, अशोक विवि, जनवरी 25, 2022.
- भारत भर के समुदायों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का संचार करना, **सुश्री दिशा शेट्टी**, एक पुरस्कार विजेता स्वतंत्र विज्ञान पत्रकार, जनवरी 25, 2022.
- संरचित पैकिंग पर पतली फिल्म, **डॉ संघश्री मुखोपाध्याय**, शोधकर्ता, भा०प्रौ०सं० मद्रास, जनवरी 25, 2022.
- टिकाऊ विनिर्माण, ग्रीनहाउस गैस शमन और ऊर्जा भंडारण के लिए इलेक्ट्रोकैटलिसिस की संभावनाएं, **डॉ मीनेश सिंह**, सहायक प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, इलिनॉइस शिकागो विवि, जनवरी 27, 2022.
- शहर और उनके वित्तीय नवाचार: प्रारंभिक ऐतिहासिक शहरी प्रथाओं की जांच, **प्रो मोनिका एल स्मिथ**, प्राध्यापक, पुरातत्व कोसन संस्थान, पर्यावरण और स्थिरता संस्थान, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स, जनवरी 29, 2022.
- आरजीएल-नेट: प्रगतिशील भाग असेंबली के लिए एक आवर्तक ग्राफ सीखने की रूपरेखा, **अभिनव हरीश**, एमएससी छात्र, जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, जनवरी 31, 2022.
- जौवअभियंता मानव ऊतक, अंग: स्वास्थ्य देखभाल में आगे का रास्ता, **प्रो बिमन बी मंडल**, प्राध्यापक, जैवविज्ञान और जैवप्रौद्योगिकी विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान और अभियांत्रिकी विद्यायल और सूक्ष्म प्रौद्योगिकी केंद्र, भा०प्रौ०सं० गुवाहाटी, फरवरी 02, 2022
- नैनो-बैनिटिक स्टील्स के यांत्रिक गुण, **प्रो अपर्णा सिंह**, सह प्राध्यापक, धातुकर्म अभियांत्रिकी और पदार्थ विज्ञान, भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, फरवरी 03, 2022.
- माइक्रोफ्लुइडिक्स और माइक्रोपैटर्निंग, **प्रो शुभ्रा दत्ता**, सह प्राध्यापक, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, भा०प्रौ०सं० दिल्ली, फरवरी 04, 2022
- शिल्प और प्रक्रिया: एक संवाद, **रिजुला दास**, एक पुरस्कार विजेता पदार्पण उपन्यासकार, फरवरी 08, 2022.
- संक्रामक रोग निगरानी के लिए चुस्त डेटा और मशीन लर्निंग समाधान बनाना, **प्रो तवप्रितेश सेठी**, सह प्राध्यापक, संगणक जीव विज्ञान विभाग और हेल्थकेयर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के संस्थापक प्रमुख, आईआईआईटी दिल्ली, फरवरी 09, 2022
- एक रेखीय द्वितीय-क्रम पद से परेशान भारित प-लाप्लासियन के लिए गुणांकों की पुनर्प्राप्ति, **डॉ मानस कर**, सहायक प्राध्यापक, गणित, आईआईएसईआर भोपाल, फरवरी 09, 2022
- अशांत प्रवाह में बहुलक खिंचाव और विखंडन, **प्रो जेसन आर पिकार्डो**, सहायक प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, फरवरी 10, 2022
- क्वांटम ब्रह्मांड विज्ञान में स्वीकार्य जटिल मेट्रिक्स, **प्रो जीन-ल्यूक लेहनर्स**, ईआरसी रिसर्च ग्रुप के नेता, सैद्धांतिक ब्रह्मांड विज्ञान, मेक्स-प्लांक गुरुत्वाकर्षण भौतिक विज्ञान संस्थान (एलबर्ट-आइंसटाइन-संस्थान) पोट्सडेम, जर्मनी, फरवरी 10, 2022
- कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान के साथ सामग्री की बुद्धिमान डिजाइन और खोज, **प्रो अभिषेक तिवारी**, सहायक प्राध्यापक, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० रूड़की, फरवरी 10, 2022.
- इलेक्ट्रिक वाहनों में बैटरी पैक डिजाइन और बैटरी प्रबंधन प्रणाली का महत्व, **डॉ हेमावती एस**, सहायक प्राध्यापक, वैज्ञानिक और अभिनव अनुसंधान अकादमी, फरवरी 11, 2022
- भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का स्वयं का उपग्रह?, **प्रो सौम्यव्रत चक्रवर्ती**, अभ्यागत प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, फरवरी 12, 2022
- शोधकर्ता अथवा उद्यमी?, **डॉ अनिरुद्ध जोशी**, संस्थापक और सीटीओ, आत्रेय फाउंडेशन, फरवरी 12, 2022
- स्मृति, राष्ट्र निर्माण और 1971 बांग्लादेश युद्ध साहित्य, **मधुरिमा सेन**, पीएचडी उम्मीदवार, अंग्रेजी संकाय, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, फरवरी 14, 2022
- कोविड-19 प्रतिक्रिया के लिए डेटा-संचालित निर्णय ढांचा: एक व्यक्तिगत यात्रा, **प्रो राजेश सुंदरसन**, प्राध्यापक, विद्युत संचार अभियांत्रिकी, भा०वि०सं० बेंगलोर, फरवरी 15, 2022
- विज्ञान इंप्रोव, **प्रो मोहित कुमार जॉली**, सहायक प्राध्यापक, जैवप्रणाली विज्ञान व अभियांत्रिकी केंद्र, भा०वि०सं० बेंगलोर, फरवरी 16, 2022
- नेवियर-स्टोक्स समीकरण - मिलियन डॉलर की समस्या, **डॉ मनिल टी मोहन**, सहायक प्राध्यापक, गणित विभाग, भा०प्रौ०सं० रूड़की, फरवरी 16, 2022
- सुधीर काकड़ का मनोविश्लेषण, **प्रो सुधीर काकड़**, एक मनोविश्लेषक, सांस्कृतिक मनोविज्ञान और धर्म के मनोविज्ञान के क्षेत्र में एक मनोविश्लेषक, उपन्यासकार और विद्वान, फरवरी 16, 2022
- कुलबैक-लीबलर विचलन का उपयोग करते हुए विवश राज्य का अनुमान, **प्रो एम नाबिल**, सहायक प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० तरुपति, फरवरी 17, 2022
- 2-डी स्तरित नैनोस्ट्रक्चर ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों के संवेदन के लिए, **डॉ मयंक गर्ग**, अर्ली करियर फेलो, रासायनिक अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, फरवरी 18, 2022

- मध्यमा उँगली और लिखने की कला, **प्रो सैकत मजुमदार**, एक उपन्यासकार और अशोक विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, फरवरी 18, 2022
- चिकित्सा ज्ञान की कल्पना करना - कैमरे, क्लिनिक और कॉलोनी की निगाह, **सुश्री माइकेला क्लार्क**, पीएचडी उम्मीदवार, विज्ञान इतिहास केंद्र, प्रौद्योगिकी व औषधि (सीएचएसटीएम), मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, फरवरी 22, 2022
- हिस्टोन संशोधन से गुणसूत्र पृथक्करण तक: एमएलएल परिवार सेंट्रोमियर के एपिजेनेटिक विनिर्देश को कैसे नियंत्रित करता है, **डॉ श्वेता त्यागी**, प्रमुख, कोशिका चक्र विनियमन प्रयोगशाला, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और निदान केंद्र, फरवरी 23, 2022
- परिमेय वक्रों पर माध्य में सन्निकटन, **डॉ शिबानंद बिस्वास**, सहायक प्राध्यापक, गणित और सांख्यिकी विभाग, आईआईएसईआर कोलकता, फरवरी 23, 2022
- भारतीय विज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र के बदलते ताने-बाने का दस्तावेजीकरण करने के लिए प्रयोग करना, दिलाइफऑफसाइंस.कॉम से **आशिमा डोगरा**, नंदिता जयराज और सायंतन दत्ता, फरवरी 23, 2022
- ग्रीन टी बायोमैटिरियल्स के साथ उपचार शक्ति को बढ़ाना, **प्रो कुरिसावा मोटोइची**, प्राध्यापक, जैवविज्ञान व जैवप्रौद्योगिकी, जेएआईएसटी, फरवरी 24 2022
- गुर्दा विनिमय के लिए पैरामीटरयुक्त एल्गोरिदम, **प्रो पलाश डे**, सहायक प्राध्यापक, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, भा०प्रौ०सं० खड़गपुर, फरवरी 25, 2022
- प्रारंभिक ऐतिहासिक विनिमय नेटवर्क और भारत के प्राचीन बंदरगाह (300 ईसा पूर्व- 300 सीई), **डॉ सुनील गुप्ता**, पूर्व निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय, फरवरी 26, 2022
- उन्नत चिकित्सीय विधियों के परिणामों में सुधार के लिए वैयक्तिकृत दृष्टिकोण, **प्रो संतोश के मिश्रा**, सहायक प्राध्यापक, जैविक विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० कानपुर, मार्च 03, 2022
- ट्रैप्ड-आयन क्वांटम सिम्युलेटर में लंबे आयन स्ट्रिंग्स के साथ क्वांटम सिमुलेशन, **डॉ मनोज जोशी**, पोस्टडॉक्टोरल फेलो, क्वांटम ऑप्टिक्स और क्वांटम सूचना संस्थान, मार्च 04, 2022
- शैली की कल्पना की राजनीति: केस स्टडी के रूप में भूमिका निभाने वाले खेल, **प्रो प्रयाग रे**, सहायक प्राध्यापक, और अंग्रेजी विभाग के प्रमुख, सेंट जेवियर्स विश्वविद्यालय, कोलकाता, मार्च 04, 2022.
- बातचीत में लेखक: **सैम थॉम्पसन**, लेखक और व्याख्याता, क्वीन्स यूनिवर्सिटी में कला, अंग्रेजी और भाषा स्कूल, मार्च 08, 2022
- अपनी पीएचडी में सफल होना: बॉलीवुड मेमे प्रस्तुतीकरण, **प्रो मनु अवस्थी**, सह प्राध्यापक, संगणक विज्ञान, अशोका यूनिवर्सिटी, मार्च 09, 2022
- कैंसर के इन विट्रो मॉडलिंग के लिए इंजीनियर पीईजी-प्रोटीन और पीईजी-पेप्टाइड हाइड्रोजेल, **प्रो शांतनु प्रधान**, सहायक प्राध्यापक, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भा०प्रौ०सं० मद्रास, मार्च 10, 2022
- तकनीकी भाषण देना और सवालों के जवाब देना: सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करना, **प्रो हिमांशु शेखर**, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, मार्च 12, 2022
- जमीनी स्तर पर नवाचार (डिजाइन और प्रौद्योगिकी के माध्यम से खेती को लाभदायक बनाना), **श्री विनय रेड्डी**, सह-संस्थापक और सीटीओ, सिकल इनोवेशन, मार्च 12, 2022
- योजनाओं और बीजगणितीय मौलिक समूह पर लूप, **प्रो के रुलिंग**, गणित और प्राकृतिक विज्ञान के संकाय, वुपर्टालि विश्वविद्यालय, मार्च 15, 2022
- भारत की थाली में आगे क्या है?: 2050 तक एक समान खाद्य प्रणाली बनाने के अवसर और चुनौतियाँ, प्राध्यापक **अनाका अय्यर**, स्वास्थ्य अर्थशास्त्री तथा अर्थशास्त्र की सहायक प्राध्यापक, नेवादा विश्वविद्यालय, रेनो, मार्च 16, 2022
- सपने और उनकी व्याख्या, **सुश्री लीला पी कपूर**, एक मनोविश्लेषक-मनोचिकित्सक, वर्तमान में यूनिवर्सिटी पेरिस में मनोविश्लेषण का प्रशिक्षण ले रही हैं, मार्च 17, 2022
- उन्नत एमओएस ट्रांजिस्टर में इलेक्ट्रॉन परिवहन की मॉडलिंग, **प्रो ओवेस बादामी**, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा०प्रौ०सं० हैदराबाद, मार्च 18, 2022
- ईसेनस्टीन वजन के आदर्श और हेके अल्जेब्रा के रैंक, **प्रो शौनक देव**, सहायक प्राध्यापक, गणित विभाग, भा०वि०सं० बेंगलोर, मार्च 21, 2022
- काम पर लेखक: फीट. **श्री सुहिद चट्टोपाध्याय** वरिष्ठ उप संपादक, फ्रंटलाइन पत्रिका, द हिंदू ग्रुप द्वारा, मार्च 21, 2022
- पुस्तक का विमोचन: प्राध्यापक रोजा मारिया पेरेज़ द्वारा "ट्रांसडिसिप्लिनरी एथ्नोग्राफी इन इंडिया: वीमेन इन द फील्ड"; **प्रो लीना एम फ्रुजेट**, पुस्तक के संपादक, मार्च 22, 2022
- कविता बनाना, सामूहिक अतीत को फिर से बनाना: कवि, चित्रकार और शोधार्थी प्राध्यापक **गौतम वेगडा** द्वारा सदा टूटे हुए स्वयं को कविताबद्ध करने का एक तरीका, तथा सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी, गुजरात विद्यापीठ, मार्च 23, 2022
- अंतिम वर्ष के पीएचडी छात्र **सौमेन सेनापति** द्वारा कुछ अतिशयोक्तिपूर्ण उलटी समस्याओं के लिए स्थिरता अनुमान, एप्लिकेबल गणित टीआईएफआर केंद्र, बेंगलोर, मार्च 23, 2022
- चिकित्सीय ऊतक पुनर्जनन के लिए अल्ट्रासाउंड प्रौद्योगिकियां, **प्रो डायने डेल्की**, केविन जे पार्कर प्रतिष्ठित प्राध्यापक, बायोमेडिकल अभियांत्रिकी, रोचेस्टर विश्वविद्यालय, एनवाई, मार्च 23, 2022
- पैमाने पर कौशल प्राप्त करने के मुख्य-फ्रेम और प्रक्षेपवक्र: **डॉ समीर सहस्रबुद्धे**, निदेशक, शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र, पुणे द्वारा एमओओसी प्रशिक्षक के लिए एक एनिमेटर की यात्रा, मार्च 24, 2022
- स्पर्शोन्मुख रूप से सपाट बालों वाले ब्लैक होल और अधिकतम गर्म जोल के आंतरिक भाग में गोता लगाना, **प्रो ऑस्कर कैम्पोस डायस**, प्राध्यापक, एप्लाइड गणित व सैद्धांतिक भौतिकी, सेवा शिक्षण निदेशक, साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय, मार्च 24, 2022
- विश्वास के साथ संचार, **सुश्री सौम्या हरीश**, समन्वयक, एनईईवी, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, मार्च 24, 2022
- अंतर्निहित अंतःक्रियात्मक नेटवर्कों से सामूहिक परिघटनाओं को समझना, **डॉ डैनी राज**, डीएसटी इंसपायर संकाय, रासायनिक अभियांत्रिकी, भा०वि०सं० बेंगलोर, मार्च 24, 2022
- कोर्टिकोसेन्ट्रिज्म और अचेतन, **डॉ अनूप धर**, वरिष्ठ फेलो, प्रैक्टिकल फिलॉसफी, लिवोनिक्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड रिसर्च, मार्च 24, 2022
- भारत में जैव विविधता और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का शासन, **डॉ योगेश गोखले**, वरिष्ठ फेलो और क्षेत्र संयोजक, वन प्रबंधन और शासन केंद्र, भूमि संसाधन प्रभाग, ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी), नई दिल्ली, मार्च 25, 2022
- द्रव यांत्रिकी में नवीनतम लेजर-आधारित प्रयोगात्मक नैदानिक उपकरणों का परिचय, **डॉ दीपक शर्मा**, वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक, टीएसआई, मार्च 25, 2022
- उपयोगी रसायनों और ईंधन में सीओ2 के रूपांतरण के लिए कुशल उत्प्रेरक के रूप में सामग्री का डिजाइन और विकास, **प्रो सेबेस्चियन सी पीटर**, सह प्राध्यापक, नई रसायन इकाई और उन्नत सामग्री स्कूल, जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, मार्च 25, 2022
- फायरसाइड चैट: बस इसे बनाएं, **श्री अजय लवकारे**, निदेशक, टिंकरटेक लैब, एक संस्थापक सदस्य और स्टैनफोर्ड एंजेल्स एंड एंटरप्रेन्योर्स इंडिया के पूर्व सह-अध्यक्ष, और **श्री निश चस्मावाला**, संस्थापक, कन्श्योर चिकित्सा, मार्च 25, 2022
- वडनगर: प्रारंभिक ऐतिहासिक शहर अनार्ता और उसके बौद्ध अवशेष, **डॉ वाईएस रावत**, गुजरात राज्य पुरातत्व के पूर्व निदेशक, मार्च 26, 2022
- वेक्टर बंडलों के मोडुलि स्पेस के आंकड़े, **डॉ संपा डे**, पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो, गणित, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, मार्च 28, 2022
- रक्त कोशिका विकास: ड्रोसोफिला से सीखे गए पाठ, **प्रो लोलितिका मंडल**, सह प्राध्यापक, जैविक विज्ञान, आईआईएसईआर मोहाली, मार्च 30, 2022

प्रयोगशाला

पुरातत्व विज्ञान प्रयोगशाला

पुरातत्व विज्ञान प्रयोगशाला अनेक प्रकार के वैज्ञानिक अन्वेषण तथा पुरातत्व संबंधी अनुसंधान के लिए निम्न प्रकार की सुविधाओं से युक्त है: मैदान उत्सर्जन स्केनिंग इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी (एफईएसईएम), एक्स-रे विवर्तन व फ्लूरोसेंस (एक्सआरएफ व एक्सआरडी), मास स्पेक्ट्रोमेट्री (आईसीपी-एमएस व मालडी-टीओएफ), भूमि-भेदी राडार (जीपीआर), 3डी दूर तक तथा कम दूरी के लेज़र स्केनर, तथा पुरातत्वपदार्थों की जांच के लिए एक डिजिटल केमरा युक्त बायनोकूलर सूक्ष्मदर्शी। एएससी ने एक चीनी मिट्टी की पेट्रोलॉजी प्रयोगशाला प्राचीन मिट्टी के पात्रों की जांच के लिए स्थापित की है; इसमें चमकाने और घिसने की इकाई (पतले हस्से बनाने के लिए) और एक पोलेराइजिंग सूक्ष्मदर्शी उपलब्ध है। वर्तमान में एएससी एक स्वच्छ बक्से और सूक्ष्म-छिद्र सुविधा से युक्त एक छोटी हड्डियों/दांतों के नमूने की इकाई की स्थापना कर रहा है।

जीवविज्ञान अभियांत्रिकी

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की जीवविज्ञान अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में आणविक तथा कोषिका जीवविज्ञान सुविधा (एमसीबीएफ), कोषिका कल्चर प्रयोगशाला (सीसीएफ), सी एलिगेंस सुविधा, क्रिस्टलीकरण प्रयोगशाला, सूक्ष्मजीवविज्ञान प्रयोगशाला, प्रोटियोमिक्स तथा पेप्टाइड संश्लेषण (पीपीएसएफ) सुविधा, चिकित्सा अल्ट्रासाउंड अभियांत्रिकी (एमयूएसई) प्रयोगशाला, मूल कोषिका व ऊतक अभियांत्रिकी और डीएनए को चरणबद्ध करने व विश्लेषण करने की सुविधा उपलब्ध है।

आणविक और कोशिका जीव विज्ञान सुविधा (एमसीबीएफ) जैव रसायन, आणविक जीव विज्ञान और कोशिका जीव विज्ञान में विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों का घर है। यह प्रयोगशाला शेकर इन्क्यूबेटरों, लैमिनार फ्लो हुड, सोनिकेटर, रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, ग्रेडिएंट थर्मोसायकलर, जेल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम, वाटर प्यूरीफायर, अल्ट्रा-लो और अल्ट्रा माइक्रोबैलेंस, मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर और विभिन्न कॉलमों के साथ फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एफपीएलसी) सिस्टम लो-टेम्परेचर फ्रीजर, रियल-टाइम थर्मोसायकलर, नैनो-ड्रॉप यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर से सुसज्जित है।

कोषिका कल्चर प्रयोगशाला (सीसीएफ) में तीन कोषिका कल्चर लैब (एक लैब बीएसएल2+) हैं, जो बायोसेफ्टी कैबिनेट्स, सीओ2 इन्क्यूबेटरों, सेंट्रीफ्यूज, ऑटोमेटेड सेल काउंटर, यूवी क्रॉसलिंकर, सोनिकेटर, लिक्विड नाइट्रोजन क्रायोप्रेसर्वर, इनवर्टेड एपिफ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप और अल्फा- के साथ एक उच्च थ्रूपुट परख अनुप्रयोगों के लिए स्क्रीन परख क्षमताओं और मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर से लैस हैं।

व सुविधाएं

सी एलिगेंस सुविधा एक बीएलएल-1 सुविधा है जो बायो-सेफ्टी कैबिनेट, लैमिनर एयरफ्लो, CO2 इनक्यूबेटर, फ्रीजर, थर्मो-मिक्सर, आटोक्लेव, रेफ्रिजरेटेड शेकर्स और सेंट्रीफ्यूज, लिक्विड नाइट्रोजन टैंक, माइक्रोइंजेक्शन स्कोप, फ्लोरोसेंट स्टीरियो-जूम माइक्रोस्कोप और बुनियादी स्टीरियो-सूक्ष्मदर्शी से लैस है। ।

प्रोटिओमिक्स और पेप्टाइड संश्लेषण सुविधा एक मास स्पेक्ट्रोमेट्री सुविधा है जो प्रोटीन और पेप्टाइड्स के लक्षण वर्णन के लिए समर्पित है। यह सुविधा मैट्रिक्स-असिस्टेड लेजर डिसोर्पशन आयनाइजेशन-टाइम ऑफ फ्लाइट मास स्पेक्ट्रोमीटर (मालडी टीओएफ/ टीओएफ एमएस) का केंद्र है, जो पूर्ण द्रव्यमान लक्षण वर्णन, अनुक्रमण, पीटीएण पहचान, तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स और बहुलक विश्लेषण के लिए सॉफ्टवेयर से लैस है। इस सुविधा में पेप्टाइड संश्लेषण से संबंधित उपकरण और अन्य नमूना तैयार करने वाले उपकरण भी उपलब्ध हैं जैसे विश्लेषणात्मक-सह-प्रारंभिक एचपीएलसी, फ्यूम हुड, माइक्रोवेव-आधारित पेप्टाइड सिंथेसाइज़र, लियोफिलाइज़र, मैनुअल एसपीपीएस सेट-अप, सेंट्रीफ्यूज, रेफ्रिजरेटर और फ्रीजर।

क्रिस्टलीकरण प्रयोगशाला एक क्रिस्टलीकरण इनक्यूबेटर और स्टीरियो- माइक्रोस्कोप से सुसज्जित है।

माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला एक बीएसएल-2 सुविधा है जो लैमिनार एयरफ्लो और इन्क्यूबेटरों से लैस है।

चिकित्सा अल्ट्रासाउंड अभियांत्रिकी (एमयूएसई) प्रयोगशाला ऊतक लक्षण वर्णन और लोच इमेजिंग, आणविक और कंट्रास्ट-एन्हांस्ड इमेजिंग, अल्ट्रासाउंड-मध्यस्थता चिकित्सा, ध्वनिक मेट्रोलॉजी और सेंसिंग, और इमेजिंग और थेरेपी के लिए ऊतक-नकल फैंटम में नवाचार करने के लिए समर्पित उपकरणों से परिपूर्ण है। इस सुविधा में एक प्रोग्राम करने लायक शोध अल्ट्रासाउंड छवि प्रणाली तथा 1 से 35 मेगाहर्टज तक के अल्ट्रासाउंड क्षेत्र निर्माण करने के उपकरण हैं, जिसमें अल्ट्रासाउंड ट्रांसड्यूसर, हाइड्रोफोन, पल्सर-रिसीवर, आरबिट्रेरी वेवफॉर्म निर्माता, डिजिटल व मिश्रित सिग्नल ऑस्किलोस्कोप, तथा ऊर्जा एंम्पलीफायर शामिल हैं। प्रयोगशाला में जीपीयू के साथ वर्कस्टेशन और मानक वेट लैब उपकरण के साथ एक फैंटम फैब्रिकेशन क्षेत्र, एक वैक्यूम ओवन, एक फ्यूम हुड और एक कैलिब्रेटेड टिशू-मिमिकिंग फैंटम भी शामिल है।

एमयूएसई प्रयोगशाला में एक प्रोग्रामयोग्य अनुसंधान अल्ट्रासाउंड प्रणाली है जिसमें हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियां हैं जो कच्चे अल्ट्रासाउंड डेटा तक सीधी पहुंच प्रदान करती हैं, जबकि कस्टम सॉफ्टवेयर के साथ उच्च गुणवत्ता वाले वास्तविक समय इमेजिंग को चिकित्सकीय रूप से उपयोगी इमेजिंग फ्रेम दर पर करने की क्षमता को संरक्षित करती हैं। इस प्रणाली को शोधकर्ता/डेवलपर को सिस्टम के प्रत्येक कार्यात्मक घटकों को परिभाषित करने में व्यापक लचीलेपन के साथ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो सामान्य प्रोग्रामिंग वातावरण, जैसे MATLAB® और C++ पर आधारित परिचित और शक्तिशाली सॉफ़्टवेयर इंटरफेस का उपयोग करते हैं। शोधकर्ता इस तरह की प्रणाली का उपयोग करके अल्ट्रासाउंड इमेजिंग और अल्ट्रासाउंड थेरेपी मॉनिटरिंग या डिलीवरी के लिए नए दृष्टिकोणों की कल्पना, कार्यान्वयन और मूल्यांकन कर सकते हैं।

मूल कोशिका एवं ऊतक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में मेसेकाइमल मूल कोशिका तथा प्रमुख कोशिका कल्चर के साथ उतकों को नियंत्रित करने के लिए बीएसएल1+ सुविधाएं हैं। इस प्रयोगशाला में एक कोशिका कक्ष है जिसमें 2 जैविकसुरक्षा अलमारियां, 1 सीओ2 ऊष्मानियंत्रक तथा निर्वात सुविधाएं मौजूद हैं। मूल कोशिका कक्ष में नमूना उत्पादन कक्ष है जिसमें ऊतक जैविकी सुविधाएं हैं जैसे तोलन तराजू, पीएच मीटर, स्टरर, पीसीआर मशीन, एक छोटा सूक्ष्मदर्शी तथा जेल यंत्र।

डीएनए अनुक्रमण और विश्लेषण सुविधा: यह सुविधा ऑक्सफोर्ड नैनोपोर टेक्नोलॉजी के मिनियन डीएनए सीक्वेंसर से लैस है। यह मंच लंबे समय तक पढ़ने में सक्षम है और इसका उपयोग जीनोमिक और एपिजेनोमिक विश्लेषण के लिए किया जा रहा है जो हमें सीजीजीबीपी 1, क्रोमैटिन जीव विज्ञान और ट्यूमरजेनिसिस में प्रासंगिक आनुवंशिक उत्परिवर्तनीय घटनाओं जैसे जीन के कार्यों को समझने में मदद करता है। इस सुविधा के उपयोग ने चिप का उपयोग करके डीएनए-प्रोटीन इंटरैक्शन के निर्धारण, क्रोमैटिन संरचना और कार्य के नियमन, दैहिक मोज़ेकवाद और एपिजेनेटिक निशान जैसे साइटोसिन मिथाइलेशन के लिए मीडिप का उपयोग करके कई पाइपलाइनों को उत्पन्न किया है।

बहाव साइटोमीटर उच्च स्तरीय कोषिका छंटाई सुविधा: बीडी एफएसीएसआरिया फ्यूजन बहाव साइटोमीटर उच्च स्तरीय कोषिका छंटाई सुविधा अत्यधिक विषम मिश्रण के बीच विभिन्न जैविक अणुओं तथा कोषिकाओं को नियंत्रित करने वाली बेहद मज़बूत, संवेदनशील

तथा अनोखी तकनीक है। यह उपकरण तीन ठोस अवस्था लेज़र का उपयोग एक ही समय में 11 मापदंडों (आगे और किनारे के स्केटर को मिला कर13) को मापने के लिए करता है। साधन के दोनों घटकों अर्थात् फ्लोरेसेंस/स्कैटरिंग विश्लेषक और कोषिका छंटाई सुविधा को एक ही इकाई के भीतर रखा गया है जिसके लिए ऑप्टिक्स के किसी भी कस्टम संरेखण की आवश्यकता नहीं होती है। कोषिका चक्र विश्लेषण, कोषिका व्यवहार्यता परख और इम्यूनोफेनोटाइपिंग के साथ-साथ कोषिका छंटाई, झिल्ली संभावित माप सहित उच्च स्तरीय अनुप्रयोगों सहित नियमित अनुप्रयोग करने में सक्षम है। इस सुविधा से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की अनेकों शोध परियोजनाओं को लाभ होगा जिसमें चिकित्सा रसायन विज्ञान, औषधि वितरण प्रणाली, न्यूक्लीक रसायन जैवरसायन विज्ञान, झिल्ली जैविकी, प्रोटीन-न्यूक्लीक रसायन अन्योन्य क्रिया, जैविकपदार्थ विकास, नेनोऔषधि तथा विषविज्ञान शामिल हैं। इस उपकरण की विशिष्ट क्षमताओं का मिलान किसी अन्य एकल उपकरण या यहां तक कि प्रयोगात्मक दृष्टिकोणों के संयोजन से नहीं किया जा सकता है।

बायो-एएफएम: ब्रूकर नेनोविज़ार्ड सेंस एएफएम खरीदा गया था और मार्च 2022 से काम कर रहा है। इस एएफएम की प्रमुख विशेषता यह है कि बायो-एएफएम प्रतिदीप्ति माइक्रोस्कोपी से जुड़ा है और इसमें फेज इमेजिंग, कॉन्टैक्ट इमेजिंग, फोर्स मैपिंग और पूर्ण एकल अणु इमेजिंग सेटअप से संबंधित अन्य सभी मॉड्यूल हैं। बायो-एएफएम सभी चार रंग इमेजिंग के साथ एक लीका एपिफ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से जुड़ा है। यह समाधान-आधारित इमेजिंग के लिए उपयोगी है जहां प्रतिदीप्ति और एएफएम मोड में झिल्ली, कोशिकाओं आदि को एक साथ चित्रित किया जा सकता है। प्रोटीन फोल्डिंग, एग्रीगेशन और सेल्फ-असेंबली जैसे लाइव इवेंट देखे जा सकते हैं। इसमें सेल और ऊतक इमेजिंग भी संभव है। बायोमोलेक्यूल्स जैसे सूखे और तरल दोनों रूपों, शुद्ध और लवण से मुक्त, अच्छे रिज़ॉल्यूशन पर चित्रित किए जा सकते हैं। नमूनों के तनु और सांद्र दोनों रूपों का विश्लेषण किया जा सकता है।

रासायनिक अभियांत्रिकी

रासायनिक अभियांत्रिकी संकाय में बीटेक, एमटेक तथा पीएचडी कार्यक्रमों के विभिन्न पाठ्यक्रमों से संबंधित अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाएं और सेटअप हैं। इस सुविधा में एक विशेष अभिलक्षक, यूवी-विस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एचपीएलसी, जीसी, कण के आकार का विश्लेषक, तथा प्रसंस्करण सिमुलेशन प्रयोगशाला के लिए एक संगणक सुविधा भी शामिल है। सिमुलेशन के लिए एएनएसवाईएस, स्टार-सीसीएम, एसपेन टेक सूट, मैटलैब, तथा कोमसोल जैसे उपकरण भी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, इस विषय में अवरस्नातक व स्नातक कार्यक्रमों के विभिन्न विषयों के लिए कई प्रयोगशालाएं सक्रिय रूप से कार्यरत हैं:

कोलॉइडल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: यह प्रयोगशाला फार्मासियूटिकल व जैवचिकित्सा अनुप्रयोगों में सक्रिय रूप से सूक्ष्मकण संश्लेषण, क्रिस्टलीकरण, औषधि पॉलीमोरफिज्म, और सूक्ष्मबुलबुला अभियांत्रिकी में संलग्न है। इस प्रयोगशाला में एक जांचकर्ता सोनिकेटर (सोनिक्स वीसी 505), 40 एनएम --2 माइक्रोन के कणों का आकार मापने के लिए एक कण के आकार का विश्लेषक (बेकमेन कोल्टर एलएस 13320), सूक्ष्मकणों के एक्वस ससपेंशन के ज़ीटा का आंकलन के लिए कणों के आकार की प्रणालियां (पीएसएसएस) जीटा विश्लेषक (निकोम्प380 जेडएलएस), मार्टिन क्राइस्ट फ्रीज ड्रायर (अल्फा 1-4 एलडी प्लेस और अल्फा 2-4 एलएससी, मार्टिन क्राइस्ट, जर्मनी) उच्च-दबाव पात्र (उपयोगिता स्थिति: 200 बार, व 100° सी) कण आकार विश्लेषक (पीएसएस निकोम्प एक्यूसाइजर 780 एडी), ऑप्टीकल सूक्ष्मदर्शी (निकोन टीएस 100एफ), द्रुत-गति केमेरा (फोट्रोन यूरोप,

मॉडल: फास्टकेम मिनी), इन-सिटू रमण जांच (काइसर संराअ, मॉडल: आरएक्सएन-1 785), सोलूशन केलोरीमीटर (पार संराअ, मॉडल: 6755ईई), जल स्नान, कांच की जेकेट युक्त रिएक्टर, स्वच्छ मेज केबिनेट, संगणन कार्यस्थल आदि मौजूद हैं।

मृदु पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: यह प्रयोगशाला तनाव व दबाव-नियंत्रित घुमावदार रियोमीटर, ऑप्टिकल सूक्ष्मदर्शी, तथा कोलोइडल विशेषीकरण के उपकरणों में प्रयोगात्मक अनुसंधान के लिए सक्रिय रूप से उपयोग में आती है। प्रयोगशाला के उपकरणों में ; ऑप्टिकल सूक्ष्मदर्शी, टेंसियोमीटर, ठंडा व गर्म घूमने वाला स्नान (मॉडल: आईसी301-के3), डीएलएस तथा जीटा संभावित मापन उपकरण (ब्रुकहेवन), रेफ्रिजिरेटेड टेबलटॉप सेंट्रीफ्यूज, तथा एक सर्वो स्टेबिलाइजर युक्त संगणक कार्यस्थल शामिल हैं।

सूखी प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी (ड्राईप्रोटेक) प्रयोगशाला: इस अत्याधुनिक ड्राइप्रोटेक प्रयोगशाला में कई प्रगतिशील उपकरण मौजूद हैं जैसे सतही ऊर्जा विश्लेषक (उलटी गैस क्रोमेटोग्राफी), नेट्स से टीजी-डीएससी, एफटी4 चूर्ण रियोमीटर (फ्रीमेन प्रौद्योगिकी), और सूखे तथा गीली परिस्थित में विशेषीकरण के लिए लेज़र विवर्तन कण के आकार का विश्लेषक (सीआईएलएएस)। इसके अलावा, प्रयोगशाला में वी-मिश्रक और कोन- चक्की (प्रिज़्म फार्मा), आद्रता-नियंत्रक ग्लव बक्सा और इलेक्ट्रोस्टेटिक चार्ज आंकलन सुविधा वाला फेरेडे कप, प्लेनेटरी गेंद चक्की, भट्ठी कक्ष, नलिका भट्ठी, तथा उत्प्रेरक चूर्णों की क्षमता नापने वाला केटेलिटिक संयत्र, इत्यादि मौजूद हैं।

अग्नि अनुसंधान प्रयोगशाला: इस प्रयोगशाला में एक कोन केलोरीमीटर (एफएफटी, संरा; मॉडल: आईकोन मिनी) मौजूद है जो अग्नि जांच के लिए सबसे महत्वपूर्ण मेज माप उपकरण माना जाता है। इस उपकरण को किसी घटना में पदार्थों में गर्मी के प्रवाह की ऊष्मा उत्सर्जन दर (एचआरआर) को नापने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ 5660-1) द्वारा अंगीकृत किया गया है। इसमें नमूने को अधिकतम 100 केडब्लू/एम2 तक का ऊष्मा प्रवाह दिया जा सकता है। यह उपकरण जांच नमूने से उत्पन्न दह्य गैसों और उत्पन्न धुंए के साथ ही आग लगने की गति और पुंज- क्षीणता दर भी नाप सकता है। इस मेज-माप परीक्षण से एकत्रित जानकारी अग्नि मॉडलिंग, वास्तविक स्वरूप में अग्नि व्यवहार का पूर्वानुमान, तथा उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण परीक्षण, इत्यादि के लिए उपयोग में ली जा सकती है।

डीएसआईआर-भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर-सीआरटीडीएच (सामान्य अनुसंधान व प्रौद्योगिकी विकास केंद्र, सीआरटीडीएच): डीएसआईआर-भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर-सीआरटीडीएच में कई सुविधाएं उपलब्ध हैं जैसे आईसीपी विश्लेषक सूट (पर्किन एलमर), फ्लूरोसेंस स्पेक्ट्रोमीटर, मल्टीमोड माइक्रोप्लेट, मास स्पेक्ट्रोमीटर (स्पेक्ट्रम ऑटोमेशन व नियंत्रण) यूवी – वीस स्पेक्ट्रोमीटर (एनेलिटिक जेना एजी),

मॉडल - मेक्स300-सीएटी (मेसर्स एक्सट्रेल सीएमएस, एलएलसी, संराअ), बहु—उद्देश्य ऑनलाइन गैस क्रोमेटोग्राफी, टीओसी विश्लेषक (एनेलिटिक जेना एजी), एचपीटीएलसी (सीएएमएजी, स्विटज़रलेंड), कटोरी सेंट्रीफ्यूज, तथा रेफ्रीजरेटर सर्कुलेटर।

पॉलीमर अभियांत्रिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (पीईआरएल):

प्रयोगशाला स्व-ऑसिलेटिंग रासायनिक प्रतिक्रियाओं, आकार मेमोरी पॉलिमर, स्मार्ट कोमल सामग्री, बहुलक प्रसंस्करण, बहुलक जैल और कंपोजिट और पैटर्न निर्माण के क्षेत्रों में प्रयोगात्मक और संगणक दोनों कार्यों में शामिल है। प्रयोगशाला में अत्याधुनिक तकनीक के वर्कस्टेशन और उच्च प्रदर्शन क्लस्टर्स के साथ संगणक सुविधाएं भी हैं। प्रयोगात्मक सुविधाओं में जमाकर सुखाने के लिए लायोफिलाइजर (मार्टिन क्राइस्ट, अल्फा 2-4 एलएससी मूलभूत), ठंडा और गर्म परिसंचारी शीतलन स्नान (आईसी 301-के3), स्नान सोनिकेटर, चुंबकीय स्टरर (तापमान संवेदक के साथ), वेक्यूम पंप, साफ पटरी की अलमारी शामिल हैं। हम पेलेट्स या पाउडर के रूप में पॉलिमर ब्लेंडिंग पॉलिमर, गर्म प्रेस मशीन और जेल परमिशन क्रोमैटोग्राफी इंस्ट्रूमेंट के लिए पॉलीमर एक्सट्रूडर/मिक्सर प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं।

संगणक तर्कसंगत डिजाइन प्रयोगशाला:

यह प्रयोगशाला प्रसंस्करण-परिस्थिति की अपेक्षित प्रतिक्रिया दर्शाने वाले ठोस पदार्थों को तर्कसंगत तरीके से विकसित करने में संलग्न है। प्रयोगशाला चार उच्च प्रदर्शन वाले संगणक वर्कस्टेशन से सुसज्जित है जिनका उपयोग आणविक और नेनो स्केल पर सिमुलेशन करने के लिए किया जाता है। वर्कस्टेशन जैविक और कृत्रिम प्रणालियों के आणविक गतिशीलता और मोंटे कार्लो सिमुलेशन करने के लिए सॉफ्टवेयर से लैस हैं, और सिमुलेशन-परिणामों के दृश्य के लिए ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) का उपयोग करता है। यह वर्कस्टेशन उन्नत मोंटे कार्लो सिमुलेशन प्रदर्शित करने के लिए संगणक कार्यक्रमों का परीक्षण और विकास करने में भी सक्षम है।

रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान विषय की प्रयोगशाला अवरस्नातक तथा अधिस्नातक छात्रों की शिक्षण व शोध गतिविधियों के लिए नाना प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। फ्यूम हुड्स युक्त श्लेंक के तार गीले रासायनिक सिंथेटिक कार्यो के बड़े हिस्से के लिए प्रयोग में आते हैं। इस संकाय में निष्क्रिय वातावरण में रासायनिक अभिक्रियाओं के लिए एक ग्लवबॉक्स भी उपलब्ध है। संस्थान के महत्वपूर्ण उपकरणों में 500 मेगाहर्ट्ज एनएमआर, सिनेप्ट जी2एस ईएसआई-क्यू-टीओएफ मास स्पेक्ट्रोमीटर, स्केनिंग इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी (एसईएम), आणविक ऊर्जा सूक्ष्मदर्शी (एएफएम), मालडी-टीओएफ तथा एक क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर (एससीएक्सआरडी)। शोध उपकरणों में सायक्लिक वोल्टामीटर, एक गोल डाइक्रोइज्म स्पेक्ट्रोमीटर, बीईटी सतही क्षेत्र विश्लेषक, आइसोथर्मल टाइट्रेशन केलोरीमीटर, गतिमान प्रोटीन तरल क्रोमेटोग्राफी, टीजीएडीएससी, गैस क्रोमेटोग्राफी, एफटीआईआर स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर के साथ पेल्टियर कूलिंग, पोलेराइजर तथा ठोस-अवस्था सहयंत्र, शिक्षण व शोध दोनों ही में उपयोग में आते हैं। संकाय में अत्याधुनिक ऑप्टिकल सूक्ष्मदर्शी की भी व्यवस्था है जो एकल अणुओं तथा कोनफोकल व चौड़े क्षेत्र की जांच में नेनोकणों का चित्रण करने में सक्षम है।

ईएमसीसीडी केमरा तथा उन्नत गैस क्रोमेटोग्राफी जैसे उपकरण प्राप्त किये जा रहे हैं। हाल ही में, प्रारंभिक उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमेटोग्राफी (प्री-एचपीएलसी) प्राप्त कर लिया गया है जो जैविकी अध्ययन के लिए उच्च शुद्धता और मात्रा वाले छोटे व प्रभारित अणुओं तथा पेप्टाइड को शुद्ध करने के काम आता है। इसके अलावा, एक प्रवाह साइटोमेट्री उपकरण भी फ्लोरोसेंटली लेबल वाली एकल कोशिकाओं का पता लगाने और छांटने के लिए अधिग्रहित किया जाता है। विभिन्न एपोप्टोटिक अवस्थाओं में कोशिकाओं का पता लगाने के लिए यह प्रवाह साइटोमीटर भी अत्यधिक उपयोगी है। रसायन विज्ञान ने बहु-कोण गत्यात्मक प्रकाश प्रकीर्णन (एमएडीएलएस) भी स्थापित किया है जो माइक्रोलिटर आयतन से उच्च सटीकता वाले नेनो/सूक्ष्म अणुओं की सतहों का चार्ज और आकार मापने में सक्षम है। सी3-उच्च दबाव होमोजेनाइजर भी स्थापित किया गया है। इन उपकरणों से रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, पदार्थ विज्ञान तथा नेनोफोटोनिक्स जैसे अंतरविषयक क्षेत्रों में संकाय की क्षमताएं अत्यधिक रूप से बढ़ गई हैं।

सिविल अभियांत्रिकी

सिविल अभियांत्रिकी संकाय ने संरचनात्मक अभियांत्रिकी, भूतकनीकी अभियांत्रिकी, जल संसाधन अभियांत्रिकी और सर्वेक्षण/ जीआईएस के क्षेत्र में प्रयोगशालाएं विकसित की हैं।

संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में अवरस्नातक छात्रों के लिए निम्न प्रकार की पदार्थ परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं: मानक अनुरूपता, सीमेंट पेस्ट का प्रारंभिक/अंतिम जमने का समय; सीमेंट की मज़बूती; मृदा की बल्किंग; कार्यसाधक कॉंक्रीट के लिए स्लंप परीक्षण; कोमपेक्शन कारक परीक्षण; वी बी एकरूपता परीक्षण; सीमेंट का निश्चित गुरुत्व; सीमेंट की बारीकी; बारीक मोड्यूल, निश्चित गुरुत्व, महीन/खर्खर समुच्चय का कुल घनत्व; खर्खर समुच्चय के दीर्घाकरण और फ्लेकीनेस की सूची; समुच्चय प्रभाव परिमाण; समुच्चय घर्षण परिमाण (लॉस एंजिलेस परीक्षण); सीमेंट तथा गारा के टुकड़े की संपीड़न क्षमता; कॉंक्रीट के टुकड़े की संपीड़न क्षमता (सामान्य मिश्रण के अनुरूप); कॉंक्रीट के टुकड़े की संपीड़न क्षमता (मिले-जुले मिश्रण के अनुरूप); अल्ट्रासोनिक पल्स चलनवेग परीक्षण द्वारा कॉंक्रीट की संपीड़न क्षमता; रीबाउंड हथौड़े द्वारा कॉंक्रीट की संपीड़न क्षमता, कॉंक्रीट में हवा की खोज; कॉंक्रीट भेदने का प्रतिरोध; बिटूमेन भेदने की गहराई; बिटुमेन की चमक और ज्वलन बिंदु; तारकोल का गाढ़ापन; ईंट का एफ्लोरोसेंस; लकड़ी की जल शोधक क्षमता; पेंट का गाढ़ापन; तथा पेंट की बारीकी। प्रयोगशाला में उन्नत कंडीशनिंग और परीक्षण उपकरण जैसे 300 टन संपीड़न परीक्षण मशीन, आटोक्लेव, मध्यम आकार की भट्ठी, भाप कक्ष, कंक्रीट स्क्रू पंप और संरचनात्मक विश्लेषण तथा वस्तु स्थानीयकरण के लिए कई परतों में एम्बेडेड वस्तुओं का पता लगाने के लिए: 300 मिमी, कुशल कंक्रीट स्कैनर डिवाइस भी हैं।

जियोतकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: जियोतकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला मौलिक मृदा प्रयोग के साथ-साथ आधुनिक शोध उपकरणों से लैस है। मृदा गत्यात्मक प्रयोगशाला में एक विशाल (भूकंप) तथा एक छोटी तनाव (कंपन) प्रयोग सुविधा मौजूद है। लिक्विफेक्शन के आंकलन के लिए विशाल तनाव गत्यात्मक प्रभावः चक्र त्रिअक्षीय प्रयोग सेटअप (0.01 हर्ट्ज -2हर्ट्ज, तनाव नियंत्रक); साधारण चक्र शियर सेटअप (0.001 हर्ट्ज -5 हर्ट्ज, तनाव नियंत्रक), 10,000 प्रभावी चक्रों तक के लिए मृदा के तनाव मॉड्यूल और डेंपिंग अनुपात सुविधा उपलब्ध है। छोटा तनाव गत्यात्मक प्रभावः के0 के अंतर्गत शियर मॉड्यूल के निर्धारण के लिए बेंडर तत्व प्रणाली, तनाव पथ, आइसोट्रोपिक, यूयू, सीयू, सीडी संकुचन और विस्तार प्रभावी परिस्थितियां मौजूद हैं। शियर बल सुविधा में गैर संसक्ति मृदा के लिए सीधा शियर सेटअप, संसक्ति मृदा के लिए अपरिसीमित संकुचन (यूसी) प्रयोग, कोमल मृदा के लिए वेन शियर प्रयोग, तथा सभी प्रकार की मृदा के लिए डीएक्यू और विश्लेषण सॉफ्टवेयर के साथ त्रिअक्षीय

सेटअप की सुविधा उपलब्ध है। संकुचन/विस्तार प्रभावी (यूयू, सीयू, सीडी प्रयोग) के लिए + पोर दबाव तथा ध्वनि बदलाव मापन सुविधाएं उपलब्ध हैं। के**0** समेकित एवं तनाव पथ प्रयोग तथा विशाल सीधे शियर सेटअप भी मौजूद हैं जिससे विभिन्न प्रकार के जियोसिंथेटिक्स-मृदा प्रणाली के विभिन्न प्रकार के इंटरफेस व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। बारीक मृदा कणों की कुल सोखने की शक्ति को नापने के लिए ओस बिंदु पोटेंशियोमीटर उपलब्ध है, तथा सभी प्रकार की मृदा के मेट्रिक सक्शन के लिए एक छन्नी पत्र सेटअप की उपलब्धिता भी है। बिंदु पॉइंट पोटेंशियोमीटर महीन दाने वाली मिट्टी के कुल सक्शन (0-300 एमपीए), मोटे अनाज वाली मिट्टी के लिए पारंपरिक टेन्सियोमीटर और सभी प्रकार की मिट्टी के मैट्रिक सक्शन के लिए फिल्टर पेपर सेटअप निर्धारित करने के लिए उपलब्ध है। इस सुविधा में महीन और मोटे अनाज वाली मिट्टी की पारगम्यता के लिए गिरने वाले और निरंतर हेड डिवाइस, चार 3-गैंग ओडोमीटर (1 डी समेकन) सेटअप, प्रॉक्टर सेटअप, सबग्रेड मिट्टी की ताकत के लिए सीबीआर, चलनी शेकर, हाइड्रोमीटर, एटरबर्ग सीमा (एलएल,पीएल, एसएल), स्वेल दबाव, विशिष्ट गुरुत्व, सापेक्ष घनत्व, कोर कटर, रेत प्रतिस्थापन, कार्बनिक पदार्थ मूल्यांकन के लिए मफल्ड फर्नेस (900oC), ऑप्टिकल और डिजिटल एलसीडी माइक्रोस्कोप शामिल हैं। क्षेत्रीय जांच प्रयोगशाला में मोटराइज्ड एंकरिंग प्रणाली के साथ 300 केएन क्षमता का प्लेट लोड टेस्ट, मानक छेदन प्रयोग (एसपीटी), गत्यात्मक कोन छेदन प्रयोग (डीसीपीटी) के साथ ऑटोमैटिक फ्री-फॉल हैमरिंग प्रणाली, फील्ड कॉम्पैक्शन के लिए वाइब्रेटरी प्लेट कॉम्पेक्टर, तथा फील्ड पारगम्यता सेटअप है। मोनो और बिस्टेटिक संचालन के साथ भूमि छेदन रडार (जीपीआर) 100 मेगाहर्ट्ज के एंटेना, बाइस्टेटिक ऑपरेशन के साथ 400 मेगाहर्ट्ज और 200 मेगाहर्ट्ज और 900 मेगाहर्ट्ज मोनोस्टैटिक ऑपरेशन के साथ 20-80 मल्टी फ्रीक्वेंसी एंटीना, सतह तरंगों के मल्टीचैनल विश्लेषण (एमएएसडब्ल्यू) सेटअप के साथ भूकंपीय अपवर्तन/परावर्तन सर्वेक्षण और डाउनहोल/क्रॉसहोल परीक्षण का प्रावधान प्रदान करता है। प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरण विकसित किए गए थे: लचीली सीमा प्रणाली के साथ बहुअक्षीय क्यूबिकल उपकरण के साथ-साथ रीयल-टाइम फीडबैक नियंत्रण प्रणाली जो मिट्टी के सच्चे-त्रिअक्षीय और समतल तनाव परीक्षण करने में सक्षम है, तनाव की निरंतर दर (सीआरएस) समेकन सेटअप, तथा महीन दाने वाली मिट्टी के पुनर्निर्मित नमूने तैयार करने के लिए घोल समेकन सेटअप।

जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला: में शिक्षण उद्देश्यों के लिए निम्नलिखित उपकरण हैं जैसे एक हाइड्रोलिक बेंच, पिटोट ट्यूब, रेनॉल्ड उपकरण, शार्प-क्रेस्टेड वियर (नॉच), बर्नोली उपकरण, वेंचुरीमीटर और ऑरिफिसमीटर, नोजल मीटर, हाइड्रोलिक टिल्टिंग फ्लूम, मौलिक हाइड्रोलॉजी उपकरण, तथा स्वतंत्र और बाधित भंवर प्रवाह तंत्र। उपरोक्त के अलावा, एक रिवर ट्रे जिसमें लेवी ब्रीच सुविधा है, एक स्वचालित हाइड्रोलिक टिल्टिंग फ्लूम और एक पाइपिंग प्रणाली का अध्ययन करने के लिए ट्रांसिएंटर्स का उपयोग अनुसंधान उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। फ्लूम प्रयोगों में एक 3डी वेग माप उपकरण, ध्वनिक डॉपलर वेलोसीमीटर का उपयोग किया जाता है।

सर्वेक्षण और जीआईएस प्रयोगशाला: को विभिन्न उच्च स्तरीय सर्वेक्षण उपकरण और जीआईएस सॉफ्टवेयर की खरीद के साथ विकसित किया गया है। सर्वेक्षण उपकरण में उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट शामिल है जिसमें किनेमेटिक जीपीएस, रोबोटिक कुल स्टेशन और संबंधित क्षेत्र और कार्यालय सॉफ्टवेयर शामिल हैं। यह जीपीएस और कुल स्टेशनों के लिए एक आम फाइल और यूजर इंटरफेस प्रदान करता है जो एक दूसरे के पूरक हैं। एकीकृत सर्वेक्षण एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां जीपीएस तकनीक व्यापक ट्रैवर्सिंग की आवश्यकता के बिना कुल स्टेशन सर्वेक्षण का विस्तार कर सकती है। इसके अलावा कई कुल स्टेशन, ऑटो लेवल, डिजिटल लेवल और हैंडहेल्ड जीपीएस भी खरीदे गए हैं, जिनका उपयोग

उन्नत एकीकृत सर्वेक्षण किट के अलावा किया जाएगा। शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में जीआईएस विश्लेषण करने के लिए मल्टीयूजर आर्कजीआईएस इंफो किट की खरीद की जाती है। आर्कजीआईएस पैकेज उपग्रह डेटा को संभालने के लिए पहले से मौजूद इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर को जोड़ देगा।

संज्ञानात्मक विज्ञान

आईआईटी गांधीनगर में संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला में कई अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं और उपकरण हैं। इन शोध सुविधाओं का उपयोग करके, अनुसंधान प्रश्नों को संबोधित करना संभव हो गया है जो मानव संज्ञान के अध्ययन के साथ मस्तिष्क तंत्र को जोड़ते हैं। अनुसंधान सुविधा का विवरण नीचे दिया गया है।

आई-ट्रैकिंग: आई-ट्रैकिंग सुविधा में एक टोबी टीएक्स **300** आई-ट्रैकर शामिल है और यह टोबी स्टूडियो™ आई-ट्रैकिंग सॉफ़्टवेयर के साथ आता है। यह एक अत्याधुनिक आई-ट्रैकिंग सुविधा है जो सैकेड, करेक्शन सैकेड, निर्धारण अवधि, पुतली के आकार और पलकों से संबंधित डेटा एकत्र कर सकती है। सुविधा में टोबी टूलबॉक्स भी शामिल है, जो मैटलैब का उपयोग करके डेटा संग्रह का समर्थन करता है, इस

प्रकार प्रयोगात्मक डिजाइन के लिए टोबी स्टूडियो के उपयोग को कम करता है। टोबी से एक्सटेंशन के माध्यम से ई-प्राइम के लिए भी समर्थन उपलब्ध है।

उच्च घनत्व इलेक्ट्रोनसेफेलोग्राफ़ी (ईईजी): एक उच्च घनत्व ईईजी प्रणाली 128 चैनल जियोडेसिक सेंसर नेट के साथ उपलब्ध है जो प्रतिभागियों के लिए त्वरित आवेदन के लिए सेलाइन-आधारित है। प्रोत्साहन प्रस्तुति के लिए प्रणाली को ई-प्राइम और मैटलैब के साथ एकीकृत किया गया है। नेटस्टेशन सॉफ्टवेयर का उपयोग डेटा की रिकॉर्डिंग और प्रोसेसिंग के लिए किया जाता है। डेटा को ओपन-सोर्स और मैटलैब में ईईजीलैब जैसे लोकप्रिय प्रोसेसिंग टूलबॉक्स में भी निर्यात किया जा सकता है। सॉफ्टवेयर क्षमताओं में ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेसिंग अनुप्रयोगों के लिए 8किहर्ट्ज तक के कच्चे डेटा के वास्तविक समय के नमूने के लिए एम्पसर्वर प्रो लाइसेंस शामिल है। ईईजी प्रणाली अब एक साथ आई ट्रैकिंग और ईईजी रिकॉर्डिंग के लिए सेटअप किया गया है।

मस्तिष्क उत्तेजना: सुविधाओं में मस्तिष्क की गैर-आक्रामक उत्तेजना के लिए एक ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (टीएमएस) प्रणाली शामिल है। टीएमएस प्रणाली को एक न्यूरोनेविगेशन प्रणाली के साथ जोड़ा जाता है जो उत्तेजना के मस्तिष्क क्षेत्रों को स्थानीयकृत करने के लिए एकल या दोहराव वाले चुंबकीय तरंगो के सटीक लक्ष्यीकरण के लिए एक प्रतिभागी के एमआरआई स्कैन का उपयोग कर सकता है। ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) का उपयोग मस्तिष्क के गैर-आक्रामक उत्तेजना के लिए मस्तिष्क के कार्य को व्यवस्थित करने के लिए खोपड़ी में एक छोटे से प्रत्यक्ष प्रवाह का उपयोग करके किया जाता है। यहां तक कि अत्यंत निम्न-स्तर की धाराएं एक साथ एनोड के पास मस्तिष्क की गतिविधि को बढ़ा सकती हैं और कैथोड के पास गतिविधि को कम कर सकती हैं।

रोबोटिक प्रणाली: द्विपक्षीय किनार्म एंड-पॉइंट रोबोट एक ठोस, समझने योग्य रोबोट है जो इंटर-आर्म प्रदर्शन की तुलना और द्वि-मैनुअल समन्वय के अध्ययन के लिए दोनों रोबोटों का एक साथ नियंत्रण सुनिश्चित करता है।

डिजिटाइजिंग टेबलेट: जीटीसीओ केलकोम्प डिजिटाइजिंग टेबलेट भुजा के अंतिम बिंदु में हुई हरकत दर्ज करता है। इसका कार्य क्षेत्र 36X24 सेमी है तथा यह मेज की सतह पर हुई स्टाइलस की गतिविधि दर्ज करता है। यह स्टाइलस की गतिविधि 60 हर्ट्ज की दर से दर्ज कर सकता है।

मोशन कैप्चर प्रणाली: यह कस्टम प्रणाली क्षैतिज तल में किए गए भुजा की हरकत को दर्ज करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक संवेदक (असेंशन ट्रैकस्टार, नॉर्दर्न डिजिटल) का उपयोग करता है। यह एक आभासी वास्तविकता वातावरण प्रदान करने के लिए मोशन मॉनिटर (इनस्पोर्ट, शिकागो, आईएल) के साथ-साथ स्वायत्त रूप से विकसित सॉफ्टवेयर के साथ इंटरफेस है, जो विभिन्न कार्य स्थितियों के तहत भुजा की हरकत को दर्ज करने में सक्षम बनाता है। इस प्रणाली को ईएमजी, ईईजी और टीएमएस उपकरण सहित बाहरी उपकरणों की एक श्रृंखला के साथ एकीकृत किया जा सकता है, जो परिमाणीकरण के साथ-साथ भुजा मोटर कार्यों के दौरान तंत्रिका गतिविधि में व्यवधान की अनुमति देता है।

बिहेवियरल क्यूबिकल्स: वर्तमान में, तीन बिहेवियरल क्यूबिकल्स हैं जिनमें ऐसे कंप्यूटर हैं जो बिहेवियरल डेटा कलेक्शन का सहयोग करते हैं। क्यूबिकल ध्वनि-क्षीण अंधेरे कमरे हैं। कंप्यूटर मैटलैब को साइकोफिजिक्स टूलबॉक्स के साथ चलाते हैं और निर्णय लेने, ध्यान, एजेंसी इत्यादि पर शोध के लिए उपयोग किए जाते हैं। वे ई-प्राइम और ब्लिट्ज 3 डी जैसे अन्य सॉफ़्टवेयर का भी समर्थन करते हैं। इन प्रयोगशालाओं का उपयोग कागज और पेंसिल परीक्षणों और प्रश्नावली के लिए निजी स्थान के रूप में भी किया जाता है जिसके लिए बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त वातावरण की आवश्यकता होती है। लैब में कई प्रतिभागियों के बैठने के साथ एक अतिरिक्त सर्वेक्षण कक्ष है। उच्च रीफ्रेश दर मॉनीटर और समायोज्य प्रकाश व्यवस्था के साथ मनो-शारीरिक प्रयोगों के लिए दो अतिरिक्त कक्ष भी इस सुविधा के लिए समर्पित हैं।

सायकोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला: वायरलेस फिजियोलॉजी-आधारित डेटा अधिग्रहण प्रणाली (बायोपैक सिस्टम्स इंक) ईसीजी, ईएमजी, ईडीए जैसे शारीरिक संकेतों के वास्तविक समय डेटा अधिग्रहण की सुविधा प्रदान करती है और 16 बिट के उच्च रिज़ॉल्यूशन और कुल 400 किहर्ट्ज तक उच्च गति के साथ डिजिटल ट्रांसमिशन के साथ उत्कृष्ट सिग्नल गुणवत्ता प्रदान करती है। सिस्टम वर्ल्डविज़ इंक के वर्चुअल रियलिटी-आधारित प्रोग्रामिंग प्लेटफॉर्म विजार्ड के साथ कार्य-संगत है।

मल्टीसेंसरी प्रयोगशाला: इस प्रयोगशाला में सराउंड साउंड स्पीकर के साथ सक्रिय शोर रद्दीकरण उपकरण के ध्वनि-क्षीण परीक्षण के लिए अनुसंधान सुविधाएं हैं। लैब में एक ड्राइविंग सिम्युलेटर है जो पूरी तरह से इन-हाउस बनाया गया था।

स्पर्श अनुभव प्रयोगशाला: प्रयोगशाला में स्वनिर्मित आरडीनो आधारित और 3डी छपाई से युक्त उपकरण हैं जिनसे बनावट की भिन्नता, गीलेपन का अनुभव, स्पर्श उत्तेजना के साथ विद्युत पीजो वाइब्रेटर के लिए मनोभौतिक प्रयोग किये जा सकते हैं।

भूविज्ञान

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में भू विज्ञान इसके प्रमुख घटकों जैसे स्थलमंडल, जलमंडल, वायुमंडल और जीवमंडल के बहु-विषयक अध्ययनों और विभिन्न स्थानिक-अस्थायी पैमानों पर उनकी बातचीत के माध्यम से पृथ्वी प्रणाली की समग्र समझ की कल्पना करता है। भू विज्ञान प्रयोगशाला 1 और 2 जल-जियोकेमिकल मॉडलिंग, नैनोपार्टिकल संश्लेषण और उनके आगे के पर्यावरणीय अनुप्रयोगों, "अपशिष्ट से धन" प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट जल आधारित महामारी विज्ञान, टिकाऊ के साथ संयुक्त संदूषक भाग्य और परिवहन अध्ययन से शुरू होने वाली विभिन्न बहु / अंतःविषय परियोजनाओं की गतिविधियों का केंद्र है। ये प्रयोगशालाएं विख्यात फंडिंग एजेंसियों (जैसे एमएचआरडी, एसईआरबी, डीएसटी, डीएसटी-यूकेआईईआरआई, इंसपायर, एमटोईएस, एमओईएफ व सीसी, केपीसीएसडी, जीएसबीटीएम) द्वारा वित्त पोषित कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं के केंद्र हैं। प्रयोगशाला कई अनुरूप परामर्श परियोजनाओं/सेवाओं के माध्यम से सार्वजनिक/ निजी भागीदारी को भी बढ़ावा देती है।

पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला 1 पानी और मिट्टी के रसायन विज्ञान के प्राथमिक और उन्नत स्तर का संचालन करने के लिए बुनियादी और परिष्कृत अनुसंधान सुविधाओं / उपकरणों से लैस है। इसका उद्देश्य पर्यावरणीय विकृतियों को दूर करना और जमीनी स्तर पर समाज को वैज्ञानिक स्थायी समाधान प्रदान करना है। इस प्रयोगशाला में आयन-क्रोमैटोग्राफी (आईसी), हैना (HI7698194) मल्टीपैरामीटर पीएच/ईसी/डीओ जांच, उच्च शुद्धता मिली-क्यू ग्रेड पानी (18.2 एमΩ सेमी-1, मिली-क्यू® डायरेक्ट 8) शुद्धिकरण प्रणाली, लैमिनार फ्लो हुड, डेसीकेटर, जैविक सुरक्षा कैबिनेट, इनक्यूबेटर, रेफ्रिजरेटर, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, इलेक्ट्रिक मफल फर्नेस, हॉट एयर ओवन, मैकेनिकल मिश्रण, सोनिकेटर, हॉट प्लेट, तापमान नियंत्रित चुंबकीय उत्तेजक, आटोक्लेव, पीने योग्य पीएच और चालकता मीटर और थर्मोसाइंटिफिक आयन चयनात्मक इलेक्ट्रोड जैसे विभिन्न उपकरणों की सहायता से मैक्रोमोलेक्यूलर स्तर से अल्ट्रा-ट्रेस स्तर तक अनुसंधान की सहायता के लिए कई प्रयोगात्मक सेटअप

हैं। प्रयोगशाला बहु-विषयक अध्ययनों के लिए एक सच्चा उदाहरण है, क्योंकि अधिस्नातक और पीएचडी शोध कार्य नैनोमैटेरियल्स, टिकाऊ निर्माण सामग्री जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विस्तारित हैं। साथ ही, विभिन्न विषयों के छात्रों का संघ प्रयोगशाला के वातावरण को बहुत गतिशील और उत्पादक बनाता है।

पृथ्वी विज्ञान प्रयोगशाला 2 में प्रमुख उपकरणों में विश्लेषण के लिए नमूना तैयार करने की सुविधा शामिल है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य सूखे के साथ-साथ गीले नमूने भी तैयार करना है। प्रयोगशाला रॉक क्रशिंग और ग्राइंडिंग सुविधा, छलनी, हैंडहेल्ड मजबूत चुंबकीय पृथक्करण, सामान्य और एचएफ विश्लेषण के लिए पूरी तरह कार्यात्मक फ्यूमहुड के माध्यम से अल्ट्रासोनिक सफाई और रेत के दानों की लीचिंग और रासायनिक विश्लेषण से सुसज्जित है।

विद्युत अभियांत्रिकी

विद्युत अभियांत्रिकी विषय वर्तमान में अन्य अभियांत्रिकी विषयों के छात्रों को पांच स्नातक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम और एक बुनियादी प्रयोगशाला पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला मानक परीक्षण और माप उपकरण जैसे डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, दोहरे चैनल रेंडम फ़ंक्शन जनरेटर, डिजिटल मल्टीमीटर, एलसीआर मीटर, मल्टी आउटपुट डीसी विनियमित बिजली की आपूर्ति, चार-चैनल डिजिटल पावर स्कोप, आठ-चैनल स्कोपकोड, स्रोत और माप इकाइयाँ, सटीक चुंबकीय विश्लेषक, आरएफ स्पेक्ट्रम विश्लेषक, एसी और डीसी डिजिटल बिजली मीटर से सुसज्जित है। इस विषय की अनुसंधान सुविधाएं नीचे दी गई विशेष प्रयोगशालाओं में रखी गई हैं।

वेफर विशेषता प्रयोगशाला: वेफर विशेषता प्रयोगशाला में वर्तमान में एक 6" वेफर जांच स्टेशन, एक अर्धचालक पैरामीट्रिक विश्लेषक (6 एसएमयू, 1 एलसीआर मीटर, 1 पल्स यूनिट के साथ), एक बिजली उपकरण विश्लेषक, एक 20 गीगाहर्ट्ज वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक, एक गतिशील संकेत विश्लेषक, एक कम शोर वाला वर्तमान प्रस्तावक, आईसीसीएपी मॉडलिंग सॉफ्टवेयर और पैकेज्ड उपकरणों को मापने के लिए सेट-अप है। इस प्रयोगशाला में इस वर्ष के अंत तक एक और जांच स्टेशन (8" तापमान सीमा -60 से 300 डिग्री सेल्सियस के साथ) और 43.5गीगाहर्ट्ज वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक शामिल किया जाएगा।

नैनोडीसी प्रयोगशाला: नैनो उपकरण और सर्किट (नैनोडीसी) प्रयोगशाला का उपयोग मुख्य रूप से एनालॉग/डिजिटल वीएलएसआई डिजाइन और अर्धचालक उपकरण से संबंधित अनुसंधान के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला ताल, मेंटर ग्राफिक्स, सिनोप्सिस, जिलिंक्स आईएसई उपकरण और जीटीएस टीसीएडी उपकरणों के लिए बहु-उपयोगकर्ता लाइसेंस से सुसज्जित है। प्रयोगशाला बेसिस, नेक्सस, स्पार्टन, किनटेक्स -7 बोर्डों सहित विभिन्न एफपीजीए बोर्डों से भी सुसज्जित है। इसके अलावा, लैब में 80-कोर सर्वर, मल्टीपल वर्कस्टेशन और सीएडी टूल्स को होस्ट करने वाली मशीनों सहित अन्य कम्प्यूटेशनल संसाधन हैं।

ऊर्जा प्रणाली और स्मार्ट ग्रिड प्रयोगशाला: प्रयोगशाला पूरी तरह से डिजिटल रियल-टाइम ऊर्जा अभियांत्रिकी सिमुलेशन प्लेटफ़ॉर्म से लैस है जिसमें ओपल-आरटी (ओपी4508 एफ11-3+1) रियल-टाइम डिजिटल सिम्युलेटर-ओपी5600 और हार्डवेयर और फर्मवेयर के लिए अनुकूलित मॉड्यूलर हार्डवेयर-इन-द-लूप (एचआईएल) और रैपिड कंट्रोल प्रोटोटाइप (आरसीपी) बिजली प्रणालियों और स्मार्ट ग्रिड से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों में अध्ययन करता है। प्रयोगशाला ऊर्जा प्रणाली सिमुलेशन उपकरणों - डिजीसाइलेंट ऊर्जा फैक्ट्री, सीवाईएमडीएसटी और जीएएमएस से भी लैस है।

बुद्धिमान पुनर्वास और प्रभावी संगणक प्रणाली प्रयोगशाला: बुद्धिमान पुनर्वास और प्रभावी संगणक प्रणाली प्रयोगशाला के पास पांच प्रणालियां हैं जिनके लिए पेटेंट लागू किया गया है (i) संज्ञानात्मक हानि के निदान के लिए स्मार्टआई, (ii) किसी की चाल के लक्षण वर्णन के लिए इंस्ट्रोल, (iii) स्वस्ति जो एआई सक्षम वॉकिंग स्टिक है जो पार्किंसंस रोग वाले लोगों में गैट (एफओजी), और ठंड को रोकने के लिए है। (iv) मानव शरीर के विभिन्न शारीरिक मापदंडों के गैर-आक्रामक माप के लिए ऑनकॉलडॉक्टर प्रणाली और (v) पीट्रेडएक्स जो एक फिजियोलॉजी-संवेदनशील ट्रेडमिल-सहायता प्राप्त वीआर-आधारित गैट एक्सरसाइज प्लेटफॉर्म है। इसके अलावा, यह शोध प्रयोगशाला एक स्प्लिट-बेल्ट ट्रेडमिल प्लेटफॉर्म, रिमोट और पहनने योग्य आई-ट्रैकर्स, शारीरिक डेटा अधिग्रहण के लिए बायोपैक, हैप्टिक डिवाइस, ईईजी डेटा अधिग्रहण, ट्रांसक्रैनियल इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेटर, फंक्शनल इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेटर, साइबरग्लोव और वीआर हेडसेट से लैस है।

कंप्यूटर विजन, इमेजिंग और ग्राफिक्स (सीवीआईजी) प्रयोगशाला: लैब में फ़ारो फोकस 3डीएक्स330 और आइंसकैन प्रो+ लेजर स्कैनर हैं, जिनका उपयोग क्रमशः 3डी प्रिंटर के साथ बड़ी संरचनाओं और कलाकृतियों को स्कैन करने के लिए किया जाता है। संभावित अनुप्रयोगों में डिजिटल विरासत, आकार विश्लेषण और ज्यामितीय प्रसंस्करण शामिल हैं। प्रयोगशाला में इसरो-सैक की मदद से कोडित एपर्चर कैमरे भी हैं, जो एक ही छवि से रीफोकस करने और फील्ड रिकवरी की विस्तारित गहराई के लिए हैं। इन कार्यों को प्राप्त करने के लिए किसी भी डीएसएलआर के साथ कोडित एपर्चर कैमरों का उपयोग किया जा सकता है। कई जीपीयू सक्षम वर्कस्टेशन का उपयोग कंप्यूटर विज़न अनुप्रयोगों के लिए गहन शिक्षण से संबंधित कम्प्यूटेशनल रूप से गहन समस्याओं को हल करने के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला मानव गतिकी पर अनुसंधान के लिए मानव गति पकड़ने की प्रणाली की भी मेजबानी करेगी।

फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला: फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला निकट-आईआर और मध्य-आईआर ट्यून करने योग्य डायोड लेजर अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी, फोटोकॉस्टिक अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी, प्लास्मोनिक नैनो-बायोसेंसिंग, माइक्रोबियल विकास अध्ययन और फाइबर-ऑप्टिक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के अनुप्रयोगों पर काम करती है। प्रयोगशाला 4312 एनएम और 4559 एनएम क्वांटम कैस्केड लेजर (एल्प्स लेजर), एक 1392 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (एब्लाना), 1533 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (टॉपटिका), एक 100 मेगावाट, 4.3-4.7 यूएम) क्वांटम कैस्केड लेजर (डेलाइट सॉल्यूशंस), एक 1650 एनएम एज-एमिटिंग लेजर डायोड (टॉपटिका फोटोनिक्स), वीसीएसईएल (1278 एनएम, 2004 एनएम, वर्टिलास), कूल्ड और अनकूल्ड फोटोडायोड से सुसज्जित है। इसमें एक 50 मेगाहर्ट्ज डुअल-चैनल, लॉक-इन एम्पलीफायर (ज़्यूरिख इंस्ट्रूमेंट्स), कई लेजर डायोड करंट और तापमान नियंत्रक (थोरलैब्स, एसआरएस), एक मनमाना तरंग जनरेटर (एगिलेंट), एक 500 मेगाहर्ट्ज, 1 जीएस / एस डिजिटल फॉस्फोर, ऑसिलोस्कोप (टेक्ट्रोनिक्स), एक डिजिटल विलंब और पल्स जनरेटर, (एसआरएस), और एक 3 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम विश्लेषक (एगिलेंट) है।

संगणक नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला: संगणक नैनोफोटोनिक्स प्रयोगशाला इमेजिंग, सेंसिंग और ऊर्जा संचयन में अनुप्रयोगों की दिशा में एक आंख के साथ नैनोसंरचित सामग्री के साथ प्रकाश बातचीत की मौलिक भौतिकी की जांच करती है। प्रयोगशाला जिन असंख्य अनुप्रयोगों की जांच करती है उनमें उच्च-रिज़ॉल्यूशन और बहुत व्यापक क्षेत्र-दृश्य सूक्ष्मदर्शी, मोनोलिथिक एकीकृत अल्ट्रा-मिनिएचर कैमरे, नैनो-स्केल पर वस्तुओं और गतिशीलता की जांच के लिए अति-संवेदनशील गैर-विनाशकारी ऑप्टिकल माप तकनीक, बायोइन्स्पायर्ड टिकाऊ ऊर्जा

संचयन और भंडारण तकनीक शामिल हैं। लैब ब्रॉडबैंड सुपरकॉन्टिनम लेजर, यूवी-वीआईएस-एनआईआर स्पेक्ट्रोमीटर और ऑप्टिकल नैनोस्ट्रक्चर और मेटा-सर्फेस के लक्षण वर्णन के लिए अन्य उपकरणों से लैस है।

विद्युत मशीनें और ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला: प्रयोगशाला विभिन्न विद्युत मशीनों के डिजाइन, नियंत्रण और निदान पर अनुसंधान कार्य करने के लिए सुसज्जित है। इनमें ट्रांसफॉर्मर, रोटेटिंग इलेक्ट्रिक मशीन और पावर कन्वर्टर्स शामिल हैं। एनसिस मेक्सवेल में 2D और 3D इलेक्ट्रोमैग्नेटिक परिमित तत्व विश्लेषण का उपयोग करके नए और मौजूदा टोपोलॉजी का डिजाइन और विश्लेषण किया जाता है। प्रयोगशाला में विभिन्न रोटेटिंग इलेक्ट्रिक मशीन टोपोलॉजी पर प्रयोग के लिए टेस्ट-सेटअप उपलब्ध हैं। इनमें स्थायी चुंबक ब्रशलेस डीसी मोटर, स्थायी चुंबक तुल्यकालिक मोटर और स्विच्ड अनिच्छा मोटर शामिल हैं। पारंपरिक टोपोलॉजी का विश्लेषण और मॉडलिंग एक एकीकृत परीक्षण बेंच पर किया जाता है जिसमें एक डीसी मशीन, एक इंडक्शन मशीन और एक सिंक्रोनस मशीन होती है। मोटर को लोड करने और टॉर्क वेवफॉर्म प्राप्त करने के लिए प्रयोगशाला एक एडी करंट डायनेमोमीटर से लैस है। मशीन स्वास्थ्य निदान के लिए, एफआरए विश्लेषण करने के लिए सटीक चुंबकीय विश्लेषक और आवेग जनरेटर का उपयोग किया जाता है। प्रयोगशाला सुविधाओं में प्रोग्राम योग्य बिजली आपूर्ति भी शामिल है जिसका उपयोग ग्रिड व्यवहार की नकल करने के लिए संतुलित और असंतुलित आपूर्ति उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला में बुनियादी पावर कन्वर्टर्स और उनके संबंधित नियंत्रक और ड्राइवर तैयार किए गए हैं। ये कनवर्टर टोपोलॉजी एसी-डीसी, एसी-एसी, डीसी-एसी और डीसी-डीसी रूपांतरण के कार्यान्वयन की अनुमति देते हैं।

चिकित्सा अल्ट्रासाउंड अभियांत्रिकी (एमयूएसई) प्रयोगशाला: एमयूएसई प्रयोगशाला बायोमेडिकल अल्ट्रासाउंड इमेजिंग, थेरेपी और मेट्रोलॉजी में अनुसंधान करने के लिए सुसज्जित है। प्रयोगशाला के वर्तमान उपकरणों में एकल-तत्व ट्रांसड्यूसर (1 - 20 मेगाहर्ट्ज केंद्र आवृत्ति), उच्च तीव्रता केंद्रित अल्ट्रासाउंड ट्रांसड्यूसर (2 मेगाहर्ट्ज), दो अल्ट्रासाउंड डायथर्मी सिस्टम, पल्सर रिसीवर (1 - 30 मेगाहर्ट्ज) आवृत्ति, मनमाना तरंग जनरेटर (1 - 50 मेगाहर्ट्ज), एक आरएफ पावर एम्पलीफायर, एक प्रोग्रामेबल अल्ट्रासोनिक डेटा एक्विजिशन सिस्टम, एक ब्रॉडबैंड हाइड्रोफोन, डिजिटल स्टोरेज और मिक्स्ड सिग्नल ऑसिलोस्कोप (200 और 100 मेगाहर्ट्ज बैंडविथ), एक मोटराइज्ड 3-एक्सिस पोजिशनिंग सिस्टम, एक प्रीम्प्लीफायर (30 मेगाहर्ट्ज बैंडविड्थ), एक प्रोग्रामेबल पावर सप्लाई, ए वैक्यूम डिगैसर, एक कैलिब्रेटेड ऊतक-नकल अल्ट्रासाउंड प्रेत, एक भंग ऑक्सीजन जांच, गीले प्रयोगशाला उपकरण (पिपेट्स, एक माइक्रोबैलेंस, गर्म / हलचल प्लेट, एक ओवरहेड उत्तेजक, और तापमान नियंत्रित परिसंचरण स्नान), और एक कस्टम ध्वनिक क्षीणन स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रणाली शामिल है। प्रयोगशाला जैविक सामग्री और पूर्व विवो ऊतक के प्रयोगों के लिए सुसज्जित है।

ध्वनि संकेत प्रसंस्करण प्रयोगशाला: इस प्रयोगशाला का प्राथमिक ध्येय सक्रिय शोर नियंत्रण हेडफ़ोन, श्रवण यंत्र और श्रवण यंत्र सहित ऑडियो उपकरणों के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम के विकास और कार्यान्वयन पर है। लैब में स्पीडगोट ऑडियो परफॉर्मेंस रियल-टाइम टार्गेट मशीन, न्यूमैन केयू100 डमी हेड माइक्रोफोन, जीआरएएस 45सीए ईयर प्रोटेक्टर टेस्ट मॉड्यूल के अलावा ऑडियो इंटरफेस, मेजरमेंट माइक्रोफोन और स्टूडियो मॉनिटर स्पीकर सहित उपकरण हैं।

पदार्थ अभियांत्रिकी

पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (एमएसई) विषय, जिसे 2020 में पदार्थ अभियांत्रिकी के नाम से रूपांतरित किया गया है, में 4 सक्रिय प्रयोगशालाएँ शामिल हैं, जैसे मेटलोग्राफी प्रयोगशाला, मैटेरियल्स कैरेक्टराइजेशन प्रयोगशाला, वेफर कैरेक्टराइजेशन प्रयोगशाला और बायोनोमैटेरियल्स प्रयोगशाला। मेटलोग्राफी प्रयोगशाला में, मुख्य रूप से सामग्री के प्रसंस्करण और नमूना तैयार करने में सहायता के लिए मैनुअल और स्वचालित पॉलिशिंग मशीन, अपघर्षक काटने की मशीन, विकर्स कठोरता इंडेंटर्स, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, कम ऊर्जा रोलर, फर्नेस, फ्यूम हुड और रासायनिक भंडारण की एक विस्तृत

विविधता है। सामग्री लक्षण वर्णन प्रयोगशाला में ऐसे उपकरण हैं जो सतह लक्षण वर्णन (संपर्क कोण गोनियोमीटर, एसईएम, एएफएम, प्रोफिलोमीटर, एफटीआईआर), संरचनात्मक लक्षण वर्णन, थर्मल लक्षण वर्णन (टीजीए, डीएससी, एसटीए), और मौलिक संरचना लक्षण वर्णन (एएएस, आईसीपी-ओईएस, आईसीपी-एमएस, और एक्सआरएफ) कर सकते हैं। वेफर कैरेक्टराइजेशन प्रयोगशाला मुख्य रूप से स्पटरिंग तकनीकों द्वारा ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए पतली फिल्मों की तैयारी पर केंद्रित है। बायोनेनोमैटिरियल्स प्रयोगशाला एक पॉजिटिव-प्रेशर प्रयोगशाला (कक्षा 10,000) है जो नैनोपार्टिकल्स (डीएलएस, सीपीएस, जिगो, हाइपरथर्मिया) को सिंथेसिस और कैरेक्टराइज करने के लिए उपकरणों से लैस है। प्रयोगशाला में विकसित नैनोमटेरियल्स पर प्रारंभिक टॉक्सिकोलॉजिकल परख करने के लिए एक सेल कल्चर सुविधा भी है। हमने हाल ही में ईडीएस, डब्लूडीएस, और ईबीएसडी की क्षमताओं के साथ अपने फिस्ट-वित्त पोषित विश्लेषणात्मक एसईएम की स्थापना का समापन किया है। पदार्थ अभियांत्रिकी प्रयोगशालाओं की उपकरण क्षमताओं को लगातार नए उपकरण जैसे कि जोमिनी एंड क्वेंच टेस्ट, ट्यूब फर्नेस, और यूवी-विज़ एनआईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी को जोड़कर उन्नत किया जा रहा है जो इस वर्ष जोड़े गए हैं। एक नई प्रयोगशाला- पदार्थ प्रसंस्करण प्रयोगशाला वर्तमान में स्थापित की जा रही है और उम्मीद है कि उनके सूखे और गीले स्थितियों में सामग्री को संसाधित करने के लिए रोलिंग मशीन, हॉट प्रेस, ट्राइबोमीटर और कई फ्यूम हुड होंगे।

स्नातक छात्रों के लिए प्रयोगशाला और परियोजना पाठ्यक्रमों के दौरान उपकरणों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और अभ्यास सत्र होते हैं। अधिस्नातक छात्र नियमित रूप से इन उपकरणों का उपयोग अपनी शोध गतिविधियों के लिए करते हैं। इसके अलावा, सभी उपकरणों तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उपयोग के लिए समय स्लॉट की आसान बुकिंग को सक्षम करने के लिए एक ऑनलाइन उपकरण एक्सेस सिस्टम तैयार किया गया है। उपयोगकर्ता उपलब्ध स्लॉट और किसी विशेष उपकरण के लिए आवंटित संबंधित टीए पा सकते हैं।

यांत्रिक अभियांत्रिकी

यांत्रिक अभियांत्रिकी संकाय ने विभिन्न विषयों के लिए भौतिक रूप से अलग प्रयोगशालाओं को समाप्त कर दिया है और इसके बजाय भौतिक सुविधाओं के साथ-साथ प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों के संबंध में एक एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है। सुविधाओं और उपकरणों को लगातार उन्नत किया जा रहा है। कुछ बड़े डेमो प्रयोगों के अलावा, प्रयोगशाला सुविधाओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा घटकों और सेंसर के रूप में है जो सीखने-और-करने और 'डू-इट-योरसेल्फ' (डीआईवाई) दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है जिसे संकाय प्रयोगशाला पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम परियोजनाएं, और पाठ्येतर परियोजनाओं में क्रियान्वित किया जाता है।

ठोस एवं तरल यांत्रिकी: ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला ने इस वर्ष सफलतापूर्वक 100 केएन विश्वव्यापी परीक्षण मशीन पुनर्जीवित की है। मशीन के लोड सेल, ग्रिपर और नियंत्रक में बदलाव कर दिया गया है। डीआईवाई दर्शन को बढ़ावा देने के लिए, प्रयोगशाला हाल ही में स्थापित संरचनात्मक उपकरणों के सुइट को इस्तेमाल करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करता है जिससे अवरस्नातक स्तर पर उपलब्ध ठोस की यांत्रिकी और विकृत शरीरों की यांत्रिकी पाठ्यक्रमों में अधिगमन की वृद्धि हो। स्थापित सुइट में 1) बीम में झुकने वाले क्षण, 2) बीम में कतरनी बल, 3) बीम और कैंटिलीवर का विक्षेपण, 4) बीम में झुकने वाला तनाव, 5) असमान झुकाव और कतरनी केंद्र, 6) स्ट्रट्स की बकलिंग और 7) निरंतर और अनिश्चित बीम। इन सामग्रियों का उपयोग कक्षा में प्रदर्शनों और छात्रों की परियोजनाओं, दोनों में होता है। अन्य सुविधाएं इस प्रकार हैं: 450जे क्षमता की चार्पी प्रभाव परीक्षण मशीन (एमटीएस), मरोड़ परीक्षण मशीन (500 एनएम) और रॉकवेल व विकर्स कठोरता परीक्षण मशीन (ज्विक रोएल), तथा एक फटीग परीक्षण मशीन। स्ट्रेन गेज और संबंधित डेटा अधिग्रहण प्रणाली भी प्रयोगों का संचालन करने में छात्रों को अपने हाथों से इस्तेमाल करने के लिए उपलब्ध है।

द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला में द्रव स्थैतिकी और द्रव गतिकी पर प्रयोग करने के लिए सेटअप हैं। कई सामान्य टर्बोमशीन जैसे गियर पंप, सेंट्रीफ्यूगल पंप, पेल्टन व्हील के साथ-साथ विभिन्न प्रवाह मापने वाले उपकरण और सहायक उपकरण भी स्थापित किए गए हैं। इस वर्ष, हमने अतिरिक्त उपकरण जैसे श्रृंखला और समानांतर केन्द्रापसारक पंप, हॉट वायर एनीमोमीटर, सतह दबाव सेंसर और डिजिटल माइक्रोमैनोमीटर और उपकरणों की खरीद की है ताकि प्रयोगों में सहायता के लिए प्रवाह-क्षेत्र की कल्पना की जा सके।

विनिर्माण: विनिर्माण प्रयोगशाला में लेथ, मिलिंग मशीन, वर्टिकल मशीनिंग सेंटर, इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज मशीन, वेल्डिंग, फिटिंग और टिन स्मिथी उपकरण जैसी सुविधाएं हैं। यह विनिर्माण प्रथाओं और प्रक्रियाओं पर पाठ्यक्रमों का समर्थन करता है और एकीकृत डिजाइन और विनिर्माण पाठ्यक्रमों में विनिर्माण गतिविधियों का समर्थन करता है। यह स्नातक छात्र परियोजनाओं के निर्माण के साथ-साथ अनुसंधान से संबंधित उपकरण और सहायक उपकरण के लिए एक कार्यशाला के रूप में भी कार्य करता है।

नियंत्रण प्रणाली: नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला कई विषयों के बीच साझा की जाती है और इसमें कई प्रकार के प्रयोग शामिल होते हैं जो छात्रों को नियंत्रण प्रणाली के सिद्धांत और डिजाइन दोनों पहलुओं और कार्यान्वयन पहलुओं को समझने में मदद करते हैं। टिंकरर्स लैब में और अनुशासन के भीतर संसाधनों का लाभ उठाते हुए, नियंत्रण प्रणालियों में अधिकांश प्रयोग डीआईवाई दृष्टिकोणों में परिवर्तित हो गए हैं, जिसमें छात्र विभिन्न जटिलताओं के प्रयोगों का निर्माण करने और उन पर विभिन्न नियंत्रण रणनीतियों को लागू करने में सक्षम हैं। इसके अलावा, कुछ परीक्षण रिग प्रदर्शन मानदंडों को पूरा करने के लिए सेंसर, डेटा अधिग्रहण, अंशांकन, स्थिरता विश्लेषण, पीआईडी नियंत्रक ट्यूनिंग, प्रयोगात्मक डेटा से मॉडलिंग, रूट लोकस-आधारित डिज़ाइन के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। इस तरह की गतिविधियों के लिए उपलब्ध यांत्रिक, विद्युत और उपकरण घटकों को इस दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए इस वर्ष बढ़ा दिया गया था।

ऊर्जा प्रणाली: अक्षय ऊर्जा प्रयोगशाला सुविधा के पीछे प्रेरणा अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में स्नातक और स्नातक छात्रों को प्रयोगात्मक अनुभव की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करना है। इस सुविधा में पवन, तापीय और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले प्रायोगिक सेटअप शामिल हैं। इस प्रायोगिक सुविधा में तापीय ऊर्जा भंडारण प्रशिक्षण प्रणाली, सौर सांद्रक प्रशिक्षण प्रणाली, पवन ऊर्जा प्रशिक्षण प्रणाली और सौर पीवी प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रणाली शामिल हैं। एक ईंधन-सेल परीक्षण प्रणाली और एक गर्मी हस्तांतरण प्रयोगात्मक मॉड्यूल प्राप्त किया गया है

रोबोटिक्स: हाल के वर्षों में, रोबोटिक्स शिक्षण और अनुसंधान के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण डोमेन के रूप में उभरा है। रोबोट, अनिवार्य रूप से, प्रोग्राम करने योग्य इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम (मशीन) हैं जिन्हें कई अलग-अलग विषयों की समझ और निष्पादन की आवश्यकता होती है। इन प्रणालियों के विकास और परीक्षण की प्रक्रिया भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में छात्रों और संकायों में बहुत रुचि पैदा कर रही है। छात्रों के लिए हर साल कई नियमित और वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं। छात्र परियोजना इन पाठ्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण घटक है, जहां सीखने की पद्धति को अपनाया जाता है। इनमें से कुछ पाठ्यक्रमों के नाम इस प्रकार हैं:

- रोबोटिक्स का परिचय - एक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- मेक्ट्रोनिक्स - एक वैकल्पिक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- गतिशीलता और नियंत्रण - एक अनिवार्य स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - एक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम
- मशीन लर्निंग पाठ्यक्रम - एक स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम

इन नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्र हर साल अमलथिया और इग्नाइट जैसे तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, जहां बड़ी संख्या में प्रतियोगिताएं रोबोटिक्स संचालित गतिविधियों पर आधारित होती हैं। प्रत्येक वर्ष, बड़ी संख्या में छात्र बाहरी रूप से आयोजित रोबोटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, जैसे कि भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे ई-यंत्र, डीआरडीओ रोबोटिक्स और मानव रहित प्रणाली प्रदर्शनी (डीआरयूएसई), आदि। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर स्नातक और स्नातक स्तर के छात्रों की कुल 12 टीमें गुजरात विज्ञान, प्रौद्योगिकी व नवाचार (एसटीआई) निधि के तहत रोबोट बनाने की प्रतियोगिता "रोबोफेस्ट- गुजरात-2019" में भाग ले रही हैं।

गतिकी, कंपन और तरंगें: इस सुविधा में वर्तमान में अत्याधुनिक पीजोइलेक्ट्रिक सेंसर जैसे एक्सेलेरोमीटर, अलग-अलग संवेदनशीलता के गतिशील बल सेंसर और विभिन्न अनुप्रयोगों की पूर्ति करने वाले कारक हैं। हमारे पास पोस्ट-प्रोसेसिंग के लिए आवश्यक डेटा अधिग्रहण हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर हैं। हमने प्रभाव हथौड़ों का अधिग्रहण किया है जो मॉडल और संरचनात्मक परीक्षण के लिए नियंत्रित आवेग प्रदान कर सकते हैं। कंपन परीक्षण के लिए, हमारे पास समर्पित नियंत्रक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के साथ 1.6केएन कंपन शेकर और 200एन मोडल एक्सिटर है। हमने संरचनात्मक गतिकी से संबंधित प्रयोगों के संचालन के लिए एक उच्च निष्ठा स्ट्रोबोस्कोप प्राप्त किया है। इसके अलावा, हमारे पास बढ़ते प्रायोगिक सेटअप के लिए उच्च परिशुद्धता सतह प्लेट हैं। हम प्रयोग करने के लिए 2 मीटर एयर-ट्रैक का उपयोग कर रहे हैं और समर्पित जड़त्वीय माप इकाइयाँ (एक्सेलेरोमीटर, जायरोस आदि) हमारे पास उपलब्ध हैं। अंडरग्रेजुएट छात्रों (ईएस321: डायनेमिक्स एंड वाइब्रेशन्स, फॉल 2019) ने अपना टर्म प्रोजेक्ट पूरा कर लिया है। स्नातक छात्रों (ईएस648: नॉनलीनियर डायनेमिक्स एंड वाइब्रेशन्स, स्प्रिंग 2020) ने अपने कोर्स टर्म-प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में गढ़े हुए प्रयोग किए हैं।

भौतिक विज्ञान

भौतिकी प्रयोगशाला स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर प्रयोग करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। एमएससी प्रयोगशाला में ऑप्टिक्स, ठोस-आकार की भौतिकी, स्पेक्ट्रोस्कोपी, आधुनिक भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स में विषयों को पूर्ण करने वाले कई प्रयोग शामिल हैं। लॉजिक गेट्स के साथ प्रयोग छात्रों को गणितीय ऑपरेटरों और एम्पलीफायरों के रूप में लॉजिक सर्किट के कार्यों को समझने में सक्षम बनाते हैं। प्रयोगशाला आयाम और आवृत्ति मॉडुलन और डिमॉड्यूलेशन पर प्रयोग भी प्रदान करती है। स्नातक भौतिकी प्रयोगशाला में आधुनिक भौतिकी, प्रकाशिकी और ध्वनिकी के विषयों को कवर करने वाले प्रयोग हैं। पाठ्यक्रम में नियमित प्रयोग करने के अलावा, छात्रों को समूहों में अल्पकालिक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की सलाह दी जाती है। यह टिंकरिंग लैब अभ्यास सेमेस्टर के अंत में एक ओपन-टू-ऑल पोस्टर सत्र के साथ समाप्त होता है, जिसके दौरान छात्र भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय को अपनी परियोजनाओं का प्रदर्शन करते हैं, और अपने निष्कर्षों का प्रदर्शन करते हैं।

भौतिकी अनुशासन में अनुसंधान प्रयोगशालाएं प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी और नैनो सामग्री के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान में शामिल हैं। ऊर्जा अनुसंधान, सतहों और इंटरफेस के भौतिकी, नैनो सामग्री और पतली फिल्मों के विकास और लक्षण वर्णन, ग्राफीन-आधारित नैनोफ्लुइडिक्स / विलवणीकरण तकनीक, आयन / प्रोटॉन परिवहन, 2 डी हेटरोस्ट्रक्चर, सक्रिय पदार्थ, स्व-संयोजन और एकल-कण संकल्प पर कोलाइड्स की गतिशीलता, कोलाइडल सुपरकूल्ड तरल पदार्थ और चश्मे के क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित अनुसंधान सुविधाओं की स्थापना की गई है। अनुसंधान के साथ-साथ शिक्षण उद्देश्यों के लिए प्रयोगात्मक सुविधाओं में भौतिक वाष्प जमाव प्रणाली, रासायनिक वाष्प जमाव (सीवीडी) प्रणाली, क्वांटम दक्षता माप प्रणाली, ऑप्टिकल लिथोग्राफी प्रणाली, सॉफ्ट-लिथोग्राफी, लैंगमुइर-ब्लोडेट ट्रफ, ब्रूस्टर एंगल माइक्रोस्कोप, स्पिन कोटर, उच्च परिशुद्धता वजन संतुलन, एकल चौगुनी उच्च परिशुद्धता मास स्पेक्ट्रोमीटर, ऑप्टिकल और उच्च गति कन्फोकल माइक्रोस्कोप, रियोमीटर, स्रोत-माप इकाइयां, मिली-क्यू प्रणाली, परिष्कृत नमूना भंडारण और सेंट्रीफ्यूजेशन सुविधाएं शामिल हैं। अंतःविषय अनुसंधान के लिए भौतिकी अनुशासन में एक केंद्र बनाने की व्यापक दृष्टि के तहत छात्रों में अनुसंधान योग्यता को सुविधाजनक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान और शिक्षण सुविधाओं को लगातार उन्नत किया जा रहा है।

केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा (सीआईएफ)

केंद्रीय यंत्रीकरण सुविधा (सीआईएफ) की स्थापना भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के भीतर और बाहर के शोधकर्ताओं को परिष्कृत लक्षण वर्णन सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। इसमें एसईएम, एक्सआरडी, एएफएम, एनएमआर, एलसी-एमएस, मालडी-टीओएफ, आईसीपी-एमएस और आईसीपी-ओईएस, कन्फोकल माइक्रोस्कोप, सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी, टीईएम, और बहुउद्देशीय एक्सआरडी जैसे कई उच्च-स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण हैं। हमने हाल ही में सामग्री विज्ञान और अनुसंधान के लिए मौलिक विश्लेषण के लिए विभिन्न क्षमताओं के साथ उन्नत विश्लेषणात्मक एफईएसईएम जैसे नए उपकरण जोड़े हैं। सीआईएफ का उद्देश्य बहु-विषयक अनुसंधान की सुविधा के लिए नवीनतम और उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों से युक्त एक केंद्रीय सुविधा प्रदान करना है और उच्च अंत सामग्री लक्षण वर्णन के लिए अकादमिक अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों की जरूरतों को पूरा करना है।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर नियमित रूप से तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, जहां सीआईएफ सुविधा कर्मचारी और छात्र सीआईएफ इंस्ट्रूमेंटेशन के तकनीकी और अनुप्रयोग पहलुओं पर संक्षिप्त व्याख्यान देने में शामिल होते हैं। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर सीआईएफ देश भर में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपयोगकर्ताओं द्वारा सुविधा का उपयोग करने के लिए राष्ट्रीय आई-स्टेम पोर्टल पर है।

उद्योग के साथ भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर सीआईएफ के संबंध

सीआईएफ विभिन्न स्तरों पर उद्योगों की जरूरतों को पूरा करता रहा है। सन फार्मा, पिरामल फार्मा, जायडस शोध केंद्र, कैडिला हेल्थकेयर, टोरेंट फार्मा, सूड-केमी जैसे कई फार्मास्युटिकल उद्योग हमारी सुविधा के नियमित उपयोगकर्ता हैं। लगभग 30 प्रमुख उद्योग सीआईएफ भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के उपयोगकर्ता हैं। कुछ छोटे और मध्यम स्तर के उद्योग भौतिक लक्षण वर्णन, कठोरता परीक्षण, मौलिक विश्लेषण इत्यादि के लिए हमारी सुविधा का उपयोग करते हैं। विश्लेषणात्मक एफईएसईएम, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (टीईएम), बहुउद्देश्यीय एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर, और इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज़्मा (आईसीपी-एमएस/ओईएस), जैसे नए उपकरणों को जोड़ने के साथ, हम उद्योग के उपयोगकर्ताओं की संख्या में उनके अनुसंधान एवं विकास कार्य के लिए वृद्धि देख रहे हैं।

शैक्षणिक संस्थानों के साथ भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर सीआईएफ के संबंध

शैक्षणिक संस्थानों के साथ भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर सीआईएफ के संबंध लगातार विश्वविद्यालयों, संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास विभागों को सेवाएं प्रदान करते रहे हैं। प्रमुख लक्ष्य एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना है जिससे शैक्षणिक संस्थानों के बीच प्रमुख सहयोग हो सके। कुछ संस्थान जो हमारे सीआईएफ के नियमित उपयोगकर्ता हैं, वे हैं एनआईपीईआर, आईआईआईटी-रैम, निरमा विश्वविद्यालय, गुजरात विश्वविद्यालय, आईआईएआर, सीयूजी, पीआरएल, आईपीआर, सीएसएमसीआरआई, एमएसयू, एसपी विश्वविद्यालय, पीडीपीयू आदि। डेंटल कॉलेजों के कई छात्रों ने स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम) का उपयोग करके नमूना विश्लेषण किया है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में सीआईएफ उन सभी विज्ञान उत्साही लोगों के लिए खुला है जो विज्ञान की खोज करना कभी बंद नहीं करते हैं।

हाल ही में जुड़े सीआईएफ उपकरण:

ब्रूकर नैनो विजार्ड सेंस एएफएम (बायो-एएफएम) हाल ही में जोड़ा गया एक सीआईएफ उपकरण है जिसका उपयोग समाधान आधारित इमेजिंग में किया जा सकता है जहां झिल्ली, कोशिकाओं आदि को प्रतिदीप्ति और एएफएम मोड में एक साथ चित्रित किया जा सकता है। प्रोटीन फोल्डिंग, एग्रीगेशन, सेल्फ-असेंबली, साथ ही कोशिकाओं और ऊतक जैसी घटनाओं को लाइव देखा जा सकता है।

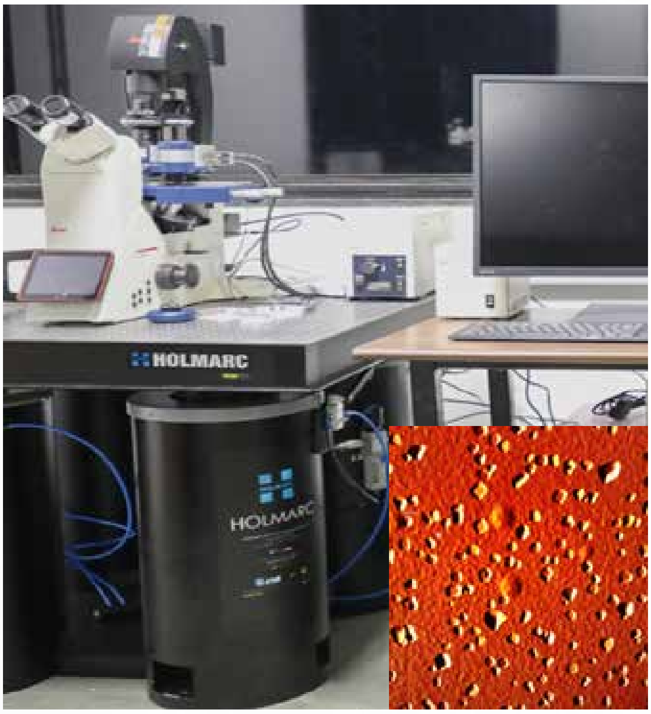

पुस्तकालय

पुस्तकालय अकादमिक और अनुसंधान कार्यों का एक अभिन्न अंग है जो प्रिंट और डिजिटल दोनों रूपों में अपने संग्रह का विस्तार करना जारी रखता है। यह शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और अन्य विद्वानों की गतिविधियों का सहयोग करने के लिए अभिनव सेवाओं को डिजाइन करता है तथा फैलाता है। रिपोर्टिंग वर्ष 2021-22 के दौरान, पुस्तकालय ने कई महत्वपूर्ण गतिविधियों और सेवाओं की शुरुआत की है।

पुस्तकालय संग्रह

प्रिंट और ऑडियो विजुअल संग्रह: पुस्तकालय का अनुसंधान मोनोग्राफ, पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, सम्मेलन की कार्यवाही, सीडी, वीसीडी, डीवीडी, आदि का तेजी से बढ़ता हुआ संग्रह संस्थान के शैक्षिक और अनुसंधान हितों के क्षेत्रों को पूरा करता है। निम्न तालिका वर्ष **2021-22** के दौरान संग्रह में परिवर्धन प्रस्तुत करती है।

मार्च 31, 2022 तक जोड़ा गया संग्रह:

संग्रह का प्रकार	2021-22 में जोड़ा गया	कुल संग्रह
पुस्तकें	1111	31327
बाउंड संकलन	0	725
बाल पुस्तकें	74	1478
हिंदी पुस्तकें	12	467
सीडी	15	986
डीवीडी	13	621
तकनीकी प्रतिवेदन	0	456
थीसिस एवं निबंध	241	931
कुल	1466	36991

संचालन एवं सूचना सेवाएं

- **पुस्तकों का वितरण**: वर्ष के दौरान हमारे उपयोगकर्ताओं को जारी पुस्तकों की कुल संख्या पिछले वर्ष के 7,146 की तुलना में 15,873 रही। किताबों की उधारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है क्योंकि अधिकांश छात्र जनवरी 2022 में परिसर में लौट आए।
- **छपी हुई पत्रिकाएं:** पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के बीच छपी पत्रिकाओं के हल्के-फुल्के मुद्दों को प्रसारित करता है। वर्ष के दौरान, प्रिंट पत्रिकाओं के कुल **98** से अधिक अंक प्रसारित किए गए।
- **सूचना/संदर्भ सेवाएं:** पुस्तकालय सक्रिय रूप से अपने उपयोगकर्ता समुदाय के लिए सूचना और संदर्भ सेवाओं (व्यक्तिगत रूप से और वस्तुतः) को बढ़ावा दे रहा है। पिछले वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने निम्नलिखित सेवाएं प्रदान कीं।

  साप्ताहिक अलर्ट
  - पुस्तकों और अन्य पठन सामग्री के नए परिवर्धन
  - संस्थान का अनुसंधान प्रकाशन साप्ताहिक अलर्ट
  - सप्ताह की पुस्तक
  - सप्ताह के लेखक
  - लाइब्रेरी टीम आपको जानना चाहती है
  - अन्य: (i) प्रमुख ई-संसाधनों की अनुशासन-वार सूची, (ii) संदर्भ प्रबंधन सॉफ्टवेयर और अन्य के उपयोग को बढ़ावा देना, (iii) मानकों के लिए संसाधन गाइड बनाया, (iv) विभिन्न विषयों पर 50+ से अधिक ग्रंथ सूची और अद्यतन विषय तैयार किए
- **ग्रामर्ली (प्रीमियम खाते):** वर्तमान में, 1,848 उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं और इस लेखन उपकरण का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं।
- **साहित्यिक चोरी की जाँच:** पुस्तकालय ने आभासी रूप में इस सेवा की प्रस्तुति जारी रखी और 5,521 से अधिक दस्तावेजों की जाँच की, जिसमें शोध निबंध, असाइनमेंट और शोध पत्र पांडुलिपियाँ आदि शामिल हैं, जो टर्निटिन और ऑरिगिनल सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं।
- **अंतर-पुस्तकालय ऋण:** प्रमुख पुस्तकालयों और पुस्तकालय नेटवर्क के साथ एक उत्कृष्ट व्यवस्था स्थापित करने के बाद, पुस्तकालय ने अपनी संसाधन साझाकरण सेवाएं जारी रखीं। वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने पिछले वर्ष में 56 पुस्तकों की तुलना में 60 पुस्तकें उधार लीं और पिछले वर्ष की 10 पुस्तकों की तुलना में अन्य पुस्तकालयों को 13 पुस्तकें उधार दीं।
- **दस्तावेज़ वितरण सेवा:** अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए, पुस्तकालय ने अन्य पुस्तकालयों से पिछले वर्ष के 1,955 लेखों की तुलना में 1,537 प्राप्त किए और पिछले वर्ष में 257 की तुलना में 207 पत्र अन्य पुस्तकालयों को वितरित किए।
- **पढ़ें, समीक्षा करें और रोल करें!:** समुदाय, विशेष रूप से छात्रों के बीच पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने के लिए, पुस्तकालय ने पिछले वर्ष 'पढ़ें, समीक्षा करें और रोल करें!' नामक एक पहल शुरू की। इस वित्तीय वर्ष के दौरान, चार सबमिशन प्राप्त हुए, जिससे इस पहल के लिए वीडियो की कुल संख्या नौ हो गई। इन वीडियो को 3,500 से अधिक बार देखा गया है।

- **प्रदर्शनियां:** पुस्तकालय ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल कई महत्वपूर्ण दिनों को बड़े उत्साह और अपने संग्रह से पुस्तकों की प्रदर्शनियों के साथ मनाया है। पिछले वर्ष के दौरान भी, पुस्तकालय ने "हिंदी दिवस", "राष्ट्रीय संविधान दिवस, राष्ट्रीय गणित दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" जैसे दिन मनाए।
- **भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, भा॰वि॰सं॰ और भा॰वि॰शि॰अ॰सं॰ पुस्तकालयों के बीच संसाधन साझा करना:** हमारे पास कुल 31 संस्थान हैं जिनमें समान शैक्षणिक विषय हैं। पुस्तकालयों के इन समूहों ने, संग्रह और सेवाओं की प्रकृति के संदर्भ में एकजुट होने के कारण, संसाधन-साझाकरण गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेकर संसाधनों के अनुकूलन के प्रति बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रदर्शित की है। इन 31 संस्थानों द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों का यह यूनियन कैटलॉग (http://library.iitgn.ac.in/unicat/) दस्तावेज़ वितरण सेवाओं को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- **प्रकाशन सूची और उद्धरण विश्लेषण:** पुस्तकालय ने विभिन्न स्रोतों का उपयोग करते हुए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय के विद्वानों के प्रकाशनों को ट्रैक करना जारी रखा और समुदाय को साप्ताहिक अलर्ट साझा किया। इन प्रकाशनों के डेटा विश्लेषण के साथ-साथ उद्धरणों की संख्या, प्रभाव कारक, एच-इंडेक्स आदि को व्यवस्थित तरीके से संस्थान के पदाधिकारियों को समय-समय पर रैंकिंग सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए प्रदान किया जाता है।

सदस्यताएं

जबकि पुस्तकालय 14 से अधिक पेशेवर निकायों, पुस्तकालय नेटवर्क और संघ द्वारा प्रदान किए गए लाभ और बढ़े हुए संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने का प्रयास करना जारी रखता है, उद्योगों, संस्थानों और व्यक्तियों तक पहुंचने के लिए एक ठोस प्रयास किया गया है ताकि बाहरी सदस्यता में वृद्धि हो सके।

पुस्तकालय बाहरी सदस्यता: वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने **48 नए सदस्य जोड़े,** जिससे कुल सदस्यता 79 हो गई।

पुस्तकालय अभिविन्यास, प्रशिक्षण और कार्यशालाएं

फ्रेशर्स से जुड़ने और पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं को पेश करने के लिए, पुस्तकालय ने पीएचडी, एमटेक, एमएससी, एमए और बीटेक छात्रों के लिए पांच "अपने पुस्तकालय के स्रोतों और सेवाओं को जानें" सत्र आयोजित किए। इसके अलावा, पुस्तकालय ने वरिष्ठ छात्रों के लिए रुचि के विभिन्न विषयों पर निम्नलिखित आठ कार्यशालाओं का भी आयोजन किया। ये सभी सत्र आभासी रूप में ही आयोजित किये गए थे। इसके अलावा, पुस्तकालय ने वरिष्ठ छात्रों के लिए रुचि के विभिन्न विषयों पर 15 कार्यशालाओं का भी आयोजन किया। अधिकांश सत्र वर्चुअल मोड में आयोजित किए गए थे।

विद्वानों के प्रकाशनों का डिजिटल भंडार

एक ओपन सोर्स डीस्पेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बनाए गए एक 'डिजिटल भंडार' (http://repository.iitgn.ac.in/) को संस्थान द्वारा उत्पन्न अधिकांश विद्वानों के प्रकाशनों के सार के साथ समुदाय का मेटाडेटा जोड़कर अप-टू-डेट रखा गया है। वर्ष के दौरान, कुल 976 मेटाडेटा को भंडार में जोड़ा गया है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल रिपोजिटरी में कुल 920 शोध प्रकाशन जोड़े गए हैं। इसमें 574 जर्नल लेख शामिल हैं, जबकि पिछले वर्ष 444 रिपोर्ट किए गए थे।

अन्य सेवाएं

पुस्तकालय ने सभी संकाय सदस्यों के प्रोफाइल के साथ आईआरआईएनएस पर काम करना और उसे अद्यतन करना जारी रखा है, जो प्रकाशन विवरण और संकाय सदस्यों की अन्य गतिविधियों पर प्रकाश डालता है। वेब ऑफ साइंस एंड स्कोपस द्वारा भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के प्रकाशनों के अनुक्रमण में अंतराल की पहचान करने के प्रयास किए गए और यह सुनिश्चित किया गया कि लापता प्रकाशन इन दो डेटाबेस में शामिल किए गए थे। लाइब्रेरी टीम ने स्कोपस एंड वेब ऑफ साइंस द्वारा बनाई गई डुप्लिकेट लेखक आईडी की पहचान करने का भी प्रयास किया और उन्हें एक में मिला दिया। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने पुस्तकालय के शोध प्रकाशनों की दृश्यता बढ़ाने के लिए, ओआरसीआईडी, गूगल स्कॉलर, पबलोंस और ऐसे अन्य प्लेटफार्मों पर अपने प्रोफाइल बनाने के लिए संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों के साथ लगातार काम कर रहा है।

पुस्तकालय व्यावसायिक प्रशिक्षार्थी/ अंतःशिक्षुता

पुस्तकालय व्यावसायिक भूतपूर्व प्रशिक्षार्थी समूह: पुस्तकालय ने अब तक **45** से अधिक पुस्तकालय पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है। पूर्व प्रशिक्षुओं को एक साथ आने और बातचीत जारी रखने के लिए एक मंच का गठन किया गया था। प्रत्येक पूर्व प्रशिक्षु के विवरण के साथ एक वेबसाइट भी बनाई गई है। समूह की गतिविधियों के हिस्से के रूप में, पूर्व छात्रों द्वारा नियमित बैठकों और वार्ताओं की व्यवस्था वर्चुअल मोड में की गई थी।

पुस्तकालय कर्मचारी गतिविधियाँ

नए कर्मचारी व प्रशिक्षार्थी: तीन नए कर्मचारी सदस्य **साबरमती भट्टाचार्य, मंताशा सिद्दीकी** और **राजन कुमार** पुस्तकालय सूचना सहायक के रूप में पुस्तकालय में शामिल हुए, सात पुस्तकालय व्यावसायिक प्रशिक्षु दिसंबर 2021 के दौरान एक वर्ष के लिए अनुबंध के आधार पर शामिल हुए, जबकि **पन्ना चौधरी**, जो पहले से ही भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पुस्तकालय में कार्यरत थी, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष के रूप में शामिल हुई।

कर्मचारी प्रशिक्षण: चूंकि पुस्तकालय कर्मचारी अन्य पुस्तकालयों का दौरा करने और सम्मेलन में भाग लेने के लिए यात्रा करने में सक्षम नहीं थे, इसलिए विभिन्न पुस्तकालयों जैसे शैक्षणिक सत्यनिष्ठा व साहित्यिक चोरी, मानव पुस्तकाल्य, पुस्तकाल्यों की ब्रांडिंग, कोविड संग्रह, क्रिएटिव कॉमन्स, विभिन्न ईपुस्तकों के डेटाबेस, एकस्व सूचना, तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, आदि विषयों पर कुल 15 साप्ताहिक विचारोत्तेजक सत्र आयोजित किए गए।

पन्ना चौधरी और **तपस कुमार दास** ने सफलतापूर्वक नवंबर 20, 2021 को छः सप्ताह का स्कोपस प्रमाणीकरण कार्यक्रम (ग्लोबल 2021.4) पूर्ण किया। इसके अतिरिक्त, **पन्ना चौधरी** ने जनवरी-फरवरी 2022 के दौरान आईक्यूएसी (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) द्वारा आयोजित वैज्ञानिक शोध लेखन पर एक सप्ताह का ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूर्ण किया।

कर्मचारी प्रकाशन

दास, तपस कुमार; जैन, संजीव कुमार; व मकवाना, जेसी (2022)। "कोविड के बाद के समय के दौरान खुले अभिगम स्रोत व सूचना सेवाएं: चुनौतियां व अवसर" पर 67वां भारतीय पुस्तकालय संगठन (आईएलए) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा व शोध संस्थान (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर, ओड़ीसा, के साइंटोमेट्रिक विश्लेषण तथा शोध ट्रेंड को दृष्टिगत करना। खंड. II, 511-526(ISBN:9788185216546).

पुस्तकालय सहयोगी गतिविधियां

एसआईसीआई परियोजना: भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का केंद्रीय पुस्तकालय विक्टोरिया पुस्तकालय, कनाडा विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित एक सहयोगी परियोजना के अंतिम चरण में है, 'सूचना साक्षरता का वैश्वीकरण: कनाडा और भारत में सूचना साक्षरता कार्यक्रमों की आवश्यकता की खोज'। इस दो वर्ष की परियोजना को 2018-2020 के लिए शास्त्री भारत-कनाडा संस्थान द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

होमी परियोजना में सहयोग: पुस्तकालय भा०प्रौ०सं० गांधीनगर होमी (भारत में गणित का इतिहास) परियोजना में भागीदारी कर रहा है और इस परियोजना में निरंतर योगदान दे रहा है, विशेषकर परियोजना के हित के क्षेत्रों में एक डिजिटल संग्रह सृजित करने और दुर्लभ और महत्वपूर्ण संग्रह विकसित करने के लिए।

बाहरी गतिविधियां

- पुस्तकालय ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे क्विज, बुकमार्क / बुक कवर डिजाइन, आपकी पसंदीदा पुस्तकों के लिए मतदान आदि का आयोजन करके परिसर में बच्चों के लिए 14 नवम्बर, 2021 को बाल दिवस मनाया। सत्र का समापन रोमांचकारी पुरस्कारों के साथ हुआ। पुस्तकालय ने न्यासा में स्कूल जाने वाले बच्चों के बीच चित्रकारी पुस्तकें और क्रेयॉन सेट भी वितरित किए।
- इसके अतिरिक्त, हमारे समुदाय से दान में प्राप्त 61 पुस्तकों का चयन कर के बासन ग्राम के सार्वजनिक पुस्तकालय को दान किया गया।

नई पहलें

महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, पुस्तकालय ने मिलकर प्रयास किए और निम्नलिखित नई सेवाएं जोड़ी:

- **पुस्तकालय के लिए नई वेबसाइट:** संस्थान की संचार टीम के सहयोग से, पुस्तकालय ने एक नई वेबसाइट पर काम किया जिसे 2022 के शुरू में लॉन्च किया गया था।

- **संस्थान का लेखागार:** संस्थान लेखागार पर अवधारणा नोट के अनुमोदन पर, पुस्तकालय ने एक लेखागार बनाने के लिए प्रारंभिक कार्य शुरू कर दिया है जिसमें नमूना संग्रह मशीन का उपयोग करते हुए ओमेका का एक प्रोटोटाइप बनाया गया है।

- **पुस्तकालय-इंफोकास्ट: पुस्तकालय का समाचारपत्र:** पुस्तकालय ने अपने त्रैमासिक समाचारपत्र का प्रकाशन और परिचालन शुरू कर दिया है जिसमें लाइब्रेरी की गतिविधियां, संसाधन और सेवाएं तथा अन्य कार्यक्रम शामिल हैं। 2021 के सभी चार अंक पहले ही प्रकाशित और परिचालित किए जा चुके हैं।

- **पुस्तक समीक्षा लेखन प्रतियोगिता:** पुस्तकालय की टीम ने 10 से 20 अप्रैल, 2022 के दौरान छात्रों के लिए पहली "पुस्तक समीक्षा लेखन प्रतियोगिता" का आयोजन किया। प्रतियोगिता में कुल 47 लोगों ने जीवनपरिचय, आत्मकथा, तथा संस्मरण पुस्तकों की समीक्षा पर कार्य किया। प्रस्तुतियों की समीक्षा करने के बाद, न्यायाधीशों के एक पैनल ने तीन विजेताओं का चयन किया और उन्हें भागीदारी प्रमाणपत्र, नकद वाउचर और एक पुस्तक प्रदान किया।

- **पुस्तकालय की टीम चाहती है कि आपको सूचना मिले...:** लाइब्रेरी के विभिन्न संसाधनों के बारे में उपलब्ध संसाधनों की जानकारी देने के लिए प्रत्येक सप्ताह समुदाय को एक ईमेल अलर्ट सर्विस भेजी जा रही है। इस मेलर में एक त्वरित इतिहास और रोचक तरीके से एक संसाधन की दिलचस्प विशेषताएं शामिल थीं, अब तक ऐसे 37 अलर्ट समुदाय को भेजे गए हैं।

केंद्र

केंद्र

पुरातत्व विज्ञान केंद्र

दिसंबर 2012 में भा.प्रौ.सं. गांधीनगर में नवीनतम सुविधाओं से लैस पुरातत्व विज्ञान केंद्र की स्थापना दो उद्देष्यों के लिए की गई थी, एक तो यह कि समुदाय को पुरातत्व के क्षेत्र में कार्य करने हेतु सुविधा मिले और दूसरा कि पुरातत्व विज्ञान इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी तथा वैज्ञानिकी में स्वयं का शोध कार्य कर सके। यह इस प्रकार मानविकी एवं वैज्ञानिकी विषयों के बीच स्वयं को स्थापित करता है।

केंद्र की परियोजनाएं

- गुजरात का भूआर्कियोलॉजी: ऐतिहासिक मानचित्रों, रिमोट सेंसिंग डेटा और जीआईएस पर आधारित एक एकीकृत अध्ययन - **प्रो वी एन प्रभाकर** और **डॉ एकता गुप्ता**, ईसीएफ।
- तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के दौरान दृषाद्वती और सतलुज मैदानों से हड़प्पा सिरेमिक के सिरेमिक पेट्रोलॉजी और उद्भव अध्ययन - **प्रो वी एन प्रभाकर** और **डॉ रवि कांत प्रसाद**, पीडीएफ। करनपुरा और रूपनगर के हड़प्पा स्थलों से नमूने केंद्र की पुनर्जीवित सिरेमिक पेट्रोलॉजी प्रयोगशाला में विश्लेषण के लिए और पीआरएल, अहमदाबाद में डेटिंग के लिए एकत्र किए गए थे।
- जिला कच्छ, गुजरात का अन्वेषण - **प्रो वी एन प्रभाकर**, गुजरात के कच्छ जिले के खादिर द्वीप में किए गए अन्वेषणों ने धोलावीरा के आसपास के क्षेत्र में दो नए शेल मिडेड साइट्स को प्रकाश में लाया, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की एक टीम द्वारा 2019 की खोज की पुष्टि की, जो 6-8 सहस्राब्दी बीपी की थी।
- स्मृतिवन संग्रहालय, भुज की स्थापना में परामर्श कार्य - **प्रो वी एन प्रभाकर**
- धोलावीरा के कांस्य युग बस्ती में काम किए गए हड्डी उद्योग के लिए पशु प्रजातियों के उपयोग की पहचान करने के लिए पुरापाषाणकालीन दृष्टिकोण — **प्रो शारदा सी वी** 2021-2022। बाह्य सहयोग: पर्यावरण पुरातत्व संघ।
- धोलावीरा, गुजरात, भारत के सिंधु सभ्यता स्थल पर मानव-पशु अंतःक्रियाओं के पुनर्निर्माण के लिए बहु-तत्व समस्थानिक जांच — **प्रो शारदा सी वी** 2022-2025। डीएसटी-एसईआरबी ऊर्जा अनुदान।
- धोलावीरा में जमा की गई हड्डियों का कार्य: उनकी बनावट, प्रौद्योगिकी, प्रयोगात्मक प्रतिलिपि और डिजिटाइजेशन पर एक अध्ययन — **प्रो शारदा सी वी** 2021-2023। बाह्य सहयोग: भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद।
- सतत विकास लक्ष्यों के लिए एक सूत्रधार के रूप में स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत — **प्रो क्लेयर स्मिथ** और **क्रिस विल्सन** (फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय) के सहयोग से **प्रो आलोक कुमार कानूनगो** और **निशांत चोकसी**
- पश्चिमी भारत का कांच: कापडवंज मानचित्रण — **प्रो आलोक कुमार कानूनगो**

सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं

- डरहम के साथ सहमति ज्ञापन: भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर और **डरहम विश्वविद्यालय** (यूके) ने सांस्कृतिक, शैक्षिक और वैज्ञानिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) में प्रवेश किया। नया समझौता डरहम विश्वविद्यालय और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के बीच आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करता है, और मजबूत छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रमों की अनुमति देता है।
- छात्र विनिमय कार्यक्रम और संयुक्त फील्डवर्क और प्रायोगिक पुरातत्व के लिए **फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय, नागालैंड विश्वविद्यालय** और **राजस्थान विद्यापीठ** के साथ सहयोग।

प्रख्यात आगंतुक

- **प्रो क्लेयर स्मिथ**, फ्लिंडर्स विवि, ऐडेलेड, उत्तर ऑस्ट्रेलिया
- **प्रो रॉबिन कनिंघम,** डरहम विवि, यूके, पुरातत्व वज्ञान केंद्र के साथ भविष्य की सहभागिता पर चर्चा हेतु।

जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी के क्षेत्र में नवीनतम शोध करने के लिए केंद्रित है। स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों को पूरा करने के लिए लक्षित अत्याधुनिक अनुसंधान करने के लिए केंद्र के पास एक जीवंत अंतःविषय वातावरण है। महामारी के कारण उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, केंद्र की संबद्ध प्रयोगशालाओं ने विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी अनुसंधान को आगे बढ़ाना जारी रखा

- नैदानिक/चिकित्सीय उपकरण और तकनीक
- स्वचालित पुनर्वास और कृत्रिम तकनीक
- सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीक

यह केंद्र जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी में क्षमता विकसित करने के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है, एक ऐसा क्षेत्र जिसमें महत्वपूर्ण विकास का वादा किया गया है।

सहभागी

केंद्र प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगी परियोजनाओं में लगा हुआ है, जिसमें जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय, संराअ; राष्ट्रीय सिंगापोर विश्वविद्यालय; कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यू यॉर्क; शिकागो विश्वविद्यालय, संराअ; शाही मेलबर्न प्रौद्योगिकी संस्थान, ऑस्ट्रेलिया; भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर भारत; राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं नृविज्ञान संस्थान, बेंगलोर, भारत; सिविल चिकित्सा अस्पताल, अहमदाबाद, भारत; एस बी बी अस्पताल, अहमदाबाद, भारत; तथा अन्य संस्थान शामिल हैं।

आयोजन

- **प्रो विनीत वशिष्ठ** ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में फरवरी - अप्रैल 2021 से "रोबोटिक्स फॉर रिहैबिलिटेशन एंड एल्डरली केयर" पर एक वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया
- **प्रो हिमांशु शेखर** और **प्रो कार्ला पी मर्काडो-शेखर** ने 8-10 जून 2021 को आयोजित अमेरिका की ध्वनिक सोसायटी - फोकस में ध्वनिकी की 180 वीं बैठक में "चिकित्सीय अल्ट्रासाउंड" और "अल्ट्रासाउंड इमेजिंग में प्रगति" नामक लाइटनिंग राउंड सत्रों की अध्यक्षता की।
- **प्रो हिमांशु शेखर** ने "अल्ट्रासाउंड कंट्रास्ट एजेंटों पर वर्चुअल वर्कशॉप: जैविकचिकित्सा अभियांत्रिकी में गैस से भरे माइक्रोबबल्स का अनुप्रयोग" का सह-आयोजन **प्रो समीर दलवी** और **कार्ला मर्काडो-शेखर** के साथ किया, जिसे गुजरात राज्य जैव प्रौद्योगिकी मिशन द्वारा प्रायोजित किया गया था, जुलाई 22-23, 2021

प्रकाशन व सर्वाधिकार

- वर्ष 2021-22 के दौरान, केंद्र के सदस्यों ने 55 जर्नल प्रकाशन और 8 सम्मेलन प्रकाशन, और एक स्वीकृत यूएस पेटेंट का उत्पादन किया।
- **उत्तमा लाहिड़ी**, **अनिर्बन दत्ता**, **अभिजीत दास**, "विसूमोटर डिसफंक्शन डायग्नोसिस और इसके संचालक कंडीशनिंग के लिए स्मार्ट आई प्रणाली", संयुक्त राज्य अमेरिका, पेटेंट संख्या.: US10973408B2, अप्रैल 13, 2021

विकसित उत्पाद/तकनीक

केंद्र से जुड़े अनुसंधान समूहों ने पहले ही नैदानिक उपकरण और तकनीकों के क्षेत्र में कुछ तकनीकें उत्पन्न की हैं। इनमें से एक एच पाइलोरी संक्रमण और प्रोस्टेट कैंसर के लिए प्रीक्लिनिकल ड्रग उम्मीदवार हैं।

केंद्र के संकाय सदस्य

इस केंद्र के संकाय सदस्य कई विभिन्न विषयों से जुड़े हैं जैसे विद्युत अभियांत्रिकी, जैविक अभियांत्रिकी, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, रसायन विज्ञान, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिती तथा रासायनिक अभियांत्रिकी। इनमें शामिल संकाय सदस्य इस प्रकार हैं:

प्रो उत्तमा लाहिड़ी, प्राध्यापक और केंद्र की समन्वयक; **प्रो कार्ला पी मरकाडो-शेखर**, सहायक प्राध्यापक और केंद्र के सह-समन्वयक; **प्रो अभिजीत मिश्रा**, सह प्राध्यापक; **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**, प्राध्यापक; **प्रो आशुतोष श्रीवास्तव**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो भास्कर दत्ता**, सह प्राध्यापक; **प्रो धीरज भाटिया**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो हिमांशु शेखर**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो इति गुप्ता**, सह प्राध्यापक; **प्रो कृष्णा मियापुरम**, सह प्राध्यापक; **प्रो मालविका सुब्रमण्यम**, सह प्राध्यापक; **प्रो मिथुन राधाकृष्ण**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो नितिन वी जॉर्ज**, टीईओसीओ चेयर सह प्राध्यापक **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, सह प्राध्यापक; **प्रो रवि शास्त्री अय्यागरी**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो समीर वी दलवी**, प्राध्यापक; **प्रो शरद गुप्ता**, सह प्राध्यापक; **प्रो शर्मिष्ठा मजुमदार**, सह प्राध्यापक; **प्रो श्रीराम कण्वाह**, सह प्राध्यापक; **प्रो सुदीप्ता बसु**, सह प्राध्यापक; **प्रो उमाशंकर सिंह**, सह प्राध्यापक; **प्रो विजय थिरुवेंकटम**, सहायक अनुसंधान प्राध्यापक; और **प्रो विनीत वशिष्ठ**, सहायक प्राध्यापक।

सृजनात्मक अधिगम केंद्र

सीसीएल एक ऐसा केंद्र है जो छात्रों और शिक्षकों में वैज्ञानिक स्वभाव तथा निहित रचनात्मकता का पोषण करता है। सीसीएल ने 1000+ अद्वितीय एसटीईएम मॉडल और गतिविधियाँ विकसित की हैं और देश भर में 10,000+ शिक्षकों और 50,000 छात्रों के साथ वार्ताएं की हैं। इसका एसा विचार है कि इसे सीखने के बजाए किसी विषय में स्वयं को विसर्जित किया जाए। इसका समग्र उद्देश्य व्याख्यानों को आकर्षक बनाकर अध्यापन को ओवरहाल करना, तथा अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अनुभवात्मक अधिगम, पालक रचनात्मकता और नवाचार प्रदान करना है।

आयोजन

3030 एकलव्य: सीसीएल ने सीबीएसई के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा निर्धारित दृष्टिकोण को लागू करने के उद्देश्य से 3030 एकलव्य श्रृंखला शुरू की। इसका उद्देश्य कई व्यावहारिक गतिविधियों, परियोजनाओं और मॉडलों के माध्यम से अकादमिक पाठ्यक्रम को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ना था।

जिज्ञासा कार्यक्रम: सीसीएल ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ जिज्ञासा कार्यक्रम शुरू किया। केंद्र (सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) यूपी) विज्ञान की शिक्षा में सुधार के लिए यूपी के सभी 746 केजीबीवी स्कूलों (प्रत्येक स्कूल से लगभग 100 लड़कियों के साथ) के साथ काम कर रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य पाठ्यपुस्तकों से परे छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों के क्षितिज को व्यापक बनाना है। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में सीसीएल

- अनुभवात्मक तरीके से विज्ञान पढ़ाने पर 100 मॉड्यूल विकसित करेगा (50 पहले से ही वितरित)
- सभी स्कूलों को क्यूरियोसिटी बॉक्स उपलब्ध कराएगा
- ऑनलाइन 2 घंटे के सत्र सप्ताह में दो बार लिए जाएंगे

विज्ञान नगर के सहयोग से सीसीएल करेगा संचालन

- विज्ञान नगर में आगंतुकों के लिए एसटीईएम प्रदर्शन सत्र और कार्यशालाएं
- डीआईवाई एसटीईएम किट, किताबें और वीडियो
- इंटरएक्टिव एसटीईएम प्रदर्शन और वीडियो विकसित करना

- छात्रों के लिए टिंकरिंग प्रयोगशाला
- एसटीईएम शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाएं
- अनुसंधान-विकास और सहयोगी/सलाहकार भूमिका

गुजरात के सभी स्कूलों में एसटीईएम बॉक्स (सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए)): एसएसए गुजरात ने सीसीएल भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को गुजरात के 3500 स्कूलों में एसटीईएम बॉक्स की आपूर्ति करने के साथ-साथ शिक्षकों को कक्षाओं में उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण देने के लिए धन दिया है।

एनईपी फोकस समूह बैठक: प्रोफेसर मनीष जैन को गणित शिक्षा पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के राष्ट्रीय फोकस समूह के सदस्य के रूप में चुना गया है। वह गणित शिक्षा और संगणक सोच पर एक स्थिति पत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अन्य कार्यक्रम और भागीदारी

सीसीएल ने अनेकों कार्यक्रम किए हैं जैसे नवोदय नेतृत्व संस्थान में जेएनवी के टीजीटी शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण, फाउंडेशन कार्यक्रम, विज्ञान जागरुकता कार्यक्रम, आज़ादी का अमृत महोत्सव, डी॰ईआई॰ईडी (प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा) के लिए आवासी कार्यशाला, तथा भारत में 200 जेएनवी के कक्षा 11वीं के 10,000 विज्ञान ज्योति छात्रों के लिए अमेरिका भारत प्रतिष्ठान (एआईएफ) के साथ सहभागिता शामिल है। सीसीएल ने द ग्रेट इंडियन लर्निंग फेस्टिवल और भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान उत्सव में भी भाग लिया। प्रो मनीष जैन ने द ग्रेट इंडियन लर्निंग फेस्टिवल में भाषण दिया।

10 फुट की जियोडेसिक गेंद को बनाने के साथ ही, केंद्र ने 42,000 पासे का उपयोग करके दिवंगत जनरल बिपिन रावत का एक चित्र भी बनाया। सीसीएल ने दशहरा से दीवाली तक 2020 क्यूबिकल दिवाली भी लॉन्च की: “क्यूब के 20 अवतार - क्यूबिकल दिवाली डीआईवाई पेपर लैंप”।

आमंत्रित व्याख्यान

सीसीएल ने छात्रों, शिक्षकों और पेशेवरों के साथ कई वार्ताएं की हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्टीम, स्टेम, प्रायोगिक शिक्षा और रचनात्मकता का संदेश सभी तक पहुंच सके।

प्रख्यात आगंतुक

- श्री रमेश पोखरियाल, पूर्व शिक्षा मंत्री, भारत सरकार
- श्री दीपक सिंह, अपर मुख्य सचिव, शिक्षा, बिहार
- श्री असंगबा चुबा, एसपीडी, एसएसए, बिहार
- श्री डी बी फाटक, पद्म श्री पुरस्कृत, पूर्व प्राध्यापक, भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे
- सुश्री आतिशी मरलेना, लोकसभा सदस्य, एएपी
- श्री चिंतन वैष्णव, अटल नवीनता मिशन के मिशन निदेशक
- श्री विजय नेहरा, एस व टी आयुक्त, गुजरात
- डॉ विनोद राव, सचिव, शिक्षा, गुजरात
- श्रीमती रतनकंवर गढ़विचारन, एसपीडी एसएसए, गुजरात
- डॉ कुलदीप आर्य, कलेक्टर, गांधीनगर
- श्री सावजी ढोलकिया, हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स के संस्थापक और अध्यक्ष

सीसीएल की टीम

प्रो मनीष जैन समन्वयक हैं और **प्रो नीलधारा मिश्रा** केंद्र के सह-समन्वयक हैं। टीम के अन्य सदस्यों में **गौरव कुमार यादव, जय ठक्कर, तपस हीरा, डॉ सरिता यादव, ज्योति गुप्ता, आशुतोष भाकुनी, अदिति अय्यर, पंकज गोदरा, आकाश उमरलिया, निहार पांड्या, विपुल डोमड़िया, साजिद राठौड़, राकेश पचया, सतीश कुमार, दिनेश राठौड़, शिल्पा बंसल, अभिजीत दास, संदीप बरैया, शानू दलवाड़ी, विनोद गुटटुकड़े,** और **अखंड ज्योति** शामिल हैं।

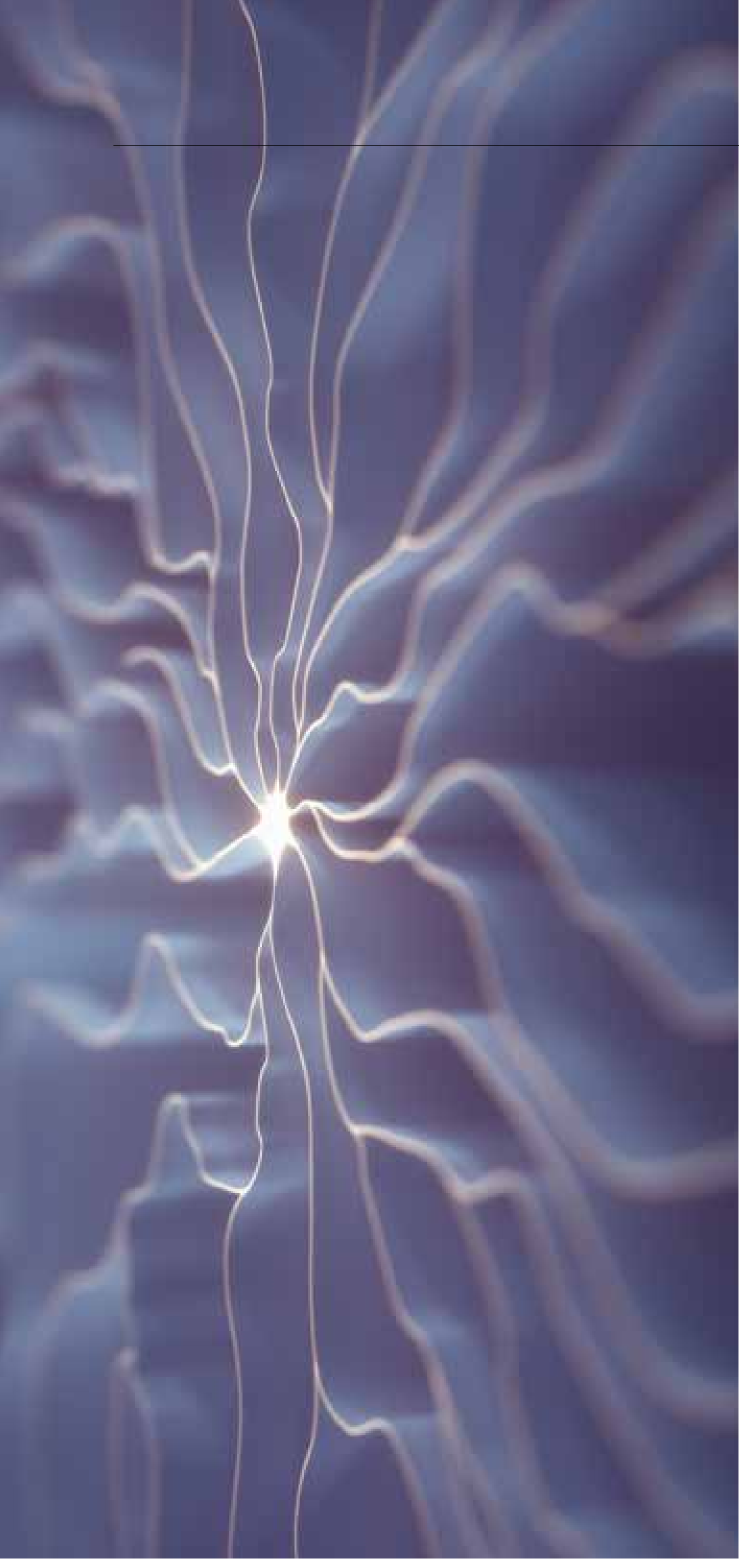

संज्ञानात्मकता एवं मस्तिष्क विज्ञान केंद्र

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क विज्ञान केंद्र अपने अवरस्नातक और पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रमों और शोध गतिविधियों के लिए देशभर में बहुचर्चित माना जाता है। केंद्र अपने अंतरविषयक प्रकृति और उत्कृष्ट छात्र गतिविधियों के माध्यम से देश में संज्ञानात्मक विज्ञान में नेतृत्व करने का उद्देश्य रखता है। केंद्र के शोध विषयों में मस्तिष्क का दर्शन, अनुभूति, चेतना, अधिगम व निर्णयात्मकता, गितिशीलता नियंत्रण और पुनर्सुधार, तथा तंत्रिका-विकास व तंत्रिका-अपविकास जैसे ऑटिज़्म व अलजाइमर रोग शामिल हैं।

केंद्र सर्वोच्च-कौशल को अपनी तरफ आकर्षित करता आ रहा है, जिसे 9 नियमित संकाय सदस्य, 38 एमएससी और 10 पीएचडी छात्रों का सहयोग प्राप्त है। क्रमष: 2013 व 2010 में शुरू हुए नवीनतम एमएससी व पीएचडी पाठ्यक्रम संज्ञानात्मक विज्ञान शोध व उद्योग में रोज़गार के लिए छात्रों को तैयार करता है। प्रशिक्षण उपरांत हमारे पूर्व छात्रों ने शैक्षणिक व उद्योग जगत में सफलता पूर्वक नियुक्तियां पाई हैं जैसे भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली, भा॰प्रौ॰सं॰ रूड़की, भा॰प्रौ॰सं॰ हैदराबाद, अहमदाबाद विवि, फ्लेम विवि, वेलकम ट्रस्ट अर्ली करियर पुरस्कार, सीएसआरआई पोस्टडॉक्टोरल अध्येतावृत्ति, फुलब्राइट अध्येतावृत्ति, भा॰प्रौ॰सं॰-डीएएडी मास्टर अध्येतावृत्ति, टीसीएस शोध व विकास में नियुक्ति, शास्त्री भारत-कनाडा अध्येतावृत्ति, स्विस सरकार उत्कृष्टता अध्येतावृत्ति, मेरी-स्क्लोड्सका क्यूरी अध्येतावृत्ति इत्यादि।

आयोजन

¬ केंद्र ने 25 जनवरी, 2022 को **डॉ इप्शिता जुत्शी**, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय (एनवाईयू) द्वारा **मेमोरी एन्कोडिंग के लिए सटीक समय पर थीटा दोलनों** पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

¬ केंद्र ने 26 अगस्त, 2021 को जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मनोविज्ञान के सह प्राध्यापक **डॉ डोब्रोमिर राहनेव** द्वारा **दृश्य मेटाकॉग्निशन के संगणक और तंत्रिका आधार** पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

¬ केंद्र ने 10-13 अगस्त, 2021 को **ऑनलाइन दुनिया में व्यवहार प्रयोग** पर एक संगोष्ठी श्रृंखला का आयोजन किया। यूसीएल के **प्रो कैरोलिन मैकगेटिगन** और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के **श्री आदित्य सिंह** ने ऑनलाइन व्यवहार अनुसंधान के संचालन में अपने अनुभवों के बारे में बात की। **प्रो मैकगेटिगन** ने भर्ती प्लेटफार्मों के बारे में बात की और ऑनलाइन अध्ययन करने के लिए युक्तियों को साझा किया, जबकि श्री सिंह ने उपस्थित लोगों को प्रयोग करने और डेटा एकत्र करने के लिए ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर से परिचित कराने पर ध्यान केंद्रित किया।

¬ केंद्र ने वैज्ञानिक चित्रण पर एक कार्यशाला आयोजित करने के लिए भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पुणे के विज्ञान और मीडिया केंद्र से **रफीक मावूर** को आमंत्रित किया। 7-दिवसीय कार्यशाला 9-16 जुलाई, 2021 तक ऑनलाइन रूप से आयोजित की गई थी। कार्यशाला के लिए जैविक विज्ञान, मनोविज्ञान, संगणक विज्ञान और पुरातत्व जैसे विभिन्न पृष्ठभूमि के पचास छात्रों का चयन किया गया था।

केंद्र के संकाय सदस्य

केंद्र के संकाय सदस्यों में **प्रो प्रतीक मूथा**, जीबाबेन पटेल चेयर सह प्राध्यापक और समन्वयक; **प्रो विनीत वशिष्ठ**, सहायक प्राध्यापक और सह-समन्वयक; **प्रो जयसन मंजली**, जसुभाई मेमोरियल चेयर प्राध्यापक; **प्रो कृष्ण प्रसाद मियापुरम**, सह प्राध्यापक; **प्रो उत्तम लाहिड़ी**, प्राध्यापक; **प्रो मीरा मैरी सनी**, सह प्राध्यापक; **प्रो लेसली लाज़र**, सहायक शिक्षण प्राध्यापक; **प्रो एंगस मैकब्लेन**, अतिथि सहायक प्राध्यापक; और **प्रो जोयॉन्ग किम**, सहायक शिक्षण प्राध्यापक शामिल हैं।

अभिकल्प व नवीनता केंद्र

अभिकल्प व नवीनता केंद्र (डीआईसी) डिजाइन व नवीनता में सहयोगी परियोजनाओं, शोध, व शैक्षिक पहलों को बढ़ावा देता है। डीआईसी छात्र और संकाय को पाठ्येतर परियोजनाओं जैसे वार्ता, सम्मेलन, संगोष्ठी और कार्यशालाओं के माध्यम से विकसित करने के लिए पोषित करता है।

परियोजनाएं व सहभागिता

डीआईसी संस्थान के दूसरे विषयों में उत्पाद विकास और उत्पादन में अभिकल्प परासर्श प्रदान करता है। डीआईसी उपयोगिता और सौंदर्य शास्त्र के माध्यम से प्रौद्योगिकी को मानव स्वरूप प्रदान करने में विशेषज्ञ है।

- पहनने योग्य दस्ताने - एक स्पर्श उत्तेजना (**प्रो लेसली लाज़र** के लिए / डिजाइनर **नीरव पटेल**) स्थिति: जारी। इसका उद्देश्य दो अंगुलियों के लिए एक उत्तेजक दस्ताने डिजाइन करना था। डिज़ाइन को पहनने वाले को उंगलियों पर लगभग 3 घंटे लगातार उत्तेजना करने की आवश्यकता होगी। इस उत्तेजना को लागू करते समय, उपयोगकर्ता को नियमित गतिविधियों को करने में सक्षम होना चाहिए। एक उंगली के लिए एक कार्यशील प्रोटोटाइप विकसित किया गया है।
- ऊंचाई पर सीवेज निपटान और प्रबंधन (**प्रो प्रत्युश दयाल** के लिए / डिज़ाइनर **नीरव पटेल**)- स्थिति: जारी। इस परियोजना का उद्देश्य भारतीय सेना में सैनिक, जो -20*C से -50*C तापमान में सेवा कर रहा है, के लिए मैन्युअल रूप से संचालित सीवेज सिस्टम तैयार करना है । प्रौद्योगिकी अवधारणा बनाने के लिए, प्रारंभिक चरण में एक परीक्षण सेटअप विकसित किया गया था।
- हेम-ऑक्सी ऑक्सीजन सांद्रक (**प्रो चिण्मय घोरोई** के लिए / डिज़ाइनर **नीरव पटेल**) स्थिति: जारी। प्रोफेसर चिन्मय घोरोई और उद्योग टीम के साथ ऑक्सीजन सांद्रक की एक अवधारणा विकसित की गई थी। सांद्रक के सौंदर्यशास्त्र और कार्यक्षमता का प्रस्ताव किया गया था। अवधारणा के विस्तृत चित्र और अंतिम प्रदान की गई छवियों को निर्माण उद्योग को निर्माण के लिए सौंप दिया गया था।
- चाल-सहायक प्रणाली, एक्सोसूट (**प्रो विनीत वशिष्ट** के लिए / डिज़ाइनर **नीरव पटेल**) स्थिति: जारी। डिजाइन तब शुरू किया गया था जब एक पहनने योग्य चाल सहायता प्रणाली की तकनीक का परीक्षण किया गया था। डिजाइन ज्यादातर जांघ और पिंडली की मांसपेशियों पर केंद्रित होता है जिसे मोटर चालित बैकपैक द्वारा नियंत्रित किया जाता है। प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट सफल साबित हुआ है। अनुकूलन और बेहतर विवरण के लिए उत्पाद प्रणाली का विकास किया जा रहा है। एक मध्यम फ़िडेलिटी प्रोटोटाइप पर कार्य शीघ्र ही पूर्ण होगा।
- एक स्पर्श चिकित्सक, शरीर के महत्वपूर्ण अंगों के लिए एक गैर-इनवेसिव स्कैनर (**प्रो उत्तमा लाहिड़ी** के लिए / डिज़ाइनर **मानसी कानेटकर, नीरव पटेल**) स्थिति: जारी। स्कैनर उंगलियों पर फिट बैठता है और उंगली के माध्यम से प्रकाश पारित करके महत्वपूर्ण चीजों को महसूस करता है। इलेक्ट्रॉनिक घटकों के लिए संलग्नक को सभी आकारों और बनावट की उंगलियों पर अच्छी तरह से फिट करने की आवश्यकता है। प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट तैयार है और क्लीनिकों में कुछ पुनरावृत्तियों का परीक्षण पहले ही किया जा चुका है।
- एक नए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर पुस्तकालय और मिनी पुस्तकालय लोगो का डिजाइन (**डॉ टी एस कुंम्भार** के लिए/ डिज़ाइनर **मानसी कानेटकर**) स्थिति: पूर्ण व प्रकाशित। लोगो को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का प्रतिनिधित्व करते हुए संस्थान के विचारों और माहौल को प्रदर्शित करना था।
- गांधीपीडिया डिज़ाइन का लोगो (**प्रो मयंक सिंह** के लिए / डिज़ाइनर **मानसी कानेटकर**) स्थिति: पूर्ण व प्रकाशित होने के लिए बाकी। लोगो को निम्नलिखित प्रदर्शित करना था। 1) एआई पहलू पर ज़ोर, 2) गांधीपीडिया का नाम, 3 गांधीजी के कार्यों का एक चरण संग्रह, 4)गांधी जी का चित्र।
- ऑटिस्टिक बच्चों के लिखने के लिए कलम और टेबल का सेट (**प्रो उत्तमा लाहिड़ी** के लिए / डिज़ाइनर **नीरव पटेल**) स्थिति: जारी। डीआईसी ने ऑटिस्टिक बच्चों के लिए एक एमआरआई सुविधा में डेटा एकत्र करने में पीएचडी छात्र की मदद करने के लिए एक लेखन तालिका तैयार की। डेटा संग्रह के लिए प्रोटोटाइप का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया था और अब विभिन्न उत्पादों में इस प्लेटफॉर्म नवाचार के अनुवाद के अगले चरण में पहुंच गया है।
- आई ट्रैकर के लिए चेयर सेटअप (**प्रो उत्तमा लाहिड़ी** के लिए / डिज़ाइनर **नीरव पटेल**) स्थिति: जारी। एक वीआर (वर्चुअल रियलिटी) आधारित उपकरण विकसित किया गया है, जो आंखों पर नज़र रखने वाले सेट-अप का उपयोग करके प्रतिक्रिया समय का दस्तावेजीकरण करता है। प्रारंभिक प्रोटोटाइप का परीक्षण, सत्यापन और संशोधन किया गया है। डेटा संग्रह के लिए संस्थानों में स्थापित करने के लिए ऐसे और प्रोटोटाइप का निर्माण किया जा रहा है।

आयोजन

डिज़ाइन संवाद:

डीआईसी टीम ने डिजाइन और प्रौद्योगिकी पर बातचीत की एक श्रृंखला "डिजाइन संवाद" शुरू किया। इस श्रृंखला के एक भाग के रूप में, केंद्र ने इस अंतःविषय क्षेत्र का पता लगाने के लिए छात्रों के बीच रुचि जगाने के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए सफल डिजाइनरों को आमंत्रित किया। इस श्रृंखला के तहत अप्रैल 2021 - मार्च 2022 के बीच निम्नलिखित वार्ता आयोजित की गई:

- पुस्तकों को एक कला के रूप और वस्तुओं के रूप में देखते हुए, **अदिति बाबेल** डिज़ाइन स्टूडियो की संस्थापक अदिति बाबेल - अप्रैल 2021
- ज़ीलस डिज़ाइन सॉल्यूशंस, प्लसऑन इनिशिएटिव और द डिज़ाइनयोगी के संस्थापक निदेशक **अमित इनामदार** द्वारा मानवता और स्थिरता के लिए डिज़ाइन इनोवेशन - अगस्त 2021
- एटागी सहयोगी के **प्रशांत नंदीप्रसाद** द्वारा प्रगति पर काम - सितंबर 2021
- अवधारणा के रूप में स्क्रिप्ट: **डॉ संतोष क्षीरसागर** द्वारा देवनागरी वर्णमाला की संरचना, तकनीक और कविता - अक्टूबर 2021
- **विजयबाहू जोशी**, एवीपी द्वारा नए युग की ब्रांडिंग रणनीतियाँ

- रिलायंस जियो में अनुभव डिजाइन के प्रमुख - नवंबर 2021

- ¬ डिजाइन, आधुनिकता और भारत **सौरभ तिवारी**, डिजाइन फैकल्टी, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल द्वारा - दिसंबर 2021
- ¬ **डॉ रवींद्र राजहंस**, सेवानिवृत्त महाप्रबंधक (टाटा मोटर्स - ईआरसी में कैब डिजाइन) द्वारा डिजाइन प्रबंधन - जनवरी 2022
- ¬ अनुसंधान या उद्यमी ?? **अनिरुद्ध जोशी**, अत्रेय इनोवेशन के संस्थापक, आयुष श्रेणी में राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार, 2021 के प्राप्तकर्ता - फरवरी 2022
- ¬ **श्री विनय रेड्डी** द्वारा जमीनी स्तर पर नवाचार, सिकल इनोवेशन, द नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप अवार्ड, 2019 - मार्च 2022

शिक्षण संगोष्ठी:
24 जनवरी 2022 को **योहन इंजीनियर** द्वारा आईपीआर को समझना और आईपीआर में डिजाइन के महत्व को समझना

कार्यशालाएं:
डीआईसी ने छात्रों को डिजाइन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने और उन कौशलों का पोषण करने के लिए निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिन्हें वे कल्पना और वास्तविकता में बदलने के लिए नियोजित कर सकते हैं। प्रत्येक कार्यशाला में समुदाय की भागीदारी 15-25 के बीच थी

- ¬ **श्री नीरव पटेल**, डिज़ाइनर, डीआईसी, 19 फरवरी 2022 द्वारा चित्रों के माध्यम से विज़ुअलाइज़ करना
- ¬ **आदित्य मेहता**, डिज़ाइन एजुकेटर और ट्रेंड फोरकास्टर द्वारा ज़ेंटंगल कला कार्यशाला, 9 अक्टूबर, 2021
- ¬ 30 अक्टूबर, 2021 को **अदिति बाबेल** डिज़ाइन स्टूडियो में संस्थापक और प्रमुख डिज़ाइनर **अदिति बाबेल** द्वारा इंटरैक्टिव हस्तनिर्मित पैम्फलेट का शिल्प
- ¬ **श्री नीरव पटेल**, डिज़ाइनर, डीआईसी द्वारा रैपिंग- रैग (अपसाइकलिंग वेस्ट), 20 नवंबर, 2021
- ¬ **श्री नीरव पटेल**, डिजाइनर, डीआईसी, 2 सितंबर, 2021 द्वारा एक प्राकृतिक डाई कार्यशाला

डिजाइन अभिविन्यास सत्र:

- ¬ अपना खुद का कपड़ा सिलाई: **श्री नीरव पटेल** द्वारा फाउंडेशन प्रोग्राम, बीटेक (बैच - 2020) (4 ऑफ़लाइन सत्र - 240 छात्र)
- ¬ विजुअल डिजाइन का परिचय: **प्रो मानसी कानेटकर** द्वारा फाउंडेशन प्रोग्राम, बीटेक (बैच-2021) (ऑनलाइन सत्र - 250+ छात्र)
- ¬ एक सोच उपकरण के रूप में स्केचिंग; **प्रो मानसी कानेटकर** द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आरोहण के दौरान सत्र (ऑफ़लाइन सत्र 100 छात्र)

डीआईसी टीम
केंद्र के संकाय में **प्रो लेसली लाज़र**, सहायक शिक्षण प्राध्यापक और केंद्र के समन्वयक, केंद्र के सह-समन्वयक और सहायक प्राध्यापक **प्रो अमित अरोड़ा** और सहायक शिक्षण प्राध्यापक प्रो मानसी कानेतकर शामिल हैं। **श्री नीरवकुमार पटेल** केंद्र के डिजाइन सहयोगी हैं।

सतत विकास के लिए डॉ किरण सी पटेल केंद्र

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में डॉ किरण सी पटेल सतत विकास केंद्र (केपीसीएसडी) उच्च सामाजिक महत्व की स्थिरता और संबंधित चुनौतियों पर अत्याधुनिक शोध करता है और अपने मजबूत आउटरीच और प्रौद्योगिकी-हस्तांतरण कार्यक्रमों के माध्यम से लागत प्रभावी और टिकाऊ समाधान को बढ़ावा देता है। इस केंद्र के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- उच्च सामाजिक महत्व की स्थिरता संबंधी समस्याओं पर अंतःविषय अनुसंधान की पहचान और संचालन करना
- अनुसंधान, पारंपरिक ज्ञान और क्षेत्र की समझ को एकीकृत करके स्थिरता चुनौतियों के समाधान विकसित करना और उन्हें प्रोटोटाइप, पेटेंट और प्रकाशनों में अनुवाद करना
- क्षेत्र में स्थिरता समाधान के लिए एक प्रभावी प्रौद्योगिकी-हस्तांतरण कार्यक्रम स्थापित करना
- परिसर और उसके आस-पड़ोस में स्थिरता समाधान लागू करना
- सतत आजीविका और विकास पर प्रशिक्षण, शिक्षा, जागरूकता और सामुदायिक जुड़ाव का एक मजबूत आउटरीच कार्यक्रम विकसित करना
- स्थिरता पर विद्वानों, नीति निर्माताओं, उद्योग, गैर-लाभकारी संगठनों और अन्य हितधारकों के बीच नेटवर्किंग और सहयोग को बढ़ावा देना
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में स्थिरता पर शैक्षिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना

केंद्र बिंदु के क्षेत्र

- **जल**: जल और अपशिष्ट जल उपचार, अलवणीकरण, सुरक्षित पेयजल उत्पादन, हाइड्रोलिक्स और जल संसाधन अभियांत्रिकी, जल संसाधन अनुसंधान, जल-ऊर्जा प्रणाली, नदी विज्ञान

- **प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन**: वायु, जल और मृदा प्रदूषण, वायु गुणवत्ता, लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी, कण अभियांत्रिकी, निर्मित पर्यावरण, कम लागत वाली वायु गुणवत्ता सेंसर, पर्यावरण नीति, सतह अभियांत्रिकी, अपशिष्ट से संसाधन तकनीक

- **जलवायु परिवर्तन**: जलवायु जोखिम, चरम जलवायु घटनाएं, जलवायु परिवर्तनशीलता, खाद्य-ऊर्जा-जल सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन प्रभाव, महत्वपूर्ण अवसंरचना लचीलापन, आंतरिक परिवर्तनशीलता, जल-मौसम विज्ञान संबंधी चरम सीमाएं, हाइड्रोलॉजिकल प्रक्रियाओं के लिए भौतिकी निर्देशित मशीन लर्निंग, हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग

- **ऊर्जा**: ईंधन सेल सिस्टम, ऊर्जा प्रणाली, ऊर्जा रूपांतरण और भंडारण, अनुकूलन, ऊर्जा प्रबंधन, जैविक इलेक्ट्रॉनिक्स और एलईडी, सौर सेल, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली बाजार, स्मार्ट वितरण ग्रिड / माइक्रोग्रिड, थर्मोडायनामिक अनुकूलन, स्मार्ट निर्माण

- **प्राकृतिक संसाधन, वन्यजीव और पारिस्थितिकी तंत्र**: वन्यजीव संरक्षण, स्वदेशी लोग, सामाजिक और पर्यावरणीय न्याय, हिमालय की सीमावर्ती भूमि, पूर्वोत्तर भारत, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण पुरातत्व, स्थिरता मॉडलिंग, पृथ्वी की सतह की प्रक्रियाएं, स्थायी धारा प्रबंधन

कार्यक्रम

अनुसंधान: स्थिरता पर अनुसंधान और परामर्श और राष्ट्रीय और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना

अभ्यास करें: परिसर और आस-पड़ोस में लैब-टू-फील्ड प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और कार्यान्वयन

शिक्षा: भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में पाठ्यक्रम विकास और राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर स्थिरता पर शिक्षा को आगे बढ़ाना

आउटरीच: विद्वानों और पेशेवरों के लिए सम्मेलन, नेटवर्किंग, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं

गतिविधियां

लेह-लद्दाख अधिकारियों का दौरा: केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह और कारगिल जिलों के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में कम लागत, पर्यावरण के अनुकूल घरेलू अपशिष्ट जल प्रबंधन को समझने और लद्दाख की अत्यधिक ठंडी जलवायु के लिए सीवेज के उपचार सिस्टम के विभिन्न विकल्पों का पता लगाने के लिए 13 अक्टूबर, 2021 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी) के प्रशासनिक अधिकारी और पार्षद, लेह और कारगिल शहरों के निर्वाचित प्रतिनिधि, ब्लॉक विकास परिषद के अध्यक्ष, कार्यकारी अधिकारी और लेह और कारगिल नगर समितियों के वार्ड सदस्य, उनके जन स्वास्थ्य के इंजीनियर और इंजीनियरिंग विभाग, और लद्दाख पारिस्थितिक विकास समूह (एलईडीईजी) के शहरी योजनाकार शामिल थे। एलईडीईजी, अर्बन मैनेजमेंट सेंटर (यूएमसी), अहमदाबाद और केपीसीएसडी ने इस एक्सपोजर विजिट को सुविधाजनक बनाया। सिविल अभियांत्रिकी में अभ्यास के प्राध्यापक **प्रो सुधीर कुमार अरोड़ा** ने प्रतिनिधियों की मेजबानी की। प्रतिनिधिमंडल को कम लागत वाली स्वच्छता प्रौद्योगिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में उपयोग की जाने वाली रूट ज़ोन विधि (आरजेडएम) के बारे में जानकारी दी गई और जल उपचार संयंत्र और सीवेज उपचार संयंत्र की साइट के दौरे के लिए भी ले जाया गया। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने क्षेत्र परीक्षण, पायलट परियोजनाओं और प्रयोगशाला अध्ययनों के बाद प्रतिनिधिमंडल को उपयुक्त कार्यप्रणाली और उपचार योजनाओं को विकसित करने में मदद करने की पेशकश की।

अपशिष्ट जल प्रबंधन पर पायलट परियोजना: केपीसीएसडी ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में सिविल अभियांत्रिकी के प्राध्यापक, प्रो सुधीर कुमार अरोड़ा के नेतृत्व में ग्रामीण और उप-शहरी क्षेत्रों में सीवेज और ग्रेवाटर के प्रबंधन के लिए एक पायलट परियोजना का समर्थन किया। परियोजना उच्च पानी की आवश्यकताओं और गुरुत्वाकर्षण सीवरों में खड़ी ढलानों को दूर करने के लिए घुमावदार सीवर की एक नई अवधारणा का प्रस्ताव करती है। एक सामान्य ग्रेविटी सीवर सीवेज को आवासीय क्षेत्रों से एसटीपी तक पहुंचाता है और इसे सुचारू रूप से चलाने के लिए लगभग 1500 लीटर पानी/100 मीटर की आवश्यकता होती है। ताजे पानी को बचाने के लिए, आंशिक रूप से उपचारित अपशिष्ट जल को फ्लशिंग के लिए सामान्य सीवर में वापस ले जाने के लिए एसटीपी से आवासीय क्षेत्रों में रिवर्स दिशा में एक और सीवर बिछाने का विचार है। यह छोटे इलाकों या गांवों के लिए व्यवहार्य है। यह परियोजना एक समग्र दृष्टिकोण का अनुसरण करती है जिसमें नवाचार शामिल हैं जैसे एरोबिक स्थितियों को बनाने के लिए संशोधित पारंपरिक और स्थानीय रूप से उपलब्ध जल-चक्र का उपयोग, मैनहोल की सफाई के लिए न्यूनतम मानव हस्तक्षेप या यांत्रिक साधन सुनिश्चित करना, और प्लास्टिक की बोतलों और पॉलीथिन की थैलियों से प्लास्टिक कचरे को एचडीपीई गेंदों में भराव के रूप में उपयोग करना ताकि उपद्रव को कम किया जा सके। इस प्रकार, परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण स्वच्छता मुद्दों के लिए स्थायी और हरित समाधान प्रदान करना है।

पाठ्यक्रमकार्य में वहनीयता परियोजनाओं: 'सीई 202: सस्टेनेबिलिटी एंड एनवायरनमेंट' भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के सिविल अभियांत्रिकी कार्यक्रम के स्नातक छात्रों के पाठ्यक्रम में एक अनिवार्य विषय है। केपीसीएसडी के कुछ शिक्षकों ने अपशिष्ट जल प्रबंधन, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन, खाद्य अपशिष्ट प्रबंधन और अपशिष्ट पृथक्करण सहित विभिन्न स्थिरता संबंधी परियोजनाओं पर काम करने वाले छात्रों को सलाह सहायता प्रदान की। यह पाठ्यक्रम मानवता और पर्यावरण, पर्यावरण नीति के विकास, जलवायु और वैश्विक परिवर्तन, जलवायु प्रक्रियाओं, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों, भौतिक संसाधनों, पर्यावरण और संसाधन अर्थशास्त्र, आधुनिक पर्यावरण प्रबंधन, टिकाऊ ऊर्जा प्रणाली, टिकाऊ बुनियादी ढांचा, सन्निहित ऊर्जा, जीवन चक्र, टिकाऊ सामग्री और निर्माण, समस्या समाधान और स्थिरता के उपकरण तथा अपशिष्ट की प्रणालियों जैसे कई क्षेत्रों को पूरा करने वाली स्थिरता की अवधारणा का परिचय देता है।

सतत विकास में माइनर: केपीसीएसडी ने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों के लिए एक अंतःविषय 'सतत विकास में माइनर' की घोषणा की। माइनर में रुचि रखने वाले छात्रों को चयनित पाठ्यक्रमों की सूची से छह पाठ्यक्रम लेने होंगे। पाठ्यक्रम में स्थिरता के अंतःविषय चरित्र को देखते हुए जल, ऊर्जा, पर्यावरण/जैव विविधता/पृथ्वी प्रणाली, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र शामिल हैं।

आयोजन

"जलवायु कार्रवाई पर ज्ञान के अग्रिम मोर्चे: शमन और लचीलापन के लिए क्रॉस सेक्शनल दृष्टिकोण" पर ई-सेमिनार: संगोष्ठी में परिवहन के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और ऊर्जा-पर्यावरण-अर्थव्यवस्था के प्रभावों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर विभिन्न सत्रों और अध्ययनों पर प्रकाश डाला गया, जो संयुक्त रूप से ड्यूश गेसेलशाफ्ट फोर इंटरनेशनेल जुसामेनरबीट (जीआईजेड), भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर (आईआईटीजीएन) और प्राइसवाटरहाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) द्वारा किए गए थे। अध्ययन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और जीआईजेड द्वारा कार्यान्वित परियोजना "जलवायु परिवर्तन अध्ययन और कार्यों पर क्षमता के संस्थागतकरण का समर्थन" (आईसीसीसी) के एक भाग के रूप में किया गया था। इस परियोजना का उद्देश्य जलवायु संरक्षण, लचीलापन, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) कार्यान्वयन, और अंतःविषय मुद्दों में क्षमता विकसित करना है। 20 अक्टूबर, 2021 को आयोजित संगोष्ठी में लगभग 100 वैज्ञानिकों, विद्वानों और चिकित्सकों ने भाग लिया, जिसकी मेजबानी **प्रो विमल मिश्रा**, सह प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान और डॉ किरण सी पटेल सतत विकास केंद्र (केपीसीएसडी) के सह-समन्वयक ने की।

आईबीएम अभिकल्प विचार कार्यशाला: केपीसीएसडी ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर नवीनता व उद्यमिता केंद्र (आईआईईसी) के सहयोग से 8 दिसंबर, 2021 को आईबीएम इंडिया सॉफ्टवेयर लैब्स द्वारा एक अभिकल्प विचार कार्यशाला का आयोजन किया। इस आयोजन ने

साझेदारी के संभावित क्षेत्रों का पता लगाया। संभावित पर्यावरण या जलवायु परिवर्तन से संबंधित चुनौतियों की पहचान करने के लिए छह टीमों, पांच छात्रों, संकाय और आईबीएम प्रतिनिधियों में से प्रत्येक ने विचार-मंथन सत्रों में भाग लिया।

स्थिरता संगोष्ठी श्रृंखला (एसएसएस): केंद्र ने स्थिरता संगोष्ठी श्रृंखला के हिस्से के रूप में जून 2021 से मार्च 2022 के बीच आठ ई- संगोष्ठी आयोजित किए। वेबिनार में प्रसिद्ध संगठनों के वक्ताओं द्वारा जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य से संबंधित विषयों को शामिल किया गया। भारत और दुनिया भर के कई स्थानों जैसे एंटीगुआ और बारबुडा, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, चिली, चीन, जर्मनी, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, लीबिया, नेपाल, पाकिस्तान, सिंगापुर, स्विटजरलैंड, ताइवान, यूएई, यूके और यूएसए से लगभग 800 लोगों ने वेबिनार श्रृंखला में भाग लिया। आयोजित ई- संगोष्ठी का विवरण इस प्रकार है:

- **डॉ माइकल व्हाइट**; नेचर के वरिष्ठ संपादक; नेचर में प्रकाशन: एक जलवायु विज्ञान परिप्रेक्ष्य
- **प्रो मैथ्यू ह्यूबर**; प्राध्यापक, पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान, पर्ड्यू विश्वविद्यालय; डार्कली मॉडल के माध्यम से: गर्म जलवायु, अतीत और भविष्य की गतिशीलता में अंतर्दृष्टि
- **श्री आनंद कुमार**; अभ्यास से प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर; एक स्थायी ऊर्जा भविष्य के लिए मांग-पक्ष प्रबंधन
- **प्रो मत्ती कुम्मू**; सह प्राध्यापक, निर्मित पर्यावरण विभाग, आल्टो विश्वविद्यालय; स्थायी खाद्य वायदा की दिशा में अवसर
- **श्री विवेक मेनन**; भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट के संस्थापक और कार्यकारी निदेशक; संरक्षण: संभव की कला
- **प्रो माइकल बर्गिन**; सिविल और पर्यावरण अभियांत्रिकी के स्टर्नबर्ग परिवार के प्राध्यापक, ड्यूक विश्वविद्यालय; कम लागत वाले सेंसर और डेटा एनालिटिक्स: पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य में सुधार का भविष्य
- **सुश्री दिशा शेट्टी**; रिपोर्टर, फुलर प्रोजेक्ट; भारत के आसपास के समुदायों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का संचार करना
- **डॉ योगेश गोखले**; सीनियर फेलो और क्षेत्र संयोजक, वन प्रबंधन और शासन केंद्र, ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टीईआरआई) में भूमि संसाधन प्रभाग, नई दिल्ली; भारत में जैव विविधता और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का शासन

घोषणाएं

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को ग्लोबल यूनिवर्सिटी लीडर्स काउंसिल हैम्बर्ग 2021 की तैयारी में कोरबर-स्टिफ्टंग द्वारा कमीशन किए गए जलवायु परिवर्तन और स्थिरता का सामना करने वाले विश्वविद्यालयों की रिपोर्ट में चित्रित किया गया था।

विश्वविद्यालय अपनी प्रथाओं और शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार पहल के माध्यम से जलवायु कार्रवाई और सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अध्ययन इन क्षेत्रों में दुनिया भर के उच्च शिक्षण संस्थानों की भागीदारी का विश्लेषण और तुलना करता है, तथा सीखे गए क्रॉस-नेशनल सबक और भविष्य की कार्रवाई के लिए सिफारिशें प्रस्तुत करता है। रिपोर्ट में ब्राजील, जर्मनी, भारत, जापान, दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित सात देश शामिल हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर के एक केस स्टडी को अध्ययन में शामिल किया गया था। इस अध्ययन पर और अधिक जानकारी के लिए: https://csd.iitgn.ac.in/announcements/ पर क्लिक करें।

केंद्र के संकाय सदस्य

केंद्र के संकाय सदस्यों में **प्रो अचल मेहरा,** अभ्यागत संकाय व केंद्र समन्वयक; **प्रो विमल मिश्रा,** प्राध्यापक व केंद्र क सह संस्थापक; **प्रो अंबिका अय्यादुरई**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो सुधीर कुमार अरोड़ा**, अभ्यास से प्राध्यापक; **प्रो निपुन बत्रा**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो अतुल भार्गव**, सह प्राध्यापक; **प्रो उदित भाटिया**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो राजेन्द्र बोर्डिया**, अतिथि प्राध्यापक; **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती**, प्राध्यापक; **प्रो शारदा विश्वेश्वरा चन्नारायपटना**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो हरी गणेश,** , सहायक प्राध्यापक; **प्रो अरूप आर गांगुली**, अतिथि प्राध्यापक; **प्रो चिण्मय घोरोई**, बी एस गेलोत चेयर प्राध्यापक; **प्रो विक्रांत जैन**, प्राध्यापक; **प्रो अनिर्बन मंडल**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो सी एन पांडे,** अभ्यागत प्राध्यापक; **प्रो समीर पटेल,** सहायक प्राध्यापक; **प्रो नारण पिंडोरिया**, सह प्राध्यापक; **प्रो सुधांशु शर्मा**, सहायक प्राध्यापक; **प्रो ऋषि नारायण सिंह,** अतिथि प्राध्यापक; **प्रो जयचंदर स्वामीनाथन**, कंचन व हरीलाल दोशी चेयर सहायक प्राध्यापक; व **प्रो जिम्मी थॉमस,** अतिथि प्राध्यापक।

सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का सुरक्षा अभियांत्रिकी केंद्र सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च प्रभाव वाले अनुसंधान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अनुसरण करता है। यह सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और मुख्य रूप से अग्नि सुरक्षा पर केंद्रित है। केंद्र के मुख्य उद्देश्य हैं:

- सुरक्षित और दुर्घटना-मुक्त समाज सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएं शुरू करना
- सुरक्षा पाठ्यक्रम का शिक्षण
- विज्ञान आधारित शोध के माध्यम से देश में सुरक्षा मुद्दों पर जागरुकता फैलाना
- सुरक्षा पेशेवरों को वर्तमान रुझानों से अवगत कराने हेतु कार्यशालाओं तथा सम्मेलनों के माध्यम से सुरक्षा संबंधी ज्ञान का प्रसार करना
- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के संचालन जैसे प्रयोगशालाओं के सभी पहलुओं में सुरक्षित काम करने के तरीकों पर कर्मचारी और छात्रों को प्रशिक्षण देना
- परियोजनाओं के लिए संयुक्त अनुसंधान और वित्त पोषण करने के लिए अकादमिक उद्योग संबंध स्थापित करना

संकाय सदस्यों ने अपने स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के साथ कई शोध परियोजनाएं शुरू की हैं। **प्रो गौरव एस** के तहत तीन मास्टर छात्रों ने (क) मात्रात्मक विश्लेषण और भारत में आग के निर्माण की समझ, (ख) गैर-एसी रेल कोच के अंदर आग व्यवहार की विशेषता, और (ग) सार्वजनिक परिवहन की बसों में आग व्यवहार की विशेषता जैसे विषयों पर अपने एमटेक शोध निबंध पूरे किए हैं। । **प्रो गौरव एस** और **डॉ प्रवीणराय गांधी**, अतिथि प्राध्यापक, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने **अग्नि के तहत हरित निर्माण प्रौद्योगिकी में उपयोग किए जाने वाले दहनशील मुखौटा प्रणालियों का प्रदर्शन** शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की जिसमें मुखौटा प्रणालियों में आग की घटना के कुछ मौलिक पहलुओं के साथ-साथ पूरे- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में बड़े पैमाने पर अग्नि प्रयोग किए गए।

केंद्र ने रासायनिक उद्योगों के लिए **प्रक्रिया जोखिम विश्लेषण** (पीएचए) पर 29-30 दिसंबर, 2021 तक दो दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया, जो रासायनिक उद्योगों के संयंत्र चिकित्सकों, अभियंताओं, नियामकों और नीति निर्माताओं के लिए था। कार्यशाला में विभिन्न रासायनिक उद्योगों के उद्योग जगत के लोग शामिल हुए। कार्यशाला का संचालन **श्री जी विश्वनाथन**, पूर्व डीजीएम, आईपीसीएल, वडोदरा और **प्रो चिण्मय घोरोई** ने किया।

निष्क्रिय अग्नि सुरक्षा में उद्योग के नेता स्थानीय कोड और मानक बनाने के लिए **अनुसंधान-आधारित फायर स्टॉप** आयोजित करने के लिए हिल्टी भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के साथ साझेदारी कर रहा है ।

केंद्र के संकाय सदस्य

केंद्र के संकाय सदस्यों में **प्रो चिण्मय घोरोई**, बी एस गहलोत चेयर प्राध्यापक और केंद्र के समन्वयक; **प्रो गौरव श्रीवास्तव**, डॉ विलास मजुमदार चेयर सह प्राध्यापक व केंद्र के सह-समन्वयक; **श्री आर ए वेण्किटाचलम**, केंद्र सलाहकार; और **डॉ प्रवीणराय गांधी**, अतिथि प्राध्यापक शामिल हैं।

बाह्य संबंध

सहमति ज्ञापन

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों और गैर-शैक्षणिक संगठनों के साथ लगातार मजबूत और परस्पर लाभदायक संबंधों का निर्माण कर रहा है। वर्ष 2021-22 में अनेक साझेदारी की गई जिससे छात्रों और शिक्षकों को लाभ होगा।

रा॰प्रौ॰सं॰ सिक्किम और रा॰प्रौ॰सं॰ हमीरपुर के साथ साझेदारी

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने छात्र आदान-प्रदान, शैक्षणिक सहयोग और दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों के बीच अनुसंधान सहयोग को सुगम बनाने के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ सिक्किम (एनआईटीएस) और भा॰प्रौ॰सं॰ हमीरपुर (एनआईटीएच) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों भा॰प्रौ॰सं॰ के चयनित मेधावी छात्र अब भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर-एसआरआईपी का हिस्सा बन सकते हैं, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में एक सत्र का अध्ययन कर सकते हैं और स्टार्ट अर्ली पीएचडी सुविधा कार्यक्रम के लिए आवेदन भी कर सकते हैं।

डरहम विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर और डरहम विश्वविद्यालय, यूके ने सांस्कृतिक, शैक्षिक और वैज्ञानिक सहयोग के लिए 17 नवंबर, 2021 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) में प्रवेश किया है। एक आभासी समारोह के दौरान प्रोफेसर क्लेयर ओ'माले, प्रो-वाइस-चांसलर (ग्लोबल), डरहम विश्वविद्यालय और प्रोफेसर एस पी मेहरोत्रा, प्रभारी प्राध्यापक (बाहरी संबंध), भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर द्वारा सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह नया करार दोनों संस्थानों के बीच छात्रों, संकायों और ज्ञान के आदान-प्रदान को सुगम बनाएगा। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद, दोनों संस्थानों ने "विश्व विरासत स्थलों की चुनौतियों और वैश्विक संदर्भ में पुरातत्वविज्ञान की भूमिका" पर एक संयुक्त संगोष्ठी का आयोजन किया।

सहयोग

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 21 फरवरी, 2022 को गुजरात सरकार के जलवायु परिवर्तन विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, ताकि जलवायु परिवर्तन नीति के विकास के लिए रणनीतिक साझेदारी की जा सके और गुजरात के लिए 2070 तक नेट जीरो की रूपरेखा बनाई जा सके। **गुजरात के तकनीकी शिक्षा निदेशालय** और **गुजरात सरकार** के साथ 5 जनवरी, 2022 को गुजरात के सरकारी अभियांत्रिकी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में बाह्य छात्र विनिमय कार्यक्रमों के शैक्षिक ढांचे के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी बनाने के लिए एक अन्य करार पर हस्ताक्षर किए गए थे। संस्थान ने एसटीईएम शिक्षा और सृजनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए 23 फरवरी, 2022 को **गुजरात विज्ञान नगर परिषद्** के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

अंतरराष्ट्रीय

संगठन/संस्थान	उद्देश्य
प्रो ए वी एनिलकुमार, नेशविले, टेन्नेस्सी, संराअ	श्रीमती अंबा और श्री वी एस शास्त्री चेयर की स्थापना
डरहम विश्वविद्यालय, संरा	सांस्कृतिक, शैक्षिक और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देना
मेकर भवन प्रतिष्ठान, केलिफोर्निया, संराअ	डोनर सेंटर फॉर एसेंशियल स्किल्स के हिस्से के रूप में विश्व प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा विकसित सॉफ्ट स्किल्स से संबंधित कई पाठ्यक्रमों को लागू करना

राष्ट्रीय

संगठन/संस्थान	उद्देश्य
उत्तर दक्षिण विश्वविद्यालय (एनएसयू) बांग्लादेश	दो संस्थानों के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के बीच बातचीत और सहयोग को बढ़ावा देना। एनएसयू के छात्रों के लिए दक्षिण एशियाई स्नातक छात्रवृत्ति फैलोशिप
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम	छात्रों और अकादमिक और अनुसंधान का आदान-प्रदान
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर	छात्रों और अकादमिक और अनुसंधान का आदान-प्रदान
इंगरसोल रेंड (भारत) लिमिटेड	जरूरतमंद छात्रों को लैपटॉप उपकरण प्रदान करने में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का समर्थन करने के लिए सीएसआर के तहत एकमुश्त वित्त पोषण प्रदान करना
कोबोटिक्स (आईएचएफसी) का आई-हब प्रतिष्ठान	नवाचार परियोजनाओं के लिए अनुसंधान और विकास में निवेश के लिए सहयोग करना
तकनीकी शिक्षा निदेशालय (डीटीई), गुजरात सरकार	गुजरात में सरकारी अभियांत्रिकी विद्यालयों के छात्रों के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में बाहरी छात्र विनिमय कार्यक्रम द्वारा शैक्षिक सेटअप के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी बनाना
जलवायु परिवर्तन विभाग, गुजरात सरकार	गुजरात के लिए 2070 तक नेट जीरो के लिए जलवायु परिवर्तन नीति और रोडमैप के विकास के लिए रणनीतिक साझेदारी बनाने के लिए
गुजरात विज्ञान शहर परिषद्, अहमदाबाद	छात्रों और युवाओं के बीच रचनात्मकता और एसटीईएम सीखने को बढ़ावा देने के सामान्य हितों को आगे बढ़ाने के लिए सहयोगात्मक संबंध में प्रवेश करना

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा जगत के बीच मजबूत संबंध बनाकर नवाचार और अनुसंधान की सीमाओं को आगे बढ़ाना है। उद्योग अनुसंधान और विकास कार्यकलापों के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क में अपने कार्यालय स्थापित कर सकते हैं। इससे उन्हें एक जीवंत समुदाय का हिस्सा बनने और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर शोध व विकास के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास पेशेवरों, छात्रों और अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास अवसंरचना तक पहुंच प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

अनुसंधान पार्क का निर्माण

अनुसंधान पार्क का निर्माण कार्य पूरा हो गया है शुरू में आईआईईसी में शुरू किए गए स्टार्टअप्स ने वहां से कार्य करना शुरू किया और अब भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में कार्यरत मौजूदा कंपनियां अनुसंधान के स्थायी भवनों में स्थानांतरित हो जाएंगी।

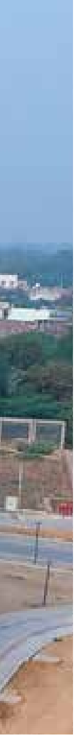

भा॰प्रौं॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क में कंपनियां

मार्च 31, 2022 तक भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क से कुल 11 कंपनियां कार्य कर रही हैं:

कंपनी का नाम	वर्तमान अरिक्त क्षेत्र (वर्ग फिट)	रुचि का विषय
गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल)	1500	विद्युत ऊर्जा
विन प्रतिष्ठान	504	जल व स्वच्छता
डीपी पल्वेराइज़र उद्योग	130	उत्पादन
नासकोम	2000	आईओटी एवं आईटी
पैन आईआईटी एलुमनाई रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन (पीएआरएफआई)	160	कौशल विकास
हेवी एलिमेंट्स	180	रोबोटिक्स
इन्फीयू प्रयोगशाला	160	कृषि प्रौद्योगिकी
क्राइगेन फार्मासियूटिकल्स	260	फार्मासियूटिकल्स
एवरेस्ट उपकरण	130	अभियांत्रिकी/ उपकरण
रेडपाइन सिग्नल्स (सेरेमोर्फिक)	355	एआई क्षेत्र में चिपसेट और प्रणाली स्तरीय उत्पाद
हेबीटेल प्रौद्योगिकी	130	स्वास्थ्य-प्रौद्योगिकी

मार्च 31, 2022 तक कुल 6 कंपनी स्थापित हो चुकी थीं

कंपनी का नाम	वर्तमान अरिक्त क्षेत्र (वर्ग फिट)	रुचि का विषय
जय रसायन	260	विशेष रसायन
तवाता प्रौद्योगिकी	130	विशेष रसायन
ऑप्टिमाइज्ड सोलूशंस लिमिटेड	180	इलेक्ट्रोनिक्स व अंतर्निहित प्रणाली
केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्लूडी)	355	निर्माण प्रौद्योगिकी व निर्माण
पाल रीमटीरियल	130	पदार्थ विशेषताएं
बीबीसी	260	डेटा व मीडिया

सांविधिक अनुसंधान पार्क मंडल

प्रो सुधीर कु जैन ने 3 जनवरी, 2022 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के निदेशक के रूप में अपना पद त्याग दिया। नतीजतन, उन्होंने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क के निदेशक के रूप में इस्तीफा दे दिया। 23 फरवरी, 2022 को आयोजित भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क के निदेशक मंडल की बैठक में, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के स्थानापन्न निदेशक **प्रो अमित प्रशांत** को आईआईईसी मंडल के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

सलाहकार परिषद

श्री अशांक देसाई, अध्यक्ष, मस्तक ने आईआईईसी और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क के सलाहकार परिषद के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। कंपनी ने निवर्तमान अध्यक्ष **श्री क्रिस गोपालकृष्णन**, इंफोसिस प्रौद्योगिकी के सह-संस्थापक द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर नवीनता एवं उद्यमिता केंद्र (आईआईईसी)

राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के प्रारंभिक चरण के दौरान, कुछ स्टार्टअप कंपनियों ने अपने कौशल और संसाधनों का उपयोग वेंटिलेटर और सैनिटाइजेशन सिस्टम जैसे उत्पादों को विकसित करने के लिए किया था। आईआईईसी ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान इनक्यूबेशन और प्री-इनक्यूबेशन कार्यक्रमों के तहत कुल 15 स्टार्टअप उद्यमों को सहयोग दिया। ऐसे कठिन समय में उच्च वृद्धि वेंचर्स (एचजीवी) और लाँचपैड 2020 जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से 20 अतिरिक्त स्टार्टअप को समर्थन दिया गया था। इसके अलावा, आईआईईसी ने तीन इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स को वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान लगभग 36 लाख रुपये और 2021-22 में 23 लाख रुपये के बीज वित्त पोषण प्राप्त करने में मदद की। आईआईईसी ने 2021-22 में एक स्टार्टअप को 25 लाख रुपये का बीज वित्त पोषण भी प्रदान किया।

स्टार्टअप्स की उपलब्धियां

- माईकोब, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पूर्व छात्रों के स्वामित्व वाला एक युवा स्टार्टअप और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर नवीनता एवं उद्यमिता केंद्र (आईआईईसी) में इनक्यूबेट किया गया है। इसने डेनवर, कोलोराडो, संराअ की एक उद्यम पूंजी फर्म, **3** लाइन्स वेंचर कैपिटल से सीड राउंड में **0.5** मिलियन अमरीकी डालर जुटाए हैं। स्टार्टअप सैन्य, आवासीय, वाणिज्यिक, बुनियादी ढांचे और वास्तुकला सहित विभिन्न निर्माण खंडों के लिए त्वरित, उच्च गुणवत्ता और स्थानांतरित करने योग्य **3**डी कंक्रीट प्रिंटिंग समाधान प्रदान करता है।

- **डॉ चन्दन कुमार झा,** हमारे पीएचडी छात्र तथा गैलन्टो इनोवेशन के सह-संस्थापक ने आईएनएई यंग इनोवेटर और उद्यमी पुरस्कार 2021 प्राप्त किया।

- **डॉ चन्दन कुमार झा** ने छात्र टीम इनोवेशन श्रेणी के तहत राष्ट्रीय जैव उद्यमिता प्रतियोगिता (एनबीईसी-2020) में भी जीत हासिल की और 3 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त किया।

- **नेसेसेरियो इनोवेशन (स्प्रेर)** और **माईकोब** को उनके स्टार्टअप आइडिया के लिए क्रमशः **23** लाख रुपये और **20** लाख रुपये का सीड ग्रांट मिला। नेसेसेरियो इनोवेशन (स्प्रेर) के संस्थापक इम्तियाज अंसारी ने इंडियन अचीवर्स फोरम द्वारा **'**यंग अचीवर्स अवार्ड **2020'** प्राप्त किया।

- **इनफीयू प्रयोगशाला**, आईआईईसी में प्री-इनक्यूबेटेड और निधि प्रयास कार्यक्रम के तहत समर्थित एक एग्रीटेक स्टार्टअप**,** ने इंडियन एंजेल नेटवर्क (आईएएन**)** से सीड राउंड में **1.8** करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी**,** वर्तमान में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क का हिस्सा है**,** यह पोर्टेबल उपकरण बनाने में माहिर है जिनसे ताजे फलों को बिना काटे उनकी आंतरिक गुणवत्ता निर्धारित की जाती है। इनफीयू प्रयोगशाला एग्री स्टार्टअप्स के लिए तीसरे फिक्की पुरस्काओं में 'इमर्जिंग एग्री इनोवेटर कैटेगरी' के तहत उपविजेता रहा।

- संयुक्त राष्ट्र के स्वयंसेवकों और यूएनडीपी - संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सहयोग से युवा मामलों और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित सॉल्वड चुनौती के तहत कृषि उपज के शेल्फ जीवन को बढ़ाने के उनके समाधान के लिए पूर्व-ऊष्मायन कार्यक्रम का हिस्सा **क्रिस्कएक्स भारत एलएलपी** को मान्यता दी गई थी।

इस अवधि के दौरान आईआईईसी के तत्वावधान में आयोजित कुछ प्रमुख कार्यक्रम:

निधि प्रयास कार्यक्रम

आईआईईसी को वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए निधि प्रयास कार्यक्रम को लागू करने के लिए 156 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम के तहत एक नवोन्मेषक/टीम/स्टार्टअप को आइडिया को प्रोटोटाइप में बदलने के लिए 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। कुल बजट में से 50 लाख रुपये प्रोटोटाइप अनुदान के लिए और 10 लाख रुपये परिचालन व्यय के लिए उपलब्ध हैं।

कार्यक्रम के तहत समर्थन के लिए दस टीमों की सिफारिश की गई थी। विवरण नीचे उल्लिखित हैं:

सहायता के लिए संस्तुत टीमों की संख्या	शामिल टीमों की संख्या	अनुशंसित कुल प्रोटोटाइप अनुदान (रु में)	पहली किस्त में जारी राशि (रु में)
10	8	48 लाख	31.4 लाख

दूसरी कॉल के तहत टीमों के चयन की प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है।

निधि बीज सहायता कार्यक्रम

आईआईईसी को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से निधि अनुदान कार्यक्रम के तहत 10.50 करोड़ रुपये की धनराशि की मंजूरी मिली है। 2.1 करोड़ रुपये की पहली किस्त प्राप्त हो गई है, धनराशि का उपयोग आईआईईसी में शुरू किए गए होनहार स्टार्टअप को 25 से 50 लाख रुपये के आदेश के लिए बीज वित्त पोषण प्रदान करके किया जाएगा।

निधि4कोविड2.0, राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एनएसटीईडीबी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), सरकार द्वारा शुरू किए गए एक विशेष अभियान के तहत डीएसटी की सिफारिशों पर, हमने एयर्थ अनुसंधान प्राइवेट लिमिटेट, एंटी-माइक्रोबियल एयर प्यूरीफायर के क्षेत्र की एक स्टार्ट-अप कंपनी का समर्थन किया। निधि बीज सहायता के लिए आईआईईसी के पास उपलब्ध स्टार्ट-अप अनुशंसित कुल वित्तीय राशि 50 लाख रुपये (अनुदान के रूप में 25 लाख रुपये और ऋण के रूप में 25 लाख रुपये शामिल) थी।

लाँन्चपैड

लॉन्चपैड संस्थान के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए आईआईईसी के समर्थन से अपने विचार को आजमाने का अवसर प्रदान करने के लिए एक पहल है। इससे छात्रों को एक मंच मिलता है जहां वे अपने स्टार्ट-अप विचार को मान्य करते हैं और आईआईईसी से सलाह और समर्थन प्राप्त करते हैं। छात्र टीमों को उत्पाद विकास निधि सहायता और जीविका को पूर्ण करने के लिए एक अध्येतावृत्ति भी प्रदान की जाती है। पांच छात्रों वाली दो टीमें जुलाई 2021 में शुरू हुए कार्यक्रम के पहले संस्करण के तहत अपने विचारों पर काम कर रही हैं।

बौद्धिक संपदा क्लीनिक

बौद्धिक संपदा (आईपी) के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों, शिक्षकों और अनुसंधान कर्मचारियों का मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से, आईआईईसी ने 'बौद्धिक संपदा क्लीनिक' नामक एक पहल शुरू की है। पहला आईपी क्लीनिक 3 जुलाई, 2021 को **श्री नीलेश पंडित**, आईपीआर लीड, टाटा परामर्श सेवा (टीसीएस) के साथ आयोजित किया गया था। **डॉ मालती लक्ष्मीकुमारन,** कार्यकारी निदेशक और अभ्यास प्रमुख**,** और श्रीधरन अटॉर्नी ने 10 जुलाई, 2021 को दूसरे आईपी क्लीनिक का संचालन किया।

उद्यमशीलता की मानसिकता 101

आईआईईसी ने 'उद्यमशीलता की मानसिकता 101' का आयोजन किया- उद्यमिता में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए एक ऑनलाइन मेंटरशिप कार्यक्रम। यह कार्यक्रम 30 अप्रैल से 2 जून, 2020 के बीच छात्रों को स्टार्टअप दुनिया की बुनियादी बातों को जानने के लिए आयोजित किया गया था। 23 बीटेक, एमटेक, एमए और पीएचडी छात्रों ने कार्यक्रम पूरा किया। छात्रों को उद्यमियों के विभिन्न वर्गों के साथ बातचीत करने का भी अवसर मिला, जिसमें पहले के बैच के कुछ आईआईटीजीएन स्टार्टअप भी शामिल थे।

उग्र समय में उच्च विकास उद्यम विकसित करना

अगस्त 2020 में, आईआईईसी ने उग्र समय में उच्च विकास उद्यम विकसित करने पर तीन महीने का एक गहन कार्यक्रम शुरू किया। कुल 51 आवेदनों में से 14 टीमों का चयन सफल उद्यमियों, व्यवसायियों और प्रौद्योगिकीविदों से संरक्षण प्राप्त करने के लिए किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि व्याख्यान शामिल थे जो विशेषज्ञों के एक विशिष्ट पैनल द्वारा एक-एक परामर्श पर केंद्रित थे।

आईडीई 2.0 (नवाचार संचालित उद्यमिता) कार्यक्रम

नवाचार और उद्यमशीलता की भावना की संस्कृति विकसित करने और छात्रों के बीच रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमशीलता के दृष्टिकोण को लाने की प्रतिबद्धता के साथ, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर आईआईईसी और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के उद्यमिता पहल (ईआईआई) ने नवाचार प्रेरित उद्यमिता आईडीई शुरू किया। यह पहल हमारे छात्रों को नवोन्मेषी और रचनात्मक विचारों का प्रस्ताव करने के लिए एक मंच प्रदान करती है जिससे उद्यमशीलता उद्यम का सृजन हो सकता है। प्रगति और ऊष्मायन के लिए आशाजनक विचारों, नवाचार, तथा स्टार्टअप को और अधिक समर्थन दिया जाएगा। मार्च 2022 में चौथे संस्करण की घोषणा हो चुकी है।

26 छात्रों की 12 टीमों ने कार्यक्रम के लिए आवेदन किया था। अंत में, 13 छात्रों वाली 7 टीमों को 16-22 मई के दौरान लगभग एक सप्ताह की अवधि के लिए बैंगलोर में प्रस्तावित एक उद्यमिता बूट-शिविर के लिए चुना गया। चयनित टीमों ने बैंगलोर में अनेक स्टार्टअप कंपनियों, निवेशकों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों का दौरा किया तथा भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पूर्व छात्रों से मुलाकात की।

स्टैनफोर्ड बीज कार्यक्रम में हैवी

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क का एक उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और रोबोटिक्स खिलौने स्टार्ट-अप **हैवी**, वर्तमान वर्ष के लिए स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड बीज कार्यक्रम के लिए दुनिया भर से चुने गए 90 स्टार्ट-अप में से एक है। हैवी टिकाऊ और मजेदार प्रौद्योगिकी उत्पादों को डिजाइन करता है जो रोबोटिक्स, आईओटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य स्टेम परियोजनाओं को सीखने और बनाने में मदद करते हैं।

आईआईईसी द्वारा परामर्श कार्यक्रम

तिमाही के दौरान, **श्री कमलेश द्विवेदी**, जाने माने उद्योगपति, निवेशक और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर नवीनता व उद्यमिता केंद्र में निवासी हितैषी, ने संस्थान समुदाय के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए: जनवरी को प्रारंभिक चरण के 06 जनवरी, 2022 को प्रारंभिक चरण के स्टार्ट-अप के लिए महत्वपूर्ण सफलता कारक, 10 जनवरी, 2022 को धन उगाहने वाला मास्टरक्लास और 12 जनवरी, 2022 को स्टार्ट-अप्स के लिए उद्योग संचार।

श्री बी वी जगदीश द्वारा प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप और मूल्यांकन के निर्माण पर लघु पाठ्यक्रम

3-7 मई, 2022 के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम के चौथे संस्करण में कुल 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें लगभग 20 बाहर के प्रतिभागी शामिल थे।

संकाय स्टार्टअप्स

आईआईईसी ने संकाय इन्क्यूबेशन नीति तैयार करने में संस्थान की सहायता की। दोषपूर्ण स्टार्टअप नीति के अनुमोदन के बाद, कुछ संकाय सदस्यों ने उद्यमशीलता संबंधी कार्यकलाप शुरू किए हैं। संकाय के निम्नलिखित सदस्यों ने उद्यमिता कार्यकलाप शुरू किए हैं।

- **प्रो अतुल भार्गव** को एक स्टार्टअप कंपनी को शामिल करने के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से अनुमति प्राप्त हुई है और कंपनी निगमन प्रक्रिया अंतिम चरण में है। स्टार्टअप ईंधन कोशिकाओं का उपयोग करके विकेंद्रीकृत ऊर्जा समाधान प्रदान करने के लिए विकासशील प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करता है। आईआईईसी ने निधि प्रयास कार्यक्रम के तहत और गुजरात सरकार के बीज वित्त पोषण कार्यक्रम के तहत भी कंपनी को समर्थन देने की सिफारिश की है।

- **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण** को उनके एक नवाचार के लिए बीआईआरएसी से **50** लाख रुपये का जैव प्रौद्योगिकी इग्निशन अनुदान (बीआईजी) प्राप्त हुआ है।

सांविधिक अनुसंधान पार्क मंडल

प्रो सुधीर कु जैन ने 3 जनवरी, 2022 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के निदेशक के रूप में अपना पद त्याग दिया। नतीजतन, उन्होंने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर रिसर्च पार्क के निदेशक के रूप में इस्तीफा दे दिया। 23 फरवरी, 2022 को आयोजित भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क के निदेशक मंडल की बैठक में, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के कार्यवाहक निदेशक **प्रो अमित प्रशांत** को आईआईईसी के मंडल अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।

सलाहकार परिषद्

श्री अशांक देसाई, अध्यक्ष, मास्टेक ने आईआईईसी और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अनुसंधान पार्क के सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। कंपनी ने निवर्तमान अध्यक्ष **श्री क्रिस गोपालकृष्णन,** इंफोसिस टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

पुरस्कार एवं सम्मान

संकाय पुरस्कार और सम्मान

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के निम्नलिखित संकाय सदस्यों को 2021-22 के दौरान बाहरी निकायों से विशेष पुरस्कार और मान्यता प्राप्त हुई।

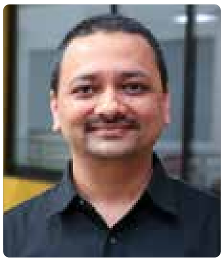

प्रो आशुतोष श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक, जैविक अभियांत्रिकी को जैवप्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020-21 के लिए प्रतिष्ठित डीबीटी रामलिंगास्वामी री-एंट्री अध्येतावृत्ति के लिए चयनित किया गया है।

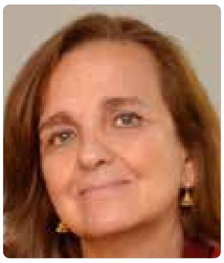

प्रो रोज़ा मारिया पेरेज़, मानविकी व सामाजिक विज्ञान की अतिथि प्राध्यापक, को सिएंसिया 2021 – पुर्तगाली, प्रौद्योगिकी व नवीनता की वार्षिक बैठक के रूप में जून 28, 2021 को वैज्ञानिक मेरिट पदक प्राप्त हुआ है।

प्रो मनीश कुमार, सहायक प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, को भारतीय सेना के लिए 3डी प्रिंटेड सुरक्षा ढांचे के नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ। यह कार्य उनके छात्र **डॉ शशांक शेखर** के पीएचडी के शोध निबंध का हिस्सा था।

प्रो विमल मिश्रा, सह-प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, को 2021 के लिए एजीयू का 'देवेंद्र लाल स्मारक पदक' के लिए चुना गया है। पुरस्कार विजेता के रूप में **प्रो मिश्रा** एक एजीयू फेलो बन जाएंगे। उन्हें जुलाई 2021 से दिसंबर 2024 तक अमरीकी भूभौतिकी संघ की पत्रिका पृथ्वी के भविष्य के सम्पादक के रूप में भी नियुक्त किया गया है।

प्रो नीलधारा मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी का चयन भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलुरु में एसोसिएट के रूप में हुआ है।

प्रो मिशेल डेनीनो, अभ्यागत प्राध्यापक, एचएसएस, को चार राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे के विकास के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति (एनसीएफ) की सदस्यता प्राप्त हुई है, और इनका ध्यान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सभी सिफारिशों पर केंद्रित कर है।

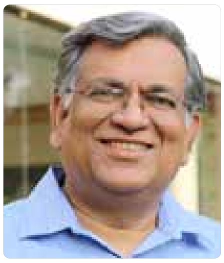

प्रो सुधीर कु जैन, निदेशक, को नवंबर 08, 2021 को विज्ञान व अभियांत्रिकी के लिए भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद द्वारा वर्ष 2020 का प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रो अमित प्रशांत, प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, व संकायाध्यक्ष, शोध व विकास, को सिविल अभियांत्रिकी में, विभिन्न भूतकनीकी ढांचों पर भौतिक मृदा यांत्रिकी से लेकर एप्लाइड कार्य तक के उनके महत्वपूर्ण शोध योगदान के लिए, भा॰प्रौ॰सं॰ रूड़की का गोपाल रंजन प्रौद्योगिकी पुरस्कार 2021 प्राप्त हुआ।

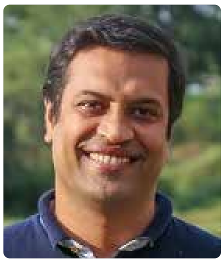

प्रो अतुल दीक्षित, सह-प्राध्यापक, गणित, को एनैलिटिक संख्या सिद्धांत व विशेष फंक्शन पर किए गए शोध परियोजना के लिए, वर्ष 2020-21 के गणितीय विज्ञान श्रेणी की स्वर्णजयंती अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई है।

प्रो विमल मिश्रा, सह-प्राध्यापक, सविल अभियांत्रिकी, को भू-वायुमंडलीय कूपलिंग की समझ और जलवायु-जलवायु चरमपंथियों पर इसकी भूमिका को आगे बढ़ाने में अनुसंधान योगदान के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के फेलो के रूप में चुना गया है।

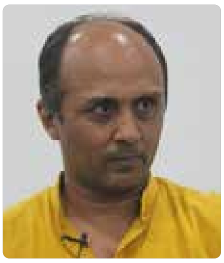

प्रो मनीश जैन, शिक्षण प्राध्यापक व प्रमुख, रचनात्मक अधिगम केंद्र (सीसीएल), को गणित शिक्षा पर राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क का राष्ट्रीय फोकस समूह का सदस्य बनाया गया है। वे गणित शिक्षा और संगणक सोच पर एक पोजीशन पेपर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रो हिमांषु शेखर, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी, को "कंट्रास्ट मीडिया" में एक एक्सपर्टस्केप विशेषज्ञ के तौर पर चुना गया है। इसके साथ ही उन्हें इस क्षेत्र के विश्व के विशेषज्ञों की एक प्रतिशत रेटिंग दी गई है।

प्रो उत्तमा लाहिड़ी, प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वर्ष 2021 के लिए प्रतिष्ठित टाटा नवीनीकरण अध्येतावृत्ति के लिए चुना गया है।

प्रो अभिषेक बिच्छावत, सहायक प्राध्यापक, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020-21 के लिए प्रतिष्ठित इंस्पायर फैकल्टी अध्येतावृत्ति के लिए चुना गया है।

प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, कंकुबेन बक्शीरामभाई गेलोत चेयर सह-प्राध्यापक, रसायन विज्ञान और संकायाध्यक्ष, छात्र मामले, को मद्रास क्रिश्चियन विद्यालय, चेन्नई द्वारा **28** मार्च, **2022** को 'डॉ आर गोपालन एंडोमेंट पुरस्कार **2022**' से सम्मानित किया गया है।

प्रो दीपक सिंघानिया, सहायक प्राध्यापक, एचएसएस, को उनके सह-शोधकर्ता **अनुपम शर्मा,** पीएचडी छात्र, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के **प्राध्यापक सोलेदाद प्रिलमन** के साथ, 'अज़ीम प्रेमजी फंडिंग कार्यक्रम **2021**' के लिए चुना गया है।

प्रो अंबिका अय्यादुरई, सहायक प्राध्यापक, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) से 'अरुणाचल प्रदेश में वन्यजीव शिकार और ट्रैपिंग का इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी' परियोजना के लिए एक शोध अनुदान प्राप्त हुआ है।

संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार

संस्थान ने निम्नलिखित चार संकाय सदस्यों को संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए:

प्रो दिलीप श्रीनिवास सुंदरम

शिक्षण में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए

उपलब्धियों और नवाचारों के सम्मान में शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए

प्रो शंमुगनाथन रमण

शोध में उत्कृष्टता के लिए

विशेष रूप से अपने छात्रों के साथ उच्च प्रभाव वाली अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में प्रकाशन सहित अनुसंधान में उनके योगदान और उपलब्धियों की मान्यता में

प्रो कृष्ण कांति डे

संस्थान निर्माण में उत्कृष्टता के लिए

विशेष रूप से 2018 से 2021 तक सह-डीन, स्नातकोत्तर अध्ययन के रूप में संस्थान निर्माण गतिविधियों में उनके योगदान और उपलब्धियों की मान्यता में

प्रो उमाशंकर सिंह

आउटरीच गतिविधियों में उत्कृष्टता के लिए

आम जनता को समय पर कोविड-19 परीक्षण प्रदान करने में गुजरात सरकार की मदद करने के लिए, परिसर में कोविड -19 आरटी-पीसीआर परीक्षण सुविधा के विकास और प्रबंधन में उनके निस्वार्थ प्रयासों और स्वैच्छिक योगदान के सम्मान में

संकाय चेयर पद

संस्थान के बहुत से शुभचिंतकों ने उत्कृष्टता पुरस्कार और उत्कृष्ट संकाय को बनाए रखने में सहायता के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में चेयर पदों की स्थापना की है। निम्नलिखित दो संकाय सदस्यों को संकाय सदस्यों के पद से सम्मानित किया गया।

कंकुबेन बक्शीरामभाई गेलोत चेयर

प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण
रसायन विज्ञान में सह-प्राध्यापक

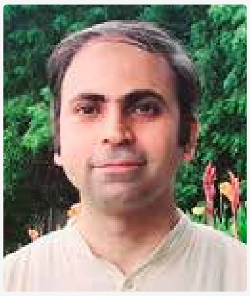

डॉ दिनेश ओ शाह चेयर

प्रो कबीर जसूजा
रासायनिक अभियांत्रिकी में सह-प्राध्यापक

श्रमती अंबा एवं श्री वी एस शास्त्री चेयर

प्रो नीलधारा मिश्रा
संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी में सहायक प्राध्यापक

डॉ विलास मजुमदार चेयर

प्रो गौरव श्रीवास्तव
सिविल अभियांत्रिकी में सह-प्राध्यापक

श्रीमती मीरा एवं प्रो गिरीश के शर्मा चेयर

प्रो समीर वी दलवी
रासायनिक अभियांत्रिकी में प्राध्यापक

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अन्य संकाय पदों की सूची

संकाय चेयर का नाम	दानदाता का नाम	वर्तमान धारक
जसुभाई स्मारक चेयर	श्री मौलिक जसुभाई	प्रो जयसन ए मंजली, प्राध्यापक, दर्शन व संज्ञानात्मक विज्ञान
बी एस गेलोत चेयर	श्री गोवर्धनभाई बी गेलोत*	प्रो चिण्मय घोरोई, प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी
टीईओसीओ चेयर	श्री अतुल जैन	प्रो नितिन वी जॉर्ज, सह-प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद चेयर	श्रीमती हमीदा बानू चोपड़ा	इस पीठ के तहत, उर्दू के प्रख्यात विद्वानों को व्याख्यान, संगोष्ठियों और अन्य विद्वानों के प्रयासों के लिए अतिथि प्राध्यापक या निवासी विद्वानों के रूप में आमंत्रित किया जाता है।
कंचन एवं हरीलाल दोशी चेयर	श्री नवीन दोशी एवं श्रीमती प्रतिमा दोशी	प्रो जयचंदर स्वामीनाथन, सहायक प्राध्यापक, यांत्रिक अभियांत्रिकी
श्रीमती अंबा व श्री वी एस शास्त्री विशिष्ट अभ्यागत चेयर	प्रो ए वी अनिलकुमार	प्रो नीलधारा मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
एन राम राव चेयर	श्री एन आर नारायण मूर्ती	प्रो अनिर्बन दासगुप्ता, प्राध्यापक, संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
कृत्रिम बुद्धिमता में जीजाबेन पटेल चेयर	डॉ जगदीश पटेल	प्रो शंमुगनाथन रमण, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी एवं संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी
जीजाबेन पटेल चेयर	डॉ जगदीश पटेल	प्रो प्रतीक मूथा, सह-प्राध्यापक, जैविक अभियांत्रिकी
कंकुबेन बक्शीरामभाई गेलोत चेयर	श्री गोवर्धनभाई बी गेलोत*	प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण, सह-प्राध्यापक, रसायन विज्ञान
डॉ दिनेश ओ शाह चेयर	डॉ दिनेश ओ शाह	प्रो कबीर जसूजा, सह-प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी
डॉ विलास मजुमदार चेयर	डॉ विलास मजुमदार	प्रो गौरव श्रीवास्तव, सह-प्राध्यपक, सिविल अभियांत्रिकी
श्रीमती मीरा एवं प्रो गिरीश के शर्मा चेयर	श्रीमती रश्मी शर्मा व श्री मनीश शर्मा	प्रो समीर दलवी, प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी
इरमा एवं ऊषाकांत ठक्कर चेयर	डॉ ऊषाकांत ठक्कर	इस चेयर से संस्कृत भाषा और साहित्य के पाठ्यक्रम पढ़ाए जा सकेंगे।

*मृतक

छात्रों के पुरस्कार और सम्मान

- तीन पीएचडी विद्वानों – भौतिक विज्ञान से **अभिषेक चौधरी**, जैविक / रासायनिक अभियांत्रिकी से **दीपशिखा घोष**, और यांत्रिक अभियांत्रिकी से **प्रशांत नायर** - को प्रतिष्ठित प्रधान मंत्री अनुसंधान अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया है (दिसंबर 2020 चक्र)।

- पीएचडी के पूर्व छात्र और अब भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में पोस्टडॉक्टरल फेलो **डॉ चंदन कुमार झा** ने अत्यधिक संवेदनशील और विश्वसनीय इंस्ट्रूमेंटेड दस्ताने विकसित करने के लिए प्रतिष्ठित आईएनएई युवा अन्वेषक और उद्यमी पुरस्कार **2021** जीता है जो विकलांग रोगियों के स्ट्रोक और सेरेब्रल पाल्सी के गतिशील उपचार और पुनर्वास में सहायक है।

- मई 2021 में प्रतिष्ठित प्रधान मंत्री अनुसंधान अध्येता (पीएमआरएफ) योजना के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के 11 पीएचडी विद्वानों का चयन किया गया है। इन पीएचडी विद्वानों में **आलोक कुमार ठाकुर**, भू विज्ञान; **गोकुल कृष्ण बी**, भौतिक विज्ञान; **इंद्र मणि त्रिपाठी**, भू विज्ञान; **मलय व्यास**, यांत्रिक अभियांत्रिकी; **ऋषिराज अधिकारी**, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी; **डी शारदा देवी**, विद्युत अभियांत्रिकी; **श्रुति सिंह**, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी; **सूरज शामराव बोराटे**, यांत्रिक अभियांत्रिकी; **सुरभि खेवले**, रासायनिक अभियांत्रिकी; **उत्तरा ब्रहदीश**, संज्ञानात्मक विज्ञान; और **विवेक कुमार सिंह**, पदार्थ अभियांत्रिकी।

- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के तीन शोध विद्वानों ने गांधीवादी युवा तकनीकी नवाचार पुरस्कार 2021 जीता है। रासायनिक अभियांत्रिकी की पीएचडी विद्वान **हरिणी गुंडा** ने 'सॉलिड प्रोपेलेंट के प्रदर्शन में सुधार के लिए अनोखा बोरॉन नैनो-एडिटिव्स' विकसित करने के लिए श्रष्टि-ग्याति पुरस्कार **2021** जीता है। **योगेश सिंह,** यांत्रिक अभियांत्रिकी के पीएचडी विद्वान**,** और **डॉ चंदन कुमार झा,** पीएचडी के पूर्व छात्र और अब विद्युत अभियांत्रिकी में पोस्टडॉक्टरल फेलो, ने क्रमशः 'वियरेबल इंटरएक्टिव पार्किंसन डिजीज असिस्टिव डिवाइस (डब्लूआईपीएडी**)** और 'दौरा ग्रसित रोगियों के लिए एक बुद्धिमान पुनर्वास और सहायक प्रणाली' विकसित करने के लिए बिराके सितारे-ग्याति प्रशंसा पुरस्कार 2021 जीता है।

- भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के चार छात्रों - **दीप दवे** (यांत्रिक अभियांत्रिकी), ध्रुव मेनन (पदार्थ अभियांत्रिकी), इशिका पाठक (विद्युत अभियांत्रिकी), और प्रवीण वेंकटेश (विद्युत अभियांत्रिकी) - को प्रतिष्ठित 'ओपी जिंदल अभियांत्रिकी व प्रबंधन छात्रवृत्ति 2021' (ओपीजेईएमएस) के लिए चुना गया है।

- मानविकी और सामाजिक विज्ञान की पीएचडी विद्वान **कैमेलिया बिस्वास** को ब्रिटिश काउंसिल द्वारा **'**प्लैटिनम जुबली वूमेन लीडर प्रोजेक्ट' के लिए चुना गया है।

- बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र **सागर पारिख** को 'कोविड-19 प्रभावित मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता' नामक योजना के तहत भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) से 1.90 लाख रुपये की वित्तीय सहायता के लिए चुना गया है।

- पीएचडी छात्र **ज्योतिषराज थौडम** और **कृष्णा टी** ने व्यक्तिगत रूप से 'सर्वश्रेष्ठ कहानी के लिए अवसर पुरस्कार' जीता है।

कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार

26 जनवरी, 2022 को 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर **प्रो अमित प्रशांत**, निदेशक, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर द्वारा निम्नलिखित स्टाफ सदस्यों को वर्ष 2021-22 के लिए कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन पुरस्कारों के माध्यम से, संस्थान औपचारिक रूप से अपने कर्मचारियों की निरंतर निष्ठा और अनुकरणीय सेवा को मान्यता देता है।

डॉ नम्रता सक्सेना

परामर्शदाता

छात्रों के भावनात्मक और मनो-सामाजिक कल्याण के लिए एक परामर्शदाता के रूप में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए।

सुश्री शास्वती रॉय

सहायक कुलसचिव

अकादमिक कार्यालय के कामकाज को सावधानीपूर्वक और व्यवस्थित रूप से प्रबंधित करने में उनकी असाधारण सेवाओं के लिए।

सुश्री शिवांगी भट्ट

संचार और मीडिया अधिकारी

संस्थान के संचार और मीडिया संबंधों के समन्वय की दिशा में उनकी उत्कृष्ट और सक्रिय भूमिका के लिए।

सुश्री कामिनी पटेल

सहायक

कर्तव्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सौंपे गए कार्यों को व्यवस्थित तरीके से समय पर पूरा करने के लिए।

सुश्री अनीता वाघेला

छात्रावास केयरटेकर

एक छात्रावास के कार्यवाहक के रूप में उनके समर्पण और छात्रों की भलाई के लिए प्रशंसनीय सेवाओं के लिए।

श्री जयेशभाई वाघेला

कार्यालय परिचारक

आईडब्ल्यूडी कार्यालय में गुणवत्ता के साथ कार्यालय परिचारक के काम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कर्तव्य के प्रति समर्पण और कौशल के लिए।

परिसर विकास पुरस्कार

संस्थान ने 26 जनवरी, 2022 को 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर वर्ष 2021-22 के लिए परिसर विकास पुरस्कारों के साथ निम्नलिखित समुदाय के सदस्यों को परिसर विकास और प्रबंधन संबंधी गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया:

श्री अनुकेश कृष्णकुट्टी अंबिका

छात्र

संस्थान के सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के सम्मान के लिए।

श्री अमृतभाई सोमभाई राठौड़

सुरक्षा पर्यवेक्षक

परिसर की सुरक्षा के लिए उनके समर्पण और अथक सेवा के लिए।

श्री तख्तसिंह मदनसिंह सोलंकी

एम्बुलेंस चालक

चिकित्सा सुविधा में उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए।

श्री योगेश कपूर

सलाहकार, एमएसवाईके

उनकी ईमानदारी, उद्देश्य के लिए ईमानदारी, पेशेवर क्षमता, सभी रूपों में निरंतर समर्थन और भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के परिसर विकास में असाधारण सेवा की मान्यता में।

श्री जितेंद्र शर्मा

ईई, सीपीडब्ल्यूडी

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर परियोजना निर्माण कार्य में अपने कार्यकाल के दौरान कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण के लिए।

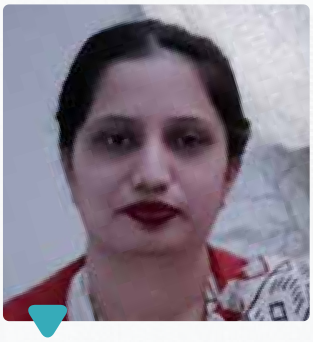

सुश्री सुनीताबा चावड़ा

केनरा बैंक स्टाफ

संस्थान के प्रति उत्कृष्ट बैंकिंग सेवा प्रदान करने के लिए।

श्री बंसी बलदेवभाई भंगी

रखरखाव स्टाफ

संस्थान के लिए उनकी समर्पित सेवा के लिए।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को पुरस्कार और मान्यता

दि रैंकिंग्स 2022

संस्थान को विश्व स्तर पर 601-800 बैंड में और टाइम्स हायर एजुकेशन (द) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2022 में भारत में 7वां स्थान मिला है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने लगातार तीसरे वर्ष इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक रैंकिंग में वैश्विक स्थान हासिल किया है। विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2022 में 99 देशों और क्षेत्रों के 1,600 से अधिक विश्वविद्यालय शामिल हैं। यह चार क्षेत्रों में 13 सावधानीपूर्वक कैलिब्रेटेड प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर विश्वविद्यालयों / संस्थानों के प्रदर्शन को मापता है: शिक्षण, अनुसंधान, ज्ञान हस्तांतरण और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण।

एनआईआरएफ रैंकिंग्स 2021

साल दर साल अपनी स्थिति को मजबूत करते हुए, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) इंडिया रैंकिंग 2021 में समग्र श्रेणी में 33वां रैंक (पिछले साल 35वीं रैंक की तुलना में) और अभियांत्रिकी श्रेणी में 22वां रैंक (पिछले वर्ष 24वीं रैंक की तुलना में) हासिल किया है। संस्थान को हालही में शुरू की गई शोध श्रेणी में भी 39वें स्थान पर रखा गया है। एनआईआरएफ शिक्षण, सीखने और संसाधनों के मानकों जैसे अनुसंधान और पेशेवर प्रथाओं; स्नातक परिणाम; आउटरीच और समावेशिता; और धारणा के आधार पर भारतीय संस्थानों को रैंक करता है।

राष्ट्रीय जल पुरस्कार

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 29 मार्च, 2022 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित तीसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह के दौरान 'सर्वश्रेष्ठ संस्थान / निवासी कल्याण संघ / परिसर उपयोग के लिए धार्मिक संगठन' की श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया। **श्री गजेंद्र सिंह शेखावत**, जल शक्ति के केंद्रीय कैबिनेट मंत्री; **श्री प्रहलाद सिंह पटेल**, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री; और **श्री बिश्वेश्वर टुडू**, जनजातीय मामलों और जल शक्ति राज्य मंत्री इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने जल संरक्षण और जल प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए संस्थान के प्रयासों की मान्यता में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को पुरस्कार प्रदान किया।

वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन अवार्ड

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एमजीएनसीआरई), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैंपियन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार देश भर के शैक्षणिक संस्थानों को एमजीएनसीआरई द्वारा स्वच्छ भारत पहल में उनके योगदान के लिए दिया जाता है। संस्थान को स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) 2020-21 में अनुकरणीय प्रदर्शन करने वालों में से एक के रूप में मान्यता दी गई है। विजेताओं की पहचान स्वच्छता, जल संरक्षण, हरित परिसर की पहल, अपशिष्ट प्रबंधन, स्थिरता, ऊर्जा संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विभिन्न मापदंडों के आधार पर की जाती है।

आउटरीच गतिविधियां

एनईईवी: भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम

एनईईवी भा०प्रौ०सं० गांधीनगर का एक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम है जो आसपास के गांवों की महिलाओं और युवाओं को कौशल विकास और उद्यमिता से संबंधित प्रशिक्षण और सलाह प्रदान करता है, जिससे उन्हें उनकी आजीविका में मदद मिलती है। 2014 से, एनईईवी ने अहमदाबाद/गांधीनगर क्षेत्रों के 2900 से अधिक लाभार्थियों के लिए 90 से अधिक परियोजनाओं और गतिविधियों का संचालन किया है, जिसमें आसपास के 15 गांव भी शामिल हैं। **सुश्री सौम्या हरीश** समन्वयक हैं और **सुश्री रोशनी पटेल** एनईईवी की कार्यक्रम सहयोगी हैं। टीम में आमंत्रित संसाधन व्यक्ति और स्वयंसेवक भी शामिल हैं जो विभिन्न परियोजनाओं के प्रबंधन में मदद करते हैं।

2021-22 के दौरान, एनईईवी ने 211 प्रतिभागियों के लिए 14 पाठ्यक्रम संचालित किए। सितंबर 2021 से मार्च 2022 के दौरान आयोजित पाठ्यक्रमों के लिए परोपकारी सहायता **देसाई फाउंडेशन ट्रस्ट** और **गुजरात स्टेट पेट्रोनेट लिमिटेड (जीएसपीएल)** द्वारा प्रदान की गई थी। जुलाई-अगस्त 2021 के दौरान आयोजित पाठ्यक्रमों के लिए परोपकारी सहायता **मैसिबस ऑटोमेशन एंड इंस्ट्रुमेंटेशन प्राइवेट लिमिटेड** और **गुजरात स्टेट पेट्रोनेट लिमिटेड (जीएसपीएल)** द्वारा प्रदान की गई थी।

सिलाई कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान देने के साथ, एनईईवी सिलाई में बुनियादी से मध्यवर्ती स्तर के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करता है। मॉड्यूल में माप, अंकन, काटने और सिलाई शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों के अंत में ये महिलाएं कुशन कवर, कपड़े के बैग, शिशु फ्रॉक, सलवार-कमीज और लेडीज ब्लाउज जैसे उत्पाद बनाने में सक्षम थीं। 2021-22 में पांच सिलाई पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

- 12 जुलाई-अगस्त 20, 2021 (सोम-शुक्र, दोपहर 1-4 बजे) के दौरान पालज और बासन के गांवों की 15 महिलाओं के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के एनईईवी प्रशिक्षण कक्ष में 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम (महिला ब्लाउज की विभिन्न शैलियों) आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम की प्रमुख प्रशिक्षक **सुश्री ममता पारेख** थीं।
- 9 महिलाओं के लिए बासन गांव में 01 सितंबर से 04 अक्टूबर 2021 (सोम-शुक्र, 1-4 बजे) के दौरान 4 सप्ताह का पाठ्यक्रम (मास्क, पाउच, बैग, कुशन कवर) आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम की प्रमुख प्रशिक्षक **सुश्री रितु सिंह** थीं।
- 20 महिलाओं के लिए रतनपुर गांव में सितंबर 06-अक्टूबर 15, 2021 (सोम-शुक्र, 1-4 बजे) के दौरान 6 सप्ताह का कोर्स (महिला ब्लाउज की विभिन्न शैलियां) आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम की प्रमुख प्रशिक्षक **सुश्री ममता पारेख** थीं।
- बासन गांव की 24 महिलाओं के लिए नवंबर 15, 2021 – जनवरी 07, 2022 (सोमवार-शुक्रवार, 1-4 बजे) के दौरान एक 8-सप्ताह का पाठ्यक्रम (सिलाई मशीन चलाना, बस्ता, कुशन कवर, पेटीकोट, फ्रॉक, साधारण सलवार सूट व साधारण ब्लाउज) आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम की प्रमुख प्रशिक्षक **सुश्री ममता पारेख** थीं।
- 14 फरवरी से 31 मार्च, 2022 (सोम-शुक्र, दोपहर 1-4 बजे) के दौरान एनईईवी प्रशिक्षण कक्ष, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में पालज, बासन, लेकवाड़ा के गांव की 14 महिलाओं के लिए 7 सप्ताह का विशेष महिला दर्जी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (महिलाओं की पोशाक और ब्लाउज की विभिन्न शैलियों) आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम की प्रमुख प्रशिक्षक **श्री प्रफुल्ल दरजी** और **सुश्री ऋतु सिंह** थीं।

कम्प्यूटर कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

इस परियोजना का मिशन भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के आसपास के गांवों के युवाओं और महिलाओं के बीच कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाना था। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से, प्रतिभागियों को बुनियादी कंप्यूटर संचालन, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावरपॉइंट, नेटवर्क में लॉग इन करना, इंटरनेट का उपयोग, ईमेल की मूल बातें, खोज इंजन आदि सिखाया गया था। 2021-22 में तीन बुनियादी कंप्यूटर कौशल पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

- पालज और बासन जैसे गांवों के 14 प्रतिभागियों के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में जुलाई 12-अगस्त 14, 2021 (सोम-शनि, सुबह 8-10 बजे) के दौरान 5 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम की प्रमुख प्रशिक्षक **सुश्री श्रेया प्रजापति** थीं।
- पालज, बासन, चिलोडा, आलमपुर जैसे गांवों के 17 प्रतिभागियों के लिए कंप्यूटर लैब, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में सितंबर 13-अक्टूबर 23, 2021 (सोम-शनि, सुबह 8-10 बजे) के दौरान 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम की प्रमुख प्रशिक्षक **सुश्री श्रेया प्रजापति** थीं।
- रतनपुर, पालज, बासन जैसे गांवों के 13 प्रतिभागियों के लिए कंप्यूटर लैब, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में 29 नवंबर से 31 दिसंबर, 2021 (सोमवार-शनि, सुबह 8-10 बजे) के दौरान 5 सप्ताह का

पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम के प्रमुख प्रशिक्षक **श्री उमेश वाघेला** थे।

विशिष्ट कंप्यूटर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- पालज, चिलोडा जैसे गांवों से 15 प्रतिभागियों के लिए कंप्यूटर लैब, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में 13 सितंबर से 23 अक्टूबर, 2021 (सोमवार-शनिवार, सुबह 8-10 बजे) के दौरान एक 6-सप्ताह का **टैली कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** (टैली सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बुनियादी से मध्यवर्ती लेखा संचालन का परिचय) आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम के प्रमुख प्रशिक्षक **श्री उमेश वाघेला** थे।
- 14 फरवरी से 31 मार्च, 2022 (सोम-शनि, सुबह 8-10 बजे) के दौरान कंप्यूटर लैब, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में पालज गांव और अहमदाबाद और गांधीनगर के शहरी क्षेत्रों के 10 प्रतिभागियों के लिए 7 सप्ताह का **डेस्कटॉप प्रकाशन पाठ्यक्रम** (फ़ोटोशॉप, कोरलड्रा और इनडिज़ाइन का उपयोग करके ग्राफिक्स डिज़ाइन में शुरुआती पाठ्यक्रम) आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम के प्रमुख प्रशिक्षक **श्री उमेश वाघेला** थे।

व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के रूप में नवंबर 22 – दिसंबर 31, 2021 (सोमवार-शुक्रवार, प्रात: 10 बजे से अपराह्न 1:30 बजे) के दौरान पालज और बासन जैसे गांव के 7 प्रतिभागियों के लिए, विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में एक 6-सप्ताह का शुरुआती **घरेलू वायरिंग पाठ्यक्रम** आयोजित किया गया।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सेक्टर 15 के 13 छात्रों के लिए यांत्रिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में 20-31 दिसंबर, 2021 (सोमवार-शुक्र, सुबह 10 बजे - शाम 5 बजे) के दौरान **सीएनसी मशीनिंग** में 2 सप्ताह का परिचयात्मक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। घरेलू वायरिंग पाठ्यक्रम के प्रमुख प्रशिक्षक **श्री पलक बगिया** थे, और सीएनसी मशीनिंग कार्यशाला के प्रमुख प्रशिक्षक **श्री एम अरमुगम** थे।

लघु अवधि के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- बासन गांव और गांधीनगर शहर के 6 प्रतिभागियों के लिए एनईईवी प्रशिक्षण कक्ष, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में सितंबर 20-30, 2021 (सोमवार-शुक्र, 1-4 पूर्वाह्न) के दौरान 2 सप्ताह का **चॉकलेट और मोमबत्ती बनाने का कोर्स** आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम की प्रमुख प्रशिक्षक **सुश्री निधि पाठक** थीं।
- दक्षिण गुजरात में भरूच, डांग क्षेत्र, वलसाड, नवसारी की 17 महिलाओं के लिए एनईईवी प्रशिक्षण कक्ष, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में 07-08 मार्च, 2022 (सुबह 9 बजे - शाम 5 बजे) के दौरान सिलाई कौशल (उत्पाद अवलोकन, बाजार लिंकेज, लागत, मूल्य निर्धारण) में **प्रशिक्षकों के लिए 2-दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** आयोजित किया गया था। कार्यशाला के प्रमुख प्रशिक्षक **सुश्री ऋतु सिंह** और **सुश्री ममता पारेख** थीं।

ब्यूटीशियन कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

पलाज और बासन गांवों की 17 महिलाओं के लिए ग्रीन लाउंज, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में फरवरी 14-मार्च 31, 2022 (सोमवार-शुक्र, 12-5 बजे) के दौरान 7 सप्ताह का एक कोर्स (संवारना, मेकअप, हेयर स्टाइल, मेहंदी) आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम के लिए प्रमुख प्रशिक्षकों में **सुश्री राजलक्ष्मी शर्मा, सुश्री आरती पटेल** और **सुश्री मित्तल तवियाद** थीं।

आजीविका उत्पादन के लिए बाजार से संपर्क और समर्थन

एनईईवी ने पर्दे, कपड़े के थैले, मास्क और कुर्ते जैसे उत्पादों के लिए थोक आदेशों; और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के सामुदायिक कार्यक्रमों में दिवाली बिक्री और स्प्रिंग कार्नेशन्स आदि के लिए गृह सज्जा उत्पादों, चॉकलेट, मोमबत्तियों और ड्राई-स्नैक्स की बिक्री के माध्यम से आजीविका के अवसरों की सुविधा प्रदान की। 34 महिलाओं ने सामूहिक रूप से इस तरह की बिक्री के माध्यम से करीब 1.5 लाख रुपये कमाए।

फरवरी और मार्च 2022 के दौरान, एनईईवी ने अहमदाबाद में थोक कपड़ा बाजार और स्थानीय चिलोडा बाजार में एक्सपोजर दौरे किए, ताकि महिलाएं उन उत्पादों की पहचान कर सकें जिन्हें वे अपने गांवों के नजदीक सार्वजनिक बाजारों में बना और बेच सकती हैं।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय के लिए जागरूकता सत्र और क्षेत्रीय दौरा

एनईईवी अपनी परियोजनाओं और गतिविधियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय के लिए अभिविन्यास सत्र और क्षेत्र का दौरा करता है। 2021-22 में निम्नलिखित सत्र और दौरे आयोजित किए गए:

- **सुश्री सौम्या हरीश** द्वारा 03 जुलाई, 2021 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर स्टाफ सदस्यों के लिए स्टाफ विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित "आगमन" कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आयोजित एक पैनल चर्चा के दौरान जागरूकता सत्र।
- आरोहण 2021 के दौरान आने वाले स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम में 23 जुलाई, 2021 को **सुश्री रोशनी पटेल** द्वारा एनईईवी के बारे में जागरूकता सत्र।
- 30 अक्टूबर, 2021 को **सुश्री सौम्या हरीश** द्वारा आने वाले पीएचडी छात्र (विशेष ड्राइव) के लिए एक ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम के दौरान एनईईवी के बारे में जागरूकता सत्र।
- फाउंडेशन प्रोग्राम के "अपने परिवेश को जानें" कार्यक्रम के दौरान बीटेक 2020 बैच के लिए 21 दिसंबर, 2021 को **सुश्री सौम्या हरीश** और **सुश्री रोशनी पटेल** द्वारा बासन गांव का फील्ड दौरा।
- फाउंडेशन प्रोग्राम के हिस्से के रूप में बीटेक 2021 बैच के लिए एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन इवेंट के दौरान 24 दिसंबर, 2021 को **सुश्री सौम्या हरीश** द्वारा एनईईवी के बारे में जागरूकता सत्र।
- 27 दिसंबर, 2021 को "आरोहण 2022" के दौरान, आने वाले स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम के दौरान **सुश्री ऋतु सिंह** द्वारा बासन गांव का फील्ड दौरा।

एनईईवी प्रभाव: 2021-22 के दौरान ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका सृजन:

नीव द्वारा कौशल विकास

कौशल विकास के माध्यम से आसपास के समुदायों को प्रभावित करने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, एनईईवी - भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने सितंबर से दिसंबर 2021 तक बेसिक कंप्यूटर कौशल, टेली कौशल और सिलाई (रतनपुर और बासन गांवों में) में चार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और नवंबर और दिसंबर 2021 के दौरान सिलाई (बासन गांव में), और व्यावसायिक कौशल (वायरिंग और सीएनसी मशीनिंग) तथा बेसिक कंप्यूटर कौशल में तीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से कुल 118 ग्रामीण महिलाएं और युवा प्रभावित हुए।

एनईईवी द्वारा अपस्किलिंग पाठ्यक्रम

एनईईवी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने जनवरी-मार्च 2022 के दौरान चार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अर्थात् महिला दर्जी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, सिलाई में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, ब्यूटीशियन कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और डेस्कटॉप प्रकाशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए। इन पाठ्यक्रमों का लाभ आसपास के गांवों की कुल 58 ग्रामीण महिलाओं और युवाओं ने लिया। इसके अतिरिक्त, एनईईवी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में स्प्रिंग कार्नेशन्स कार्यक्रम के दौरान गाँव की महिलाओं द्वारा बनाए गए दस्तकारी उत्पादों की बिक्री का भी आयोजन किया।

श्रमिक कॉलोनियों में चिकित्सा शिविर

सामुदायिक पहुंच की दिशा में एक और पहल में, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने निर्माण श्रमिकों की कॉलोनियों में चिकित्सा शिविर शुरू किए हैं, जो श्रमिक कॉलोनियों में एक साप्ताहिक और घूर्णी आधार पर आयोजित किए जाते हैं। हर बार वे लगभग 40-50 श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों की सेवा करते हैं। ये शिविर **डॉ रिया सैनी** और संस्थान के चिकित्सा कर्मचारियों की निरंतर मेहनत और प्रयासों से सफलतापूर्वक चल रहे हैं।

न्यासा: भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की सामाजिक पहुंच के लिए प्रतिबद्धता

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर परिसर में निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता और सचेत प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए न्यासा का निर्माण किया गया था। न्यासा कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने और शिक्षा और अन्य गतिविधियों की सामूहिक ताकत के माध्यम से एक बेहतर जीवन बनाने के लिए मदद करने के लिए परिसर में और आसपास के वंचित समुदाय तक पहुंचने के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के प्राथमिक हितधारकों में से एक है। प्रौद्योगिकी और रचनात्मक सोच के माध्यम से विभिन्न कौशल सीखकर समग्र विकास के लिए न्यासा के माध्यम से पहले से ही कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

वितरण अभियान

न्यासा ने संस्थान की सामाजिक आउटरीच पहल के सहयोग से महामारी के दौरान आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया। मास्क, पुन: प्रयोज्य सैनिटरी नैपकिन, मच्छर भगाने वाली कॉइल, फलों के पैकेट (दो केले, एक सेब और एक संतरा), और मिठाइयों की कुल संख्या क्रमशः 348, 112, 210, 600 और 600 थी।

न्यासा दानकर्ता अभियान

टीम न्यासा ने भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के समुदाय से दान मांगा और परिसर के कर्मचारियों (जैसे हाउसकीपिंग स्टाफ, मेस स्टाफ कर्मी आदि) और निर्माण के लिए दान की गई वस्तुओं जैसे कपड़े, सर्दियों के वस्त्र, खिलौने, छतरियां, जूते, बैग आदि के लिए वितरण अभियान चलाया। उन्होंने सभी संविदा कर्मचारियों को टी-शर्ट भी वितरित की। दिवाली के अवसर पर न्यासा के स्वयंसेवकों ने निर्माण श्रमिकों के बच्चों के बीच मिठाई और नए कपड़े बांटे। कुल मिलाकर, इन प्रयासों ने 1000 से अधिक निर्माण श्रमिकों को मौद्रिक राहत प्रदान की।

स्वास्थ्य देखभाल के लिए गतिविधियाँ

न्यासा ने जन चिकित्सा केंद्र, पालज की मदद से बच्चों के नियमित टीकाकरण की व्यवस्था की। निर्माण श्रमिकों के लिए भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की चिकित्सा केंद्र की टीम भी उपलब्ध थी। एवीएनआई और देसाई फाउंडेशन की सहायता से पुन: प्रयोज्य और एक बार उपयोग होने वाले सैनिटरी नैपकिन की खरीद की गई और श्रमिकों की कॉलोनी में वितरित किए गए।

शैक्षणिक गतिविधियां

न्यासा स्वयंसेवकों ने निर्माण श्रमिकों के कुछ बच्चों को बासन गांव के सरकारी स्कूल में औपचारिक रूप से नामांकित करने के लिए कड़ी मेहनत की। इसे साकार करने के लिए **श्री सुनील पटेल** (बासन स्कूल के प्रधानाचार्य), **प्रो गौरव श्रीवास्तव** और **प्रो शारदा सी वी** के अमूल्य प्रयासों की बहुत सराहना की जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए बीस बच्चों ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। वे बासन विद्यालय से अपना

स्थानांतरण प्रमाणपत्र प्राप्त करेंगे। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर और न्यासा के इतिहास में यह पहली बार है कि बीस छात्रों को अपना स्थानांतरण प्रमाणपत्र मिला है। बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है जो उन्हें औपचारिक शिक्षा में शामिल करने में मदद करेगा।.

अन्य गतिविधियां

न्यासा ने श्रमिक कल्याण समिति के सहयोग से, निर्माण श्रमिकों, बागवानी और रखरखाव टीम, मेस श्रमिकों और हाउसकीपिंग स्टाफ सहित सभी ऑन-कैंपस श्रमिकों को उनके निरंतर काम के लिए टी-शर्ट और हुडी जैकेट दिए हैं। संस्थान को सुचारू रूप से चलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। दान की गई टी-शर्ट और हुडी की कुल संख्या क्रमशः 594 और 174 थी। न्यासा स्कूली बच्चों के लिए दिवाली समारोह और विज्ञान नगर के अध्ययन दौरे का आयोजन भी किया गया है।

संजीवनी

एक संस्थान के रूप में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर हमेशा न केवल हमारे समुदाय के सदस्यों बल्कि हमारे पड़ोसियों के सामान्य स्वास्थ्य और कल्याण में विश्वास करता है। न्यासा का प्रमुख कार्यक्रम संजीवनी एक स्वास्थ्य शिविर है जो गांवों के लोगों, सामुदायिक कार्यकर्ताओं और डॉक्टरों को एक सामान्य बिंदु पर लाता है जहां वे बातचीत कर सकते हैं, जुड़ सकते हैं और अपने स्वास्थ्य के मुद्दों को हल कर सकते हैं। पिछली संजीवनी के दौरान, हमने गांवों के भीतर कई स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए थे। हालाँकि, चूंकि भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर हमेशा अपने परिवेश के लिए खुला रहा है, इस बार हमने अपने परिसर में बासन, लेकावाड़ा, आलमपुर, सिहोली और रामपुरा सहित पड़ोसी गांवों से आने वाले परिवारों और बच्चों के साथ संजीवनी की मेजबानी की। यह कार्यक्रम भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अकादमिक ब्लॉक 7 में आयोजित किया गया था, जिसमें प्रत्येक कक्षा को एक निश्चित विशेषता के लिए चेक-अप रूम में परिवर्तित किया गया था। विशिष्टताओं में सामान्य चिकित्सक, नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी विशेषज्ञ, त्वचा विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, आर्थोपेडिक सर्जन, फिजियोथेरेपिस्ट और दंत चिकित्सक शामिल थे।

लाभार्थियों की संख्या	: 450+
चिकित्सकों की संख्या	: 19
सहायक स्टाफ की संख्या	: 20
आईआईपीएचडी से स्वयंसेवकों की संख्या	: 21
एनएसयू से स्वयंसेवकों की संख्या	: 19

पोषण और शारीरिक फिटनेस और प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छता, अपशिष्ट निपटान और सुरक्षित पेयजल, रोग (मधुमेह और कैंसर), नशा मुक्ति, एड्स जागरूकता, पुरुषों के स्वास्थ्य और देखभाल, महिलाओं के स्वास्थ्य और देखभाल, बच्चों के स्वास्थ्य और देखभाल, किसान जागरूकता, एनईईवी, और रचनात्मकता अधिगम केंद्र (सीसीएल) सहित विभिन्न स्टालों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर भी लगाया गया जिसमें 42 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। संजीवनी स्वास्थ्य मेले में पहली बार योग की शुरुआत हुई।

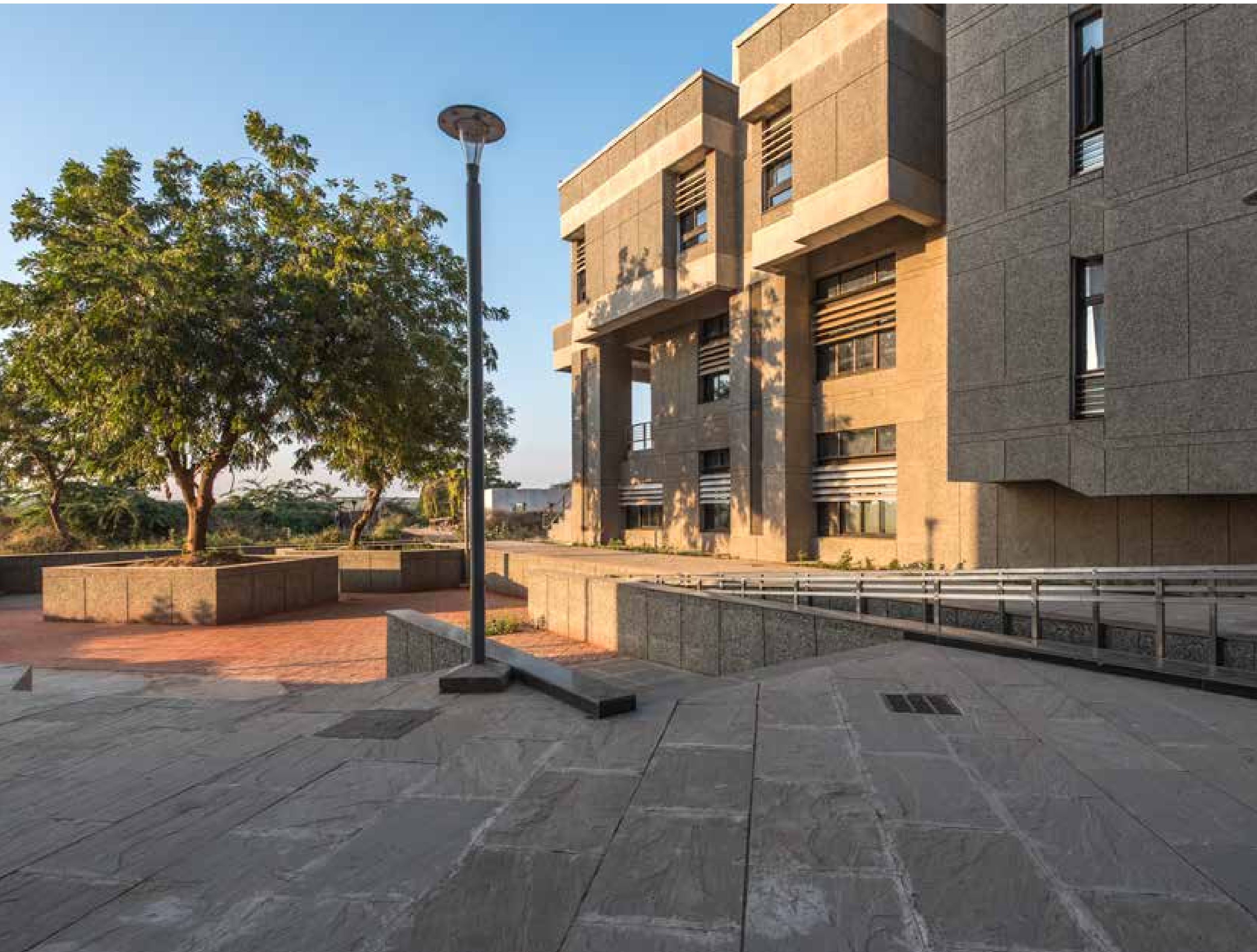

आयोजन
एवं गतिविधियां

महत्वपूर्ण गतिविधियां

नेतृत्व वार्ता श्रंखला

नेतृत्व वार्ता श्रंखला की छठवीं वार्ता अप्रैल 22, 2021 को संपन्न हुई जिसमें भारत के प्रथम ब्लेड धावक और कारगिल जंग के धुरंधर **मेजर देवेंद्र पाल सिंह** उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का समन्वय नॉलेज@वॉर्टन के पूर्व प्रधान संपादक, **श्री मुकुल पांड्या** और **प्रो अचल मेहरा** ने किया।

सैद्धांतिक भौतिकी विद्यालय

भौतिक विज्ञान संकाय द्वारा जून 7-11, 2021 को 'सैद्धांतिक भौतिकी विद्यालय' नामक एक आभासी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस स्कूल में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक व्याख्यानों के एक सेट के माध्यम से चयनित समकालीन सैद्धांतिक भौतिकी विषयों को सीखने का एक अनूठा अवसर प्रदान करना था। इन व्याख्यानों को सैद्धांतिक भौतिकी में नए और भावी अनुसंधान निर्देशों से स्नातक और स्नातकोत्तर व पीएचडी छात्रों से परिचय करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रो सुदीप्ता सरकार द्वारा किया गया।

लॉन्चपैड 2021

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर नवीनता व उद्यमित केंद्र (आईआईईसी) द्वारा संस्थान के अंतिम वर्ष के छात्रों को उनके उद्यमशीलता विचार की कोशिश करने का अवसर प्रदान करने के लिए एक पहल की गई। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, छात्रों को एक ऐसा मंच मिलता है जहां वे अपने स्टार्टअप विचार को मान्य करते हैं और आईआईईसी से परामर्श सहायता प्राप्त करते हैं। छात्रों की टीम को उनके उत्पाद निर्माण के लिए वित्तीय सहायता और स्थिरता के लिए अध्येतावृत्ति भी प्रदान की जाती है। वर्तमान में इस कार्यक्रम में सात छात्रों की दो टीमें अपने-अपने विचारों पर कार्य कर रही हैं।

पोस्टडॉक्टोरल शोध फेलो में वृद्धि

उत्कृष्ट और अंतर-विषयक अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के बाद, संस्थान ने एक वर्ष में पोस्ट-डॉक्टरेट अनुसंधान अध्येताओं की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी है। 1 मई, 2021 की स्थिति के अनुसार, संस्थान में पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधान अध्येताओं की कुल संख्या संकाय सदस्यों की कुल संख्या 47.22 से लगभग आधी (47.22 प्रतिशत) थी। मई, 2019 में यह अनुपात लगभग 34 प्रतिशत और मई 2020 में 33 प्रतिशत था जबकि 01 मई, 2019 और 2020 की स्थिति के अनुसार, संस्थान में क्रमशः 34 और 35 पोस्ट-डॉक्टरेट अनुसंधान अध्येताओं की तुलना में कुल 51 प्रतिशत था। संस्थान ने युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं और भारत में अत्याधुनिक सहयोगात्मक और अंतर्विषयी अनुसंधान को गति प्रदान की है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर -ईसीएफ और 50-50 योजना जैसे अनुसंधान उन्मुख कार्यक्रमों ने युवा विद्वानों के लिए रचनात्मक और अंतरविषयक पारिस्थितिकी तंत्र में नवोन्मेषी अनुसंधान समस्याओं पर कार्य करने के लिए रोमांचक अवसर खोले हैं।

विक्रम साराभाई शोध अध्येतावृत्ति

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने विक्रम साराभाई शोध अध्येतावृत्ति की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य पीएचडी छात्रों को अपने पीएचडी को शीघ्र पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें एक प्रतिस्पर्धी लाभ प्रदान करना है। कार्यभार ग्रहण करने के चार वर्षों के भीतर अपने शोध निबंध प्रस्तुत करने वाले पीएचडी छात्र इस 12 महीने की शोध अध्येतावृत्ति के पात्र होंगे। यह भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के डॉक्टरेट्स को करियर के सुनहरे अवसरों को खोजने के अलावा नए अनुसंधान क्षेत्रों की तलाश करने, अपने पीएचडी कार्य का विस्तार करने तथा विद्वान लेखों और पुस्तकों का प्रकाशन करने में सक्षम बनाएगा।

अंतरराष्ट्रीय संकाय सदस्यों में वृद्धि

महामारी के कारण पूरे विश्व से शिक्षकों की नियुक्ति के कुछ नए क्षितिज खुल सके। दूरस्थ अनुदेशों में संस्थान को पिछले डेढ़ वर्षों में अमेरिका, मेक्सिको, ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, ब्राजील, टर्की, पुर्तगाल, जर्मनी व जापान जैसे देशों से बड़ी संख्या में शीर्ष अकादमियों को शामिल करने का अवसर प्राप्त हुआ है। परिणामस्वरूप, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों को विश्व भर के शिक्षकों से विभिन्न विशेष पाठ्यक्रम पढ़ने का मौका मिला।

संकाय नियुक्ति में गति

संस्थान ने महामारी के कारण संकाय नियुक्ति को बाधित नहीं होने दिया और यह प्रक्रिया तुरंत ऑनलाइन मंच पर स्थानांतरित कर दिया गया। जुलाई 2020 से जून 2021 के मध्य संस्थान ने 110 प्रस्ताव रखे जिसमें से 19 को स्वीकृति प्राप्त हुई। वर्तमान में संस्थान में संकाय सदस्यों की संख्या 110 है, तथा अन्य 8 शीघ्र ही जुड़ने वाले हैं। संस्थान ने अभ्यास से प्राध्यापक पदों पर भर्ती में भी काफी वृद्धि की है।

आरोहण 2021

संस्थान ने नए स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम 'आरोहण' का आयोजन किया। एमटेक तथा पीएचडी के लिए दो सप्ताह का ऑनलाइन कार्यक्रम तथा एमएससी और एमए के लिए एक सप्ताह के कार्यक्रम का उद्देश्य विचारोत्तेजक, रचनात्मक, सृजनात्मक, और खेल गतिविधियों के माध्यम से इन छात्रों को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर

के लोकाचार और संस्कृति में एकीकृत करना था। कार्यक्रम का समन्वय प्राध्यापकों **आशुतोष श्रीवास्तव, अभिषेक बिच्छावत, चंदन मिश्रा, समीर पटेल** और **हिमांशु शेखर** ने किया।

'एक दशक का प्रतिबिम्ब' का प्रमोचन

23 अगस्त, 2021 को, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 2011 के बीटेक पूर्व छात्र बैच की स्मृति परियोजना पुस्तक 'एक दशक का प्रतिबिम्ब' का शुभारंभ किया। इस बैच के पूर्व छात्र, **आकाश केशव सिंह** ने इस परियोजना का निर्माण किया था, तथा उन्होंने निदेशक, **प्रो सुधीर कु जैन** के साथ मिलकर परिसर में इस पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक में 10 वर्षों के दौरान इस बैच के कुछ पूर्व छात्रों के स्मरण, अनुभवों और विकास यात्राओं को याद किया गया है। यह पुस्तक https://bit.ly/3jcZGOo पर देखी जा सकती है।

एचएसएस शिविर 2021

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने कक्षा 8-12 के स्कूली छात्रों के लिए अपनी तरह का पहला निःशुल्क ऑनलाइन कार्यक्रम 'शिविर एचएसएस' आयोजित किया ताकि उन्हें महत्वपूर्ण सोच, सहानुभूति और सृजनात्मकता विकसित करने में मदद मिल सके। तीन दिवसीय आभासी शिविर जुलाई, 30 से अगस्त, 2021 तक आयोजित किया गया जिसमें देश भर से 4,000 से अधिक प्रतिभागी पंजीकरण प्राप्त हुए थे। भारत व विदेश के शिक्षाविदों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वय **प्रो जयसन मंजली** ने किया था।

स्वच्छता पखवाड़ा

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में सितंबर 1-15, 2021 के दौरान 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया गया, जिसमें कई आयोजन व गतिविधियां घटित हुईं, जैसे स्वच्छता प्रतिज्ञा, सर्वाधिक स्वच्छ छात्रावास प्रतियोगिता, ई-अपशिष्ट संग्रहण अभियान, प्लोगिंग अभियान, पड़ोसी गांव व श्रमिक कॉलोनियों में स्वच्छता जागरुकता, बच्चों के लिए चित्रकारी व निबंध लेखन प्रतियोगिता, आदि। इन आयोजनों का संयोजन भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की ग्रीन कार्यालय टीम ने किया था।

2020 बैच का फाउंडेशन कार्यक्रम- III

संस्थान ने 13 दिसंबर, 2021 से 2020 के बीटेक बैच के लिए विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों के साथ एक व्यक्तिगत फाउंडेशन कार्यक्रम (एफपी) III का आयोजन किया। महामारी के कारण एफपी और अन्य शैक्षणिक कक्षाओं के पहले दो भागों में ऑनलाइन मोड में भाग लेने के बाद , 2020 बैच के छात्र अंततः एफपी III के लिए परिसर में आ पाए। इस कार्यक्रम का संयोजन प्राध्यापकों **तरुण अग्रवाल, सुतापा रॉय** और **दीपक सिंघानिया** ने किया।

कार्यरत लेखक

सितम्बर 2021 में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के लेखन स्टूडियो ने एक नई व्याख्यान श्रृंखला - 'कार्यरत लेखक' की शुरुआत की है। यह श्रृंखला प्रख्यात लेखकों, उपन्यासकारों, जीवनीकारों, निबंधकारों और गैर-कथा लेखकों को लेखन की कला और शिल्प पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित करती है। श्रृंखला का पहला सत्र 17 सितंबर, 2021 को **प्रो चिण्मय तुम्बे**, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र, भा॰प्र॰सं॰ अहमदाबाद और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के **प्रो जूयंग किम** के साथ बातचीत के साथ संपन्न हुआ।

30-30 एकलव्य श्रृंखला

सीबीएसई और सृजनात्मकता अधिगम केंद्र (सीसीएल) ने 26 सितंबर, 2021 को 30-30 एकलव्य श्रृंखला शुरू की, जो स्कूलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन को डिकोड करने के लिए एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव शिक्षा कार्यक्रम है। सीसीएल के यूट्यूब चैनल पर हर रविवार को प्रसारित होने वाली साप्ताहिक इंटरएक्टिव श्रृंखला, दिलचस्प वास्तविक दुनिया के उदाहरणों और कहानियों के साथ पाठ्यक्रम को संपूर्ण करती है।

2021 फाउंडेशन कार्यक्रम

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 22 नवंबर को आभासी फाउंडेशन कार्यक्रम के साथ 2021 के बीटेक बैच का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र के दौरान निदेशक **प्रो सुधीर कु जैन** ने नए बैच के साथ बातचीत की। दो ओसीआई छात्रों सहित 18 भारतीय राज्यों के कुल 249 छात्र बैच में शामिल हुए हैं। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापकों **कार्तिक सुब्रमण्यम पुष्पवनम, तान्या श्रीवास्तव** और **विश्वजीत मंडल** ने किया।

आरोहण 2022

संस्थान ने 20 दिसंबर, 2021 को पीएचडी और एमटेक छात्रों के नए बैच का स्वागत किया और उनके फाउंडेशन कार्यक्रम "आरोहण" की शुरुआत की। यह भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की संस्कृति और लोकाचार में नए छात्रों को एकीकृत करने के लिए रोमांचक गतिविधियों से भरा हुआ था। दो सप्ताह के कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापकों **झूमा साहा, समीर कुलकर्णी** और **उत्सव मन्नू** ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए शीतकालीन प्रवेश

पहली बार, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए अभियांत्रिकी, विज्ञान और मानविकी और सामाजिक विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए शीतकालीन प्रवेश की शुरुआत की। अब तक, अंतरराष्ट्रीय प्रवेश जुलाई में शुरू होने वाले पहले सत्र तक ही सीमित थे। हालांकि, इस साल संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए उनकी स्नातक की अलग-अलग समय सीमा के कारण एक अतिरिक्त अवसर बनाने का फैसला किया।

छात्र कल्याण पहल

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर अपने "छात्र पहले" के आदर्श वाक्य पर कायम है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के प्रत्येक छात्र के लिए अपने समर्थन को और मजबूत करने के लिए, संस्थान ने " छात्र कल्याण पहल " नामक एक नया उद्यम शुरू किया है। इस पहल के एक भाग के रूप में, प्रतिबद्ध संकाय सदस्यों की एक टीम भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों को उनकी किसी भी चिंता के लिए समर्थन प्रदान करती है, चाहे वे अकादमिक हों या गैर-शैक्षणिक। टीम ने 15-19 नवंबर, 2021 के दौरान छात्र कल्याण सप्ताह भी मनाया, जिसमें छात्रों को किसी भी समय टीम से मिलने और अपनी किसी भी चिंता को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

लेह-लद्दाख और कारगिल प्रतिनिधिमंडल

लेह-लद्दाख और कारगिल के एक 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान में अपशिष्ट जल प्रबंधन को समझने, प्रक्रियाओं के बारे में जानने और विभिन्न पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ प्रौद्योगिकियों (जिन्हें उनके बेहद ठंडे वातावरण में अपनाया जा सकता है) की जांच करने के लिए 13 अक्टूबर, 2021 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का दौरा किया। समूह ने संस्थान के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी दौरा किया। **प्रो सुधीर कुमार अरोड़ा** ने संस्थान के अन्य संकाय सदस्यों और अधिकारियों के साथ प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की।

जेईई ओपन हाउस

जेईई (उन्नत) के लिए योग्य छात्रों और उनके माता-पिता को आईआईटी में विभिन्न अभियांत्रिकी शाखाओं, विभिन्न कैरियर के अवसरों के बारे में मार्गदर्शन करने और उन्हें आईआईटी प्रणाली को बेहतर ढंग से समझने में मदद करने के उद्देश्य से, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 23 अक्टूबर, 2021 को एक जीवंत जेईई ओपन हाउस की मेजबानी की। इस आभासी आयोजन में **प्रो सुधीर कु जैन**, निदेशक, अकादमिक और छात्र मामलों के अधिष्ठाताओं, छात्र प्रमुख प्रतिनिधियों और संस्थान के पूर्व छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्र शामिल थे। प्रतिभागियों को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में शैक्षणिक पाठ्यक्रम संरचना, विभिन्न अवसरों, गतिविधियों और छात्र जीवन के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।

वैज्ञानिक लेखन में प्रमाणन

वैज्ञानिक लेखन पाठ्यक्रम में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के प्रमाणन को छात्रों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस बार, विभिन्न विषयों के 108 पीएचडी छात्रों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया, जिसका संचालन **प्रो कार्ला मरकाडो-शेखर** (कार्यक्रम समन्वयक) और **डॉ मारिया जोआओ अमांते** (कार्यक्रम सलाहकार) द्वारा किया गया था। इस पहल के बारे में अधिक जानकारी इस https://initiatives.iitgn.ac.in/scientificwriting/ certification/ पर प्राप्त की जा सकती है।

विज्ञान और वैज्ञानिकों पर वार्ता

12 नवंबर, 2021 को, संस्थान ने **प्रो आशुतोष शर्मा**, पूर्व सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर द्वारा 'नई सहस्राब्दी में विज्ञान और वैज्ञानिकों' पर एक वार्ता की मेजबानी की। उन्होंने संस्थान की "ग्रांटोपीडिया" साइट का भी उद्घाटन किया, जो अनुसंधान अनुदान, फंडिंग कॉल, अध्येतावृत्ति, सम्मेलन, उद्योग-अकादमिक भागीदारी आदि के लिए कई अवसरों का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं के लिए एक-स्टॉप गंतव्य है।

विचारों का इतिहास

संस्थान ने 'विचारों का इतिहास' नामक एक नई व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है, जिसका उद्देश्य प्रमुख विचारों के ऐतिहासिक विकास और विज्ञान में मौलिक सफलताओं पर चर्चा करना है। यह उस समय के समुदाय के साथ-साथ व्यापक समाज के प्रभावों और प्रतिक्रियाओं की भी जांच करता है। इस श्रृंखला का पहला संस्करण 20 नवंबर, 2021 को दो वार्ताओं के साथ आयोजित किया गया था: (i) प्रो रविंदर पुरी (भा०प्रौ०सं० गांधीनगर) द्वारा "कॉन्सेप्शन (1900) टू बर्थ (1926) ऑफ क्वांटम मैकेनिक्स" और (ii) "सॉफ्ट मैटर": "विचारों का इतिहास" **प्रो गौतम मेनन** (अशोक विश्वविद्यालय) द्वारा। श्रृंखला का समन्वय **प्रो सुदीप्ता सरकार** द्वारा किया गया।

पुस्तक चर्चा

विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस से पहले, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने 23 नवंबर, 2021 को 'बाघ हमारे भाई हैं: उत्तरपूर्वी भारत में वनजीव संरक्षण व नृविज्ञान' शीर्षक पुस्तक पर एक चर्चा सत्र की मेजबानी की, जो **प्रो अंबिका अय्यादुरई** द्वारा लिखी गई और हाल ही में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित की गई है। **प्रो सरित कुमार चौधरी,** नृविज्ञान के प्राध्यापक, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, वस्तुतः चर्चा के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुए, और **प्रो आलोक कुमार कानूनगो** ने सत्र का संचालन किया।

सीसीएल के साथ सृजनात्मकता अधिगम

सीसीएल-भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने विज्ञान व गणित को सीखने के आनंद को बढ़ावा देने के लिए कई शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की हैं। टीम ने दशहरा से दिवाली के दौरान 20 दिनों तक 20 प्रकार के डीआईवाई घनीय व गणित के कागज़ के लैंप निर्माण के चलचित्रों की श्रृंखला चलाई। सीसीएल 10-13 दिसंबर, 2021 के दौरान गोवा में आयोजित 'भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान मेला' (आईआईएसएफ) के 7 वें संस्करण का हिस्सा था। इसे 14-15 दिसंबर, 2021 और 21-23 दिसंबर, 2021 के दौरान गोवा और नोएडा में नवोदय नेतृत्व संस्थान में जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (टीजीटी) के लिए कला और खेल एकीकृत शिक्षाशास्त्र पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए एक संसाधन एजेंसी के रूप में भी आमंत्रित किया गया था।

उद्योग संबंध 2022

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने मार्च 03, 2022 को गुजरात वाणिज्य व उद्योग चेंबर के सदस्यों के साथ एक उद्योग संबंध बैठक आयोजित की है। जीसीसीआई रासायनिक टास्क फोर्स अध्यक्ष, **श्री श्रेणिक मर्चेंट,** तथा उपाध्यक्ष, **श्री प्रशांत पटेल,** विभिन्न उद्योग सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। बैठक में उद्योग की जरूरतों को समझने और भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में विभिन्न संकाय विशेषज्ञताओं के साथ-साथ परिसर में उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं को जानने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन **प्रो चिण्मय घोरोई** ने किया था।

प्रहरियों का स्थानांतरण

जनवरी 3, 2022 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के संस्थापक निदेशक **प्रो सुधीर कु जैन,** ने संस्थान से अपना कार्यकाल पूरा किया व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर नियुक्त हुए। **प्रो अमित प्रशांत,** सिविल अभियांत्रिकी के प्राध्यापक व संकायाध्यक्ष, शोध व विकास, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर, ने जनवरी 4, 2022 को संस्थान के स्थानापन्न निदेशक के तौर पर कार्यभार संभाला।

ओलंपियाड प्रशिक्षण शिविरों के लिए बीटेक छात्रों का प्रवेश

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान और सूचना पर सबसे पुराने चार अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड के लिए प्रशिक्षण शिविरों हेतु चयनित छात्रों को बीटेक प्रवेश प्रदान करने के लिए अतिरिक्त सीटें सृजित की हैं। बुनियादी पात्रता मानदंड वही है जो जेईई उन्नत रूट के माध्यम से आने वालों के समान है; इसके अलावा, संस्थान ने इस विंडो के माध्यम से छात्रों के चयन और प्रवेश के लिए एक प्रक्रिया स्थापित की है।

आईकेएस 2022

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने जनवरी से अप्रैल 2022 तक अपने अद्वितीय वैकल्पिक पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणालियों (आईकेएस) के छठे संस्करण के हाइब्रिड मोड का परिचय कराया है। इस दौरान भारत और विदेश के लगभग 12 प्रतिष्ठित विद्वानों ने व्याख्यान दिए जिन्हें 'भारत का साहित्य मंच' पर प्रसारित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन **प्रो मिशेल डेनीनो** व **सुश्री माना शाह** ने किया था।

फेज़ 2022

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने स्ट्रेथक्लाइड विवि, यूके के साथ मिलकर जनवरी 6-7, 2022 के दौरान फेज़ 2022 स्वास्थ्य, पर्यावरण, सुरक्षा और शिक्षा के लिए फोटोनिक्स) का तीसरा संस्करण का आयोजन किया गया। फेज़ 2022 ऑप्टिकल सेंसिक व इमेजिंग के ऊपर कई विस्तृत विशेषज्ञ वार्ताओं, प्रयोगशाला दौरों, तथा हेंड्स ऑन व्यावहारिक सत्रों पर एक भारत-यूके का हाइब्रिड मोड का सत्र था। **प्रो अरूप लाल चक्रवर्ती** (भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर) व **डॉ राल्फ बॉयर** (स्ट्रेथक्लाइड विवि) इस कार्यक्रम के संयोजक थे।

इतिहास के विचारों का 2रा संग्रह

29 जनवरी, 2022 को, संस्थान ने 'इतिहास के विचारों' श्रृंखला के दूसरे संस्करण का आयोजन किया, जिसमें दो दिलचस्प वार्ताएँ थीं, जिसका शीर्षक था - 'सापेक्षिता की ओर: आइंस्टीन व उनका कंपास' और 'एल्गोरिथम का इतिहास: सबसे खराब केस व उसके आगे', भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के संकाय **प्रो सुदीप्ता सरकार** और **प्रो नीलधारा मिश्रा** ने क्रमशः इन कार्यक्रमों का संचालन किया था।

भारतीय वैज्ञानिकों की संगोष्ठी श्रृंखला

'भारतीय वैज्ञानिकों पर संगोष्ठी श्रृंखला' का 5वां संस्करण 19 फरवरी, 2022 को आयोजित किया गया था, जिसमें प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिकों - **डॉ बिभा चौधरी** और **प्रो आसिमा चटर्जी** के जीवन और कार्यों पर दो ऑनलाइन वार्ताएं थीं। 'डॉ बिभा चौधरी: दूसरे आसमान का एक सितारा' शीर्षक का पहला सत्र **प्रो श्रुबती गोस्वामी**, सैद्धांतिक भौतिकी संकाय, पीआरएल, अहमदाबाद द्वारा दिया गया था। दूसरे सत्र में, **प्रो शिवप्रिया किरुबाकरण**, सह प्राध्यापक, रसायन विज्ञान, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ने 'एक प्रकृति-प्रेमी प्राकृतिक उत्पाद रसायनज्ञ: प्रो आसिमा चटर्जी' पर एक व्याख्यान दिया। यह संगोष्ठी **प्रो सुदीप्ता सरकार** द्वारा संयोजित की गई थी।

सृजनात्मकता अधिगम केंद्र (सीसीएल) के कार्यक्रम

सीसीएल और अमेरिका भारतीय प्रतिष्ठान (एआईएफ) ने 'स्पार्कल सीरीज' शुरू करने के लिए हाथ मिलाया है; यह देश भर के 200 जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) से कक्षा 11 के लगभग 10,000 विज्ञान ज्योति विद्वानों के लिए एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव शिक्षा कार्यक्रम है। श्रृंखला में विज्ञान और गणित के पाठ्यक्रम विषयों को विभिन्न व्यावहारिक गतिविधियों और अनुभवात्मक शिक्षा के साथ पूर्ण किया गया। सीसीएल ने सर्व शिक्षा अभियान, उत्तर प्रदेश के सहयोग से यूपी के 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा में सुधार के लिए 'क्यूरियोसिटी' नामक कार्यक्रम भी शुरू किया। यह राज्य भर में लगभग 74,600 छात्राओं तक पहुंच रहा है। सीसीएल ने मध्य विद्यालय के विज्ञान को अनुभवात्मक तरीके से पढ़ाने के लिए 100 मॉड्यूल भी विकसित किए हैं। केंद्र ने सर्व शिक्षा अभियान, गुजरात के समर्थन से गुजरात के लगभग 3500 स्कूलों में प्रायोगिक शिक्षा की सुविधा के लिए एसटीईएम बॉक्स भी उपलब्ध कराए हैं।

संविदा कर्मियों को आभार

श्रमिक कल्याण समिति ने **न्यासा**, **भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर** के सहयोग से, निर्माण श्रमिकों के बीच कुल 594 हुडी और जनवरी से मार्च 2022 के बीच सभी संविदा कर्मचारियों को 463 टी-शर्ट वितरित किए। वितरण अभियान संस्था-निर्माण की दिशा में उनके अथक प्रयासों को पहचानने और महामारी के दौरान अथक आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए कृतज्ञता के संकेत के रूप में आयोजित किए गए थे। स्वयंसेवकों ने निर्माण श्रमिक कॉलोनी में मिठाई और फल वितरण अभियान भी चलाया।

स्थायी विकास में माइनर

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में डॉ किरण सी पटेल स्थायी विकास केंद्र, एक अंतःविषय 'स्थायी विकास में माइनर' शुरू कर रहा है। इस माइनर को आगे बढ़ाने के इच्छुक छात्रों को चयनित पाठ्यक्रमों की सूची से छह पाठ्यक्रम लेने की आवश्यकता होती है (अधिमानतः तीन अलग-अलग क्षेत्रों से प्रत्येक में से एक)। उन्हें एक परियोजना-आधारित पाठ्यक्रम लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। छात्र स्थिरता से संबंधित अनुमोदित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की सूची से अधिकतम चार क्रेडिट भी ले सकते हैं। स्थिरता के अंतःविषय चरित्र को देखते हुए, पाठ्यक्रम में जल, ऊर्जा, पर्यावरण/जैव विविधता/पृथ्वी प्रणाली, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र शामिल हैं।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में भा॰प्रौ॰सं॰ रुड़की पूर्व छात्रों की आउटरीच गतिविधि

स्थापना के 175 वर्ष (1847-2022) को चिह्नित करने के लिए वर्ष भर चलने वाले उत्सव के एक भाग के रूप में, भा॰प्रौ॰सं॰ रुड़की संस्थान ने 27 मार्च, 2022 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अपने पश्चिम क्षेत्र के पूर्व छात्रों के आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम, जिसमें कई गणमान्य व्यक्ति और भा॰प्रौ॰सं॰ रुड़की के वरिष्ठ पूर्व छात्र शामिल थे, सभी पूर्व छात्रों तक पहुंचने और उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने और आम बंधनों को मजबूत करने का एक प्रयास था। **प्रो अजीत कुमार चतुर्वेदी**, निदेशक, भा॰प्रौ॰सं॰ रुड़की ने गुजरात में संस्थान के वरिष्ठ पूर्व छात्रों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया, जिन्होंने स्नातक के 50 वर्ष पूरे कर लिए थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

देशभक्ति के जोश को ऊंचा रखते हुए और कोविड-19 के लिए निवारक उपायों का पालन करते हुए, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के समुदाय ने स्वतंत्रता दिवस 2021 को हाइब्रिड मोड में न्यूनतम शारीरिक सभा लेकिन ऑनलाइन भागीदारी के माध्यम से बड़े उत्साह के साथ मनाया। संस्थान और उसके छात्र समुदाय ने 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कई दिलचस्प कार्यक्रमों की मेजबानी की, जिसमें संस्थान के यूट्यूब चैनल पर कार्यक्रम के लाइव वेबकास्ट के साथ ध्वजारोहण समारोह, स्टैंप डिजाइनिंग प्रतियोगिता, स्पोकन वर्ड प्रतियोगिता, स्वतंत्रता दिवस प्रश्नोत्तरी, शीर्षासन चैलेंज, फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 और रंगमंच में सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं।

छात्र पाठ्येतर गतिविधियां

सांस्कृतिक परिषद्

क्विज़िंग सोसाइटी ने 22 अप्रैल, 2021 को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और एक पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया और 6 जून, 2021 को 'मेलास क्विज़' भी आयोजित किया। रंगमंच का तीसरा संस्करण 25 अप्रैल, 2021 को छात्रों द्वारा संगीत और कविता प्रदर्शन के साथ आयोजित किया गया था। सांस्कृतिक परिषद् ने 22 मई से 13 जून, 2021 के बीच बहुखिलाड़ी ऑनलाइन गेमिंग कार्यक्रम 'वालो लीग' का आयोजन किया। पैलेट क्लब ने 16-23 मई, 2021 के दौरान लोकप्रिय कलाकृति को फिर से बनाने के लिए एक कला प्रतियोगिता 'रीक्रिएट इट!' का आयोजन किया। लिटरेरी सोसाइटी ने 1-15 जून, 2021 से अंतरराष्ट्रीय गौरव माह मनाने के लिए साहित्य और कला प्रतियोगिता 'क्वीरेंटाइन' का आयोजन किया।

सांस्कृतिक परिषद् ने जुलाई 12 -30, 2021 के बीच "टीका जागरुकता" पर एक लघु वीडियो निर्माण प्रतियोगिता 'इंसपायरएकलिप्स' आयोजत किया; जुलाई 26-27, 2021 के बीच पैलेट क्लब द्वारा 'ड्रॉसौरस', नामक एक ऑनलाइन स्क्रिबल प्रतियोगिता का आयोजन; जुलाई 25, 2021 को सिनेमाथेक क्लब द्वारा 'बैटल ऑफ क्विज़ार्ड', एक मनोरंजन आधारित प्रश्नोत्तरी; तथा जन्माष्टमी के अवसर पर अगस्त 30, 2021 को 'मटकी फोड़ प्रतियोगिता' आयोजित किया गया।

सांस्कृतिक परिषद् ने इस तिमाही कई गतिविधियां आयोजित की हैं जिसमें, 'फिन-ए-क्विज़', एक वित्त प्रश्नोत्तरी, अक्टूबर 08, 2021; 'टेकनोविज़' (तकनीकी परिषद् के सहयोग से), अक्टूबर 24, 2021; तथा अभिनय- नाटक क्लब द्वारा संयोजित एक डरावना वीडियो-निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त परिषद् ने 28 नवम्बर से 14 नवम्बर, 2021 तक "आईआईटीजीएनज गॉट टैलेंट" (आईजीटी) का भी आयोजन किया जिसमें रचनात्मक अभिव्यक्तियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

तकनीकी परिषद्

तकनीकी परिषद् ने कई कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें 17 अप्रैल, 2021 को प्रेपबाइट्स की सह-संस्थापक, **सुश्री ममता कुमारी** द्वारा एक प्रतिस्पर्धी कोडिंग और प्लेसमेंट कार्यशाला-सह-वेबिनार 'प्रेपबाइट्स'; 'भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर ड्रोन सोसाइटी को फिर से शुरू करना'- 18 अप्रैल, 2021 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पूर्व छात्र **श्री अजय कुमार उचनिया** द्वारा आठ ऑनलाइन व्याख्यानों की एक श्रृंखला; 'थ्राइविंग इन योर रिसर्च जर्नी' - 22 मई, 2021 को **प्रो हिमांशु शेखर** की एक वार्ता; मीन मैकेनिक्स क्लब द्वारा 23 मई, 2021 को 'मशीन अधिगम कार्यशाला'; 13 जून, 2021 से प्रति वैकल्पिक रविवार को शुरू हुए टिंकरर्स लैब द्वारा 'आरओएस (रोबोट ऑपरेटिंग सिस्टम) कार्यशाला'; 'वन मंथ ऑफ यूनिटी चैलेंज' - डिजीआईएस क्लब द्वारा 14 जून, 2021 से एक महीने तक चलने वाली गेम डिजाइन और विकास प्रतियोगिता; और बीटेक के प्रथम वर्ष के छात्र **गोवर्धन इंगले** द्वारा 'द समर सोलस्टाइस' - ओडिसी क्लब के तहत एक एस्ट्रो-टॉक सीरीज़ - 23 जून, 2021, शामिल हैं।

तकनीकी परिषद् द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में 'शेयरिंग माई यूएस पेटेंट जर्नी', **प्रो उत्तमा लाहिड़ी** द्वारा 24 जुलाई, 2021 को एक वार्ता; भारत साइबर सुरक्षा समाधान (आईसीएसएस) द्वारा 7 और 8 अगस्त, 2021 को 'साइबर सुरक्षा' पर दो दिवसीय परिचयात्मक कार्यशाला; 12 अगस्त, 2021 को अनुसंधान सोसाइटी, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर द्वारा यूजी और पीजी छात्रों के लिए 'मैटलैब की मूल बातों' पर एक कार्यशाला; 21 अगस्त, 2021 को डब्ल्यूएसयू में सहायक प्राध्यापक, **प्रो अनामिका दुबे** द्वारा 'रिसर्च 101' शीर्षक से एक वार्ता; कोडिंग क्लब द्वारा 6 सितंबर, 2021 को 'यूजिंग गिट एंड गिटहब फॉर प्रोजेक्ट्स' पर एक कार्यशाला शामिल हैं। परिषद ने 24 सितंबर, 2021 को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की छात्र संचालित वार्षिक कैंपस पत्रिका टॉर्क 3.0 जारी किया। 28-29 अगस्त, 2021 को भा॰प्रौ॰सं॰ रुड़की द्वारा आयोजित अंतर भा॰प्रौ॰सं॰ सीटीएफ (कैप्चर द फ्लैग) कार्यक्रम में **दिशांक गोयल** (सीएसई के बीटेक छात्र) को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

उड़ान 2021

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के सबसे बहुप्रतीक्षित कार्यक्रमों में से एक, 'उड़ान' - 17 जुलाई, 2021 को बड़े उत्साह के बीच आयोजित किया गया था। दसवें बीटेक, नौवें एमटेक, सातवें एमएससी, छठे एमए बैच और पीएचडी छात्रों के आठवें सेट को अलविदा कहने के लिए छात्र और संकाय सदस्य ऑनलाइन रूप से एकत्र हुए। प्रतिभागियों ने वर्षों से एक साथ बिताए पलों, विशेष रूप से वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बीच बिताए गए अपने समय को याद किया।

ब्लिथक्रॉन 2022
भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों ने 19 से 20 मार्च, 2022 तक ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रमों के साथ हाईब्रिड मोड में संस्थान के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'ब्लिथक्रॉन' 22 का आयोजन किया। इस आयोजन में देश भर के आईआईटी, एनआईटी और कई निजी संस्थानों के 1500 से अधिक छात्रों के पंजीकरण प्राप्त हुए। दो दिवसीय हाइब्रिड मेला के अंतिम दिन **वाइस** व **वर्च्यू** द्वारा ईडीएम और डीजे रात तथा निर्माता **तेजस** के साथ उत्साहजनक समाप्ति हुई।

अमल्थिया 2021
भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों ने 9-12 दिसंबर, 2021 के दौरान अमल्थिया के 12वें संस्करण का आयोजन किया जिसका विषय था - "मस्तिष्क का एकीकरण, बढ़ती हुई संवेदनशीलता"। संस्थान का वार्षिक छात्र संचालित तकनीकी महोत्सव वास्तव में उत्साहवर्धक घटनाओं, प्रतियोगिताओं, वेबसाइटों, संगोष्ठियों और तकनीक एक्सपो के साथ आयोजित किया गया था। इस बार के प्रतिष्ठित वक्ताओं में, **श्री अमित कौशिक,** प्रकोष्ठ प्रमुख, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन; **श्री जे डी पाटिल,** होलटाइम निदेशक, एल एंड टी, सुरक्षा व स्मार्ट प्रौद्योगिकी" **श्री किर्क बोर्न,** मुख्य विज्ञान अधिकारी, डेटाप्राइम; तथा **सुश्री मितिका वाजपई,** स्थिरता प्रबंधक, रिलायंस उद्योग, शामिल थे।

आइस क्रीम सोशल
चूंकि कोविड-19 की स्थिति में सुधार होना शुरू हो गया है, भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की **छात्र मामले** टीम ने 4 मार्च, 2022 को पूरे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय के लिए आइसक्रीम (आइसक्रीम सोशल) पर एक अनौपचारिक सामाजिक सभा आयोजित की। इस आयोजन के साथ, संस्थान ने अपने सभी सदस्यों को हार्दिक धन्यवाद दिया जिन्होंने विभिन्न स्तरों पर अथक परिश्रम किया और महामारी के दौरान अद्वितीय ऊर्जा और प्रतिबद्धता दिखाई।

स्प्रिंग कार्नेशंस
26 मार्च, 2022 को **सांस्कृतिक परिषद्** ने 'स्प्रिंग कार्नेशंस' का आयोजन किया, जो बहुप्रतीक्षित 'विंटर कार्नेशंस' का पुनर्जन्म है। इस वर्ष के उत्सव की विषयवस्तु 'नॉस्टेल्जियाः फिर से वह दिन जी लें' रही तथा इसमें **सरगम क्लब** द्वारा जीवंत संगीत प्रदर्शन के साथ स्वादिष्ट भोजन, ताज़गी से भरे ड्रिंक्स, और मज़ेदार खेल रखे गए थे।

सांस्कृतिक परिषद्
सांस्कृतिक परिषद् द्वारा कुछ रोमांचक उत्सवों का आयोजन किया गया जिसमें, जनवरी 26, 2022 को गणतंत्र दिवस प्रश्नोत्तरी; फरवरी 5-6, 2022 **स्टेप अप क्लब** का आभासी नृत्य रील-निर्माण प्रतियोगिता; फरवरी 27-28, 2022 को **16 पिक्सल्स क्लब** का एक चित्र निर्माण कार्यशाला व प्रदर्शनी; मार्च 12, 2022 को **ओरेंडा क्लब** द्वारा प्रथम भारतीय ट्रांसमैन विमान-चालक एडम हैरी की यात्रा पर एक वार्ता; तथा मार्च 19, 2022 को ब्लिथक्रॉन' 22 के दौरान **सरगम क्लब** की एक जैमिंग रात शामिल थे, जिसमें छात्रों द्वारा कई गायन, नृत्य और बीटबॉक्सिंग जैसे आयोजन भी रखे गए थे।

खेल गतिविधियां

योग सत्र
संस्थान ने 21 जून, 2021 को **श्री आर एल शर्मा** और **सुश्री भारती मकवाना** द्वारा निर्देशित योग सत्र के साथ 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। शारीरिक शिक्षा (पीई) अनुभाग भी **सुश्री भारती मकवाना** और **सुश्री तुलसा पुजारी** द्वारा परिसर समुदाय के लिए ऑफ़लाइन और ऑनलाइन योग सत्र आयोजित कर रहा है।

स्वस्थता कार्यक्रम
समुदाय के सदस्यों की समग्र फिटनेस में सुधार के लक्ष्य के साथ, पीई अनुभाग ने **सुश्री पायल वानिया** द्वारा ऑनलाइन एरोबिक्स कक्षाएं और ध्यान कक्षाएं शुरू कीं, **श्री हर्ष मेहताब** द्वारा ऑनलाइन वजन घटाने का कार्यक्रम, **श्री राहुल गुप्ता** द्वारा ऑनलाइन कोर व्यायाम कार्यक्रम, ऑफ़लाइन थीम-आधारित **श्री रत्नेश सिंह** द्वारा कार्यक्रम '20 सप्ताह 10 थीम', और **श्री अमन चौधरी** द्वारा ऑफ़लाइन ताइक्वांडो सत्र आयोजित किए गए।

खुला व्यायामशाला सत्र
पीई अनुभाग ने कोविड-19 से बचाव के तरीकों के साथ छात्रों के लिए खुली व्यायामशाला आरंभ की। सुबह के सत्र **श्री अमित कुमार मिश्रा** व **श्री दिनेश परमार,** तथा सांयकाल के सत्र **श्री हर्ष मेहता** द्वारा चलाए जाते थे।

ऑफलाइन रूप से कुछ खेलों का पुनःआरंभ
पीई अनुभाग ने कोविड से संबंधित सभी सुरक्षा सावधानियों के साथ ऑफलाइन मोड में छात्रों के लिए क्रिकेट और फुटबॉल सत्रों को फिर से शुरू किया। **श्री रत्नेश सिंह,** ने क्रिकेट तथा **श्री दिनेश परमार** ने फुटबॉल के सत्रों में अपना मार्गदर्शन दिया।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की छात्रा का चयन जिला फुटबॉल टीम में

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में बीटेक की छात्रा **सानिया पटवर्धन** को अंतर-जिला टूर्नामेंट के लिए गांधीनगर जिला फुटबॉल संघ की वरिष्ठ महिला टीम में मुख्य गोलकीपर के रूप में चुना गया था।

ग्रीष्मकालीन चैंपियनशिप

शारीरिक शिक्षा अनुभाग ने जून 28 – जुलाई 31, 2021 के बीच आभासी रूप में ग्रीष्मकालीन चैंपियनशिप आयोजित किया। इसके लिए छात्र समुदाय को चार समूहों में विभाजित कर दिया गयाः आकाश, अग्नि, नाग, व पृथ्वी। हर सप्ताह प्रतिभागियों ने कई फिटनेस अभ्यासों को अंजाम देकर एक-दूसरे के बीच प्रतिस्पर्धा की और साथ ही चैम्पियनशिप ने विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से शतरंज टूर्नामेंट, दौड़ चुनौती और खेल प्रश्नोत्तरी जैसी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत की स्मृति दौड़

शारीरिक शिक्षा अनुभाग ने 31 दिसंबर, 2021 को रक्षा स्टाफ प्रमुख **बिपिन रावत** की स्मृति में 3 किमी दौड़ का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य दिवंगत आत्मा का सम्मान करना और उन्हें श्रद्धांजलि देना था। अनेक समुदाय सदस्यों ने इस आयोजन में सभी सुरक्षा सावधानियों के साथ भाग लिया।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में श्री देवेंद्र झाझरिया

प्रसिद्ध भारतीय पैरालिंपिक जैवेलिन थ्रोअर **श्री देवेंद्र झाझरिया** दिसंबर 30, 2021 को एफपी खेल 2021 के समापन समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर आए थे। **श्री झाझरिया** ने छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें खेलों को उनकी दिनचर्या का आवश्यक हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने क्रमशः टीम आकाश और टीम पृथ्वी को चैंपियन और रनर-अप ट्रॉफी भी प्रदान की। श्री झाझरिया ने छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें खेलों को उनकी दिनचर्या का आवश्यक हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

हल्ला बोल 2021

छात्रों द्वारा संचालित एक वार्षिक खेल हल्ला बोल का आयोजन 14 से 26 अक्टूबर, 2021 तक किया गया और इसमें संस्थान के 750 से अधिक समुदाय सदस्यों ने भाग लिया। 13 दिनों तक चलने वाली गतिविधियों के दौरान छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की टीमों ने साथ मिलकर कुल दस खेलों में हिस्सा लिया। यह आयोजन समुदाय के सदस्यों के बीच स्वस्थ बातचीत और पारस्परिक संबंधों को पोषित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

दिशा कप का 6ठा संस्करण

संस्थान के **शारीरिक शिक्षा अनुभाग** ने 11-13 मार्च, 2022 तक अपने आउटसोर्स कार्यबल के लिए वार्षिक क्रिकेट टूर्नामेंट - दिशा कप के छठे संस्करण का आयोजन किया। इस बार संस्थान ने वॉलीबॉल भी प्रतियोगिता में रखा था। संस्थान के कुल 220 सहायक कर्मचारी जिनमें सुरक्षा गार्ड, देखरेख कर्मचारी, भोजनालय कर्मचारी, कार्यालय कर्मचारी, हाउसकीपिंग स्टाफ, वाहन चालक, बागवान स्टाफ, ग्राउंड्स, और दुकान कर्मचारी शामिल हैं।

बीट दि वॉर्डन चुनौती

गणतंत्र दिवस के अवसर पर **शारीरिक शिक्षा अनुभाग** ने 'बीट दि वॉर्डन' नामक एक दौड़ चुनौती आयोजित किया। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के समुदाय सदस्यों ने छात्रावास वॉर्डन **प्रो चंदन कुमार मिश्रा** को 5 किमी की दौड़ में परास्त करने के लिए उत्साहपूर्वक रूप से हिस्सा लिया।

अंतर विद्यालय खेल लीग

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय के लिए विभिन्न खेल लीग आयोजित करने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, **खेल परिषद्** ने मार्च 14 – अप्रैल 03, 2022 के दौरान खेलों की एक श्रंखला आयोजित की जिसमें क्रिकेट कॉम्बेट लीग, लीग ऑफ फुटबॉल प्लेयर, बैडमिंटन सुपर लीग, श्रीजा मेमोरियल लीग, एटीएचई लीग, अंतर संस्थान टेबल टेनिस लीग, तथा एक बास्केटबाल लीग शामिल है।

स्टाफ गतिविधियां

स्ट्राइड्स 5.0

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर स्टाफ व उनके परिवार के सदस्यों के लिए अक्टूबर 23, 2021 को 'स्ट्राइड्स' का 5वां संस्करण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक स्टाफ सदस्य को अपने-अपने गुण, कौशल, पसंद व रुचि को पहचानना है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के स्टाफ सदस्यों ने अपने नृत्य, गायन व कविता प्रदर्शनों से शाम रौशन कर दी।

स्टाफ विकास प्रकोष्ठ द्वारा सत्रों की एक श्रंखला

एसडीसी ने संस्थान के स्टाफ सदस्यों के विकास के लिए विभिन्न आयोजन/सत्र आयोजित किए। इन गतिविधियों में लगातार चलने वाला जाना-माना कार्यक्रम "अपने मस्तिष्क को विचार और उंगलियों को टाइप करने दो" और विशिष्ट व्यावसायिक आकांक्षाओं व तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार केंद्रित प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की गईं। स्टाफ सदस्यों ने लिंक्डइन के व्यावसायिक कौशल विकास पाठ्यक्रम के अतिरिक्त कुछ मूल कार्यशालाओं में भाग लिया, जैसे वर्ड, एक्सेल, टेली व लेखन/संचार। एक नए तरह के प्रयास के रूप में बाह्य स्रोतों से सीखने वाले स्टाफ सदस्यों ने "लर्न-सिंप्लीफाई-शेयर" के तहत अन्य स्टाफ सदस्यों को सीखने में मदद की जिससे पहले के मुकाबले अधिक से अधिक लोगों को लाभ हो सके।

बाह्य कर्मचारियों के लिए ईएसआईसी कार्यशाला

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में बाह्य कर्मचारी आउटरीच कार्यक्रम समिति ने 4 दिसंबर, 2021 को हाउसकीपिंग स्टाफ, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट स्टाफ, बागवानी स्टाफ, रखरखाव स्टाफ, ऑफिस बॉयज, पर्यवेक्षक और छात्रावास केयरटेकर्स सहित संस्थान के बाह्य कर्मचारियों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिससे उन्हें ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) के लाभों और इसका लाभ उठाने के लिए उचित प्रक्रियाओं से अवगत किया जा सके।

आगमन

स्टाफ विकास प्रकोष्ठ (एसडीसी) ने "आगमन", नए स्टाफ सदस्यों का एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन जुलाई 2-3, 2021 के बीच किया। इस कार्यक्रम में नए कर्मचारियों के स्वागत के साथ उन्हें संस्थान की संस्कृति एवं कार्यकलापों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन **श्री सौमिल शाह** द्वारा किया गया था।

स्टाफ प्रशिक्षण

- **सुश्री भावना धाराणी**, कनिष्ठ लेखाकार ने 16 मई से 3 जुलाई, 2021 तक भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान, नई दिल्ली द्वारा लोक वित्त और सरकारी लेखांकन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया।
- **सुश्री मीना जोशी**, सहायक कुलसचिव ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा जून 14 से 11 जुलाई, 2021 तक आयोजित 'विश्वविद्यालयों/केन्द्रीय संस्थानों के प्रशासनिक अधिकारियों के लिए शैक्षणिक प्रशासन' पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया।
- अधीक्षक, **श्री गौरव शुक्ला** ने 25 जून, 2021 को यूडेमी, इंक. द्वारा आयोजित एडोब इलस्ट्रेटर सीसी-अनिवार्यताओं पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण पूरा किया।
- **श्री आर बी भगत** ने अरूण जेटली राष्ट्रीय वित्त प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद द्वारा सितंबर 27-29, 2021 के दौरान "मध्यस्थता" पर ऑनलाइन प्रबंधन विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

बाहरी पहुंच

- **प्रो सुधीर कु जैन** को शिक्षा और संस्थागत प्रबंधन के क्षेत्रों में अपने विचारों को साझा करने के लिए विभिन्न संगठनों और मंचों द्वारा आमंत्रित किया गया था। 14 अप्रैल, 2021 को, उन्हें शिक्षा 4.0: बी.डब्ल्यू. शिक्षा द्वारा एक वेबिनार में उद्योग साझेदारी और पाठ्यक्रम की भूमिका पर चर्चा करने के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- **प्रो सुधीर कु जैन** ने जून 10, 2021 को चेन्नई में सीएसआईआर संरचनात्मक अभियांत्रिकी अनुसंधान केंद्र (एसईआरसी) के 57वें स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो जी एस रामास्वामी स्मारक व्याख्यान दिया।
- **प्रो सुधीर कु जैन** ने 16 जून, 2021 को श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर में 5वां विक्रम साराभाई स्मृति व्याख्यान दिया।
- अहमदाबाद प्रबंधन संगठन ने **प्रो सुधीर कु जैन** को जून 22, 2021 को उनकी एक वेबीनार श्रृंखला 'प्रबंधन के माध्यम से कल्याण' के एक हिस्से के रूप में, 'परिसर में कोविड-19 का प्रबंधन: शैक्षणिक संस्थानों के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के नवीनतम अभ्यास व अधिगम' पर एक व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया।
- **प्रो सुधीर कु जैन,** निदेशक ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के विज़न और शिक्षा पर अपने विचारों को कई मंचों पर साझा किया। संरचनात्मक भारतीय अभियंता संगठन (आईएएसट्रक्ट) द्वारा उन्हें 10 जुलाई, 2021 को सम्मानित किए जाने पर उन्होंने एक कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- **प्रो सुधीर कु जैन** ने अगस्त 14, 2021 को हड़प्पा शिक्षा द्वारा आयोजित 'भारत में रोजगारपरक अंतर को समाप्त करने के लिए रोडमैप' पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया।
- अगस्त 19, 2021 को, **प्रो सुधीर कु जैन** ने हड़प्पा शिक्षा द्वारा आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया, जो 'हड़प्पा ब्रिज' श्रृंखला के तहत 'क्या अंत:शिक्षुता कारगर है?' विषय पर आधारित थी।
- **प्रो सुधीर कु जैन** सितंबर 4, 2021 को जयपुर स्थित जेके लक्ष्मीपत विवि गए व वहां के संकाय सदस्यों के साथ 'संस्थान निर्माण' पर चर्चा की।
- **प्रो सुधीर कु जैन,** ने प्रो अभय करंदीकर (भा०प्रौ०सं० कानपुर), प्रो वी रामगोपाल राव (भा०प्रौ०सं० दिल्ली), और प्रो के एन सत्यनारायण (भा०प्रौ०सं० तिरुपति) के साथ, पैन आईआईटी ग्लोबल वर्चुअल टेक्नोलॉजी समिट 2021 में **' भा०प्रौ०सं० गियरिंग अप फॉर न्यू वर्ल्ड'** पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया। इस सत्र का संचालन श्री राज नायर, अध्यक्ष, एवेलॉन परामर्श ने किया।
- **प्रो सुधीर कु जैन** ने 26 सितंबर, 2021 को 'आगामी अकादमिक संस्थान पैनल' पर **साइआरओआई** (भारत में विज्ञान और अनुसंधान के अवसर) द्वारा आयोजित एक अन्य आभासी पैनल चर्चा में भी भाग लिया।
- 07 मार्च, 2022 को गुजरात जैवप्रौद्योगिकी शोध केंद्र (जीबीआरसी) द्वारा आयोजित "बेसिक बायोइनफॉरमैटिक्स" प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के लिए स्थानापन्न निदेशक, **प्रो अमित प्रशांत** को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

परिसर

परिसर विकास

निर्माण संबंधी अद्यतन

6 नए छात्रावास ब्लॉकों, 2 बीएचके आवास, खुली रंगशाला, निदेशक आवास, अनुसंधान पार्क और नए सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) और खेल परिसर का निर्माण पूरा हो गया है। कोविड-19 महामारी के कारण अकादमिक 1बी का निर्माण और बाहरी विकास कार्य बाधित हुए हैं। प्रवेश कोर्ट और टेनिस कोर्ट का निर्माण शुरू हो गया है।

हराभरा परिसर

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर अपने समुदाय को नए छात्रों के लिए फाउंडेशन कार्यक्रम, विश्व पर्यावरण दिवस और पृथ्वी दिवस, सफाई और पौधारोपण अभियान जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से परिसर को हरित और स्वच्छ रखने के लिए प्रोत्साहित करता है।

हरित कार्यालय समिति और विद्यार्थी ग्रीन क्लब अपशिष्ट प्रबंधन, पृथक्करण और खाद्य अपशिष्ट के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न सत्रों और कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के समुदाय और निर्माण श्रमिकों के लिए मासिक स्वच्छता सत्र भी आयोजित किए जाते हैं।

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने 1-15 सितंबर, 2021 के दौरान "स्वच्छता पखवाड़ा" मनाया। परिसर में वाहन-मुक्त दिवस, अपशिष्ट पृथक्करण के लिए सर्वश्रेष्ठ छात्रावास के लिए एक प्रतियोगिता, सीवेज उपचार संयंत्र और जल उपचार संयंत्र का दौरा, पर्यावरण और अपशिष्ट प्रबंधन विषयों पर एक चित्रकारी और निबंध प्रतियोगिता सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे ई-अपशिष्ट संग्रह अभियान, खाद्य अपशिष्ट और पुनर्चक्रण योग्य कचरे पर एक सत्र, परिसर और आसपास के गांवों में प्लॉगिंग सत्र, हाउसकीपिंग स्टाफ, कार्यालय परिचारकों और निर्माण श्रमिकों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन सत्र। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में सामुदायिक भागीदारी देखी गई।

स्टूडेंट ग्रीन क्लब ने एक खेल "कैप्टन कचरा" का निर्माण किया है, जहां कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है और अपशिष्ट पृथक्करण के बारे में सही उत्तर देकर पुरस्कार जीत सकता है। यह अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद करता है। छात्र परिषद ने छात्रावासों के बीच ऊर्जा बचत प्रतियोगिताएं भी आयोजित की हैं।

संस्थान द्वारा स्थापित जैविक कृषि समिति फलों और सब्जियों के पौधारोपण के लिए अपने विचार अपने परिसर में लागू करती है। परिसर के कई निवासी जैविक कृषि टीम के सुनियोजित प्रयासों के कारण घरेलू शैली के अचार का आनंद उठा रहे हैं।

हरित पद्धतियों में योगदान जारी रखने वाले कुछ अवसंरचनात्मक परिसंपत्तियों और पहलुओं में सावधानीपूर्वक नियोजित स्थापना, पर्यावरण अनुकूल सीवेज शोधन संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणाली, बायोगैस और कंपोस्टिंग प्रणाली, जलरहित मूत्र में निर्माण शामिल हैं।

¬ अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक, संस्थान ने 7,69,285 केडब्ल्यूएच

सौर ऊर्जा का उत्पादन किया, जो उस अवधि के दौरान परिसर की कुल विद्युत खपत का 9 प्रतिशत है।

- 2021 में, जल मंडपों में कुल 1.25 करोड़ लीटर (2) वर्षा जल संचयन किया गया था।
- अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक, 82,800 किग्रा. खाद बागवानी के लिए सप्लाई की गई थी, जिसे ऑन-कैंपस बायोगैस प्लांट और कम्पोस्ट पिट के माध्यम से जैविक कचरे से बनाया गया था।

परिसर अनुभव

परिसर में कैफेटेरिया और खाद्य आउटलेट, एक सामान्य भंडार, एक सलून, लॉड्री सेवा, एक व्यायामशाला, खेल मैदान, एक खेल परिसर और अन्य सुविधाओं का उपयोग किया जाता है। अब केंद्रीय तोरणिका भी चालू है और वहां संस्थान चिकित्सा केंद्र भी जा चुका है। परिसर में किसी भी आपात स्थिति के लिए चौबीसों घंटे एम्बुलेंस उपलब्ध रहती है। केंद्रीय तोरणिका में स्थित परिसर का डाकघर भी अब कार्यरत है। अतिथि गृह अब सुचारु रूप से कार्य कर रहा है और इसमें 71 अतिथि कक्ष हैं जिनमें 2 कमरे विशेष रूप से गतिशीलता परेशानियों वाले व्यक्तियों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, इसके अतिरिक्त इसमें 12 अतिथि सुईट, एक 80 लोगों के बैठने की व्यवस्था वाला सम्मेलन कक्ष, और दो 50-कुर्सी वाले बैठक कक्ष शामिल हैं। खेल परिसर भी अब प्रचालनरत है और इसमें एक बैडमिंटन कोर्ट, एक बास्केटबॉल कोर्ट, एक व्यायामशाला, योगशाला, एक वॉलीबॉल कोर्ट, एक और क्लाइमबिंग दीवार है।

परिसर में कमीशंड नए भवन

परिसर के विकास में अतिथि गृह, केंद्रीय तोरणिका, खुली रंगशाला, विभिन्न आकार के अपार्टमेंट (11 बीएचके , 2 बीएचके और स्टूडियो), तथा कुछ नए छात्रावास ब्लाक्स की निर्माण प्रगति जारी रही। बैंक और चिकित्सा केन्द्र ने केन्द्रीय तोरणिका में अपने नए स्थान से परिचालन शुरू कर दिया है।

परिसर में कला

परिसर के अनुभव को और अधिक बढ़ाने के लिए, इसकी सुंदरता में वृद्धि करने और शैक्षणिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए, भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने एक महत्वाकांक्षी "परिसर में कला" परियोजना शुरू की है, जो परिसर के आसपास कला प्रतिष्ठानों पर केंद्रित है। संस्थान ने इस परियोजना के लिए एक गतिशील दीर्घकालिक मास्टर प्लान विकसित करने के लिए एक बाहरी परामर्शदाता को नियुक्त किया है, जिसका उद्देश्य भवनों, सामाजिक सेटिंग्स और उनके आसपास के वातावरण के बीच संबंध स्थापित करना है।

परिसर में डाकघर

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर परिसर के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण फीचर को शामिल करते हुए, डाक विभाग ने समुदाय को विभिन्न डाक और अन्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 29 अक्टूबर, 2021 से संस्थान परिसर में एक उप-डाकघर की स्थापना की है। मेल / डाक की तीव्र सुपुर्दगी को सुकर बनाने के लिए संस्थान को 382055 का एक विशेष पिन कोड भी आबंटित किया गया है।

मेकर भवन

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में मेकर भवन संस्थान में शैक्षणिक कार्यक्रमों के भीतर सक्रिय शिक्षण दृष्टिकोण अपनाकर निर्माण की भावना को बढ़ावा देता है। यह सक्रिय शिक्षण केंद्रित कार्यक्रम, शैक्षणिक पाठ्यक्रम, भुगतान सेवाएं और एक स्टार्ट-अप उद्योग सहभागिता सुविधा प्रदान करता है। यह अत्याधुनिक संसाधनों जैसे उन्नत 3डी प्रिंटिंग एफडीएम और एसएलए प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटर-नियंत्रित मिलिंग, लेजर कटर, फॉर्म बॉक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोटोटाइप और इंटरैक्टिव डिजाइन लाउंज से सुसज्जित है। यह एक सहयोगात्मक मेकर स्पेस है जहां छात्र सोच सकते हैं, डिजाइन कर सकते हैं और वास्तविक कार्यात्मक प्रोटोटाइप/उत्पादों में विचारों पर कार्य कर सकते हैं। छात्रों ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान पूर्ण सत्र परियोजना पाठ्यक्रमों को चुना है। यह भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में मेकर स्पेस सुविधा तक पहुंचने के लिए स्टार्ट-अप/उद्योग की सदस्यता भी प्रदान करता है। इस सुविधा का उद्घाटन 9 अप्रैल 2022 को डॉ हेमंत कनकिया, कैलिफोर्निया आधारित धर्मार्थ मेकर भवन प्रतिष्ठान के संस्थापक और भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के निदेशक प्रो. अमित प्रशांत ने किया।

टिंकरर प्रयोगशाला

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर ने कक्षा के भीतर और बाहर परियोजना आधारित सक्रिय शिक्षा पर जोर दिया है। इस विज़न को जारी रखते हुए, टिंकरर प्रयोगशाला समूचे भा०प्रौ०सं० गांधीनगर समुदाय के लिए अपनी रचनात्मकता को उत्पादक, सार्थक और प्रणालीगत साइलो को हटाने के लिए एक कार्यक्षेत्र प्रदान करता है। इस प्रक्रिया में छात्र डिजाइन-संचालित और प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचारों में लगे हुए हैं। प्रयोगशाला छात्रों के लिए स्वतंत्र रूप से प्रयोग करने और अवधारणाओं और विचारों को मूर्त इंजीनियरिंग उत्पादों में बदलने के लिए दोहरी एक्सट्रूज़न 3 डी प्रिंटर, लेजर कटिंग और उत्कीर्णन मशीन, विनाइल कटर और पीसीबी मिलिंग मशीन के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और शिल्प घटकों सहित उच्च अंत मशीनों से लैस है।

पिछले वर्ष में, हालांकि कोविड-19 महामारी के कारण कई ऑफलाइन गतिविधियां प्रभावित हुई थीं, हम अपने सक्रिय शिक्षण प्रतिमान को ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित करने में सक्षम थे। पहले वर्ष के छात्रों की जिज्ञासा बढ़ाने के लिए, हमने एक माइक्रोप्रोसेसर सहित हार्डवेयर किट्स और विशिष्ट समस्या विवरणों वाले विभिन्न सेंसर भेजे हैं। रोबोटिक्स के क्षेत्र में कौशल प्राप्त करने के लिए हमने आरओएस (रोबोट ऑपरेटिंग सिस्टम) पर एक कार्यशाला भी आयोजित की। कार्यशाला में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के बाहर के प्रतिभागियों के साथ-साथ इसरो के प्रतिभागियों ने भी भाग लिया। अगले वर्ष टिंकरर प्रयोगशाला का उद्देश्य पूर्व छात्रों की उपलब्धियों का प्रलेखन करने के लिए एक परियोजना निक्षेपागार का निर्माण करना और नए छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। हमने अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध सामग्रियों की एक ऑनलाइन सूची

भी स्थापित की है, जो समुदाय के लिए किसी भी आवश्यक घटक की खोज और उसे जारी करना सरल बनाती है।

आयोजन:

- **लेजर मेला**: भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के छात्रों में रचनात्मकता पैदा करने के लिए, टिंकरर प्रयोगशाला ने 27 मार्च, 2021 - 2 अप्रैल, 2021 के दौरान इस कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें छात्रों को अपनी पसंद के डिजाइन वाली वस्तुएं बनाने के लिए कहा गया और हमने उन डिजाइनों पर लेजर कटर और विनाइल कटर का उपयोग कर उन्हे मूर्त रूप देने में उनकी मदद की।
- **लैब के दौरे और प्रदर्शन**: हमारे विजन से प्रेरित होकर एमआईटी डब्ल्यूपीयू, एसआरपीईसी और एनआईएफटी गांधीनगर सहित कई संस्थान हमारी संस्कृति और परिवेश को समझने के लिए हमारी प्रयोगशालाओं का दौरा कर चुके हैं।

'जस्ट मेक इट' - वेबिनार श्रृंखला: मेकर भवन और टिंकरर्स लैब ने संयुक्त रूप से 25 मार्च, 2022 को एक वेबिनार श्रृंखला की मेजबानी की, जिसमें हमने अपने क्षेत्र के सफल उद्यमियों से वार्ता की।

सूचना प्रणाली प्रौद्योगिकी सुविधा (आईएसटीएफ)

सूचना प्रणाली प्रौद्योगिकी सुविधा (आईएसटीएफ) भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय को उपयोगकर्ता स्तर की सेवाएं प्रदान करना जारी रखे हुए है। आईएसटीएफ की अत्याधुनिक नेटवर्किंग अवसंरचना परिसर के बाहर रहने वाले उपयोगकर्ताओं को सूचना प्रणाली और कम्प्यूटेशनल सुविधाएं प्रदान करती है। आईएसटीएफ निम्नलिखित के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है:

- सर्वर्स, क्लासरूम, कैम्पस नेटवर्क, इंटरनेट और ईमेल सेवाएं, फायरबॉल, तथा संचार उपकरण
- हाई परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा और संगणक प्रयोगशाला
- कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का रख-रखाव

आईएसटीएफ में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) लाइन के माध्यम से वीडियो कान्फ्रेंस कक्ष बनाए गए हैं। कमरों की अवसंरचना हाइब्रिड वर्चुअल कक्षाओं की सुविधा के लिए भी सुसज्जित है। हाइब्रिड क्लासरूम एक उन्नत शिक्षण वातावरण है, जिसका सृजन उच्च गति इंटरनेट, सप्लीकेटेड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों और अन्य गैजेट्स का उपयोग करके किया गया है ताकि क्लासरूम शिक्षण में मदद की जा सके। ये क्लासरूम ई-लर्निंग के लिए परस्पर संवादात्मक और लचीले दृष्टिकोण प्रदान करते हैं और सहयोगपूर्ण चर्चाओं, सेमिनारों/वेबिनार आयोजित करने और कार्यशालाओं के लिए भी उपयोग किया जा सकता है। आईएसटीएफ ऑनलाइन शिक्षण सुविधाओं को सुकर बनाने में सक्रिय रहा है और सदस्यों को जूम, गूगल मीट और माइक्रोसॉफ्ट टीमों जैसे सॉफ्टवेयर और अन्य उपकरणों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित भी करता है। इस अभूतपूर्व महामारी के दौरान छात्रों को वीपीएन सेवा प्रदान की गई है ताकि वे दूरस्थ रूप से कार्य कर सकें। इसके अलावा, हमने ऑनलाइन खरीद सॉफ्टवेयर (एमटीएल) को लागू किया है जिसका उपयोग ऑनलाइन मूल्यांकन करने के लिए किया जा सकता है। उपरोक्त के अलावा, आईएसटीएफ टीम के सदस्यों ने आउटगोइंग पीएचडी छात्रों और उनके पर्यवेक्षकों को अंतिम डॉक्टरेट की रक्षा करने के लिए तकनीकी रूप से सहायता प्रदान की है।

हाल ही में आईएसटीएफ ने अपने उत्पादन वातावरण में आईएमएस परियोजना के लिए नए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की स्थापना शुरू की है। पुराने परिदृश्य से नए उन्नत हार्डवेयर की ओर वर्चुअल सर्वर को निर्बाध रूप से बेहतर थ्रूपुट और समग्र प्रदर्शन की पेशकश करते हुए भेजा गया।

आईएसटीएफ अपने कौशल सेट बढ़ाने और हाल की प्रौद्योगिकी के साथ अद्यतन रहने के लिए विभिन्न इन-हाउस परियोजनाओं को लगातार संचालित करता है। इस दल ने निम्नलिखित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है:

- नए छात्रावासों, गेस्ट हाउस, स्टूडियो अपार्टमेंट्स और केंद्रीय तोरणिका में आईटी अवसंरचना का कार्यान्वयन
- आगामी राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन को शीघ्र ही आरंभ किया जाएगा जिसमें 650 टीएफ का शीर्ष प्रदर्शन होगा।
- संस्थान के लिए बल्क एसएमएस सेवा का पंजीकरण और कार्यान्वयन आरंभ किया गया।

चिकित्सा केन्द्र

डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों की चिकित्सा केन्द्र की टीम पूरे वर्ष कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम पंक्ति में थी। चिकित्सा केन्द्र ने समुदाय की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को चार परामर्शदाता चिकित्सकों, एक स्त्री रोग विशेषज्ञ, एक बाल चिकित्सक और दो प्रशिक्षित पुरुष नर्सों और एक पूर्णकालिक सहायक नर्स की टीम के साथ पूरा किया।

परिसर में कोविड केयर सुविधा

दूसरी लहर के दौरान, संस्थान ने अपने नवनिर्मित गेस्ट हाउस को हल्के से मध्यम लक्षणों वाले समुदाय के कोविड पॉजिटिव रोगियों के उपचार के लिए आइसोलेशन-सह-कोविड देखभाल सुविधा में परिवर्तित कर दिया। समावेशिता और सहानुभूति से परिभाषित संस्थागत सिद्धांतों के आधार पर, इस सुविधा ने छात्रों, कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों, परियोजना कर्मचारियों, संकाय, व्यवस्थापक कर्मचारियों, ड्राइवर, मेस स्टाफ, हाउसकीपिंग स्टाफ, माली, सुरक्षा जैसे पूरे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय को आइसोलेशन और स्वास्थ्य सहायता प्रदान की। इस सुविधा केन्द्र में 121 छात्रों सहित 240 से अधिक कोविड मरीजों का उपचार अप्रैल के एक समय में 95 प्रतिशत की चरम सीमा के साथ किया गया। इस सुविधा से बुनियादी चिकित्सा सेवाएं जैसे कि तापमान और ऑक्सीजन रीडिंग, डॉक्टरों और नर्सों, दवाओं, आरटी-पीसीआर परीक्षण, पौष्टिक भोजन के साथ-साथ ऑक्सीजन स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान की गईं। संस्थान के चिकित्सा स्टाफ और एम्बुलेंस सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध हैं। आवश्यकता पड़ने पर इस सुविधा से मरीजों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती होने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा, परामर्श सेवाओं ने रोगियों, चिकित्सा कर्मचारियों और उनके परिवारों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की। इस सुविधा का प्रबंधन **प्रो गौरव श्रीवास्तव** के नेतृत्व में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की कोविड-19 चिकित्सा प्रतिक्रिया टीम द्वारा किया गया था।

फिजियोथेरेपी केन्द्र

फिजियोथेरेपी केंद्र में रविवार को छोड़कर प्रत्येक दिन 5:30 से 7:30 बजे तक एक योग्य फिजियोथेरेपिस्ट उपलब्ध है। फिजियोथेरेपी विभाग आधुनिक उपकरणों जैसे शॉर्टवेव डायथर्मी (एसडब्ल्यूडी), टीईएनएस (ट्रांस-इलेक्ट्रिकल नर्व स्टिमुलेटर), आईएफटी (इंटरफेरेंशियल थेरेपी), पैराफिन वैक्स बाथ (पीडब्ल्यूबी), मसल स्टिमुलेटर मशीन, अल्ट्रासाउंड मशीन, गर्म और ठंडे पैक और लेजर मशीन, सर्वाइकल और लम्बर ट्रैक्शन जैसे आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। व्यायाम चिकित्सा अनुभाग कंधे के पहिये, जमे हुए कंधे के व्यायाम के लिए दीवार की सीढ़ी, मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए थैरेबैंड, कंधे के व्यायाम के लिए रस्सी और चरखी, स्प्रिंग्स, वेट कफ (सैंड बैग), और फिजियो

बॉल, क्वाड्रिसेप टेबल, पूर्ण डम्बल सेट, ट्यूब, थेरबैंड एक्सरसाइजर, वुडन रॉकर बैलेंस बोर्ड, रिस्ट सुपरिनेटर-प्रोनेटर, स्प्रिंग के साथ एंकल बोर्ड, बोलस्टर्स सेट, स्टैटिक एक्सरसाइज साइकिल, लोअर लिम्ब ब्लड सर्कुलेशन में सुधार के लिए वाइब्रेटर, हैंडी वाइब्रेटर से सुसज्जित है। केंद्र आर्थोपेडिक स्थितियों जैसे गठिया, टेनिस एल्बो और तंत्रिका संबंधी स्थितियों जैसे कटिस्नायुशूल, ग्रीवा स्पोंडिलोसिस, पोस्ट-ऑपरेटिव और पोस्ट फ्रैक्चर फिजियोथेरेपी प्रबंधन, खेल से संबंधित चोटों के लिए उपचार, पीठ दर्द, ग्रीवा स्पोंडिलोसिस जैसी पोस्टुरल समस्याओं में रीढ़ की हड्डी के पुनर्वास के लिए फिजियोथेरेपी भी प्रदान करता है। रोगियों को बुनियादी व्यायाम, वजन प्रबंधन और साधारण देखभाल के लिए सामान्य दिशानिर्देशों के बारे में भी सलाह दी जाती है।

डे केयर केंद्र

भा०प्रौ०सं० गांधीनगर परिवार के बच्चों को सुरक्षित और पोषित वातावरण प्रदान करने के लिए एक सामुदायिक पहल के रूप में मार्च, 2014 में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर डे केयर केंद्र की शुरुआत की गई थी। सामुदायिक आवासों के नजदीक में स्थित एक बाल-अनुकूल सुविधा बच्चों को उनके अपने सुंदर घर से कम नहीं है। बच्चों की देखभाल में कुछ पूर्व अनुभव रखने वाले भावुक समुदाय सदस्यों ने पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और दैनिक कार्यों में सहायता प्रदान करने में सहायता की। हमें उन कर्मचारियों को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और प्रेम करने पर गर्व है जो फीडबैक आधारित बालचर्या उपलब्ध कराते हैं। अपने दिनचर्या में हम दृढ़ता से बच्चों की देखभाल पर भरोसा करते हैं। यह उन्हें अन्य बच्चों और करियर के साथ अच्छी तरह से जुड़ने में मदद करता है और अंततः उन्हें करुणा, विचार और जिम्मेदार व्यक्तियों के रूप में विकसित होने में मदद करेगा। 2021-2022 के दौरान, महामारी के कारण कुछ अपरिहार्य रुकावट के अलावा, डे केयर सुविधा पूरी तरह से संचालित थी। हमने सुरक्षा सुनिश्चित करने और पारेषण को न्यूनतम करने के लिए आयु-वार कई चरण बनाए हैं। कर्मचारियों और बच्चों को संस्थान द्वारा दी गई सलाह के अनुसार सभी आवश्यक सावधानियों का पालन करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

यह केन्द्र संगीत, नृत्य, नाटक और गवेषण के माध्यम से बच्चों को गैर-पारंपरिक विकास कार्यक्रमों की पेशकश करता है। हमारे कुछ प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

प्रातः कालीन कार्यक्रम : जुलाई 2018 से, दिन में चलने वाले कार्यक्रम में एक नया प्रातःकालीन कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसमें समुदाय के बच्चे प्री-स्कूल की तरह नामांकन कर सकें। इस कार्यक्रम को शुरू हुए एक साल होने को है तथा इसे अभिभावकों और बच्चों द्वारा बहुमूल्य मानने के साथ ही पसंद भी किया गया है क्योंकि यह पारंपरिक शिक्षण विधियों और गैर-पारंपरिक गतिविधियों का एक बेहतरीन मिश्रण है जो प्रत्येक आयु समूह के अनुकूल है। कार्यक्रमों की रेंज के साथ-साथ इस वर्ष हमारी सुविधा का विस्तार भी किया गया है। हमारे पास अब हमारे शिशुओं और युवाओं के लिए एक पूरी तरह से अलग अपार्टमेंट है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सभी बच्चों को अपने समय काल में सुरक्षित और स्वतंत्र रूप से घूमने के लिए पर्याप्त जगह मिले।

बाल सहायक कृषि (केएसए) : यह अब तक का सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम है। यह बच्चों को अपनी पसंद की सब्जियां उगाने में हाथ गंदे करने का मौका देता है। इस वर्ष हमने अपने नन्हे शिशुओं के लिए भी कृषि का यह अनुभव शुरू किया है। उन्होंने वास्तव में मैथी, पालक, टमाटर, धनिया और गाजर की बुवाई और चुनने का आनंद लिया। बच्चों की सेंसरी दुनिया को ध्यान में रखते हुए नियमित गतिविधियों को डिजाइन किया गया था (देखने, स्पर्श करने, टेस्ट, गंध और ध्वनि)।

खाना पकाने के सत्र: एक बच्चे के दिन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण गतिविधि तब होती है जब हमारे विशेषज्ञ शेफ सैंडविच और कपकेक को डेज़र्ट के लिए रखते हैं।

अन्य कार्यक्रम: केंद्र द्वारा पायजामा पार्टियों, मूवी समय, माता-पिता की डेट नाइट, आम और आंवला चुनने के सत्र, त्योहार समारोह और खेल दिवस कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। डेकेयर में दैनिक दिनचर्या में संगीत और आंदोलन गतिविधियां, कला और शिल्प सत्र, योग की मूल बातें, जिमनास्टिक, कहानी का समय, खेल और अन्वेषण के माध्यम से कक्षा शिक्षण और रेत और पानी के खेल सत्र भी शामिल हैं।

इन गतिविधियों का संयोजन बच्चों की संकेंद्र, कल्पना, समस्या समाधान और मोटर कौशल को सम्मानित करता है। संक्षेप में, हमारा यह अनूठा पाठ्यक्रम छोटे बच्चों में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने और इस प्रकार उनकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए समग्र विकास पर केंद्रित है। इस प्रकार ये गतिविधियां बच्चों में प्रमुख शारीरिक, सामाजिक और बौद्धिक कौशल के विकास के लिए महत्वपूर्ण साधन के रूप में कार्य करती हैं।

संस्थान को सहयोग

छात्रवृत्तियाँ

लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

श्रीमती लक्ष्मी वडाली और **श्री किशोर कोंटेती**, यू.के. में स्थित संस्थान के शुभचिंतकों ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में **लक्ष्मी वडाली उत्कृष्टता छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। यह ₹1 लाख प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति शीर्ष रैंकिंग पाने वाली एवं आर्थिक रूप से वंचित महिला छात्राओं को उनके भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में बीटेक कार्यक्रम के पूरा होने तक समर्थन करेगी। श्रीमती लक्ष्मी और श्री किशोर दोनों का भारत में ही जन्म हुआ एवं पले-बढ़े भी परन्तु दो दशक से पूर्व ही दोनों यूके में विस्थापित हो गए। श्रीमती लक्ष्मी ने ग्रीनविच विश्वविद्यालय से शिक्षा में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र पूरा किया। वह एक उत्साही गणित की शिक्षिका, गणित की निदेशक और यूके में दो माध्यमिक विद्यालयों की गवर्नर रही हैं। वर्तमान में वह सफ़ोल्क, यूके में एक बड़े व्यापक पब्लिक स्कूल में सहायक प्रधानाचार्या हैं। श्री किशोर ने चेन्नई के गिंडी अभियांत्रिकी विद्यालय से अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की थी। वह लंदन में एक बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी के लिए सॉल्यूशन वास्तुविद के तौर पर कार्यरत हैं ।

डॉ टी जी विश्वेश्वरैया छात्रवृत्ति

स्व. डॉ विश्वेश्वरैया

अपर्णा व अविनाश

2019 की बीटेक पूर्व छात्रा **अपर्णा तुमकुर** और 2014 के बीटेक पूर्व छात्र **अविनाश तुमकुर** ने अपने दिवंगत पितामह के सम्मान में **डॉ टी जी विश्वेश्वरैया छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। यह छात्रवृत्ति भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के बीटेक छात्रों को प्रति वर्ष ₹1 लाख रुपये की सहायता करेगी। विद्युत अभियांत्रिकी में बीटेक पूरा करने के साथ ही भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की ओर से राष्ट्रपति से स्वर्ण पदक पाने के पश्चात् अपर्णा ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, संराअ से मास्टर्स डिग्री हासिल की। वह क्वालकॉम, संराअ में पीएमआईसी तंत्र अभियंता के रूप में कार्यरत हैं। अविनाश ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर से यांत्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की और आगे ड्यूक विश्वविद्यालय, संराअ से एमबीए पूरा किया। वह वर्तमान में बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, संराअ में परियोजना प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं ।

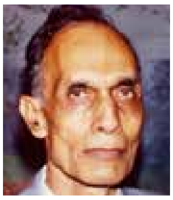

श्री सत्यनारायण के

श्री आनंदीलाल बी

ऋषि बुबना

श्री सत्यनारायण काकरानिया एवं श्री आनंदीलाल बुबना छात्रवृत्ति

2017 के बीटेक पूर्व छात्र **ऋषि बुबना** ने अपने नाना जी के सम्मान में **श्री सत्यनारायण काकरानिया छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। **सुश्री नगन ले** ने ऋषि बुबना के दादा जी के सम्मान में **श्री आनंदीलाल बुबना छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। इनमें से प्रत्येक छात्रवृत्ति भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में बीटेक छात्रों को प्रति वर्ष ₹1 लाख रुपये की सहायता करेगी। 2017 में भा०प्रौ०सं० गांधीनगर से यांत्रिक अभियांत्रिकी से स्नातक होने के पश्चात, ऋषि ने जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, संराअ से मास्टर डिग्री हासिल की एवं वर्तमान में अमेज़न में डेटा वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं।

निशा एवं विपिन जैन छात्रवृत्ति

डॉ श्रुति जैन, 2013 के बीटेक की पूर्व छात्रा ने अपने माता-पिता के सम्मान में **निशा एवं विपिन जैन छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। यह छात्रवृत्ति भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के छात्रों को प्रति वर्ष ₹1 लाख रुपये की सहायता करेगी। रासायनिक अभियांत्रिकी में बीटेक पूरा करने के साथ ही भा०प्रौ०सं० गांधीनगर की ओर से राष्ट्रपति स्वर्ण पदक पाने के पश्चात् श्रुति ने पीएचडी विद्वान के रूप में ऑस्टिन में स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। वह वर्तमान में माइक्रोन टेक्नोलॉजी, संराअ में एक आरईटी अभिकल्प अभियंता के रूप में कार्यरत हैं।

टी.एम.एल-एफ.ऐ.पी का विस्तार

टाटा मोटर्स लिमिटेड ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में टाटा मोटर्स लिमिटेड - वित्तीय सहायता कार्यक्रम (टीएमएल-एफऐपी) के लिए अपनी अनुदान सहायता एक और वर्ष के लिए बढ़ा दी है। टीएमएल-एफऐपी को आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 2016 में स्थापित किया गया था। जब एक बार लाभार्थी छात्र आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो जाते हैं तो उनसे यह उम्मीद की जाती है कि वह अन्य छात्रों की सहायता करने के लिए भा०प्रौ०सं० गांधीनगर को पैसा वापस दान करेंगे।

सीएसआर दानकर्ता

- इंगरसोल रैंड (इंडिया) लिमिटेड ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के जरूरतमंद छात्रों को लैपटॉप उपकरण उपलब्ध कराने के लिए सीएसआर दान का निर्माण किया।
- सीएसआई अभियांत्रिकी सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर सामान्य उत्कृष्टता के लिए दान का निर्माण किया।

सेवा छात्रवृत्ति

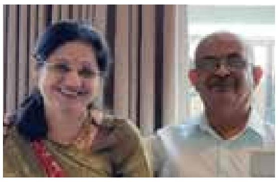

2014 के बीटेक पूर्व छात्र **यश कोटक** ने अपने माता-पिता **श्रीमती नीना कोटक** और **श्री प्रशांत कोटक** के सम्मान में **सेवा छात्रवृत्ति** की स्थापना की है। यह छात्रवृत्ति भा०प्रौ०सं० गांधीनगर के छात्रों को प्रति वर्ष ₹1 लाख रुपये की सहायता करेगी। यश ने भा०प्रौ०सं० गांधीनगर से विद्युत अभियन्त्रिकी के साथ प्रबंधन और संगणक विज्ञान के माइनर्स में स्नातक किया है। इनको उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन के लिए निदेशक से स्वर्ण पदक एवं उत्कृष्ट नवाचार के लिए पदक प्राप्त हुये थे। वर्तमान में वह गूगल भारत, बैंगलोर में उत्पादक प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं।

प्रो बी एल झा मेमोरियल छात्रवृत्ति

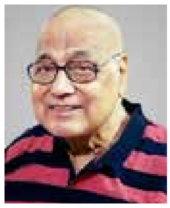

संस्थान की शुभचिंतक **श्रीमती सीमा झा** ने अपने दिवंगत पिता की स्मृति में **प्रो बी एल झा मेमोरियल छात्रवृत्ति** की स्थापना की है । यह छात्रवृत्ति संस्थान के स्नातक कर रहे छात्रों को प्रति वर्ष ₹1 लाख रुपये की सहायता करेगी। श्रीमती सीमा झा भौतिकी में स्नातकोत्तर हैं एवं पिछले दस वर्षों से शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। वह समृद्धि ट्रस्ट, बैंगलोर की प्रबंध ट्रस्टी एवं सह-संस्थापक हैं तथा वह वंचित वर्गों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक कार्यों की ओर भी ध्यान केंद्रित करती हैं। उनके पिता प्रो बी एल झा अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, भा०प्रौ०सं०(आईएसएम) धनबाद में प्राध्यापक थे। वह एक लोकप्रिय शिक्षक, सक्षम प्रशासक एवं अत्यंत संवेदनशील व्यक्ति थे जिनका जनवरी 2022 में स्वर्गवास हो गया।

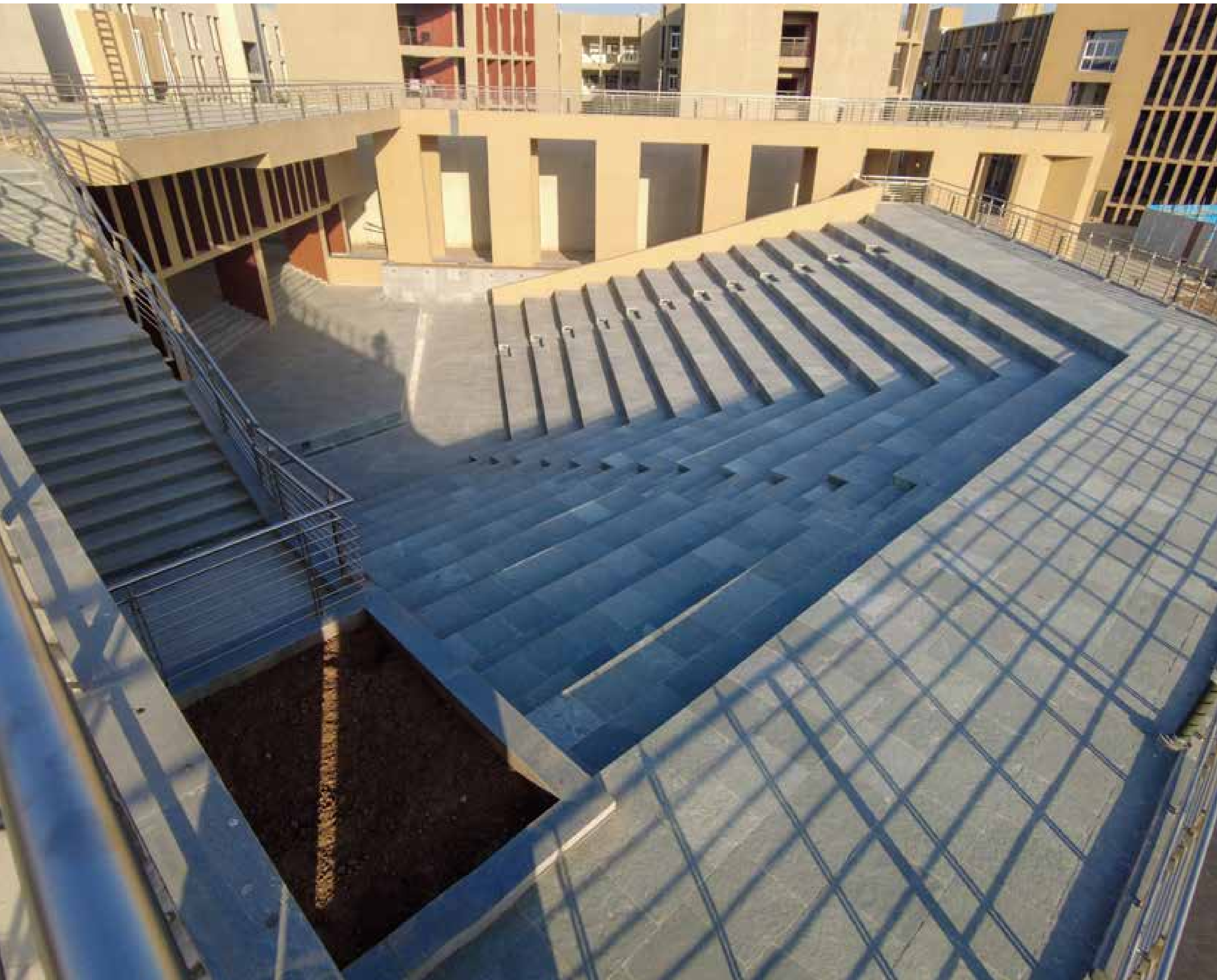

दानदाता सूची

नाम	श्रेणी	नगर
रु 1 करोड़ - रु 4,99,99,999		
गोवर्धनभाई बी गहलोत	शुभ चिंतक	उमरगाम
जगदीश पटेल	शुभ चिंतक	केलिफोर्निया, संराअ
रु 25,00,000 - रु 99,99,999		
एल्प्स रसायन प्रा लि	शुभ चिंतक	अहमदाबाद
विलास मजुमदार	शुभ चिंतक	रेस्टन, संराअ
गुजरात राजकीय पेट्रोनेट लिमिटेड	शुभ चिंतक	गांधीनगर
गुजरात राजकीय विद्युत कोर्पोरेशन लि.	शुभ चिंतक	गांधीनगर
उच्च शिक्षा वित्तीय अभिकरण (एचईएफए)	शुभ चिंतक	बेंगालुरु
मेकर भवन प्रतिष्ठान	शुभ चिंतक	वॉशिंगटन डीसी, संराअ
मनीश शर्मा व रश्मि शर्मा	शुभ चिंतक	बेंगालुरु
नवीन दोशी	शुभ चिंतक	लॉस एंजेलिस, संराअ
परिमल करणी	शुभ चिंतक	मुंबई
रॉन मेहता	शुभ चिंतक	वॉशिंगटन, संराअ
सेनापति 'क्रिस' गोपालकृष्णन	शुभ चिंतक	बेंगालुरु
रु 5,00,000 - रु 24,99,999		
चिराग पटेल	शुभ चिंतक	संराअ
देसाई प्रतिष्ठान	शुभ चिंतक	संराअ
इंगरसोल रेंड भारत लि	शुभ चिंतक	बेंगालुरु
लक्ष्मी वडाली	शुभ चिंतक	सफ्फोल्क, यूके
मिलाक्रोन भारत प्रा लि	शुभ चिंतक	अहमदाबाद
सीमा झा	शुभ चिंतक	बेंगालुरु
डी पी रॉय	संकाय	गांधीनगर
रेडिक्स इलेक्ट्रोप्रणाली प्रा लि	शुभ चिंतक	मुंबई
रमेश गावनकर	शुभ चिंतक	जेम्सविले, संराअ
टाटा मोटर्स लि	शुभ चिंतक	मुंबई
यूनीक फोर्जिंग्स भारत प्रा लि	शुभ चिंतक	आणंद
रु 1,00,000 - रु 4,99,999		
अक्षय पुरुशोत्तमजी रांदड	बीटेक/एमई/2015	बीड
ऑलब्राइट कार केयर उत्पाद, इंक	शुभ चिंतक	संराअ
अमेरीकन ऑनलाइन गिविंग फाउण्डेशन, इंक	शुभ चिंतक	संराअ
अपर्णा एन तुमकुर	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
अपर्णा तुमकुर	बीटेक/ईई/2019	मुंबई
अरविंद जैन	शुभ चिंतक	प्लीसेंटन, संराअ
एटलस प्रतिष्ठान	शुभ चिंतक	अहमदाबाद
अविनाश तुमकुर	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
भाविन चौहान	बीटेक/एमई/2013	गुजरात
सीएसआई अभियांत्रिकी सॉफ्टवेयर प्रा लि	शुभ चिंतक	नई दिल्ली
क्यूमुलस प्रणाली प्रा लि	शुभ चिंतक	पुणे
एमिल फार्मासियूटिकल उद्योग	शुभ चिंतक	मुंबई
गौरव संत	शुभ चिंतक	लॉस एंजेलिस, संराअ
गूगल	शुभ चिंतक	संराअ
मासीबस ऑटोमेशन व उपकरण लि	शुभ चिंतक	गांधीनगर
माइक्रोसाइन उत्पाद लि	शुभ चिंतक	भावनगर
अंकिता अरोड़ा	पीएचडी/एमएसई/2019	नई दिल्ली
नितीश ठाकोर	शुभ चिंतक	क्लार्क्सविले, संराअ
प्रशांत पटेल	बीटेक/सीएल/2014	मुंबई
आर शरण	संकाय	गांधीनगर
सुधीर के जैन	संकाय*	गांधीनगर
रवि अग्रवाल	बीटेक/एमई/2013	बांसवाड़ा
ऋषि बुबना	बीटेक/एमई/2017	मुंबई
साई चौधरी गुल्लापल्ली	बीटेक/ईई/2016	हैदराबाद
सार्थक जैन	बीटेक/ईई/2012	संराअ
सौरभ वैचल	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
शिवानी रानी	एमटेक/सीई/2013	उत्तर प्रदेश
उमाकांत व सुरेखा शाह	शुभ चिंतक	भारत
वेगशक्ति छात्रवृत्ति	शुभ चिंतक	नई दिल्ली
यश कोटक	बीटेक/ईई/2014	वडोदरा
रु 25,000 - रु 99,999		
ब्रिजेश कुमार	शुभ चिंतक	महाराष्ट्र
गदाधर मिश्रा	संकाय	गांधीनगर
मेटा	शुभ चिंतक	गांधीनगर
नानावती लोक धर्मार्थ न्यास	शुभ चिंतक	अहमदाबाद
नीलधारा मिश्रा	संकाय	गांधीनगर
निसर्ग उज्जैनकर	बीटेक/एमई/2021	भोपाल
परेश जसवंतराय वोहरा	शुभ चिंतक	गांधीनगर
प्रतीक किरण मूथा	संकाय	गांधीनगर
हरीश पी एम	संकाय	गांधीनगर
राघवन के	संकाय	गांधीनगर
रामनाथन अनंतकृष्णन	संकाय*	गांधीनगर
सूर्य प्रताप मेहरोत्रा	संकाय	गांधीनगर
तरुन अग्रवाल	संकाय	गांधीनगर
उत्सव जेठवा	बीटेक/ईई/2021	जूनागढ़
विष्णु दत्त शर्मा	स्टाफ	गांधीनगर
रु 5,000 - रु 24,999		
आश्रित सरस्वतिभाटला	बीटेक/एमई/2015	तेलंगाना
अभिजीत मिश्रा	संकाय	गांधीनगर
अभिषेक उमराव	बीटेक/सीएल/2012	गाज़ियाबाद
अदिति गुप्ता	बीटेक/सीएल/2013	नवी मुंबई
आकर्श ए	पीएचडी/ईएच/2020	पठानमथित्ता
आकाश अजनारे	बीटेक/सीई/2021	मध्य प्रदेश
अखिलेष रवि	बीटेक/ईई/2021	बेंगालुरु
अमित प्रशांत	संकाय	गांधीनगर
आणंद यादव	बीटेक/ईई/2019	उत्तर प्रदेश
अनाशुसेन सइयद	एमटेक/एमई/2018	वडोदरा
अंकिता जोशी	बीटेक/एमएसई/2018	पुणे
अंकुश मिश्रा	बीटेक/एमई/2021	गांधीनगर
अंशुल शिवहरे	बीटेक/ईई/2020	बेतूल
अरुण गोपालकृष्णन नायर	एमटेक/ईई/2014	कोची
अतुल भार्गव	संकाय	गांधीनगर
अविनाश सोडा	बीटेक/सीई/2019	जोधपुर
अयान रक्षित	बीटेक/एमएसई/2020	मुंबई
अरुप लाल चक्रवर्ती	संकाय	गांधीनगर
बजरंग लाल कुड़ी	बीटेक/एमई/2015	जयपुर
बालाजी वेंकटेश	बीटेक/ईई/2014	तमिल नाडु
बनर्जी ऋत्विक	एमटेक/ईई/2014	जलपाइगुड़ी
चंद्र श्रीवास्तव	शुभ चिंतक	संराअ
चंद्रेश शर्मा	एमटेक/ईई/2014	जयपुर
चेतस जोशी	बीटेक/ईई/2013	गुजरात
चिण्मय सुनार	बीटेक/एमई/2019	जलगांव
देवानुज नायक	बीटेक/सीएसई/2020	कोलकता
दीपांकर दास	शुभ चिंतक	भारत
ध्वनिल शुक्ला	बीटेक/एमई/2014	अहमदाबाद
टी एस कुंबार	स्टाफ	गांधीनगर
फाल्गुनी टेलर	स्टाफ	गांधीनगर
हरिओम भार्गव	बीटेक/एमई/2014	धार
हर्ष मध्यान	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
हीरेन अरविंदभाई पटेल	शुभ चिंतक	भरूच
जगमोहन त्यागी	संकाय	गांधीनगर
जम्मू तरुण कुमार	बीटेक/एमएसई/2019	विज़ियानगरम
जूयंग किम	संकाय	गांधीनगर
जयाकुमार नंदगोपाल	स्टाफ	गांधीनगर
केशव गिरियापनावर	बीटेक/एमई/2012	कर्णाटक

* वर्ष के उस भाग के लिए

एल मधुलिका	बीटेक/ईई/2019	हैदराबाद
लक्ष्मण नल्लन चक्रवर्तुला	स्टाफ	बेंगालुरु
मधुमिता सेनगुप्ता	संकाय	गांधीनगर
मंडलम मणिकांत	बीटेक/ईई/2019	हैदराबाद
मंजोत सिंह	बीटेक/सीएल/2016	झारखंड
मानवेन्द्र सिंह चौहान	बीटेक/एमई/2020	जयपुर
मरगज ओम विजय	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
मोहक पटेल	बीटेक/एमई/2013	भरूच
मृदुल शर्मा	बीटेक/सीएसई/2020	फतेहाबाद
मीना जोशी	स्टाफ	गांधीनगर
मीरा मेरी सनी	संकाय	गांधीनगर
नमन जैन	बीटेक/सीई/2019	जयपुर
नवीन दीपक वी	बीटेक/ईई/2012	तेलंगाना
निदाल राज भूरिया	एमटेक/सीई/2013	जम्मू और कश्मीर
निधि गौर	शुभ चिंतक	गांधीनगर
निहार कोटक	बीटेक/एमई/2014	बोरीवली
नितिन कौशिक	बीटेक/ईई/2021	बोरीवली पश्चिम
एन रामाकृष्णन	संकाय	गांधीनगर
निहार रंजन मोहापात्रा	संकाय	गांधीनगर
पतुरु वीरभद्र लोकेश	बीटेक/ईई/2016	नेल्लोर
पूजा थॉमस	पीएचडी/एचएसएस/2016	अहमदाबाद
प्रथमेश जुवतकर	छात्र	भारत
प्रत्युल कपूर	बीटेक/सीएल/2012	जयपुर
प्रेरणा सिंह	बीटेक/सीई/2017	जबलपुर
पुनीत स्वामी	बीटेक/सीई/2019	चंडीगढ़
राहुल जैन	एमटेक/सीएस/2019	अहमदाबाद
रजत जैन	बीटेक/एमई/2013	जयपुर
राकेश रंजन	बीटेक/एमई/2016	बिहार
सचित	बीटेक/एमई/2015	बेंगालुरु
संदेश अचारी	बीटेक/ईई/2014	पुणे
सौरभ गंगवाल	बीटेक/एमई/2012	अजमेर
सौरभ सिंहल	बीटेक/एमई/2015	राजस्थान
सायन कर	एमटेक/सीएल/2013	हुगली, पश्चिम बंगाल
शुभम भार्गव	बीटेक/एमई/2014	हरियाणा
शुभ्रांशु सिंह	बीटेक/ईई/2020	छत्तीसगढ़
श्यामल किशोर	बीटेक/एमई/2013	विशाखापत्तनम
स्मित अल्केश शाह	बीटेक/सीएल/2014	वडोदरा
श्रीहरिता राउतू	संकाय	गांधीनगर
सुमन कुमारी	बीटेक/सीएल/2017	जम्मू और कश्मीर
सुनील भाई मंजेरी	शुभ चिंतक	अहमदाबाद
संतोश राउत	स्टाफ	गांधीनगर
शर्मिष्ठा मजुमदार	संकाय	गांधीनगर
सुधांशु शर्मा	संकाय	गांधीनगर
सुपर्ब के मिश्रा	संकाय	गांधीनगर
तारकेश्वर सिंह	बीटेक/ईई/2013	पश्चिम बंगाल
टोनी थॉमस	पीएचडी/सीजी/2019	कोचीन
उज्वल अशोककुमार पमनानी	एमएससी/सीजी/2015	अहमदाबाद
वी वी एस अखिल	बीटेक/एमएसई/2020	विशाखापत्तनम
विभव कत्रे	बीटेक/ईई/2014	थाणे
विक्रम अशोक करडे	पीएचडी/सीएल/2017	नागपुर
विवेक क्षीरसागर	बीटेक/ईई/2012	थाणे
वृतला कृष्ण साई	बीटेक/ईई/2017	आंध्र प्रदेश
विनोद नारायणन	संकाय	गांधीनगर
यश बोहरे	बीटेक/एमई/2018	सागर, मध्य प्रदेश
यश मारदा	बीटेक/सीएल/2012	कोल्हापुर
रु 4,999 तक		
आकिब खान	एमटेक/सीएल/2019	वापी
आरती ई	पीएचडी/पीएच/2021	बेंगालुरु
अब्दुल गफ्फार	एमएससी/पीएच/2019	सिद्धार्थनगर
अभव्या चंद्र	बीटेक/सीएल/2021	जमशेदपुर
अभय सी ए	बीटेक/एमई/2015	केरल
अभय वार्षणे	बीटेक/सीई/2018	उत्तर प्रदेश
अभिजीत जना	एमएससी/पीएच/2018	पूर्व मेदिनीपुर
अभिजीत टी के	एमटेक/सीई/2018	कोळीकोडे
अभिक पटेल	बीटेक/एमई/2012	सूरत
अभिलाश दुबे	एमटेक/ईई/2021	उत्तर प्रदेश
अभिनव	बीटेक/एमई/2021	अहमदाबाद
अभिनव नारायण हरीश	बीटेक/ईई/2020	पुणे
अभिनव सिंह	बीटेक/एमई/2016	मध्य प्रदेश
अभिनय राणा	बीटेक/सीएल/2018	उत्तर प्रदेश
अभिषेक दुबे	बीटेक/सीएल/2020	वडोदरा
अभिषेक क्रोविद्दी	बीटेक/एमई/2012	जोधपुर
अभिषेक रमेश	एमए/एचएसएस/2021	केरल
अभिषेक सहाय	पीएचडी/सीजी/2020	प्रयागराज
अभिषेक सैनी	एमएससी/सीएच/2019	झुंझुनू
अभिषेक संचेती	बीटेक/सीएल/2015	भीलवाड़ा
अभिषेक शर्मा	बीटेक/एमई/2013	हैदराबाद
अभिषेक वर्मा	बीटेक/सीएल/2016	फैज़ाबाद
अभीष्ट तिवारी	बीटेक/सीएसई/2021	इंदौर
अदप्पा आश्रय अमरनाथ	बीटेक/सीएल/2017	पणजी
आदर्श सिंह ठाकुर	एमटेक/सीई/2020	सूरत
आदिल मुहम्मद	एमटेक/एमई/2019	इटावा
अदिति गर्ग	छात्र	गांधीनगर
अदिति सेतिया	एमएससी/एमए/2019	चित्तौड़गढ़
अदिति शर्मा	बीटेक/सीएल/2019	उज्जैन
आदित्य	छात्र	भारत
आदित्य गोयल	बीटेक/ईई/2018	वडोदरा
आदित्य कुमार	बीटेक/एमएसई/2018	भारत
अहमद नाजी शाहम	बीटेक/एमई/2018	केरल
अहिला सेकर	एमए/एचएसएस/2020	तमिल नाडु
अहतेशामुल	एमटेक/सीएल/2020	उत्तर प्रदेश
ऐश्वरी ओमकार	बीटेक/सीई/2019	भोपाल
ऐश्वर्य विजयकुमार	एमटेक/बीई/2018	सोनभद्र
अजय भारद्वाज	बीटेक/सीई/2020	करौली
अजय देवेदवाल	बीटेक/एमई/2015	जयपुर
अजय सिंह शेखावत	बीटेक/सीई/2018	जोधपुर
अजिंक्या दहले	बीटेक/एमई/2013	मुंबई
अजिंक्या मुकुंद कुलकर्णी	बीटेक/एमई/2012	नासिक
अजिंक्या तुपकर जैन	बीटेक/ईई/2016	इंदौर
अज्ज पटेल	बीटेक/ईई/2021	पाटण
आकांक्षा यशस्वी	एमए/एचएसएस/2021	उत्तर प्रदेश
आकर्श ए	पीएचडी/ईएच/2020	पथानमथित्ता
आकाश गुप्ता	छात्र	गांधीनगर
आकाश वर्मा	एमटेक/सीएल/2020	महाराष्ट्र
आकाशसिंह राजपूत	पीजीडीआईआईटी/ईएसएस/2018	अहमदाबाद
अखिल अशर	बीटेक/एमई/2020	मुंबई
अखिल पटनायक	एमटेक/एमई/2017	नकताला
अक्षय मित्तल	बीटेक/सीई/2020	देहरादून
अक्षय श्रीवास्तव	एमटेक/एमएसई/2020	उत्तर प्रदेश
अक्षय तंडले	बीटेक/एमई/2021	गांधीनगर
अक्षय वर्मा	बीटेक/सीएल/2017	रोपड़
आलोक सिंह	बीटेक/ईई/2016	इलाहाबाद
अल्पना थोरट	पीएचडी/सीएल/2016	नासिक
अमलनाथ एम	एमटेक/एमई/2017	कालीकट
अमर मंध्यान	एमटेक/सीई/2015	वडोदरा
अमेजन स्माइल	शुभ चिंतक	संराअ
अंबर कोठारी	बीटेक/एमई/2017	सागर
अमित आशेर	बीटेक/ईई/2012	वडोदरा
अमित जांगिड़	बीटेक/एमई/2020	जयपुर
अमित कुमार	एमएससी/एमए/2018	लखनऊ
अमित रेज़ा	छात्र	गांधीनगर
अमित यादव	बीटेक/एमई/2017	मथुरा

अमिता रानी मुलस्थम	बीटेक/एमएसई/2021	तेलंगाना
अमजथ बशीर	एमटेक/सीई/2018	कोट्टयम
अमृताबेन के वाघेला	छात्र	गांधीनगर
आनंदसिंह चौहान	एमटेक/ईई/2020	अहमदाबाद
अनिल कुमार	बीटेक/सीई/2019	नई दिल्ली
अनिरबन मजुमदार	शुभ चिंतक	भारत
अनीश दुबे	बीटेक/सीएल/2020	पुणे
अंजली कुमारी	बीटेक/एमएसई/2020	कांगड़ा
अंजू सिंह	एमएससी/एमए/2021	मध्य प्रदेश
अंकित अग्रवाल	बीटेक/एमई/2017	नई दिल्ली
अंकित घनघास	बीटेक/सीई/2019	हरियाणा
अंकित जयसवाल	एमटेक/एमएसई/2020	वाराणसी
अंकित मित्तल	बीटेक/एमई/2017	भरतपुर
अंकित पंडोल	बीटेक/सीएल/2016	भोपाल
अंकित फोगट	एमएससी/पीएच/2019	हरियाणा
अंकित शर्मा	छात्र	गांधीनगर
अंकित वर्मा	एमटेक/ईई/2021	जालौन
अंकिता नंदी	एमटेक/ईई/2020	पश्चिम बंगाल
अंकिता शर्मा	बीटेक/एमई/2016	मोहाली
अंकुर मीणा	बीटेक/ईई/2014	राजस्थान
अंकुर सिंह	बीटेक/सीएल/2019	रांची
अंकुर यादव	बीटेक/सीएल/2019	खारगोन
अनमोल किशोर रैना	बीटेक/सीई/2018	जम्मू
अनूप कुमार	एमटेक/ईई/2021	उत्तर प्रदेश
अनूप सिंह	एमएससी/पीएच/2018	आगरा
अंशुल गुप्ता	बीटेक/एमई/2015	आगरा
अंतिमा मीणा	बीटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
अनु विवेक	बीटेक/एमई/2014	एरणाकुलम
अनुभा अग्रवाल	एमटेक/सीएल/2017	खुरई
अनुभव जैन	बीटेक/सीएसई/2021	अहमदाबाद
अनुकेश के ए	छात्र	गांधीनगर
अनुपम स्वर्णकर	बीटेक/एमई/2021	छत्तीसगढ़
अनुकृति शर्मा	एमए/एचएसएस/2019	अंधेरी पश्चिम
अनुराग अग्रवाल	बीटेक/एमई/2017	वाराणसी
अनुराग धेबना	बीटेक/सीई/2019	झुंझुनू
अनुराग गोयल	बीटेक/सीई/2017	हैदराबाद
अनुराग कुमार गुप्ता	बीटेक/सीई/2019	बलिया
अनुराग सिंहानिया	बीटेक/सीएल/2017	कोलकता
अनुशा गुप्ता	बीटेक/सीई/2018	रायपुर
अनुशिखा	बीटेक/एमएसई/2020	हरियाणा
अनुश्का वशिष्ठ	एमटेक/ईएसएस/2020	जयपुर
अपर्णा आर्या	बीटेक/ईई/2017	राजस्थान
अपर्णा मेनन	एमटेक/सीएल/2014	हैदराबाद
अपर्णा रथी	एमएससी/पीएच/2020	मुज़फ्फरनगर
अपर्णा श्रीवास्तव	एमटेक/सीई/2019	बिलासपुर
अपेक्षा श्रीवास्तव	एमटेक/बीई/2019	लखनऊ
अपूर्व अग्निहोत्री	बीटेक/सीएसई/2020	जबलपुर
अराबले रेशमा मल्लिनाथ	एमटेक/सीएल/2017	ओसमानाबाद
आरवा पवन किशोर	बीटेक/ईई/2012	हैदराबाद
अरिक पमनानी	बीटेक/ईई/2019	लखनऊ
अरिंदम गोगोई	एमटेक/ईएसएस/2021	हैदराबाद
अरित्र कुमार भदूरी	एमएससी/एमए/2018	पश्चिम बंगाल
अरित्र सेन	एमएससी/पीएच/2020	बीरभूम
अर्पण भट्टाचार्य	संकाय	गांधीनगर
अरुण कुमार यादव	छात्र	भारत
अरुण सिंह तोमर	एमटेक/ईई/2019	सतना
अरुनव चौधरी	छात्र	गांधीनगर
अरुंधती बी	एमए/एचएसएस/2018	गुड़गांव
आरुशि देव	एमटेक/एमएसई/2019	बरेली
अरविंद कुमार	एमएससी/पीएच/2019	ग्रेटर नॉएडा
अरविंद कुमार नात	एमएससी/एमए/2018	कोटा

अरविंद रोशान	बीटेक/ईई/2018	तिरुपुर
आर्यन	बीटेक/एमई/2015	मुज़फ्फरपुर
आसम अली लोन	एमए/एचएसएस/2016	पुलवामा
आशीष झा	बीटेक/एमई/2021	बेंगालुरु
आशीष जोसफ	एमएससी/पीएच/2019	नॉएडा
आशीष कुमार	एमटेक/ईई/2020	झारखंड
आशीष कुमार गुप्ता	बीटेक/ईई/2016	अहमदाबाद
आशीष सोनी	एमटेक/ईई/2017	झांसी
आशीष तिवारी	एमटेक/ईई/2020	भा०प्रौ०सं०गांधीनगर
आशीष यादव	एमटेक/एमएसई/2019	अहमदाबाद
आशु गुप्ता	स्टाफ	गांधीनगर
आशुतोष सोनपाल	एमटेक/सीई/2018	आंध्र प्रदेश
अथीरा हरिदास	एमटेक/ईई/2019	एरणाकुलम
अतुल शर्मा	एमटेक/एमई/2018	जयपुर
अविनाश जॉय बारा	बीटेक/सीएल/2021	गांधीनगर
अविसीना चरितेज रेड्डि	एमटेक/सीई/2020	कडापा
अयाज़ लखानी	बीटेक/एमई/2019	वडोदरा
अयोन बिस्वास	बीटेक/ईई/2019	भोपाल
आयुष चौधरी	बीटेक/एमई/2015	इंदौर
आयुष गुप्ता	बीटेक/एमएसई/2019	कानपुर
आयुष जैन	एमटेक/एमई/2016	ग्वालियर
आयुष माथुर	बीटेक/सीएल/2018	जयपुर
आयुष नेमा	एमटेक/सीएल/2020	वेलाचेरी
आयुष श्रोते	बीटेक/ईई/2018	भोपाल
आयुष सिंह	बीटेक/सीई/2020	बिजनौर
आयुषी त्यागी	एमएससी/सीएच/2017	गुड़गांव
आयुष्मान त्रिपाठी	बीटेक/ईई/2018	नई दिल्ली
अज़बा शेख	एमएससी/सीजी/2019	बिलीमोरा
बी अभिषेक शर्मा	बीटेक/एमई/2013	हैदराबाद
बी रत्ना भारती	एमए/एचएसएस/2016	फरीदाबाद
बबिता	एमएससी/एमए/2017	फरीदाबाद
बेबी ज़िलिया एन ए	एमएससी/सीजी/2018	हरियाणा
बद्री विशाल मीणा	बीटेक/सीएल/2018	गांधीनगर
बैशाली पाण्डा	एमटेक/एमई/2017	वन विहार
बाला हर्ष श्रुति	एमटेक/सीई/2020	तेलंगाना
बालुबाई श्रीधर गोप	बीटेक/सीई/2018	नेल्लोर
बानोथ विष्णु साई नायक	बीटेक/एमएसई/2021	तेलंगाना
बर्मा अभिषेक	एमटेक/ईई/2019	खैराताबाद
बविस्कर पुष्पक कैलाश	बीटेक/सीई/2019	औरंगाबाद
बेहरे सिद्धार्थ रवीन्द्र	एमटेक/एमई/2017	वडोदरा
भरत लाल मीणा	एमएससी/एमए/2017	दौसा
भरत शारा	बीटेक/एमई/2012	अहमदाबाद
भरतेश रय्यप्पा शिरागुप्पी	एमएससी/सीजी/2017	बेलगाम
भार्ग मेहता	बीटेक/एमई/2020	सूरत
भार्गव चौहान	बीटेक/एमई/2017	राजकोट
भार्गव कुमार थडेम	बीटेक/ईई/2012	तेलंगाना
भास्कर ज्योति सायकिया	बीटेक/सीएल/2018	असम
भास्कर शुक्ला	पीजीडीआईआईटी/ एमई/2019	भोपाल
भवानी शंकर	एमएससी/एमए/2020	बाड़मेर
भोगे शशांक विलास	बीटेक/सीई/2019	अमरावती
भोइर मंदर सुरेश स्मिता	एमटेक/ईई/2015	रायगढ़
भूमिका सोनाने	एमटेक/ईई/2016	उज्जैन
भुपेन्द्र कुमार	एमटेक/एमएसई/2018	पथानमथित्ता
भुपेन्द्र कुमार	बीटेक/एमएसई/2018	जालोर
बिद्यान बासुमतारी	बीटेक/एमएसई/2020	घोरामड़ी
बिपलोब	एमटेक/ईई/2020	तिराप
बोधी दीप्र मुखर्जी	एमटेक/बीई/2021	गांधीनगर
बोरसे दिनेश अनिल	बीटेक/सीई/2018	औरंगाबाद
बृजेश सिंह	एमटेक/एमएसई/2019	फिरोज़ाबाद
बुदिति पृथ्वि	बीटेक/सीएल/2020	विज़ियानगरम
बुक्य विनय	बीटेक/एमएसई/2020	अदीलाबाद

* वर्ष के उस भाग के लिए

बायरापुरम वेण्कट विजय भरत आर	बीटेक/ईई/2016	नंदयल कुरनूल
केमेलिया चक्रवर्ती	एमटेक/सीएल/2019	चेन्नई
चक्का स्नेहित	बीटेक/ईई/2020	पूर्वी गोदावरी
चक्का यशवंत साई किरण	एमटेक/ईई/2018	आंध्र प्रदेश
चल्ला साई अजय नरेन्द्र	एमटेक/एमई/2020	आंध्र प्रदेश
चंदन कुमार साहू	एमटेक/एमएसई/2019	पुरी
चंदन नंदी	एमटेक/बीई/2021	पश्चिम बंगाल
चांदनी आर	एमएससी/एमए/2021	गुजरात
चंद्र एम श्रीवास्तव	शुभ चिंतक	संराअ
चंद्र सेखर रवूरी	एमटेक/ईई/2018	बेंगालुरु
चंद्रकुमार अप्पायी	संकाय	गांधीनगर
चंद्रमा घोष	एमटेक/बीई/2021	पश्चिम बंगाल
चारु ओबरॉय	एमटेक/सीएल/2018	जयपुर
चौधरी दिव्या जीवराज	बीटेक/सीई/2019	औरंगाबाद
चौधरी कुणाल रामकिशन	बीटेक/सीएल/2016	मुंबई
चावली भरत चंद्र	बीटेक/ईई/2020	कृष्णा
चेक्कला साई सृशाल	बीटेक/सीई/2020	मंचेरियल
चेंचला साई रमण रेड्डि	बीटेक/ईई/2017	हैदराबाद
चेन्नुरी प्रतीक	बीटेक/ईई/2021	तेलंगाना
चेतन देवकिशिन पहलजानी	संकाय	गांधीनगर
चेतन पाटिल	बीटेक/सीएल/2015	थाणे
चिण्मय अजनादकर	बीटेक/ईई/2016	जलगांव
चिण्मय शिरपुरकर	बीटेक/ईई/2018	भारत
चिंताकायला वेणु गोपाल	बीटेक/सीई/2021	आणंद
चिटिपोलु गौतम	बीटेक/एमई/2020	विज़ियानगरम
चित्रांशु कुमार	बीटेक/ईई/2016	इटावा
चूडू सिंह	एमएससी/पीएच/2021	नागौर
चौधरी सौरभ सुनील	बीटेक/सीई/2019	भंडारा
चौहान संतोश	बीटेक/सीएल/2016	वेसली नगर
चेसी स्टार्टफ	शुभ चिंतक	संराअ
दाबी पार्थ ललितकुमार	बीटेक/एमई/2020	अहमदाबाद
दानिश मंसूर	बीटेक/सीई/2020	जम्मू और कश्मीर
दपीशा मेरी नॉनगुलू	एमएससी/पीएच/2018	शिलौंग
दर्शन पटेल	बीटेक/एमई/2019	पालनपुर
दर्शिता जैन	एमटेक/सीएसई/2020	रायपुर
दातला सूर्य विक्रांत वर्मा	बीटेक/सीएल/2012	काकिनाडा
दवे सोविल	बीटेक/एमई/2018	सूरत
दवे उजश रामेश्वर	बीटेक/ईई/2015	अहमदाबाद
देविंदर	एमटेक/एमई/2017	मोहाली
दीप बक्शी	एमटेक/एमई/2019	दीसा
दीपा दीक्षित	पीएचडी/सीएल/2020	नई दिल्ली
दीपक समाल	एमटेक/सीई/2015	भुवनेश्वर
दीपक सिंह	एमएससी/एमए/2018	गुंटुर
दीपेश कुमार	पीएचडी/ईई/2018	छत्तीसगढ़
दीपिका	छात्र	भारत
दीपिका सोनी	बीटेक/ईई/2021	भोपाल
दीप्ती चोपड़ा	बीटेक/ईई/2014	थलतेज
देशपांडे शुभम गोपाल	बीटेक/एमई/2021	अहमदाबाद
देवआनंद	बीटेक/सीई/2018	पूर्वी चंपारण
देवांशु मनोज जैन	बीटेक/सीएल/2017	वडोदरा
देवर्श बरभाया	स्टाफ	गांधीनगर
देवेन्द्र मीणा	बीटेक/एमई/2017	राजस्थान
देवांश रस्तोगी	बीटेक/सीएल/2017	अमेठी
देयम विनाश	बीटेक/ईई/2016	शीकाकुलम
धनपला पृथ्विराज	एमटेक/ईई/2018	आंध्र प्रदेश
धनुर्धर रामस्वामी	स्टाफ	छिंदवाड़ा
धर्मेन्द्र कुमार	बीटेक/सीई/2017	वैशाली
धर्मेन्द्र सबलानिया	बीटेक/एमएसई/2020	राजस्थान
ध्रुव पंचोली	बीटेक/सीएल/2015	सूरत
ध्येय शाह	बीटेक/एमई/2015	अहमदाबाद
दिगबिजॉय समद्दर	एमएससी/सीजी/2019	कोलकता
दिलीप सिंह	बीटेक/एमएसई/2018	जालोर
डिंपल खट्टर	एमए/एचएसएस/2020	नई दिल्ली
दीपेन सोमानी	बीटेक/ईई/2016	हिम्मतनगर
दीप्तेश दत्ता	एमटेक/ईई/2020	कोलकता
दिव्या बंसल	बीटेक/सीएल/2013	कोटा
दिव्यांगी एन चौधरी	स्टाफ	गांधीनगर
दुर्गेश बागड़ी	बीटेक/सीएल/2014	राजस्थान
एकता	छात्र	भारत
एकता खेमचंदानी	एमएससी/सीजी/2020	नई दिल्ली
एकता प्रश्नानी	बीटेक/ईई/2013	जबलपुर
एकता समानी	बीटेक/ईई/2017	कोल्हापुर
गगन भट्ट	एमएससी/पीएच/2021	फरीदाबाद
गजेन्द्र सैनी	एमएससी/पीएच/2021	जयपुर
गमेती नीरव	बीटेक/सीएल/2020	नडियाद
गणेश जबोत्रा	एमएससी/सीएच/2021	जम्मू और कश्मीर
गरिमा चौधरी	बीटेक/सीई/2018	चित्तौड़गढ़
गरिमा रघुवंशी	बीटेक/सीएल/2013	मध्य प्रदेश
गौरव गुप्ता	बीटेक/ईई/2016	मुंबई
गौरव जोगी	एमटेक/एमएसई/2021	गांधीनगर
गौरव खंडेलवाल	एमटेक/सीई/2020	जयपुर
गौरव शर्मा	बीटेक/एमई/2016	चेन्नई
गौतम कुमार	पीजीडीआईआईटी/ एमएसई/2017	बिहार
गवासने ऋतु मिलिंद	बीटेक/एमई/2014	पुणे
गिरिधारी पट्टनायक	एमटेक/एमई/2018	राजस्थान
गोट्टमुकला साई राम कृष्णा	बीटेक/ईई/2018	हैदराबाद
गौतम वारंगंति	छात्र	गांधीनगर
गोविंद कुमार शर्मा	एमएससी/सीएच/2018	नई दिल्ली
गुंडा हरिणी	एमटेक/सीएल/2015	गुंटुर
गुणदीप कौर सुदन	स्टाफ	गांधीनगर
गुप्ता सागर राजीव	बीटेक/ईई/2020	नवी मुंबई
हेबी कोशी मैथ्यू	एमएससी/सीजी/2016	गोवा
हमज़ा मुहम्मद ज़ुबैर	एमएससी/सीजी/2015	उत्तर प्रदेश
हनी खामर	स्टाफ	गांधीनगर
हरदीप	बीटेक/ईई/2019	हरियाणा
हरि सिंह धयाल	एमएससी/एमए/2021	राजस्थान
हरिकृष्ण	बीटेक/एमई/2013	तृश्शूर
हर्ष भार्गव	शुभ चिंतक	गांधीनगर
हर्ष खंडेलवाल	बीटेक/सीएल/2017	कोटा
हर्ष शाह	पीएचडी/सीई/2019	अहमदाबाद
हर्षल थूल	बीटेक/सीएल/2021	वर्धा
हर्षित नेमा	एमटेक/सीई/2017	जबलपुर
हर्षिता गुप्ता	छात्र	भारत
हेदा शशांक कमलेश	बीटेक/ईई/2015	अमृतसर
हीर अंबवी	बीटेक/सीएसई/2020	अहमदाबाद
हेमंत गीते	एमटेक/सीएल/2013	थाणे
हेमंत कुमार	बीटेक/सीई/2017	हरियाणा
हेमंत कृष्णन आर	एमटेक/एमई/2020	पलक्कड़
हेनिल शाह	एमटेक/ईई/2021	नवसारी
हेरम नायक भुक्या	बीटेक/एमई/2021	गांधीनगर
हिमांशु कुमार सिंह	एमएससी/सीएच/2017	उत्तर प्रदेश
हीरालाल	बीटेक/एमई/2016	जालोर
हीरलबेन मित्तलकुमार त्रिवेदी	शुभ चिंतक	गांधीनगर
होमित सिंह पाल	बीटेक/सीई/2018	रायसेन
हैदरअली एम टी	बीटेक/एमई/2016	मलप्पुरम
इहसान के	एमएससी/सीजी/2020	मलप्पुरम
इंद्रजीत नराह	एमएससी/एमए/2018	गांधीनगर
इंगले वरद जितेन्द्रकुमार	बीटेक/एमएसई/2020	औरंगाबाद
इशिता दोशी	एमटेक/सीएस/2019	कोलकता
ईश्व पटेल	छात्र	अहमदाबाद
जगमोहन	बीटेक/एमई/2019	गुड़गांव
जैनेन्द्र जैन	एमटेक/ईई/2021	दाहोद

जंगा साई किरण	बीटेक/एमई/2018	हैदराबाद
जयेश्ठी माली	एमएससी/पीएच/2021	राजस्थान
जयशंकर शर्मा	बीटेक/एमएसई/2020	अहमदाबाद
जीनम जिंदल	बीटेक/सीएल/2012	शोलिंगनल्लुर
जितेन्द्र	बीटेक/सीई/2021	हमीरपुर
जैरी सेम्युल	एमटेक/ईई/2018	पांडिचेरी
झावेरी अंशल जयेशभाई	एमटेक/एमई/2016	सूरत
जिगनेश आर	एमटेक/सीएल/2013	वडोदरा
जिनेश राजेश शाह	बीटेक/एमई/2014	महाराष्ट्र
जिनेश शाह	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
जितेन्द्र अग्रवाल	पीजीडीआईआईटी/ईई/2020	राजस्थान
जितेश मित्तल	बीटेक/सीई/2020	जयपुर
जोएल वी जोसफ	एमएससी/सीजी/2019	नई दिल्ली
जोशी भाविन रसिकभाई	एमएससी/एमए/2020	राजकोट
ज्योति चौहान	स्टाफ	गांधीनगर
ज्योतसना सैनी	एमएससी/सीएच/2017	गुरुग्राम
के एस संतोश कुमार	बीटेक/ईई/2020	चित्तूर
कदम ओमकार देवीदास	बीटेक/एमई/2020	नांदेड
कदम सुजय दिलीप	पीएचडी/ईई/2021	गांधीनगर
कदीजा नौराह बी एच	एमए/एचएसएस/2019	कल्लई
कहकशां बंसल	एमटेक/बीई/2021	तोहाना
कामराज पी	एमएससी/एमए/2020	धर्मपुरी
कमलेश चौधरी	बीटेक/सीई/2018	जयपुर
कंचन पटेल	बीटेक/सीएल/2012	जबलपुर
कंज़ारिया भव्य जयंतीलाल	बीटेक/सीएल/2017	राजकोट
कपिल देव	एमएससी/पीएच/2019	हरियाणा
कपिल शर्मा	बीटेक/एमई/2018	गुड़गांव
करन कुमार	एमटेक/सीएसई/2020	बुलंदशहर
करन पालस्कर	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
करणम अविनाश	बीटेक/एमई/2021	आंध्र प्रदेश
करिश्मा गुप्ता	एमएससी/पीएच/2019	हरियाणा
कर्रा उमा नागा श्रीकर	बीटेक/एमएसई/2021	आंध्र प्रदेश
कार्तिक सुब्रमणियम करवजे	बीटेक/एमई/2020	दुबसीपलया
कार्तिक हिल्लाल	छात्र	इंदौर
कार्तिक कुमार	एमएससी/एमए/2016	सहारनपुर
कार्तिक नायक	बीटेक/सीएल/2021	आंध्र प्रदेश
कौशल छिम्पा	बीटेक/सीई/2020	चुरू
कौशल दादसेना	एमटेक/ईई/2020	छत्तीसगढ़
कौशल मीणा	एमएससी/पीएच/2021	जयपुर
कौशल आर मोदी	बीटेक/एमई/2021	थलतेज
कौशिक भौमिक	एमटेक/बीई/2019	त्रिपुरा
कौस्तुभ के	एमटेक/सीई/2018	इंदौर
कौस्तुभ जयंत उदास	स्टाफ	पुणे
कौस्तुभ कपूरे	बीटेक/एमई/2012	हरसूल
कवीश कुमार	बीटेक/सीएल/2019	उत्तर प्रदेश
कविता वैश्णव	बीटेक/सीएसई/2021	बेंगालुरु
केसानी कल्याणी	बीटेक/सीएल/2017	तेलंगाना
केया घोष	शुभ चिंतक	पश्चिम बंगाल
खिली खमेसरा	बीटेक/सीएल/2020	कानपुर
खुशबू सहरावत	एमए/एचएसएस/2021	दिल्ली
खुशदीप सिंह	बीटेक/सीई/2019	पटियाला
खुशवंत फटनानी	एमटेक/सीएल/2019	रायपुर
किमती मनावा	एमटेक/सीई/2019	जम्मू
किशोर कुमार जगिनी	एमएससी/सीजी/2016	वारंगल
कोडा दिनेश कुमार	बीटेक/ईई/2019	विशाखापत्तनम
कल्ली मोहन कृष्णा	एमटेक/सीई/2017	कृष्णा
कोमल बजाज	एमएससी/सीएच/2018	झज्जर
कोमल तरुणकुमार संगतानी	स्टाफ	गांधीनगर
कोंडुरू वेण्कट नागा साई रवि तेजा	बीटेक/एमई/2016	गुंटुर
कोठा श्रिनु	एमएससी/सीएच/2017	श्रीकाकुलम
कौशिक मणि	बीटेक/एमई/2016	गुवाहाटी

कृतिका भगतानी	बीटेक/एमई/2016	बांका
कृष्णा कुमार	एमटेक/ईई/2020	बिहार
क्रिशनेश शांतिलाल मेहता	पीएचडी/सीजी/2020	अहमदाबाद
कृति कपिल	एमएससी/सीएच/2019	लखनऊ
कृतिका गोसाइं	एमए/एचएसएस/2020	नई दिल्ली
कृपा शाह	पीएचडी/एचएसएस/2019	पांडिचेरी
क्षितिज सिंह	बीटेक/ईई/2017	गाज़ियाबाद
कुकुनुरी साई वेण्कट रत्न ऋत्विक	बीटेक/सीएसई/2020	विजयवाड़ा
कुलदीप जजोरिया	एमटेक/ईई/2021	गांधीनगर
कुमार सौरव	एमटेक/ईई/2018	वाराणसी
कुमारी सुश्मिता	एमटेक/सीएल/2016	पूर्वी चंपारण
कुणाल सिंहमार	बीटेक/सीएल/2019	कानपुर
कुणाल वर्मा	बीटेक/एमएसई/2020	वाराणसी
कुंवर शिवम प्रताप	बीटेक/एमएसई/2020	वाराणसी
कुनज़ाग डोलकर	एमएससी/सीएच/2021	जम्मू और कश्मीर
कुशाग्र भार्गव	बीटेक/सीएल/2017	कोटा
कौशल सलेचा	बीटेक/ईई/2016	अहमदाबाद
कुशवाहा अमरकुमार अयोध्यासिंह	एमटेक/ईई/2017	वडोदरा
कुसुम पंवार	एमटेक/सीएल/2018	देहरादून
लाख चंद	बीटेक/सीएल/2017	महोबा
लखन अग्रवाल	बीटेक/सीएल/2020	अलीगढ़
लक्ष्मी नारायणन मीणा	बीटेक/सीएल/2019	नई दिल्ली
लंभाते हर्षल संदेश सुश्मा	एमटेक/सीई/2018	महाराष्ट्र
लेवलेश कुमार वाजपई	बीटेक/सीई/2019	सीतापुर
लवदीप कौर	बीटेक/सीएल/2016	श्रीगंगानगर
लीमा सैकिया	एमएससी/पीएच/2017	डिब्रूगढ़
लिंगनेचोंग तूथंग	एमएससी/सीएच/2019	मणिपुर
लोकेश सिंह	बीटेक/ईई/2017	जयपुर
एम रोशित	एमटेक/एमई/2021	तेलंगाना
माधव तिवारी	बीटेक/सीई/2021	हरिद्वार
मानब दियासी	एमएससी/सीएच/2021	पश्चिम बंगाल
मनसासरी	स्टाफ	गांधीनगर
मानव राज	बीटेक/ईई/2017	गया
मंगेश गंगारदे	बीटेक/एमई/2014	अहमदनगर
मनीश कुमार लेंका	एमटेक/सीएल/2019	उड़ीसा
मनीश कुमार विश्वकर्मा'	एमटेक/ईई/2016	फूलपुर
मंजीत सिंह	एमएससी/सीएच/2021	भारत
मंजोत सिंह	बीटेक/सीएल/2016	झारखंड
मनु चौधरी	बीटेक/सीई/2017	जयपुर
मरगज ओम विजय	बीटेक/एमई/2016	औरंगाबाद
मौर्य जैनिधि चंद्रवीर	बीटेक/सीएल/2017	अहमदाबाद
माया कुमारी	बीटेक/सीई/2019	जयपुर
मयंक जैन	बीटेक/सीई/2017	शिवपुरी
मयंक खेवरिया	बीटेक/सीई/2017	झांसी
मयंक कुमार जटोलिया	एमएससी/एमए/2021	अजमेर
मु शहनवाज आलम	एमएससी/पीएच/2020	गांधीनगर
मु ज़ाफ़र अहमद	एमटेक/सीएल/2020	बलिया
मेधा देशपांडे	एमए/एचएसएस/2019	बेंगालुरु
मीणा जोशी	स्टाफ	गांधीनगर
मीत पांचाल	बीटेक/सीएसई/2020	अहमदाबाद
मेघ पटेल	एमटेक/ईई/2016	आणंद
मेघाली गर्ग	एमएससी/एमए/2019	पंजाब
नगान ले	शुभ चिंतक	संराअ
मिहिर मिलिंद भालेराव	बीटेक/एमई/2016	पुणे
मोदी हर्ष जसवंतभाई	बीटेक/एमई/2018	महेसाना
मुहम्मद हस्सन	एमएससी/सीएच/2017	उत्तर प्रदेश
मुहम्मद नावेद	स्टाफ	राजस्थान
मुहम्मद उमैर इकबाल	एमटेक/सीएल/2016	जम्मू और कश्मीर
मोहित चंद	एमटेक/ईई/2015	वाराणसी
मोहित गर्ग	एमटेक/एमई/2016	चंडीगढ़
मोहित कुमार	एमएससी/सीएच/2021	दिल्ली

* वर्ष के उस भाग के लिए

मोहित लखानी	एमटेक/सीई/2020	अहमदाबाद
मोहित लांबा	एमटेक/ईई/2018	जयपुर
मोनीश भांगले	बीटेक/सीएल/2015	थाणे
मोनू	एमएससी/एमए/2018	हरियाणा
भानू प्रताप सिंह गंगवार	पीएचडी/सीएच/2020	लागू नहीं
हरिहरण पी	पीएचडी/सीएल/2016	धर्मपुरी
कातला जगदीश कुमार	पीएचडी/सीएच/2020	मंचेरियाल
शशि प्रभागर	पीएचडी (पीआरएल)/ पीएच/2015	बिहार
सिद्धार्थ विजय कुलकर्णी	पीएचडी/सीएल/2017	मुंबई
मृदुपावन सोनोवाल	एमएससी/सीएच/2017	तिनसुकिया
मृत्युंजय झा	एमएससी/सीएच/2021	बिहार
अंकिता सिन्हा	पीएचडी/एमई/2021	गांधीनगर
अपूर्वा ओझा	पीएचडी/ईई/2019	अहमदाबाद
आशा लीज़ा जेम्स	पीएचडी/सीएल/2020	रुड़की
दीक्षी अंगिरा	पीएचडी/सीएच/2020	बेंगालुरु
पुण्य लोकेश सूरी	एमए/एचएसएस/2020	नवी मुंबई
सोनम	पीएचडी/ईएच/2019	धनबाद
मुदित राठौर	बीटेक/ईई/2016	बालाघाट
मुकेश कुमार	बीटेक/सीएल/2017	राजस्थान
मुकेश सिंह रावत	बीटेक/ईई/2015	अजमेर
मुक्ता गुंडी	पीएचडी/एचएसएस/2020	पुणे
मुज़म्मिल राउत	बीटेक/एमई/2016	थाणे
नक्का सूर्यसंजीवी	एमटेक/एमई/2017	श्रीकाकुलम
नमन बंसल	बीटेक/ईई/2016	हरियाणा
नंथिनी ए	एमएससी/एमए/2021	पलयमकोट्टई
नरेन्द्र जेठाभाई राबड़िया	स्टाफ	गांधीनगर
नरेन्द्र सारस्वत	बीटेक/सीई/2017	राजस्थान
नशित जलाल	एमटेक/एमई/2019	लखनऊ
नशरा अहमद	एमएससी/सीजी/2021	गांधीनगर
नासिर खान	शुभ चिंतक	भारत
नवीन कुमार	बीटेक/एमई/2016	झुंझुनू
नवीन पुरी	एमटेक/ईई/2021	गांधीनगर
नवीन तक	एमएससी/सीएच/2018	जयपुर
नवीन कुमार	बीटेक/ईई/2019	मंगोबंदर
नवप्रीत सिंह	बीटेक/सीएल/2019	लुधियाना
नीले जगदीप उपाध्याय	एमटेक/सीएसई/2020	मुंबई
नीलेश भंडारी	एमटेक/एमई/2014	वडोदरा
नीरज धुल	पीजीडीआईआईटी/ईई/2017	हरियाणा
नीतेश कुमार शर्मा	एमटेक/ईई/2017	टीकमगढ़
नेहा मानव	पीएचडी/सीएच/2021	बागपत
नेविलकुमार पांचाल	एमटेक/एमई/2018	सूरत
निकेश पंवार	बीटेक/सीई/2019	राजस्थान
निखिल अदित्य कुमार रॉय	बीटेक/सीएल/2018	मुंबई
निखिल चेरियान कूरियन	एमटेक/ईई/2016	कोट्टयम
निखिल लोंधे	एमएससी/पीएच/2021	नेरुल
निखिल शर्मा	एमएससी/सीएच/2019	मथुरा
निक्की मित्तल	छात्र	भिवानी
नीलभ दिश	स्टाफ	गांधीनगर
निशांत	स्टाफ	गांधीनगर
निशांत जोशी	बीटेक/ईई/2012	मुंबई
निशांत नायक	बीटेक/एमई/2017	कर्णाटक
नितेश गुप्ता	बीटेक/ईई/2012	फरीदाबाद
नितेश कुमार	एमएससी/एमए/2016	फरीदाबाद
नितीश कुमार	एमटेक/एमएसई/2018	पटना
नितिन वी जॉर्ज	संकाय	गांधीनगर
निविता जैन	स्टाफ	गांधीनगर
पी जयकृष्णा सहित	बीटेक/सीएसई/2020	हैदराबाद
पब्बाथी अखिल कुमार	बीटेक/ईई/2017	नलगोंडा
पलक सदानी	बीटेक/सीएल/2016	हरदा
पंकज	पीएचडी/एमएसई/2018	गाज़ियाबाद
पंकज बोरा	एमएससी/पीएच/2019	विश्वनाथ

पंकज वटवानी	बीटेक/ईई/2020	जयपुर
परम सिंह	एमटेक/एमएसई/2018	गांधीनगर
पारस राम सैनी	बीटेक/एमई/2016	मंडी
पारश अग्रवाल	बीटेक/सीएल/2018	राजस्थान
पारिख दर्शक अनंतकुमार	एमटेक/एमई/2016	गोधरा
पारितोश कावरा	एमटेक/एमई/2021	अहमदाबाद
पार्थ गुधका	बीटेक/ईई/2015	गांधीनगर
पार्थ साणे	बीटेक/ईई/2015	महाराष्ट्र
पस्ताकिया तरोनीश असताद	एमएससी/सीजी/2017	अहमदाबाद
पटेल मिलनभाई	बीटेक/सीएल/2020	नवसारी
पाठक कपिल जयेश	बीटेक/ईई/2017	सतारा
पाटिल शुभम हनुमंत	बीटेक/ईई/2017	रायगढ़
पवनीश कुमार	एमएससी/सीएच/2016	अमरोहा
पवनी पाण्ड्या	एमटेक/सीई/2014	अहमदाबाद
पवन कुमार	बीटेक/सीएल/2016	हैदराबाद
पायल अरोड़ा	एमएससी/सीएच/2016	रेवाड़ी
पायल चट्टोपाध्याय मुखर्जी	पीएचडी/एचएसएस/2016	हुगली
पेनुमका अरुण कुमारुदु	बीटेक/एमई/2016	कृष्णा
पेनुमका गोपी किशोर	बीटेक/ईई/2020	कृष्णा
पिंकी यादव	एमटेक/एमई/2019	दिल्ली
पियूष देवगन	एमटेक/ईई/2020	छत्तीसगढ़
पियूष कुमार	पीजीडीआईआईटी/ईई/2020	दिल्ली
पोलमपल्ली बाला श्रीमननारायणन	बीटेक/एमई/2021	आंध्र प्रदेश
पोमराज प्रजापत	बीटेक/सीई/2017	नागौर
पूजा अठावल	बीटेक/सीएल/2013	भोपाल
पूजा रजोरिया	पीजीडीआईआईटी/सीई/2019	जयपुर
प्रदीप कुमार यादव	एमएससी/सीएच/2021	उत्तर प्रदेश
प्रगति प्रदीप जोशी	एमटेक/एमई/2017	थाणे
प्रगति सक्सेना	एमटेक/बीई/2020	अलीगंज
प्रज्ञ नंदन बंजारे	एमटेक/एमएसई/2015	छत्तीसगढ़
प्रज्वल पाटीदार	एमटेक/सीई/2020	खंडवा
प्रखर प्रधान	एमटेक/ईई/2019	ग्वालियर
प्राकृत कंसारा	बीटेक/सीई/2018	अहमदाबाद
प्रणव कुमार गुप्ता	बीटेक/सीई/2018	राजस्थान
प्रणव त्रिवेदी	एमटेक/एमएसई/2020	गांधीनगर
प्रांकुर सक्सेना	एमएससी/सीजी/2019	भोपाल
प्रांशुल सैनी	बीटेक/एमई/2016	मंडी
प्रसन्ना कुलकर्णी	एमटेक/एमई/2019	गडग
प्रसीता ई के	पीएचडी/सीएच/2019	कन्नूर
प्रशांत चौहान	एमएससी/पीएच/2018	मिर्ज़ापुर
प्रशांत कुमार	पीएचडी/पीएच/2021	उत्तर प्रदेश
प्रशांत शेखर	बीटेक/सीएल/2016	सोनभद्र
प्रसित पाल	बीटेक/एमई/2015	अहमदाबाद
प्रतीक न्याति	बीटेक/एमई/2014	गांधीनगर
प्रतीक वर्मा	बीटेक/सीएल/2019	कानपुर
प्रतीति रज्जाक	एमए/एचएसएस/2021	पश्चिम बंगाल
प्रथमेश उपाध्याय	स्टाफ	फरीदाबाद
प्रतीक कायल	बीटेक/सीएसई/2020	गुवाहाटी
प्रतीक पुरी गोस्वामी	बीटेक/ईई/2020	जयपुर
रवीन्द्रभाई आर भुतेदिया	स्टाफ	गांधीनगर
प्रीत खटुरिया	एमटेक/ईई/2018	उदयपुर
प्रीत शाह	बीटेक/ईई/2015	मुंबई
प्रीती रथी	एमटेक/सीएल/2015	उज्जैन
प्रीतिका	एमटेक/बीई/2018	पालनपुर
प्रेरणा सरकार	एमटेक/सीई/2020	बिलासपुर
प्रीतम नंदा	एमएससी/पीएच/2016	मेदिनीपुर
प्रीतेश जैन	बीटेक/ईई/2013	जयपुर
प्रिया	एमएससी/सीएच/2020	गुरुग्राम
प्रिया सूर्यकांत गडेकर	एमटेक/एमएसई/2021	महाराष्ट्र
प्रिया तिवारी	एमटेक/एमएसई/2020	फतेहपुर
प्रियांग प्रियदर्शी	बीटेक/एमएसई/2019	अहमदाबाद

प्रियांजन पाल	एमटेक/ईई/2020	अगरतला
प्रियांक मेहता	एमटेक/एमई/2018	डुंगरपुर
प्रियांक गौतम	एमटेक/सीएस/2019	गाज़ियाबाद
प्रियांक रावत	एमटेक/एमएसई/2018	चांदखेड़ा
प्रियांक तेनन	बीटेक/सीएल/2019	हनुमानगढ़
प्रियांशु आर गुप्ता	बीटेक/सीएल/2019	मुंबई
पुचलापल्ली संबाशिवाय	एमटेक/ईई/2016	नेल्लोर
पुलकित	एमएससी/एमए/2019	अमरोहा
पुलकित सिंहल	बीटेक/सीई/2019	करौली
पुनीत कुमार	बीटेक/सीई/2017	सुपौल
पूर्ण कुकड़िया	एमटेक/ईई/2021	कानपार
पुरुशोत्तम गर्ग	बीटेक/सीएल/2019	जैसलमेर
पुरुषोत्तम कुमार	बीटेक/सीएल/2017	भारत
पुतसला अनिरुद्ध	बीटेक/एमई/2020	विशाखापत्तनम
आर यशवंत कुमार	बीटेक/सीई/2018	हैदराबाद
रचना चौधरी	एमएससी/पीएच/2020	राजस्थान
रेशेल कुसेरा मेहरा	शुभ चिंतक	संराअ
रचित गोयल	बीटेक/ईई/2018	बरेली
रचित अग्रवाल	एमटेक/ईई/2016	रचेनाहल्ली
राधिका गांधी	एमएससी/पीएच/2021	दिल्ली
राहिल सांवला	बीटेक/एमई/2020	चित्तौड़गढ़
राहुल चल्ला	बीटेक/सीएसई/2020	श्रीकाकुलम
राहुल धमनिया	बीटेक/सीएल/2021	हरियाणा
राहुल गर्ग	बीटेक/एमई/2016	राजस्थान
राहुल गुप्ता	एमटेक/बीई/2019	फरीदाबाद
राहुल हुड्डा	एमएससी/एमए/2018	हरियाणा
राहुल खंडैत	बीटेक/सीएल/2015	नंदनवन
राहुल कुमार	बीटेक/एमई/2019	उत्तर प्रदेश
राहुल कुमार बंसल	एमएससी/एमए/2018	राजस्थान
राहुल पतसारिया	एमटेक/सीएल/2016	झांसी
राहुल रोहिल्ला	एमएससी/एमए/2020	चंडीगढ़
राहुल साधवानी	एमटेक/ईई/2016	भीलवाड़ा
राहुल सैनी	बीटेक/सीई/2019	राजस्थान
राहुल उपाध्याय	एमटेक/सीई/2019	मथुरा
राहुल यादव	बीटेक/ईई/2020	झांसी
राज कुमार दादरावल	एमएससी/एमए/2017	जयपुर
राज शेखर	बीटेक/ईई/2016	इलाहाबाद
रजनीकांत अतुल घाटे	एमटेक/एमई/2016	पुणे
राजशेखर भूमा	बीटेक/ईई/2012	चेन्नई
रजत गुप्ता	एमटेक/सीई/2018	जोधपुर
रजत बिलुनिया	बीटेक/एमई/2020	राजस्थान
रजत गोयल	बीटेक/सीएल/2019	नॉएडा
रजत कुमार गुप्ता	बीटेक/सीएल/2017	जालौन
रजत सुनील ज़ोपे	एमटेक/सीएल/2020	गांधीनगर
राजीव कुमार महतो	बीटेक/सीएल/2020	दरभंगा
राजेश बिस्वास	एमएससी/पीएच/2019	नडिया
राजलक्ष्मी पाण्डे	एमटेक/ईई/2021	बिहार
राजवीर सिंह	एमएससी/सीएच/2018	हरियाणा
राकेश कुमार चौधरी	बीटेक/सीएल/2012	उत्तर प्रदेश
राकेश कुमार रथ	एमएससी/एमए/2020	पुरी
राकेश मेघवाल	एमटेक/सीई/2018	गदवाल
राकेश यादव	एमएससी/सीएच/2018	भिवानी
राखी	एमएससी/सीजी/2016	बोकारो
रामकृष्णा बीआरएस कटकम	शुभ चिंतक	विजयवाड़ा
रमन	बीटेक/सीएल/2020	हरियाणा
रमन शर्मा	एमएससी/एमए/2021	उत्तर प्रदेश
रमेन्द्र साहू	पीएचडी/ईएच/2020	मध्य प्रदेश
रमेश कुमार	बीटेक/एमई/2015	दक्षिण चंपारण
रमेशकुमार एम भोरनिया	पीएचडी/एमई/2018	राजकोट
राणा प्रताप सिंह	एमटेक/एमएसई/2018	भारत
रणदीप सरकार	पीएचडी/पीएच/2021	फिनलेंड
रंजना मेहता	पीएचडी/एमए/2019	उत्तराखंड
राकिब दार	एमए/एचएसएस/2021	करनाल
रश्मि मेहता	एमएससी/पीएच/2021	हरियाणा
राठोड़ मिलनभाई जयंतीभाई	एमटेक/ईई/2016	अहमदाबाद
रति राम	शुभ चिंतक	गांधीनगर
रातुल चक्रवर्ती	बीटेक/एमएसई/2020	वडोदरा
रवि चोपड़ा	एमएससी/पीएच/2021	जयपुर
रवि कुमार	बीटेक/ईई/2016	कोटा
रवि महला	एमएससी/एमए/2020	राजस्थान
रवि प्रकाश	पीएचडी/सीई/2019	गांधीनगर
रवि प्रसाद	छात्र	गांधीनगर
रवि शंकर मिश्रा	शुभ चिंतक	बिहार
रवि शंकर बंकर	शुभ चिंतक	भारत
रवि वर्मा	एमटेक/सीई/2016	धार
रंदेला आदित्य	बीटेक/सीएसई/2020	करीमनगर
रेन्ना ज़ेहरा	एमए/एचएसएस/2021	कालीकट
ऋचा आर्या	पीएचडी/पीएच/2021	बेंगालुरु
ऋचा दोबल एमएससी	एमएससी/पीएच/2019	अलमोड़ा
ऋचा त्रिपाठी	पीएचडी/पीएच/2021	जर्मनी
रिमझिम	एमएससी/सीएच/2020	दिल्ली
रिंपी खोखर	एमटेक/सीई/2018	जोधपुर
ऋषभ आणंद	बीटेक/ईई/2017	झारखंड
ऋषभ जैन	बीटेक/सीई/2020	अजमेर
ऋषभ माथुर	एमटेक/एमई/2020	राजस्थान
ऋषि धवन	एमटेक/एमएसई/2018	फरीदाबाद
रीतम चटर्जी	एमटेक/एमई/2017	पणजी
ऋतेश जैन	एमटेक/ईई/2014	दिल्ली
ऋत्विक जैन	बीटेक/सीएल/2020	उज्जैन
ऋतुपर्णा राणा	एमए/एचएसएस/2018	नई दिल्ली
रोहन चौहान	एमटेक/ईई/2018	नागपुर
रोहन गुप्ता	बीटेक/सीएल/2020	कानपुर
रोहन न्यायाधीश	बीटेक/ईई/2018	बरेली
रोहित दंग	एमटेक/ईई/2016	नई दिल्ली
रोहित दवर	एमटेक/ईई/2018	नई दिल्ली
रोहित कुमार सिंह	बीटेक/एमई/2021	उत्तर प्रदेश
रोहित नानावती	बीटेक/एमई/2017	सूरत
रोहित श्रीवास्तव	एमएससी/एमए/2018	भदोही
रोजन मेथ्यू	एमटेक/सीई/2017	कालीकट
रौनक खंडेलवाल	बीटेक/एमई/2015	इंदौर
रोनित डे	एमटेक/एमई/2017	बेंगालुरु
रौशन अग्रवाल	बीटेक/सीई/2017	जलपाइगुड़ी
रौशन सेबेश्चियन	एमटेक/एमएसई/2018	कोट्टयम
रुचि थोसरे	एमटेक/एमई/2020	औरंगाबाद
रुपशा मुखर्जी	एमटेक/बीई/2020	छत्तीसगढ़
रुशाली अतुल प्रकाश सक्सेना	बीटेक/एमई/2019	मुंबई
ऋषि जरीवाल	बीटेक/ईई/2017	मुंबई
ऋषिल शाह	बीटेक/सीएसई/2021	अहमदाबाद
ऋषिल विसपुते	बीटेक/ईई/2018	जलगांव
ऋत्विककुमार पटेल	शुभ चिंतक	भारत
एस प्रीति	एमटेक/ईई/2019	वडोदरा
एस स्मिता	एमटेक/सीई/2015	कोळीकोडे
सचिन देव	एमएससी/सीएच/2018	फरीदाबाद
सचिन कुमार	एमएससी/पीएच/2019	मुरादाबाद
सचिन वर्मा	एमटेक/सीएल/2018	पालनपुर
सागर गुरानी	एमटेक/एमई/2016	नॉएडा
साहिल जैन	बीटेक/सीई/2020	भोपाल
साई चंद्र उथरापल्ली	बीटेक/ईई/2021	तेलंगाना
साइकत सेन	एमटेक/सीएल/2018	बरेली
साइराम स्वरूप मल्लाजोसयला	संकाय	गांधीनगर
सजल कुमार	एमएससी/एमए/2018	जालौन
सखलिकर पुश्पकराज	बीटेक/एमई/2020	बुलधाना

* वर्ष के उस भाग के लिए

सक्कारी आकाश गौढ़	बीटेक/सीई/2017	तेलंगाना
सक्षम सिंगल	बीटेक/एमई/2019	अहमदाबाद
साक्षी यादव	बीटेक/ईई/2017	राजस्थान
सलोनी गुप्ता	एमएससी/एमए/2019	राजस्थान
समर्थ कथल	बीटेक/ईई/2019	भोपाल
सामतेन भूटिया	एमएससी/पीएच/2018	गंगटोक
साम्यब्रत चटर्जी	एमटेक/सीएल/2020	कोलकता
सम्यक जैन	बीटेक/सीएल/2021	अहमदाबाद
संदेश शिरुड़े	एमटेक/सीएल/2018	तिरुपति
संगीता छबरवाल	एमएससी/एमए/2018	राजस्थान
सनिका गुप्ता	एमएससी/सीजी/2019	लखनऊ
संजय कुमार मीणा	बीटेक/ईई/2015	राजस्थान
संजय सरोज	बीटेक/सीएल/2014	नवी मुंबई
संजीव	स्टाफ	गांधीनगर
संजीव कुमार	एमटेक/एमई/2020	बिहार
संजय साहा	एमएससी/पीएच/2021	पश्चिम बंगाल
सानु कुमार गंगवार	एमएससी/पीएच/2018	बरेली
सान्या जैन	एमएससी/सीजी/2021	मुरादाबाद
सरथचंद्रन	एमटेक/ईई/2019	सेलम
सरवनन बालकृष्णन	एमएससी/सीजी/2018	कोयम्बतूर
सरीम संदीड	बीटेक/सीई/2019	आसनसोल
सरगम जैन	बीटेक/सीएल/2017	जालोर
सरकार आदित्य अंजन	एमटेक/एमएसई/2016	पुणे
सरता यादव	एमएससी/सीएच/2018	हरियाणा
सरोज यादव	एमएससी/पीएच/2020	चंदौली
सरोजनी तिवारी	एमटेक/सीएल/2015	नैहती
सार्थक शर्मा	एमएससी/एमए/2021	उत्तर प्रदेश
सर्वदीप सांगवान	एमएससी/पीएच/2020	हरियाणा
सतबीर सिंह	एमटेक/एमई/2019	भारत
सतीश कुमार सिंह	एमटेक/ईई/2021	बिहार
सत्यजीत मोहापात्रा	एमटेक/ईई/2014	अहमदाबाद
सत्यनाराणन प्रुसेथ	एमएससी/एमए/2019	सुंदरगढ़
सौरव नागर	बीटेक/एमई/2019	इंदौर
सवादियावाला चिराग योगेशकुमार	एमटेक/एमई/2016	सूरत
सायक चौधरी	एमटेक/सीएसई/2020	ब्रह्मपुर
सायली जाधव	एमटेक/एमई/2020	सतारा
सीमा नेगी	एमटेक/एमएसई/2016	टिहरी गढ़वाल
सीतालक्ष्मी	पीएचडी/सीई/2019	ईरोड
सेत्ती सत्य साई वेण्कट रवि तेजा	बीटेक/सीएल/2018	पूर्वी गोदावरी
शादाब अली	एमएससी/एमए/2019	बुलंदशहर
शाह हेमल गौतमकुमार	एमटेक/ईई/2017	अहमदाबाद
शाह जुगल सौरिन	बीटेक/एमई/2017	अहमदाबाद
शेख सिद्धिक हुसैन	बीटेक/ईई/2012	तेलंगाना
शैलेन्द्र कुमार	बीटेक/सीई/2017	राजस्थान
शैलेश गर्ग	एमटेक/सीई/2019	करौली
शालीन छज्जर	बीटेक/सीई/2017	राजस्थान
शालीन गोमेज़	एमएससी/सीजी/2018	बेंगालुरु
शालिवाहन सिंह राठौर	बीटेक/एमई/2014	कोटा
शशांक मेहरा	बीटेक/ईई/2017	कोटा
शशांक नायक बी एस	एमटेक/एमएसई/2018	बेंगालुरु
शशांक परेता	बीटेक/एमई/2016	इंदौर
शाश्वत जैन	छात्र	गांधीनगर
शीला मीणा	एमएससी/पीएच/2021	जयपुर
शीतल गुजराती	एमटेक/सीई/2020	अजमेर
शीतल अरुणभाई अमिन	पीएचडी/सीएल/2021	अहमदाबाद
शिव प्रकाश	एमटेक/ईई/2018	जोधपुर
शिवम अवस्थी	एमएससी/पीएच/2018	भारत
शिवम तिवारी	एमटेक/ईई/2019	उत्तर प्रदेश
शिवांगी सिंह	एमटेक/ईएसएस/2018	दिल्ली
शिवानी सिंहल	एमटेक/ईई/2021	वडोदरा
शिवजी भगत	बीटेक/सीएसई/2020	साहिबगंज
श्रद्धा मोहनानी	एमएससी/पीएच/2021	मध्य प्रदेश
श्रेय पमेचा	बीटेक/ईई/2021	राजस्थान
श्रेयांश नाहर	बीटेक/एमई/2015	रायगढ़
श्रेयस वैद्य	बीटेक/एमई/2013	मध्य प्रदेश
श्रीहरि गुंजल	एमटेक/ईई/2021	कोल्हापुर
श्रीकांत शेखर	एमएससी/एमए/2019	शामली
श्रिया अरोड़ा	एमएससी/एमए/2019	शामली
श्रुति अधिकारी	एमटेक/बीई/2019	देहरादून
श्रुति कृष्णन	एमए/एचएसएस/2021	मुंबई
श्रुति एस नायर	एमए/एचएसएस/2020	अहमदाबाद
शुभम अग्रवाल	बीटेक/सीएल/2019	बिहार
शुभम अशोक कालगुंडे	बीटेक/ईई/2020	पुणे
शुभम चौकसी	एमटेक/एमई/2018	थिरुवामबाड़ी
शुभम गर्ग	एमएससी/पीएच/2018	हरियाणा
शुभम मलिक	एमएससी/पीएच/2021	हरियाणा
शुभम पचोरी	बीटेक/ईई/2016	भोपाल
शुभम पाटले	बीटेक/एमई/2017	मध्य प्रदेश
शुभम प्रेम कुमार	शुभ चिंतक	गांधीनगर
शुभम रांका	बीटेक/ईई/2013	राजस्थान
शुभम सोनी	एमटेक/सीई/2017	दालौदा
शुभम वर्मा	शुभ चिंतक	नवसारी
शुभांकर गौरव	एमटेक/एमई/2019	सतारा
शुभांशु गुप्ता	एमटेक/ईई/2018	नौहाती
शुचि सानिंद्य	बीटेक/एमएसई/2021	अहमदाबाद
श्याम कुमार	एमएससी/पीएच/2017	नई दिल्ली
सिद्धांत गुलेचा	बीटेक/सीई/2019	राजस्थान
सिद्धार्थ रथ	एमटेक/एमई/2017	कोरापट
सिल्की अग्रवाल	एमटेक/सीई/2015	खारगोन
सिंगमपल्ली साई रोहित	बीटेक/एमई/2018	विशाखापत्तनम
सितेश कुमार	एमटेक/बीई/2018	बिहार
शिव कृष्णा सरम परिमि	बीटेक/सीएसई/2021	कोठापेटा
सियाराम गुर्जर	एमएससी/एमए/2018	राजस्थान
सियाराम मीणा	बीटेक/ईई/2017	सवाई माधोपुर
स्मित शाह	एमटेक/ईई/2021	वलसाड
स्मृति गुप्ता	एमटेक/ईई/2018	झांसी
स्मृति साहू	एमटेक/ईई/2018	टोंक
सोहम	बीटेक/एमई/2015	थाणे
सोहिनी धर	एमटेक/ईई/2018	सिलीगुड़ी
सोल्लेति गौतम	बीटेक/एमई/2018	गुंटुर
सोमनाथ पॉल	एमटेक/सीई/2021	पश्चिम त्रिपुरा
सोनम श्रीवास्तव	#लागू नहीं	गांधीनगर
सोनवाने धनंजय किशोर	एमटेक/सीएसई/2020	जलगांव
सौमिक बंदोपाध्याय	पीएचडी/पीएच/2020	बीरभूम
सौमित कुंदु	एमटेक/सीएसई/2020	छत्तीसगढ़
सौरभ सैनी	बीटेक/सीएल/2020	जयपुर
सौरभ सिंह	एमटेक/एमई/2018	राजस्थान
सौरभ सोनी	बीटेक/सीएल/2017	बीकानेर
सौविक रॉय	एमटेक/सीएसई/2020	कोलकता
स्पंद भरत मेहता	बीटेक/सीएल/2020	पुणे
स्पर्श जैन	बीटेक/सीएल/2020	हरियाणा
श्रीजित रवीन्द्रन	एमटेक/ईई/2014	इदाथरा
श्रीकांत सी	एमएससी/सीजी/2019	केरल
श्रीनिवास जी रेड्डि	संकाय	संराअ
श्रीराम श्रीहर्ष	बीटेक/एमएसई/2020	महबूबनगर
श्रीवास्तव निश्कर्ष रमेश्वरनाथ	एमटेक/एमएसई/2020	गुजरात
शुभाश कुंचे	बीटेक/ईई/2013	नई दिल्ली
सुबिशा वी	एमटेक/सीएस/2019	कालीकट
सुधा गौतम	एमटेक/एमएसई/2020	बस्ती
सुधीर कुमार	एमएससी/सीएच/2021	गांधीनगर
सुदीप पंडित	एमएससी/एमए/2018	बीरभूम
सुगुरु कुंदन	बीटेक/ईई/2012	सेरिलंगमपल्ली

सुहैर के के	एमए/एचएसएस/2019	वडकरा
सूजित वसंत मटले	एमटेक/सीई/2018	हरियाणा
सूजितकुमार शाह	स्टाफ	गांधीनगर
सुकृत शर्मा	एमटेक/सीई/2020	गुरुग्राम
सुमन कुमार सिंह	बीटेक/सीएल/2017	मधुबनी
सुमीत कटारिया	एमएससी/सीएच/2018	दिल्ली
सुमित कुमार	बीटेक/एमई/2017	भिवानी
सुमित्वा मुखर्जी	पीएचडी/एचएसएस/2014	हुगली
सुनीता मेनन	स्टाफ	गांधीनगर
सनी वर्मा	एमटेक/ईई/2016	बिलासपुर
सूरज कुमार मीणा	बीटेक/ईई/2020	जयपुर
सूरज सोनकर	स्टाफ	पठानकोट
सुरभि खेवले	एमटेक/सीएल/2019	शामगढ़
सुरभि वारकड़े	एमएससी/एमए/2020	भोपाल
सुरेन्द्र बेनीवाल	बीटेक/सीएल/2016	नागपुर
सुरेन्द्र चौधरी	एमएससी/एमए/2020	अजमेर
सुरेन्द्र कुमार मौर्य	एमटेक/ईई/2020	प्रयागराज
सुरेश चौधरी एमएससी	एमएससी/एमए/2019	जयपुर
सुरजीत सिंह चौधरी	एमएससी/एमए/2019	राजस्थान
सूर्य प्रताप सिंह	एमएससी/सीएच/2018	बीकानेर
सूर्यकुमार माने	बीटेक/एमई/2017	कोल्हापुर
सुशील कुमार	बीटेक/सीएल/2016	छत्तीसगढ़
सुश्रुत प्रमोद मेशराम	बीटेक/ईई/2014	नागपुर
सुयश धनवीर पासी	एमए/एचएसएस/2019	अहमदाबाद
सुयश सुभाश पाटकर	बीटेक/एमई/2014	मुंबई
स्वागत दास	एमटेक/एमएसई/2020	कट्टक
स्वर जोशी	एमए/एचएसएस/2018	अहमदाबाद
स्वरूप चक्रवर्ती	पीएचडी/बीई/2021	छत्तीसगढ़
स्वरूप भटकर	एमए/एचएसएस/2020	नवी मुंबई
स्वाति एस जी	बीटेक/ईई/2019	कोठापेटा, कुरनूल
स्वाति वर्मा	बीटेक/एमई/2012	आणंद
सैय्यद अंसारी जी	एमटेक/एमएसई/2018	मुंबई
तनय कनकने	बीटेक/एमई/2017	रायपुर
तनय पटेल	बीटेक/ईई/2014	गुजरात
तनय मुकाति	एमटेक/सीई/2020	भोपाल
तंडेल मोहित मुकुंदराज	बीटेक/एमएसई/2018	लातूर
तनीशा अग्रवाल	स्टाफ	बैरागढ़
तनमय बालवा	बीटेक/एमई/2012	भुज
तनु कौशिक	एमएससी/सीएच/2020	हिसार
तनु कुमारी	एमएससी/एमए/2020	हरियाणा
तनुश्रि हलदर	एमटेक/बीई/2021	कोलकता
तान्वी जैन	एमए/एचएसएस/2019	दिल्ली
तपस कुमार दास	स्टाफ	गांधीनगर
तरुण कुमार	एमएससी/सीएच/2019	हरियाणा
तरुण शर्मा	बीटेक/सीई/2019	इंदौर
तेजस श्रीकृष्ण होर्तिकार	स्टाफ	गांधीनगर
थारन सुरेश	एमएससी/सीजी/2021	तमिल नाडु
तिबिन एम थॉमस	एमटेक/एमई/2016	कोट्टयम
तिलक नरेन्द्र पाठे	बीटेक/ईई/2015	जलगांव
त्रिसरोत देब	एमटेक/ईई/2019	पश्चिम त्रिपुरा
त्रिवेदी जलधीर संजय	बीटेक/एमई/2018	बड़ोदा
तुक्कनि संदीप रेड्डि	बीटेक/एमई/2019	हैदराबाद
तुलसी नरेन्द्र दास त्रिपुराणा	बीटेक/एमएसई/2019	विशाखापत्तनम
तुशार अग्रवाल	एमटेक/ईई/2021	उत्तर प्रदेश
तुशार मेशराम	एमए/एचएसएस/2016	बेंगालुरु
तुशार पारीक	बीटेक/एमई/2019	जयपुर
त्वरित अशोकभाई पटेल	पीएचडी/एमएसई/2020	सूरत
उदय सिंह	एमएससी/पीएच/2019	उत्तर प्रदेश
उदित सुरेन्द्र रेलन	बीटेक/एमई/2018	धुले
उमेश कुमार	एमएससी/सीएच/2017	नई दिल्ली
उपेन्द्र कुमार शुक्ला	एमटेक/सीएल/2014	गोंडा
उपेन्द्र कुमार	बीटेक/एमई/2020	बिहार
उपेन्द्र कुशवाहा	पीएचडी (पीआरएल)/ पीएच/2016	ग़ाज़ीपुर
उर्मिन देव	एमटेक/सीई/2021	गुजरात
उत्सव मिस्त्री	बीटेक/एमई/2015	सूरत
वाघेला विशाल घनश्याम	पीजीडीआईआईटी/ सीई/2020	अहमदाबाद
वैभव गुप्ता	बीटेक/एमई/2017	उत्तर प्रदेश
वैभव मित्तल	बीटेक/एमई/2019	रायपुर
वैभव त्रिवेदी	एमटेक/सीएल/2019	फ़रुखाबाद
वैभवकुमार तंडेल	एमटेक/एमई/2021	वलसाड
वैजनापुरकर सामर्थ संजीव	बीटेक/एमई/2016	सूरत
वखारिया विस्मय दिलीपकुमार	बीटेक/एमई/2018	जामनगर
वर्ष सिंह	बीटेक/सीएल/2020	चंडीगढ़
वरुण गुप्ता	बीटेक/एमई/2013	अलवर
वसुंधरा कृष्णन	एमए/एचएसएस/2020	कोळीकोडे
वेद प्रकाश साहू	बीटेक/सीएल/2013	कोटा
वेदांत कृष्णा भूटानी	बीटेक/ईई/2021	राजस्थान
वीरामल्लु गिरिधर साई	बीटेक/ईई/2019	गुंटुर
विजय कुमार बलियान	एमएससी/पीएच/2021	राजस्थान
विजय सिंह	शुभ चिंतक	गांधीनगर
विजेन्द्र मौर्य	बीटेक/सीएल/2019	उत्तर प्रदेश
विकास कुमार मीणा	बीटेक/ईई/2018	जयपुर
विकास शर्मा	एमटेक/एमई/2016	नागर, दिल्ली
विकास यादव	बीटेक/सीई/2018	पटना
विक्रम सिंह नेगी	एमएससी/सीजी/2021	चंडीगढ़
विक्रम विश्नोई	बीटेक/एमई/2014	जालोर
विनीता बोडेमपुडी	एमटेक/ईई/2019	हैदराबाद
विनीत संजय जोशी	बीटेक/ईई/2015	बोरीवली
विनोद नाराणन	संकाय	गांधीनगर
विनोद कुमार	एमएससी/पीएच/2021	हनुमानगढ़
विपिन प्रजापति	बीटेक/ईई/2017	जयपुर
वीरेनद्र सिंह पवार	बीटेक/सीएल/2016	जयपुर
विशाल बडोलिया	एमएससी/पीएच/2020	टोंक
विशाल प्रसाद	एमटेक/ईई/2020	मुंगेर
विशाल यादव	बीटेक/एमई/2015	राजस्थान
विश्वनाथ हीरेमथ	एमटेक/ईई/2018	कर्णाटक
विवेक कुमार सिंह	एमटेक/ईई/2021	उत्तर प्रदेश
विवेक पोपट	एमटेक/सीएल/2013	राजकोट
व्यास समीर	बीटेक/ईई/2017	राजकोट
यदुकृष्णन एम	एमटेक/ईई/2019	कन्नुर
यश गोयल	एमटेक/सीई/2020	इंदौर
यश मकवाना	बीटेक/सीएल/2020	उदयपुर
यश पटेल	बीटेक/एमई/2019	सूरत
यश प्रताप सिंह	बीटेक/एमई/2016	छत्तीसगढ़
यश शाह	बीटेक/एमई/2013	अहमदाबाद
यशोवर्धन	बीटेक/ईई/2018	लखनऊ
योगेश कुमार गुप्ता	एमएससी/एमए/2020	राजस्थान
योगेश शांताराम फुलपगारे	पीएचडी/एमई/2018	धुले
योगेश यादव	एमएससी/पीएच/2021	जयपुर
योगी राम	स्टाफ	गांधीनगर
ज़डे अनीता दिनयानबा	एमटेक/सीएल/2016	हिंगोली
आकाश उन्निकृष्णन	एमटेक/एमई/2019	कन्नुर
जे राम प्रभाकर	पीएचडी/ईई/2016	धर्मपुरी
मुरली कृष्णा इंदुरी	पीएचडी/सीएस/2018	गुंटुर
प्रणव चंद्राकर	एमटेक/सीई/2021	छत्तीसगढ़
सचिनकुमार बाबूभाई सूथर	एमटेक/ईई/2019	अहमदाबाद
तेज बहादुर गुरुंग	स्टाफ	गांधीनगर
दुथाडे संकेत राजेश	बीटेक/ईई/2018	महाराष्ट्र

* वर्ष के उस भाग के लिए

लोग

विशिष्ट माननीय प्राध्यापक

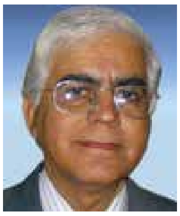

प्रो. सुरेन्द्र प्रसाद

प्रो सुरेन्द्र प्रसाद चार दशकों से भी अधिक समय तक भा.प्रौ. सं. दिल्ली में कई शैक्षणिक व प्रशासनिक पदों पर सेवारत रहे जिसमें निदेशक पद भी शामिल है। इन्होंने शिक्षा व शोध में अनेक सम्मान प्राप्त किए जिसमें इलेक्ट्रॉनिक व दूर संचार (1987) में विक्रम साराभाई शोध पुरस्कार, अभियांत्रिकी विज्ञान (1988) में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, इलेक्ट्रॉनिक व संचार (1994) में शोध के लिए ओमप्रकाश भसीन पुरस्कार, सूचना प्रौद्योगिकी (2006) के लिए वास्विक पुरस्कार, भारत के सिस्टम सोसाइटी का जीवन पर्यन्त पुरस्कार (2011) तथा भा॰प्रौ॰सं खड़गपुर का प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार शामिल हैं। साथ ही उन्हें 2007 में लूघबोरो विश्वविद्यालय, यू.के., के द्वारा डॉक्टरेट से भी सम्मानित किया गया। वे भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक अभियांत्रिकी, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय साइन्स अकादमी तथा राष्ट्रीय साइंस अकादमी के फेलो हैं तथा सी॰एस॰आई॰आर॰ के शासी निकाय तथा सी॰एस॰आई॰आर॰ समाज, भारत सरकार तथा कई भा॰प्रौ॰संस्थानों व राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की समितियों व अन्य अभियांत्रिकी संस्थानों के मंडल सदस्य रहे हैं।

प्रो. नीतीश ठाकोर

प्रो. नीतीश ठाकोर जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय में जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी, संगणक अभियांत्रिकी तथा तंत्रिका विज्ञान के प्राध्यापक हैं और तंत्रिका अभियांत्रिकी के लिए प्रयोगशाला का नेतृत्व करते हैं। वे सिंगापोर तंत्रिका प्रौद्योगिकी संस्थान में निदेशक भी हैं। उन्होंने भा॰प्रौ॰सं॰ मुंबई से 1974 में अवर-स्नातक की उपाधि व 1981 में मेडीसन के विस्कॉसिन विश्वविद्यालय से पीएचडी प्राप्त किया है। उन्हें अभियांत्रिकी विद्यालय, विस्कांसिन विश्वविद्यालय द्वारा 2008 में सेंटेनियल पदक, तथा अल्फा एटा मू बीटा जैव विज्ञान समाज द्वारा स्नायु अभियांत्रिकी में तकनीकी उत्कृष्टता का पुरस्कार मिला। उन्होंने आईईईई औषधि एवं जैवप्रौद्योगिकी सोसायटी से न्यूरोअभियांत्रिकी में तकनीकी उत्कृष्टता का पुरस्कार और 2012 में भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे से प्रतिष्ठित पूर्वछात्र पुरस्कार और विस्कॉसिन विश्वविद्यालय, मैडिसन अभियांत्रिकी विद्यालय से सेंटेनियल पदक प्राप्त किया।

अतिथि विद्वान

प्रो रघुबीर शरण

प्रो रघुबीर शरण ने 2004 में एलएनएम सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर में एक विशिष्ट प्राध्यापक के रूप में शामिल होने से पहले विद्युत अभियांत्रिकी के विषय में 35 से अधिक वर्षों तक भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर में सेवा की। उन्होंने बिहार प्रौद्योगिकी संस्थान, सिंदरी से दूरसंचार अभियांत्रिकी में बीई, तथा एमएएससी व पीएचडी यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू, ओंटारियो, कनाडा से इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी में पूरा किया। उन्होंने 1981 से 1984 तक भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर में अकादमिक मामलों के डीन के रूप में भी काम किया है। 1999 से 2004 तक, वे भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर में सैमटेल डिस्प्ले प्रौद्योगिकी केंद्र (एससीडीटी) की स्थापना में शामिल थे। प्रो शरण 2012 में विद्युत अभियांत्रिकी के विषय में अभ्यागत प्राध्यापक के रूप में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर से जुड़े और मई 2019 तक यहां सेवा की। सेवानिवृत्ति के बाद, प्रो शरण को भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर से दो पुरस्कार मिले: विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार (2013) और संस्थान फेलो पुरस्कार (2016)। उनके अनुसंधान हितों में तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्य, अर्धचालक उपकरण, ट्रांसड्यूसर और उपकरण, शोर, अभियांत्रिकी शिक्षा शामिल हैं।

प्रो नूनो गुईमारेस

प्रो नूनो गुईमारेस आईएससीटीई-यूएल में पूर्ण प्राध्यापक हैं, उन्होंने लिसबन के तकनीकी विवि, इंस्टीट्यूटो सुपीरियर टेकनियो, पुर्तगाल से 1983 में विद्युतरसायन अभियांत्रिकी से अवरस्नातक किया, जहां से उन्होंने एमएससी (1987) और पीएचडी (1992) की पूर्ण किया। उन्हें जुलाई 1999 में लिसबन विवि के शीर्षक अग्रेगाडो एम इंफोर्मेटिका से सम्मानित किया गया। उन्होंने 1986 से 1997 तक आईएसटी/यूटीएल के विद्युतकनीकी व संगणक अभियांत्रिकी विभाग में, तथा 1997 से 2012 तक लिसबन विवि के विज्ञान संकाय के इनफोर्मेटिक्स विभाग में शिक्षण कार्य किया। वे 2012 में लिसबन विवि के इनफोर्मेटिक्स विभाग के डीन (2003-2009) रह चुके हैं। उन्हें 2010 में बर्लिन तकनीकी विवि, इंस्टिट्यूट फर साइकोलॉजी एंड अरबेत्सनशाफ्ट, फाक वी – वर्कर्स – एंड मशीनेसिस्टमे में आमंत्रित प्राध्यापक के रूप में बुलाया गया था। वे 1982 से 1997 तक आईएनईएससी, इंस्टिट्यूटो डे एंजिनहेरिया डे सिस्टेमास ई कंप्यूटेडोर्स, लिसबन, पुर्तगाल में एक शोधकर्ता थे, और 1997 से एलएएसआईजीई/एफसीयूएल के एक सदस्य के रूप में कार्य कर रहे हैं। वे 1989 से 1991 के दौरान बेल प्रयोगशाला, एटी व टी, मरे हिल, न्यू जर्सी, "सॉफ्टवेयर प्रिंसिपल अनुसंधान प्रयोगशाला" में परामर्शदाता के रूप में कार्य कर चुके हैं। वे यूनेट पुर्तगाल, बाद में केपीएनक्वेस्ट पुर्तगाल के प्रारंभिक संस्थापक सदस्य पीयूजी (पुर्तगाली यूनिक्स उपयोगकर्ता समूह) (1992-1998) के कार्यकारी मंडल सदस्य रह चुके हैं। वे 1996 – 2001 के बीच एर्गोप्रोसेसो (परामर्श सेवाएं), 4वीडीओ – सिस्टेमास एसर्विकोस मल्टीमीडिया एसए (वीडियो इंडेक्सिंग सेवाएं) तथा ऑन टीवी – सिस्टेमास ए सर्विकोस डे टेलिविसाओ इंटेरेक्टिवा एसए (इंटरेक्टिव टेलेविजन प्रणाली इंटीग्रेटर) के सह-संस्थापक थे। वे एसीएम वरिष्ठ सदस्य (2012 से), एसीईईयू (www.aceeu.org), तथा आईएससीओ (पीटी) के सदस्य (प्रबंधन) भी हैं।

अतिथि प्राध्यापक

प्रो ए वी अनिलकुमार

प्रो अनिलकुमार अमुरतुर वॉन्डरबिल्ट विश्वविद्यालय के संकाय में एक एयरोस्पेस अभियंता हैं। वे स्पेस शटल फ्लाइट्स तथा अंतरराष्ट्रीय स्पेस शटल स्टेशन माइक्रोग्रेविटी फ्लुइड फ्लो फेनोमेना के नासा अन्वेषक रहे हैं। उनके शोध के केंद्र में, प्रयोगात्मक द्रव डाइनामिक्स, रॉकेट प्रोपल्सन, ड्रॉप व डबल डाइनामिक्स, बायो एनकेप्सुलेशन; ऊर्जा कन्वर्सन, वायु, थर्मोइलेक्ट्रिक्स, बायोडीजल; सामग्री प्रसंस्करण: फ्लोट-जोन्स, डाइरेक्शनल सॉलिडिफिकेशन शामिल हैं।

वी अशोक

वी अशोक वर्तमान में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में अतिथि प्राध्यापक, भा॰प्रौ॰सं॰ बॉम्बे में सहायक प्राध्यापक और राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान (एनआईएएस) बेंगलोर में अतिथि प्राध्यापक हैं। उन्होंने 1981 में भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली से सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक प्राप्त किया। विभिन्न पदों पर 34 वर्षों से अधिक समय तक भारत सरकार की भारतीय विदेश सेवा में कार्य करने के बाद, वे अक्टूबर 2018 में भारत के महावाणिज्य दूत, सैन फ्रांसिस्को के रूप में सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में पदस्थ होने के अलावा हांगकांग, मलेशिया, चीन, ऑस्ट्रिया और श्रीलंका में भारतीय मिशनों में राजनयिक कार्यभार संभाला है। उन्हें 2007 में जिम्बाब्वे गणराज्य और 2011 में चेक गणराज्य में भारत के राजदूत के रूप में मान्यता दी गई थी।

डॉ निखिल बलराम

डॉ निखिल बलराम संराअ, केलिफोर्निया में सेन जोस आधारित आईवे विज़न इंक (ईवीआई) के प्रकाअ हैं, जो उन्नत इमर्सिव एआर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत है। आईवे में नियुक्ति से पहले, वे गूगल में हार्डवेयर उत्पादनों (एआर/वीआर सहित) के प्रमुख डिसप्ले का शोध एवं विकास का कार्य देख रहे थे। प्रौद्योगिकी में कार्यकारी पद पर बड़ा अनुभव रखने वाले, डॉ बलराम पूर्व में रीको नवीनताओं में प्रकाअ, मार्वेल में वीपी व जीएम, तथा राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर डिसप्ले समूह में सीटीओ पद पर रह चुके हैं। उन्होंने कई पुरस्कार जीते हैं जिसमें 9वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय व्यापार पुरस्कार की इलेक्ट्रॉनिक श्रेणी में वर्ष के कार्यपालक के लिए 2012 गोल्ड स्टीवी पुरस्कार, सोसाइटी-फॉर इन्फोर्मेशन डिसप्ले (एसआईडी) द्वारा 2012 फेलो पुरस्कार तथा कार्नेजी मेलन विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र उपलब्धि पुरस्कार 2011 शामिल हैं। डॉ बलराम कार्नेजी केलिफोर्निया विश्वविद्यालय बर्कले में विजन विज्ञान में अभ्यागत प्राध्यापक हैं तथा सांता क्लारा विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी विद्यालय में उद्योग सलाहकार प्राधिकरण (आईएबी) में अपनी सेवा प्रदान करते हैं।

प्रो रवि बनावर

प्रो रवि बनावर भा॰प्रौ॰सं॰ मुंबई में प्रणालियां एवं नियंत्रण अभियांत्रिकी समूह के प्रोफेसर हैं, देश का एक अनोखा अंतरविषयक समूह जो इस क्षेत्र में अधिस्नातक एवं डॉक्टोरल कार्यक्रम में शिक्षा प्रदान करता है। उनकी शोध रुचि ज्यामितीय यांत्रिकी, नॉनलीनियर एवं ऑप्टिमल नियंत्रण, एयरोस्पेस के अनुप्रयोगों के साथ लोकोमोशन, यांत्रिकी एवं सूक्ष्म-रोबोटिक्स के क्षेत्र में है। उन्हें भा॰प्रौ॰सं॰ मद्रास से बीटेक, क्लेमसन विवि से एमएस तथा टेक्सस विवि, ऑस्टिन से पीएचडी प्राप्त है। केलिफोर्निया विवि, लॉस एंजलिस में एक प्रशिक्षक के रूप में थोड़ा समय कार्य करने के पश्चात वे 1993 में भा॰प्रौ॰सं॰ मुंबई के प्रणालियां एवं नियंत्रण समूह में शामिल हो, वे जुलाई-दिसम्बर 2015 के बीच भारतीय विज्ञान संस्थान के एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग में प्रैट एवं व्हाइटनी विजिटिंग चेयर प्राध्यापक थे।

हर्ष भार्गव

हर्ष भार्गव वर्तमान में एक प्रमुख वॉशिंगटन डीसी आधारित प्रबंधन परामर्श कंपनी बैंकवर्ल्ड इंक के अध्यक्ष हैं, जो 75 से अधिक देशों के उभरते बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रमों (एमएसएमई) का अनुभव प्राप्त कर चुके हैं। उन्हें हार्वर्ड बिज़नेस विद्यालय से 1977 में एमबीए की उपाधि प्राप्त है। एक अमेरिकी निगम के उपाध्यक्ष के रूप में, उन्होंने 60 से अधिक देशों में कारोबार स्थापित किया और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में उत्कृष्टता के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के ई अवार्ड से सम्मानित किया गया। श्री भार्गव भारत और केन्या के केंद्रों के साथ एक गैर-लाभकारी निगम के संस्थापक और आई क्रिएट इंक के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने युवाओं के लिए कैरियर विकल्प के रूप में उद्यमशीलता पर विस्तार से लिखा है, और वित्तीय साक्षरता और उद्यमशीलता पर प्रशिक्षण मैनुअल और किताबें बनाई हैं। वह भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के तत्वावधान में भारत में प्रतिस्पर्धा की मानसिकता पर एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन के मुख्य लेखक और निदेशक हैं। वह भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में स्थापित इकाई, प्रतिस्पर्धात्मक मानसिकता की पहल के मुख्य संरक्षक भी हैं।

डॉ अचिंत्या के भौमिक

डॉ अचिंत्या के भौमिक स्टारकी हियरिंग प्रौद्योगिकी, एक निजी चिकित्सा उपकरण उद्योग जिसका विश्व के 100 से भी अधिक देशों में व्यापार है, के प्रमुख प्रौद्योगिकी अधिकारी व कार्यकारी उपाध्यक्ष हैं। इस पद पर वे कंपनी की प्रौद्योगिकी संबंधी रणनीतियों, वैश्विक अनुसंधान, उत्पाद विकास तथा अभियांत्रिकी विभागों के साथ सुनने में सहायता करने वाले उपकरणों, बहुकार्य वाले पहनने के चिकित्सा उपकरणों के साथ उन्नत संवेदक व कृत्रिम बुद्धि प्रौद्योगिकी का नेतृत्व करते हैं। स्टारकी में आने से पहले, डॉ भौमिक इंटल कॉर्पोरेशन के परसेप्चुअल कम्प्यूटिंग समूह में उपाध्यक्ष तथा महाप्रबंधक पद पर थे। डॉ भौमिक स्टेनफोर्ड विवि में सहायक प्राध्यापक हैं। उन्हें कई सम्मान व पुरस्कार प्राप्त हैं, जिसमें टाइम का सर्वश्रेष्ठ आविष्कार, कृत्रिम बुद्धि ब्रेकथ्रू पुरस्कार, रेड डॉट डिजाइन पुरस्कार के अतिरिक्त कई अन्य पुरस्कार शामिल हैं।

डॉ आर एस बिष्ट

डॉ आर एस बिष्ट, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संयुक्त महानिदेशक (सेवा निवृत्त) को पुरातत्व शोध, राष्ट्रीय स्मारकों का पर्यावरणीय विकास तथा प्रशासन में 35 वर्षों से भी अधिक अनुभव है। वे हरियाणा के पुरातत्व विज्ञान व संग्रहालय विभाग; पुरातत्व विज्ञान विभाग एवं पंजाब संग्रहालय से भी जुड़े हुए हैं। वर्तमान में, डॉ बिष्ट मरीन पुरातत्व विज्ञान समिति के अध्यक्ष तथा संस्कृति मंत्रालय में भारत सरकार द्वारा मनोनीत, राष्ट्रीय स्क्रीनिंग व इवोल्यूशन समिति के अध्यक्ष हैं। वर्ष 2013 में उन्हें पदम्श्री तथा आचार्य नरेन्द्र देव अलंकार पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रो राजेन्द्र बोर्डिया

प्रो राजेन्द्र बोर्डिया वर्तमान में संराअ के क्लेमसन विश्वविद्यालय में सिरामिक्स व पदार्थ अभियांत्रिकी के जॉर्ज जे बिशप, III अक्षय निधि के चेयर प्राध्यापक हैं। पूर्व में वे क्लेमसन विश्वविद्यालय में पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी विभाग में प्राध्यापक व चेयर रह चुके हैं। उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं जिसमें एलेक्जेन्डर वॉन हमबोल्ड फाउन्डेशन, जर्मनी (2007) से हमबोल्ड वरिष्ठ वैज्ञानिक शोध पुरस्कार; तकनीकी विश्वविद्यालय हैमबर्ग, जर्मनी द्वारा अंतरराष्ट्रीय एक्सपर्ट पुरस्कार (1996, 2001, तथा 2002) शामिल हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन (2007) द्वारा मार्शा लैंडोल्ट डिस्टींगविश्ड ग्रेजुएट मेंटर अवार्ड पाने वाले वे एकमात्र व्यक्ति हैं, तथा सेरामिक एजुकेशन कांउसिल ऑफ अमेरिकन सेरामिक सोसाइटी (2012) द्वारा आउटस्टैडिंग एजुकेटर ऑफ द इयर के एकमात्र प्राप्तकर्ता हैं।

प्रो आर पी छाबड़ा

प्रो आर पी छाबड़ा ने रासायनिक अभियांत्रिकी में रूड़की विवि से बीई, भाविसं बंगलोर से एमई तथा मोनाश विवि, ऑस्ट्रेलिया से पीएचडी किया। वे भाप्रौसं कानपुर, न्यू साउथ वेल्स विवि सिडनी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ स्वेनसिया; मोनाश विवि, क्लेटॉन; तथा सिडनी विवि से जुड़े रहे हैं, वे भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलोर, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो हैं। प्रो छाबड़ा को रासायनिक अभियांत्रिकी में मूल शोध में उत्कृष्टता के लिए रासायनिक अभियंताओं के भारतीय संस्थान के हरडिल्लिया पुरस्कार तथा रासायनिक अभियंता के लिए शोध व विकास में उत्कृष्टता के लिए रासायनिक अभियंताओं के भारतीय संस्थान का अमर डाइ-केम पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

डॉ प्रवीणराय डी गांधी

डॉ प्रवीणराय डी गांधी वर्तमान में अंडरराइटर्स प्रयोगशाला (यूएल) के खुदरा व उद्योग आर एंड डी में कॉरपोरेट फेलो हैं। इन्होंने अपनी बीटेक की उपाधि भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली तथा नोट्रेडेम विवि से पीएचडी प्राप्त किया। इनकी रुचि आग से होने वाले जोखिम तथा खतरों को मापने पर है, तथा वे नई परीक्षण विधि तथा मानक को विकसित कर रहे हैं। आजकल वे अग्नि विज्ञान शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए अग्नि सुरक्षा समुदाय तथा विश्वविद्यालयों के साथ कार्य कर रहे हैं।

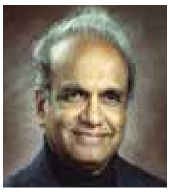

प्रो रमेश गावंकर

प्रो रमेश गावंकर भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में विद्युत अभियांत्रिकी के अतिथि प्राध्यापक हैं। इन्होंने साइराक्रूस विवि से इंसट्रक्शनल प्रौद्योगिकी एवं विद्युत अभियांत्रिकी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है, साइराक्रूस, न्यू यॉर्क। उन्हें अपने शिक्षण व विद्वतापूर्ण गतिविधियों के लिए कई पुरस्कार मिले हैं जिसमें अमेरिकन अभियांत्रिकी शिक्षण सोसायटी उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार, सेंट लॉरेंस सेक्शन (1984) दि सनी चांसलर पुरस्कार, सृजनात्मकता व विद्वतापूर्ण गतिविधियों के लिए (2003), दि सी.एन.वाई. प्रौद्योगिकी – उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार (2003), तथा ओ.सी.सी. ट्रस्ट पुरस्कार मंडल का उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार (1982, 1989 एवं 2007) शामिल हैं।

डॉ राजेन जसवा

डॉ राजेन जसवा एक सफल प्रौद्योगिकी उद्यमी हैं। इनकी सबसे हाल की भूमिका 2009-2012 तक डायनो के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी व अध्यक्ष के रूप में थी। 2003-2008 में इन्होंने अपना पूरा समय टाई सिलिकॉन वैली को समर्पित किया, 2005-2008 तक अध्यक्ष तथा 2003-

2004 तक निदेशक के तौर पर इन्होंन अपनी सेवा प्रदान की है। डॉ जसवा 1996-2002 के बीच सेलेक्टिका के सहसंस्थापक, अध्यक्ष एवं प्रकाअ के रूप में सेवारत रहे।

प्रो अशोक जोशी

प्रो अशोक जोशी भा॰प्रौ॰सं॰ मुंबई के एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग में प्राध्यापक हैं। उन्हें 35 वर्षों से अधिक का शिक्षण, शोध एवं अनुसंधान तथा अध्यापन का अनुभव है। उनकी विशेषज्ञता लचीले उड़नवाहनों के आयामों और नियंत्रण, बहु-कारक स्वार्मिंग व्यवहार के नमूनों और चालन, नौचालन तथा दिशानिर्देशन तथा प्रणाली वास्तुकलानिर्माण में है। उन्होंने भाप्रौसं मुंबई से बीटेक एवं एमटेक (एयरोस्पेस अभियांत्रिकी) तथा पीएचडी (एयरोस्पेस अभियांत्रिकी) किया है। वे भारतीय एयरोनॉटिकल सोसायटी (एईएसआई) और अमेरिकी एयरोनॉटिक्स एवं एस्ट्रोनॉटिक्स संस्थान (एआईएए), संराअ के सदस्य भी हैं।

प्रो दुर्गेश सी राय

प्रो दुर्गेश सी राय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक हैं। उनको भूकंप अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (संराअ) द्वारा 2000 शाह परिवार नवीनता पुरस्कार तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी द्वारा युवा अभियंता पुरस्कार (1999) प्राप्त हुआ है। वे 2010 में भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी फेलो चुने गए थे। वे राष्ट्रीय सूचना भूकंप अभियांत्रिकी केंद्र (एनआईसीईई) के भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर में संयोजक हैं तथा अंतरराष्ट्रीय भूकंप अभियांत्रिकी संस्था के विश्व भूकंप सुरक्षा पहलों के मण्डल के सदस्य हैं।

प्रो मैथिली रामस्वामी

प्रो मैथिली रामस्वामी वर्तमान में टाटा मूलभूत अनुसंधान केंद्र संस्थान बेंगलोर में गणित विभाग की प्रोफेसर हैं। उन्हें 2016-17 में फुलब्राइट-नेहरू शैक्षणिक एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई है। उनको महिला वैज्ञानिकों की श्रेणी के लिए 2004 में कल्पना चावला पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलोर, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद की फेलो हैं, तथा रामानुजन गणितीय समाज पत्रिका, भारतीय विज्ञान-गणितीय विज्ञान अकादमी और बाउंड्री वैल्यू सम्स्याओं की संपादकीय मंडल की सदस्य हैं।

डॉ प्रमोद रस्तोगी

डॉ प्रमोद रस्तोगी स्विटजरलैंड के इकोले पॉलीटेक्निक फ्रेडेरेल डे लॉसेन में अतिथि प्रोफेसर हैं। उन्होंने भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली से एमटेक की डिग्री प्राप्त की, और फ्रांस के कोम्टे विश्वविद्यालय से पीएचडी की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय

ख्याति प्राप्त प्रकाशकों के साथ होलोग्राफी, डीएसपीआई, ऑप्टिकल मेट्रोलॉजी और डिजिटल ऑप्टिकल सिग्नल एनालिसिस के क्षेत्रों में नौ पुस्तकों का संपादन / लेखन किया है। डॉ रस्तोगी एसपीआई डेनिस गैबोर पुरस्कार के 2014 के प्राप्तकर्ता हैं। वह स्विस अभियांत्रिकी विज्ञान अकादमी के सदस्य भी हैं। वह वर्ष 1982 में प्रायोगिक यांत्रिकी में प्रकाशित सबसे महत्वपूर्ण शोध पत्र के लिए हेटेनी पुरस्कार के प्राप्तकर्ता भी हैं।

डॉ श्रीनिवास रेड्डी

डॉ श्रीनिवास रेड्डी ने ब्राउन् विवि से दक्षिण एशियाई अध्ययन में बीए की उपाधि प्राप्त की। उन्हें बर्कले की केलिफोर्निया विवि से दक्षिणपूर्वी एशियाई अध्ययन में एमए और पीएचडी की उपाधि प्राप्त है। वर्तमान में वे ब्राउन विवि के एप्लाइड संगीत कार्यक्रम-सितार में शिक्षण सहायक पद पर हैं। उन्होंने दो पुस्तकें भी प्रकाशित की है जिनका शीर्षक है, “पहनी हुई माला के दाता: श्री कृष्णदेवार्य की अमुक्तमाल्यदा” तथा “राया”। उन्होंने संस्कृत, पाली, तेलगु, तमिल भाषाओं के उच्चारण और अनुवाद में उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वह दुनिया भर में दक्षिण एशिया के शास्त्रीय संगीत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक गैर-लाभकारी संगठन साधना फाउंडेशन के संस्थापक और कलात्मक निदेशक हैं।

प्रो धीरज सांघी

प्रो धीरज सांघी वर्तमान में जे के लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति हैं। वे भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर में संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी के प्राध्यापक पद पर कार्यरत रह चुके हैं। भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर में 27 से अधिक वर्षों के अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने शैक्षणिक मामलों के संकायाध्यक्ष; स्नातक समिति के तहत अभिषद् प्रमुख; समन्वयक उद्योग संबद्ध कार्यक्रम; कंप्यूटर और इंटरनेट सुरक्षा के लिए प्रभु गोयल अनुसंधान केंद्र के प्रमुख जैसे विभिन्न शीर्ष पदों पर कार्य किया है। उन्होंने निदेशक, एलएनएमआईआईटी, जयपुर; भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली में शैक्षणिक मामलों के डीन, बाह्य संबंध के डीन और हाल ही में भारत के सबसे पुराने अभियांत्रिकी संस्थानों में से एक पंजाब अभियांत्रिकी महाविद्यालय के निदेशक जैसे विभिन्न नेतृत्व पदों को भी बनाए रखा है। उन्होंने पूर्णकालिक और सलाहकार पदों पर विभिन्न भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योगों के साथ मिलकर काम किया है। वह कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य के रूप में जुड़े रहे हैं जिनमें प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद्, अध्ययन बोर्ड आदि शामिल हैं। प्रो सांघी ने भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर से बीटेक और मैरीलेंड विवि से एमएस व पीएचडी प्राप्त किया है।

प्रो श्याम सुंदर

प्रो श्याम सुंदर येल प्रबंधन विद्यालय में लेखांकन, अर्थशास्त्र, और वित्त के जेम्स एल फ्रेंक प्रोफेसर; अर्थशास्त्र विभाग

के प्रोफेसर; तथा व्हाइटनी मानविकी केंद्र के फेलो हैं। वे एक विश्वप्रसिद्ध लेखा सिद्धांतवादी और प्रयोगात्मक अर्थशास्त्री हैं। उनके शोध योगदान में वित्तीय रिपोर्टिंग, सिक्यूरिटी मार्केट की जानकारी, मूल्यनिर्धारण का अर्थशास्त्र सिद्धांत, तथा इलेक्ट्रॉनिक बाज़ार की रूपरेखा शामिल हैं। वे प्रयोगात्मक वित्त और प्रयोगात्मक सूक्ष्मअर्थशास्त्र के क्षेत्र में अग्रणी हैं। प्रो सुंदर को उनके शोध कार्य के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिसमें छः पुस्तकें तथा प्रसिद्ध मीडिया सहित अग्रणी पत्रिकाओं में लेखा, अर्थशास्त्र तथा वित्त पर 200 से अधिक लिखे गए लेख शामिल हैं।

डॉ महेश टंडन

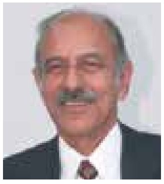

डॉ टंडन संरचनात्मक अभियांत्रिकी के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ तथा टंडन परामर्श प्रा लि के प्रबंध निदेशक हैं। उन्होंने भारतीय संरचनात्मक अभियंता संघ के अध्यक्ष (2015-16) तथा वायु अभियांत्रिकी के भारतीय समाज के अध्यक्ष (2015-16) के रूप में सेवा दी है। वे भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो, पूर्व में भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर के राष्ट्रीय भूकंप सूचना केंद्र के सभापति तथा भारतीय कांक्रीट संस्थान के पूर्व अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं।

श्री एम वेंकटरमण

श्री एम वेंकटरमण अंतरराष्ट्रीय जियोसिंथेटिक्स सोसाइटी के भारतीय अध्याय के तत्काल पूर्व अध्यक्ष हैं। उन्होंने भा॰प्रौ॰सं॰ मद्रास से 1971 में सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक एवं मृदा यांत्रिकी तथा बुनियाद में एमटेक प्राप्त किया। वे 1971-80 तक अर्ध-सरकारी संस्थाओं में संरचनात्मक परियोजनाओं के डिज़ाइन बनाने और उन योजनाओं को पूर्ण करने के लिए कार्यरत रहे। 1980-1985 के बीच उन्होंने मध्य पूर्वीय परियोजनाओं के लिए एक स्वीडिश सलाहकार के लिए परियोजना प्रबंधक के पद पर कार्य किया। वे 1985 में नेटलन इंडिया से जुड़ गए और भारत में जियोसिंथेटिक्स का विपणन करते हुए नेटलन एवं टेनसार उत्पादों के साथ सड़क, रेल और सतही सुधार की जियोसिंथेटिक्स परियोजनाओं में शामिल हो गए। वे 2005 में गरवारे से ए.वी.पी. के पद पर सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने 2013 से एक स्वतंत्र जियोटेकनिकल और जियोसिंथेटिक्स सलाहकार के रूप में कार्य करना शुरू कर दिया है। श्री वेण्कटरमण ने विभिन्न जियोटेकनिकल पत्रिकाओं में 50 से भी अधिक तकनीकी लेख लिखवाए और प्रकाशित कराए हैं।

प्रो फ्रेडरिक कूलिज

प्रो फ्रेडरिक कूलिज कोलोराडो विश्वविद्यालय, कोलोराडो स्प्रिंग्स, संराअ में मनोविज्ञान में स्नातक शिक्षा के प्राध्यापक और सह-निदेशक हैं। उन्होंने फ्लोरिडा विश्वविद्यालय से बीए, एमए और पीएचडी प्राप्त की और फ्लोरिडा विश्वविद्यालय

के शैंड्स शिक्षण अस्पताल में चिकित्सीय न्यूरोसाइकोलॉजी में दो साल की पोस्टडॉक्टरल अध्येतावृत्ति पूरी की। उनकी शोध रुचियां व्यवहार आनुवंशिकी, व्यक्तित्व विकार, पैलियोसाइकोलॉजी, संज्ञानात्मक पुरातत्व और व्यक्तित्व मूल्यांकन के क्षेत्र में हैं। अतीत में, प्रो कूलिज ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, केबल विद्यालय, यूके में वरिष्ठ अभ्यागत विद्वान (2015) के रूप में और भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में स्कॉलर-इन-रेसिडेंस के रूप में भी काम किया है। प्रो कूलिज तीन बार फुलब्राइट अध्येतावृत्ति पुरस्कार प्राप्तकर्ता (भारत, 1987, 1992, 2005) हैं। उन्होंने कई किताबें और पत्रिका लेख लिखे/सह-लेखक हैं। डॉ कूलिज साइकोलॉजिकल विज्ञान संगठन, द यूरोपियन सोसाइटी फॉर ह्यूमन इवोल्यूशन, द सोसाइटी फॉर अमेरिकन आर्कियोलॉजी और प्रागैतिहासिक अंतरराष्ट्रीय यूनियन तथा प्रोटोहिस्टोरिक विज्ञान के सदस्य हैं।

प्रो कोशी थारकन

प्रो कोशी थारकन ने हैदराबाद विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में परास्नातक के साथ-साथ डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और 1996 में गोवा विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में व्याख्याता के रूप में अपना करियर शुरू किया। वह 2009 में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में सह-प्राध्यापक के रूप में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने छात्र मामलों के डीन के रूप में भी काम किया। वे भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में दो साल के कार्यकाल के बाद गोवा विश्वविद्यालय लौट आए और वर्तमान में गोवा विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्राध्यापक और प्रमुख हैं। प्रो थारकन की विशेषज्ञता के क्षेत्र सामाजिक विज्ञान और महाद्वीपीय दर्शन के दर्शन में निहित हैं। उनके शोध हितों में मेटा-नैतिकता, सामाजिक विज्ञान के दर्शन और घटना विज्ञान शामिल हैं।

प्रो पी पी जोगलेकर

दक्कन कॉलेज, पुणे में एआईएचसी और पुरातत्व विभाग में एक पूर्व, प्रो प्रमोद प्रभाकर जोगलेकर वर्तमान में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अतिथि प्राध्यापक हैं। प्रो जोगलेकर को अध्यापन का 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे कई पुरस्कारों और सम्मानों के प्राप्तकर्ता हैं, जिनमें प्रोफेसर एचडी संकलिया युवा पुरातत्वविद् पुरस्कार (1993), फोर्ड फाउंडेशन की विजिटिंग अध्येतावृत्ति (1990) (यूएस और हॉलैंड), इटली सरकार की पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप (1993), कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय चार्ल्स वालेस फेलो (1998) में, जैव प्रौद्योगिकी पर एक किताब के लिए महाराष्ट्र राज्य साहित्य पुरस्कार (2002), 'टाइमलाइन' (मराठी में एक पुस्तक) के लिए रंजीत देसाई साहित्य पुरस्कार (2004) शामिल हैं। उन्होंने जूलॉजी में बीएससी और एमएससी, सांख्यिकी में एमफिल, इंडोलॉजी में एमए किया है; और पुरातत्व में पीएचडी। उनकी शोध रुचियों में शामिल विषयों में शामिल हैं: विज्ञान और प्रौद्योगिकी का इतिहास, पुरातत्व विज्ञान, मनुष्य, अतीत में पौधों और जानवरों की बातचीत, जैव-आणविक पुरातत्व, और विज्ञान और समाज।

प्रो. औरूप आर गांगुली

औरूप आर गांगुली बोस्टन, एमए के पूर्वोत्तर विश्वविद्यालय में सिविल और पर्यावरणीय अभियांत्रिकी के प्रोफेसर हैं, जहां उनके पास कंप्यूटर विज्ञान और शहरी मामलों के खौरी कॉलेज के साथ नियुक्तियां हैं। उनकी अनुसंधान रुचि जलवायु परिवर्तन, जीवन रेखा बुनियादी ढांचे के लचीलापन के साथ-साथ मशीन लर्निंग और गैर-रेखीय भौतिकी के तहत मौसम और हाइड्रोलॉजिक चरम में है। पैसिफिक उत्तरपश्चिमी राष्ट्रीय प्रयोगशाला में मुख्य वैज्ञानिक के रूप में उनकी संयुक्त भूमिका है। गांगुली ने बोस्टन स्थित क्लाइमेट एनालिटिक्स स्टार्टअप रिसक्यू की सह-स्थापना की। नॉर्थईस्टर्न से पहले, गांगुली ने ओक रिज राष्ट्रीय प्रयोगशाला, यूएस ऊर्जा विभाग के एक शोध संस्थान और ओरेकल कॉरपोरेशन में काम किया, साथ ही डेमन्ट्रा इंक नामक एक बेहतरीन संस्थान के साथ काम किया। जिसे बाद में ओरेकल द्वारा अधिग्रहित किया गया था। वह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) पर्यावरण कार्यक्रम और अन्य अमरीका तथा वैश्विक एजेंसियों के पैनलों की समीक्षा करते रहे हैं और उनके कार्य को संयुक्त राष्ट्र और अमरीकी अंतर सरकारी और राष्ट्रीय कार्यशालाओं द्वारा उद्धत किया गया है और उन्होंने राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है। गांगुली अमेरीकी सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स (एएससीई) के फेलो हैं, एसोसिएशन फॉर कम्प्यूटिंग मशीनरी (एसीएम) के एक वरिष्ठ सदस्य हैं तथा इलैक्ट्रॉनिक्स एंड इंजीनियरिंग संस्थान के एक वरिष्ठ सदस्य हैं।

डॉ जिम्मी थॉमस

डॉ. जिम्मी थॉमस भू-तकनीकी अभियांत्रिकी, भू-विज्ञान, रीइनफोर्स्ड मृदा संरचनाओं और पेवमेंट इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक परामर्शदाता इंजीनियर हैं। उन्होंने क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज कालीकट (1986) से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक किया और आईआईटी कानपुर से इंजीनियरिंग कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेन्द्रम (1988) और भूतकनीकी इंजीनियरिंग में पीएचडी से भू-तकनीकी इंजीनियरिंग में एमटेक प्राप्त किया। नेतलन इंडिया, गावरे-वॉल रोप्स लिमिटेड और टेकफैब इंडिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसी कंपनियों के साथ अपनी शैली के दौरान उन्होंने सड़कों, रेलवे, भू-नियंत्रणों आदि विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में परियोजनाओं पर काम किया। वर्ष 2009 से वह मुक्त परामर्शदाता के रूप में कार्य कर रहे हैं और कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग 4/6 लेन की परियोजनाओं, पूर्वी समर्पित मालभाड़ा गलियारा, हैदराबाद मेट्रो, कोच्चि वाटर मेट्रो, आदि सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं से जुड़े हुए हैं। इसके अतिरिक्त, वह टाइटन इन्वायर्नमेंटल कन्टेनमेंट लि., कनाडा के लिए डिजाइन कंसल्टेंट हैं और जियोसिंथेटिक्स टेक्नोलॉजी एडवाइजरी सर्विसेज एलपी में भी एक भागीदार हैं। उन्होंने इससे पहले निर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान, अहमदाबाद में सहायक प्रोफेसर और अल्बर्टियन विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्चि में एक सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्य किया है।

प्रो. के. कृष्णन

प्रो. के. कृष्णन बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय में पुरातत्व विभाग और प्राचीन इतिहास विभाग के प्रोफेसर हैं। इस विश्वविद्यालय में अपने 30 वर्षों के कैरियर के दौरान, उन्होंने विभिन्न पदों जैसे कि अध्यक्ष, पुरातत्व विभाग और प्राचीन इतिहास के पदों पर काम किया और वर्तमान में कला संकाय को देखा। वह 2015 तक अंतर्राष्ट्रीय एशियाई विरासत संघ के उपाध्यक्ष रहे और अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य रहे। उनके अनुसंधान ने उन्हें बेहतरीन उत्पादों का विश्लेषण करने, शिल्प विशेषज्ञता की समझ विकसित करने और प्रौद्योगिकी के विकास और प्राचीन दक्षिण एशियाई समाज पर इसके प्रभाव का आकलन करने के लिए एक पद्धति विकसित करने में सक्षम बनाया, जिससे कई छात्र दक्षिण एशियाई प्रमाणन पर अनुसंधान करने के लिए प्रेरित हुए। प्रो कृष्णन ने मध्य और पश्चिमी भारत में पालाई-जलवायु के पुनर्निर्माण की दिशा में कार्य किया है। उन्होंने प्राचीन प्रौद्योगिकी और पैलो-जलवायु विज्ञान से संबंधित एक दर्जन से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की हैं और वर्तमान में वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण से पांच परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। उन्होंने पचास से अधिक खुदाई में भाग लिया है और दस से अधिक खुदाई का निदेश दिया है।

प्रो अजीतप्रसाद पी

प्रोफेसर अजीतप्रसाद पी, पुरातत्व और प्राचीन इतिहास विभाग, बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (एमएसयू) में प्रोफेसर तथा, वर्तमान में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के अतिथि प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने कालीकट विश्वविद्यालय से विज्ञान स्नातक, एमएसयू बड़ौदा से मास्टर ऑफ आर्ट्स, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से पीजी डिप्लोमा और एमएसयू बड़ौदा से पीएचडी किया। प्रो अजीत प्रसाद 1990 से एमएसयू बड़ौदा से संबद्ध रहे हैं जैसे लेक्चरर (पुरातत्व विभाग), लेक्चरर (पुरातत्वशास्त्र) और पुरातत्व विभाग के विभिन्न पदों और पुरातत्व व प्राचीन इतिहास विभाग में रीडर, तथा पुरातत्व व प्राचीन इतिहास विभाग में अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। उनका अनुसंधान पुरातत्वशास्त्र, पाश्विक पर्यावरण अनुकूलन और हड़प्पा अध्ययन पर केंद्रित है। वह पूर्वएतिहासिक भारतीय सोसायटी और क्वाटरनैरी एकेडमिक बॉडी और भारतीय पुरातत्व सोसाइटी की आजीवन सदस्यता रखते हैं और भारतीय भूवैज्ञानिक सोसाइटी के सदस्य भी हैं।

संकाय सदस्य

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
पुरातत्व विज्ञान			
आलोक कुमार कानूनगो	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	दक्कन विद्यालय, 2003	कांच की उत्पत्ति एवं इतिहास
मिशेल डेनीनो	अभ्यागत प्राध्यापक	इकोल सुपेरियूरे डिइलेक्ट्रिसाइट (जिफ-सुरयेट्टे, फ्रांस), 1977	पुरातत्व विज्ञान, प्राचीन भारत का इतिहास एवं संस्कृति
शारदा वी चन्नारायपटना	सहायक प्राध्यापक	दक्कन विद्यालय, 2014; फेर्रारा विश्वविद्यालय, 2018	पुरातनप्राणी विज्ञान एवं टेफोनोमी तथा जैवपुरातत्व विज्ञान
जीवविज्ञान अभियांत्रिकी			
आशुतोष श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	सीएसआईआर कोषिका व अणु जीव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद, 2015	सूक्ष्म अणुओं की जटिलताओं के आंतरिक प्रतिमान
धीरज डी भाटिया	सहायक प्राध्यापक	टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, 2013	डी.एन.ए. सूक्ष्मप्रौद्योगिकी एवं रासायनिक जीव विज्ञान
कार्ला पेट्रीशिया मरकाडो-शेखर	सहायक प्राध्यापक	रॉचेस्टर विवि, 2015	कोषिका लचीलापन चित्रण एवं अल्ट्रासाउंड तकनीकें
प्रतीक मूथा	सह-प्राध्यापक	पेंसिलवेनिया राजकीय विवि, 2009	सेंसरीमोटर नियंत्रण एवं अधिगम
शरद गुप्ता	सह-प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विवि, 2009	अलजाइमर और हंटिंगटन रोगों में प्रोटीन मिसफोल्डिंग
शर्मिष्ठा मजुमदार	सह-प्राध्यापक	कॉर्नेल विवि, 2006	ट्रांसपोसेस एवं ट्रांसपोसेस होमोलोग्स में जीनोमिक एवं प्रोटियोमिक जांच
उमाशंकर सिंह	सह-प्राध्यापक	उप्पसला विवि, स्वीडन, 2006	साइटोप्रोटेक्शन
विजय थिरूवेण्कटम	सह-अनुसंधान प्राध्यापक	जीवाजी विवि, 2009	छोटे अणुओं की एक्स-रे क्रिस्टेलोग्राफी
रासायनिक अभियांत्रिकी			
चिण्मय घोरोई	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2007	कण अभियांत्रिकी एवं चूर्ण प्रसंस्करण
हरी साई गणेश	सहायक प्राध्यापक	ऑस्टिन का टेक्सस विश्वविद्यालय, 2018	प्रतिरूपण और अनुकरण
कबीर जसुजा	सह-प्राध्यापक	केंसस राजकीय विवि, 2011	दो आयामी सूक्ष्मपदार्थों का संश्लेषण
कार्तिक सुब्रमण्यम पुष्पवनम **	सहायक प्राध्यापक	एरिज़ोना राजकीय विवि, 2019	नेनोपदार्थ प्रोटीन और अभिकल्पन तथा अभियांत्रिकी
कौस्तुभ राणे	सहायक प्राध्यापक	बफैलो विवि, 2014	इंटरफेशिअल प्रणालियों की थर्मोडाइनामिक्स एवं सांख्यकीय यांत्रिकी
मिथुन राधाकृष्ण	सहायक प्राध्यापक	कोलंबिया विवि, 2014	मुलायम पदार्थ प्रणालियों का सैद्धांतिक एवं आणविक रूपांतरण द्वारा अध्ययन
नितिन यू पधियार	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2008	प्रक्रिया संतुलन और नियंत्रण
प्राची थरेजा	सह-प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विवि, 2008	क्रिस्टेलाइजिंग फैटी एसिड पेस्ट की इन-सिटू रियोलॉजी
प्रत्युष दयाल	सह-प्राध्यापक	आकरोन विवि, 2007	स्व-कम्पन-पॉलीमर जैल
समीर वी दलवी	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2007	सुपरक्रिटिकल तरल प्रसंसकरण
रसायन विज्ञान			
अनिर्बन मंडल**	सहायक प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2016	भौतिक रसायन विज्ञान, ऊष्मप्रवैगिकी, मात्रा रसायन विज्ञान, स्पेक्ट्रोस्कोपी
भास्कर दत्ता	सह-प्राध्यापक (जीवविज्ञान अभियांत्रिकी के साथ)	कार्नेजी मेल्लन विस्वविद्यालय, 2004	न्यूक्लीक अम्ल आधारित रसायन जैविकी
बिस्वजीत मंडल**	सहायक प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान विकास संघ (जादवपुर विवि), 2017	(फोटो)-विद्युतरसायन विज्ञान, मूल्य वर्धित रसायनों का विद्युत रासायनिक रूपांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, स्पेक्ट्रोस्कोपी (यूवी-विस कायनेटिक्स, एफटीआईआई, अनुनाद रमन, क्रायोजेनिक इंटरमीडिएट ट्रैपिंग और प्रतिक्रिया तंत्र की व्याख्या)
चंद्रकुमार अप्पायी	सह-प्राध्यापक	आइ०आइ०एससी० बेंगलोर, 2008	एसिमेट्रिक केटालिसिस
इति गुप्ता	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2005	मेक्रोसाइक्लिक रिसेप्टर्स एवं विस्रित पोरफाइरीनॉइड्स
साइराम स्वरूप मल्लाजोस्युल्ला	सह-प्राध्यापक	जे०एन०सी०ए०एस०आर०, बेंगलोर, 2009	कार्बोहाइड्रेट-प्रोटीन संपर्क
सौम्यकांति खटुआ	सह-प्राध्यापक	राइस विवि, 2011	प्लासमोनिक्स
शिवप्रिया किरुबाकरण	सह-प्राध्यापक	आइ०आइ०एससी० बेंगलोर, 2007	औषधि खोज एवं कर्करोग रसायन विज्ञान जैविकी
श्रीराम वी गुंडीमेदा	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2001	जैविक-ऑरगेनिक रसायन विज्ञान
सुधांशु शर्मा	सह-प्राध्यापक	आइ०आइ०एससी० बेंगलोर, 2009	पदार्थ, विद्युतरसायन विज्ञान
सुदीप्ता बासु	सह-प्राध्यापक	आणविक शरीर क्रिया विज्ञान का मेक्स-प्लेंक संस्थान, जर्मनी 2006	माइटोकोंड्रिया और एंडोप्लास्मिक रेटीक्यूलम का रासायनिक जीव विज्ञान
सिविल अभियांत्रिकी			
अजंता सचान	सह-प्राध्यापक	टेनेस्सि विवि, 2005	पदार्थों का विशेषीकरण

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
अमित प्रशांत	प्राध्यापक	टेनेस्सि विवि, 2004	ग्रेनुलर पदार्थों के निर्माण की मॉडलिंग
अश्विनी कुमार*	अभ्यागत प्राध्यापक	वॉटरलू विवि, 1974	स्थिरता एवं विशाल ढांचों के आकार की विकृति
सी एन पाण्डे	अभ्यास के प्राध्यापक (भू विज्ञान के साथ)	पूर्वी गुजरात विवि, 2011	वानिकी, वन्य जीवन, पर्यावरण
धीमन बासु	सह-प्राध्यापक	सनी, बफैलो 2012	चक्रानुक्रम सीसमोलॉजी, जटिल ढांचे
जी वी राव	अभ्यागत प्राध्यापक	आइ०आइ०एससी० बेंगलोर, 1973	जियोतकनीकी परीक्षण एवं आंकलन
गौरव एस	सह-प्राध्यापक	मिनेसोटा विवि, 2011	अनिश्चितता को परिमाणित करना
मनीश कुमार	सह-प्राध्यापक	न्यू यॉर्क राजकीय विवि, बफैलो, 2015	प्रदर्शन आधारित भूकंप अभियांत्रिकी
प्रणब कुमार मोहापात्रा	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 1999	हाइड्रॉलिक्स एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी
एस आर गांधी	अभ्यागत प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० मद्रास, 1985	ढेर की नींव, जमीन में सुधार, फ्लाई ऐश निपटान क्षेत्र का साधन
समीर पटेल	सहायक प्राध्यापक	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुई, संराअ, 2017	एयरोसॉल व वायु गुणवत्ता
सुधीर कुमार अरोड़ा**	अभ्यास के प्राध्यापक	के०एस०ओ०यू०, 2011 (एमबीए)	बुनियादी ढांचा विकास, जल आपूर्ति (शहरी/ग्रामीण), सीवर नेटवर्क और एसटीपी, उपचारित अपशिष्ट का पुन: उपयोग, कम लागत वाली स्वच्छता, वर्षा जल संचयन
सुधीर कुमार जैन*	निदेशक व प्राध्यापक	केलटेक, 1983	भूकंप अभियांत्रिकी, ढांचों के आयाम
उदित भाटिया	सहायक प्राध्यापक	नॉर्थईस्टर्न विवि, 2018	महत्वपूर्ण आधारभूत ढांचे का लचीलापन तथा तंत्र विज्ञान
विमल मिश्रा	प्राध्यापक	पर्ड्यू विवि, 2010	सतही जल की हाइड्रोलॉजी
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी			
अभिषेक बिच्छावत	सहायक प्राध्यापक	यूनिवर्सिटेट डेस सालेंडेस, जर्मनी, 2018	भाषा आधारित सुरक्षा
अनिर्बन दासगुप्ता	प्राध्यापक	कॉर्नेल विवि, 2005	विशाल डेटा के एलगोरिदम
बालगोपाल कोमरथ	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० मद्रास, 2016	सर्किट की जटिलता तथा अन्य कम लागत के संगणक प्रतिमान
बिरेश्वर दास	सह-प्राध्यापक	गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2010	गणनात्मक जटिलता सिद्धांत एवं एलगोरिदम
मनोज डी गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० दिल्ली, 2013	गत्यात्मक आलेख एलगोरिदम
मयंक सिंह	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० खड़गपुर, 2019	टेक्स्ट खनन भाषा प्रसंस्करण तथा मशीन लर्निंग
नीलधारा मिश्रा	सह-प्राध्यापक	गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई, 2012	एलगोरिदम का अभिकल्पन तथा विश्लेषण
निपुन बत्रा	सहायक प्राध्यापक	भा०सू०प्रौ०सं० दिल्ली, 2017	सेंसर नेटवर्क्स, मशीन लर्निंग एवं संगणक स्थिरिता
समीर जी कुलकर्णी	सहायक प्राध्यापक	वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुई, संराअ, 2018	नेटवर्क कार्यप्रणाली का आभासी स्वरूप
रचनात्मक अधिगम			
मनीश जैन	शिक्षण प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 1993 (बीटेक)	3डी रेखागणित, पॉलीहेड्रा, जियोडेसिक्स, मशीन एवं क्रियाविधि, एवं मनोविनोद गणित
अभिकल्प			
मानसी ए कानेटकर	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2006 (एमडीईएस)	अभिकल्पना शिक्षण की पद्धति एवं सेमियोटिक्स और अभिकल्प
भू विज्ञान			
मनीश कुमार*	सहायक प्राध्यापक	टोक्यो विश्वविद्यालय, 2009	मीठेपानी की प्रणाली में संदूषण के मार्ग
पंकज खन्ना**	सहायक प्राध्यापक	राइस विवि, 2017	"कार्बोनेट जमाव प्रणालियां, समुद्र-स्तरीय उच्चावचन, डीग्लेसियेशन, चरणों में स्ट्रेटाग्राफी, फोटोग्रामेट्री, भूऊष्मणीय ऊर्जा"
प्रदीप श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	पीपल्स फ्रेंडशिप विश्वविद्यालय, मॉस्को, 1983	सैद्धांतिक यांत्रिकी एवं नियंत्रण प्रणालियां
आर एन सिंह	अभ्यागत प्राध्यापक	बनारस हिंदू विवि, 1969	भूभौतिकी तथा पर्यावरणीय प्रसंस्करणों की सतह के प्रतिमान
संजय सिंह बोरा*	सहायक प्राध्यापक	पोट्सडेम विवि, 2016	स्रोत की वर्णक्रम संबंधी समीक्षा, उसका रास्ता एवं अन्य प्रभाव
उत्सव मन्नु**	सहायक प्राध्यापक	ईटीएच ज्यूरिक, 2016	एक सांख्यिकी मॉडल के उपयोग से भूगतिकीय प्रसंकरणों की संपूर्ण प्रशंसा
विक्रांत जैन	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 2001	धरती की सतही प्रक्रियाएं
विद्युत अभियांत्रिकी			
आनंद कुमार**	अभ्यास के प्राध्यापक	लखनऊ विश्वविद्यालय, 1998	ऊर्जा क्षेत्र विनियम, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, नीति एवं वित्त, नवीकरणीय ऊर्जा नीति एवं विनियम, भार पूर्वानुमान, प्रशुल्क अभिकल्प व कार्यचालन नमूना, ऊर्जा क्रय करार, ऊर्जा कीमत निर्धारण, ऊर्जा अभिगम, प्रदर्शन के मानक एवं सुरक्षा मानक
अरूप लाल चक्रवर्ती	प्राध्यापक	स्ट्राथक्लाइड विश्वविद्यालय, यूके, 2010	गैस मापन के लिए ट्यूनेबल डायोड लेज़र स्पेक्ट्रोस्कोपी

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
हिमांशु शेखर	सहायक प्राध्यापक	रॉचेस्टर विवि, 2014	थिरेप्यूटिक अल्ट्रासाउंड एवं नॉनलीनियर चित्रण
झुमा साहा**	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2019	III-V अर्धचालक पदार्थ एवं उपकरण, सूक्ष्मविद्युत एवं वीएलेएसआई अभिकल्प
जॉयसी मेकी	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2009	वीएलएसआई अभिकल्प
नारण एम पिंडोरिया	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 2009	ऊर्जा प्रणाली का पुनर्निर्माण – तकनीकी एवं व्यापक मसले
निहार रंजन मोहापात्रा	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2003	सेमीकंडक्टर यंत्र एवं प्रौद्योगिकी
नितिन वी जॉर्जा	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० भुवनेश्वर, 2012	सक्रिय शोर नियंत्रण, अनुकूली संकेत प्रसंस्करण
नितिन खन्ना*	सहायक प्राध्यापक	पर्डयू विश्वविद्यालय, संराअ, 2009	मल्टीमीडिया सुरक्षा, सेंसर फोरेंसिक
रागवन के	सह-प्राध्यापक	आइ०आइ०एससी० बेंगलोर, 2006	ट्रांसफोर्म डायग्नोस्टिक
रवि एस हेगड़े	सह-प्राध्यापक	मिशीगन विवि, एन्न आरबर, 2008	सूक्ष्मढांचों का ऑप्टिकल गुणधर्म
एस बी चक्रवर्ती**	अभ्यागत प्राध्यापक	आईटी खड़गपुर, 1995	विद्युतचुंबकीय प्रतिरूप, एंटिना का अनुकरण व अभिकल्प, विविध एंटिना की प्रणाली तथा संचार संबंधित उन्नत उपग्रहों पर केंद्रित निष्क्रिय घटक, सूक्ष्म-तरंग सम्वेद व संचालन
एस राजेन्द्रन	सह शिक्षण प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० मद्रास (एमटेक), 1988	द्रुत गति पैकेजिंग मशीन - वीएफएफएस एवं एचएफएफएस प्रौद्योगिकी
शंमुगनाथन रमण	सह-प्राध्यापक (संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी के साथ)	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2011	संगणक फोटोग्राफी
तरुण कुमार अग्रवाल**	सहायक प्राध्यापक	केयू लियूवेन, 2018	उभरते सूक्ष्मस्तरीय उपकरणों के नमूने व अनुकरण
उत्तमा लाहिड़ी	प्राध्यापक	वांडरबिल्ट विवि, 2011	प्रभावी कंप्यूटिंग में आभासी वास्तविकता आधारित मानव का पारस्परिक संवाद
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान			
अचल मेहरा	अभ्यागत प्राध्यापक	दक्षिणी इलीनॉइस विश्वविद्यालय, कार्बोनडेल,1985	ऑनलाइन मीडिया, मीडिया प्रबंधन, खोजी पत्रकारिता, मीडिया कानून, मीडिया आचार विचार
अंबिका अय्यादुराई	सहायक प्राध्यापक	सिंगापुर राष्ट्रीय विवि, 2015	प्रकृति संरक्षण में मानव जाति विज्ञान एवं स्थानीय समुदायों की भूमिका
एंगस मेकब्लेन	अभ्यागत सहायक प्राध्यापक	कार्डिफ विश्वविद्यालय, 2014	सांस्कृतिक सिद्धांत, एंबोडिमेंट, पर्यावरणीय मानविकी
आर्का चट्टोपाध्याय	सहायक प्राध्यापक	पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय, 2016	20वीं शताब्दी का साहित्य: आधुनिकतावाद तथा आधुनिकतावाद के पश्चात, आधुनिक नाट्यशाला, यूरोपियन क्षेत्र में अग्रणी कथाएं
अर्नपूर्णा रथ	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 2010	दक्षिण-एशियाई साहित्य, आलोचनात्मक सिद्धांत, भक्तिन अध्ययन, रचनात्मक लेखन
दीपक सिंघानिया**	सहायक प्राध्यापक	केलिफोर्निया विवि, रिवरसाइड, 2017	विकासशील अर्थशास्त्र का आपसी संवाद, लोक नीति तथा राजनीतिक अर्थशास्त्र
द्योतना बनर्जी*	व्याख्याता	भा०प्रौ०सं० गांधीनगर, 2020	शहरी रूपांतरण की राजनीति
जयसन ए मंजली	प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० खड़गपुर, 2008	अनुभव, ज्ञान एवं तर्कसंगति
जूयुंग किम	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	डेलवेयर विवि, 2018	भाषाई वाक्रयविन्यास एवं अर्थ विज्ञान
कृष्ण प्रसाद मियापुरम	सह-प्राध्यापक (संगणक विज्ञान व अभियांत्रिकी के साथ)	कैंब्रिज विश्वविद्यालय, 2008	ब्रेन इमेजिंग (एफएमआरआइ) एवं संज्ञानात्मक विज्ञान
लेसली लाज़र	सहायक शिक्षण प्राध्यापक	राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, भारत, 2013	डिजाइन का तंत्रिका विज्ञान, संचार विज्ञान, सांस्कृतिक संज्ञान, व्यवहार परिवर्तन
मधुमिता सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2009	मध्य औपनिवेशिक भारत तथा असम का सामाजिक-राजनीतिक इतिहास
मालविका सुब्रमण्यम	सह-प्राध्यापक	हार्वर्ड विवि, 2009	सामाजिक आर्थिक संदर्भ तथा पोषण और मधुमेह पर पड़ोसी देश
माना अपूर्वा शाह	व्याख्याता	गुजरात विश्वविद्यालय, 2012 (एम.ए.)	संस्कृत एवं प्राकृत व्याकरण, जैन काव्य तथा स्रोत साहित्य, पांडुलिपि
मीरा मेरी सनी	सह-प्राध्यापक	वॉरविक विश्वविद्यालय, 2011	दृश्य के प्रति आकर्षण, आकर्षण कैद करना
मुहम्मद मुबाशिर एहसान	व्याख्याता	जवाहरलाल नेहरू विवि, नई दिल्ली, 2016	भारत में अरबी एवं इस्लामिक अध्ययन
निशांत चौकसी	सहायक प्राध्यापक	मिशिगन विवि, एन आर्बर, 2014	सांकेतिकता; भाषीय नृंशविज्ञान; कथानक एवं लेखन प्रणालियां
रोज़ा मारिया डे फिगिरेडो पेरेज़	अभ्यागत प्राध्यापक	आई०एस०सी०टी०ई०, लिसबन, 1992	सामाजिक ढांचे, सामाजिक प्रथक्करण, सबएल्टर्न अध्ययन, क्षेत्र कार्य पद्धति, पुर्तगाली उपनिवेशवाद तथा उपनिवेशवाद के पश्चात का भारत, वैश्वीकरण, तथा प्रवासी नृविज्ञान व सिनेमा
शर्मिता लाहिड़ी	सह-प्राध्यापक	हाउस्टन विश्वविद्यालय, 2008	स्वतंत्रता के पश्चात का साहित्य एवं उसकी रचना
वी एन प्रभाकर	सह-प्राध्यापक	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2013	प्रोटोऐतिहासिक भारत का पुरातत्व

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
पदार्थ अभियांत्रिकी			
अभय राज सिंह गौतम	सहायक प्राध्यापक	वर्जीनिया विश्वविद्यालय, वर्जीनिया, 2009	अंतरफेस संरचनाएं तथा गतिशीलता
अभिजीत मिश्रा	सह-प्राध्यापक	इलिनॉइस विवि, अर्बाना-शेम्पेन, 2010	एक्स-रे विवर्तन, सतहों की विशेषता
अमित अरोड़ा	सह-प्राध्यापक	पेंसिलवेनिया राजकीय विश्वविद्यालय, 2011	फ्रिक्शन स्टर वेल्डिंग, ऊष्मा स्थानांतरण और विस्को-प्लास्टिक का बहाव
एमिला पाण्डा	सह-प्राध्यापक	मैक्स प्लैंक संस्थान, जर्मनी, 2009	थिन फिल्म्स और सूक्ष्मसरंचनात्मक पदार्थों की जांच
ज्योति मुखोपाध्याय	अभ्यागत प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 1982	संरचना-विशेषता का संबंध
प्रदीप्ता घोष	सहायक प्राध्यापक	आइ०आइ०एससी० बेंगलोर, 2014	सूक्ष्मक्रिस्टलीय मिश्रधातुओं और समग्र धातुओ का संश्लेषण, सूक्ष्मक्रिस्टलीय सूक्ष्मसंरचनाओं का विशेषीकरण
राघवन रंगनाथन	सहायक प्राध्यापक	रेनेस्सीलायर पॉलीटेकनीक संस्थान, 2016	संरचनात्मक-विशेषता संबंधों के आणविक अनुकरण तथा कोमल तत्व की गतिशीलता
एस. पी. मेहरोत्रा	अभ्यागत प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 1973	खनिज प्रसंस्करण तथा मेटलर्जी प्रक्रिया
श्रीहरिता रोउथू	सहायक प्राध्यापक	इकोल पॉलीटेकनीक फेडराले डे लउसाने, 2016	वेटिंग व डीवेटिंग का तथ्यविषयक
सुपर्ब कुमार मिश्रा	सह-प्राध्यापक (यांत्रिक अभियांत्रिकी के साथ)	लंदन इंपीरियल विद्यालय, 2007	जैविकपदार्थ एवं टिशू अभियांत्रिकी
गणित			
अक्षा वटवानी	सहायक प्राध्यापक	क्वीन विवि, 2016	विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत, सीव पद्धति और बीजीय संख्या सिद्धांत
अर्नब साहा	सहायक प्राध्यापक	न्यू मेक्सिको विवि, 2012	जेट अंतरों में अंकगणित
अतुल अभय दीक्षित	सह-प्राध्यापक	इलीनॉयस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शेम्पेन, 2012	विश्लेषणात्मक अंक सिद्धांत
बिपुल सौरभ	सहायक प्राध्यापक	भारतीय सांख्यकीय संस्थान, दिल्ली, 2016	ऑपरेटर बीजगणित, नॉनकम्यूटेटिव रेखागणित एवं क्वांटम समूह
चेतन पहलजानी	सहायक प्राध्यापक	इलिनॉइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शेम्पेन, 2007	संभावना सिद्धांत एवं स्टोकेस्टिक प्रक्रियाएं
फातमा सीसेक*	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	रोचेस्टर विश्वविद्यालय, न्यू यॉर्क, संराअ, 2020	विश्लेषणात्मक अंक सिद्धांत
गदाधर मिश्रा**	अभ्यागत प्राध्यापक	स्टोनी ब्रूक विवि, न्यू यॉर्क, 1982	जटिल रेखागणित तथा प्रतिनिधित्व सिद्धांत के औजारों का उपयोग कर के विस्तृत संचालक सिद्धांत का क्षेत्र
इंद्रनाथ सेनगुप्ता	प्राध्यापक	आइ०आइ०एससी० बेंगलोर, 2001	विनिमय बीजगणित, बीजगणितीय रेखागणित
जगमोहन त्यागी	सह-प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर, 2008	साधारण अंतर संबंधी समीकरण, एलिप्टिक आंशिक अंतर संबंधी समीकरण
मोहन जोशी	अभ्यागत प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, 1973	नॉनलीनियर जांच
रोहित कुमार मिश्रा**	सहायक प्राध्यापक	एप्लिकेबल गणित का टी०आई०एफ०आर० बेंगलोर केंद्र, 2017	आंतरिक रेखागणित, आंशिक अंतर समीकरण, सूक्ष्मजातीय समीक्षा एवं चिकित्सीय चित्रण से संबंधित विरोधी समस्याएं
संजयकुमार अमृत्य	सहायक प्राध्यापक	हरीष-चंद्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद, 2012	तंकियन सामूहिक योजनाएं, मोडुलाई स्पेसेज़, वेक्टर बंडल
सत्यजीत प्रमाणिक	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० रोपड़, 2016	गणितीय प्रतिमान व वैज्ञानिक संगणन
तान्या कौशल श्रीवास्तव**	सहायक प्राध्यापक	जर्मनी बर्लिन फ्री यूनिवर्सिटेट, 2018	बीजीय रेखागणित (गणित)
वी डी शर्मा	अभ्यागत प्राध्यापक	बनारस हिंदू विवि, 1972	आंशिक अंतर समीकरणों के क्वासिलीनियर प्रणालियां
यांत्रिक अभियांत्रिकी			
अतुल भार्गव	प्राध्यापक	मैरीलैंड विश्वविद्यालय, विद्यालय पार्क, 2010	ईंधन कोषिका प्रणाली, अनुकल्पन एवं अनुकरण
डी पी रॉय	अभ्यागत प्राध्यापक	टेक विश्वविद्यालय, आचेन, 1976	तरल आयाम एवं तरल का यंत्र समूह
दिलीप श्रीनिवास सुंदरम	सह-प्राध्यापक	जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, 2013	ऊष्मातरल विज्ञान, दहन और ऊर्जावान पदार्थ
जी के शर्मा	अभ्यागत प्राध्यापक	मॉस्को ऊर्जा अभियांत्रिकी संस्थान, 1974	ऊष्मा अभियांत्रिकी
हरीष जे. पालनथंडलम-मादापुसि	सह-प्राध्यापक	मिशिगन विश्वविद्यालय, एन्न आरबर, 2007	प्रणाली और नियंत्रण सिद्धांत, प्रणालियों की पहचान (डाटा आधारित मॉडलिंग)
जयचंद्र स्वामीनाथन	सहायक प्राध्यापक	मेसेशुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान, 2017	ऊष्मा विज्ञान, जल-ऊर्जा प्रणालियां, औद्योगिक पुन:उपयोग एवं पुन:चक्रण
के आर जयप्रकाश	सहायक प्राध्यापक	इलिनॉइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शेम्पेन, 2013	एक और दो आयामी ग्रेनुलर माध्यम में तरंग बहाव
एन. रामकृष्णन	अभ्यागत प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० बॉम्बे, 1980	उत्पादन, ऑटोमेशन एवं कॉम्पोज़िट पदार्थ
रवि शास्त्री अय्यागरी	सहायक प्राध्यापक	इलिनॉइस प्रौद्योगिकी संस्थान, 2013	ठोस यांत्रिकी, क्रमिक मॉडलिंग, गणनात्मक यांत्रिकी, कांटिनम क्षति यांत्रिकी
सौम्यदीप सेट	सहायक प्राध्यापक	शिकागो का इलिनॉइस विवि, 2016	ऊर्जा अभियांत्रिकी, ऊष्मा-तरल, ऊष्मा स्थानांतरण, अंतराफलक तथ्यविषयक एवं माइक्रो/नेनोस्केल

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए

विषय	पदनाम	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशेषज्ञता
उदीप्ता घोष	सहायक प्राध्यापक	भा॰प्रौ॰सं॰ खड़गपुर, 2016	लो-रेनॉल्ड्स अंक जल की गतिशीलता, जटिल प्रणालियों की विद्युतबलगतिकी पर विशेष रूप से केंद्रित
वेण्कट मधुकांत वडाली	सहायक प्राध्यापक	विस्कॉसिन विश्वविद्यालय, मेडिसन, 2013	बहुआयामी प्रणालियां, नियंत्रण प्रणालियां, उत्पादन, मेकेट्रोनिक्स, रोबोटिक्स
विनीत वशिष्ट	सहायक प्राध्यापक	कोलंबिया विश्वविद्यालय, 2015	यांत्रिकी प्रणालियों का डिज़ाइन एवं नियंत्रण
विनोद नारायणन	सह-प्राध्यापक	जे॰एन॰सी॰ए॰एस॰आर॰, बेंगलोर, 2006	द्रव्य यांत्रिकी
भौतिक विज्ञान			
आनंद सेनगुप्ता	सह-प्राध्यापक	आईयूसीएए पुणे, 2005	गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाना, सीएमबी डाटा जांच के आयाम
अर्पण भट्टाचार्य	सहायक प्राध्यापक	आइ॰आइ॰एससी॰ बेंगलोर, 2015	विभिन्न प्रणालियों में क्वांटम उलझन
भारद्वाज कोलप्पा	सह-प्राध्यापक	मिशिगन राजकीय विश्वविद्यालय, 2009	सामान्य प्रतिमान के आगे- नए स्वरूपों के प्रतिमान बनाना एवं एलएचसी घटनाएं
चंदन कुमार मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2017	प्रमात्रा व्यवस्थाओं की सैद्धांतिक प्रमात्रा ऑप्टिक्स, अनियमित मैट्रिक्स सिद्धांत, छेदों में ऊर्जावान कणों के साथ विकिरण की परस्पर क्रिया
कृष्ण कांति डे	सहायक प्राध्यापक	भा॰प्रौ॰सं॰ गुवाहाटी, 2011	सक्रिय पदार्थ, कोलॉयडल डायनामिक्स, नेनोप्रौद्योगिकी
प्रसन्न वेण्कटेश बालासुब्रमण्यम	सहायक प्राध्यापक	मेकमास्टर विवि, 2013	क्वांटम ऑप्टिक्स में सैद्धांतिक अनुसंधान और सूक्ष्मभौतिकी, अल्ट्राकोल्ड अणु भौतिकी
आर आर पुरी	अभ्यागत प्राध्यापक	मुंबई विश्वविद्यालय, 1981	सैद्धांतिक क्वांटम ऑप्टिक्स, क्वांटम यांत्रिकी, क्वांटम अराजकता का यादृच्छिक मैट्रिक्स सिद्धांत
रूपक बनर्जी	सह-प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय (साहा परमाणु भौतिकी संस्थान), 2012	सतह भौतिकी एवं पदार्थ विज्ञान
सुदीप्ता सरकार	सह-प्राध्यापक	पुणे विश्वविद्यालय, आइयूसीएए, 2009	सामान्य सापेक्षता और ब्लैक होल ऊष्मप्रवैगिकी
सुतापा रॉय	सहायक प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलोर, 2013	सैद्धांतिक भौतिक विज्ञान, सांख्यिकी यांत्रिकी, मुलायम पदार्थ
विनोद चंद्र	सह-प्राध्यापक	भा॰प्रौ॰सं॰ कानपुर, 2009	क्वार्क-ग्लूओन-प्लाजमा और संबंधित भारी आयनों का टकराव

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए

नियमित पदों के समक्ष गैर शैक्षणिक स्टाफ

कर्मचारियों के नाम	पदनाम
अक्षय	कनिष्ठ लेखापाल
कुणाल अग्निहोत्री	कनिष्ठ लेखा सहायक
ज्योतिष कुमार ए पी**	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
एम अरमुगम	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
सुगन्या अरुमुगम	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
बबलू	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
विनोद कुमार सिंह बघेल*	अधीक्षक अभियंता
पलक आर बगिया	प्रयोगशाला सहायक
सुदीप नारायण बैनर्जी	प्रणाली विश्लेषक
सुवाकान्त बारिक	तकनीकी अधीक्षक
राजू बीरासंत	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
तिमिर याकुंज बेरावाला	सहायक
राम बाबू भगत	संयुक्त कुलसचिव
मुकेश भंडारी	सहायक कुलसचिव
राहुलेन्द्र भास्कर	तकनीकी अधीक्षक
कंदर्प भट्ट	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
नीरव मदनभाई भट्ट	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
साबरमती भट्टाचार्य	पुस्तकालय सूचना सहायक
तुषार एच ब्रम्हभट्ट	प्रयोगशाला परिचारक
अरविन्द चडार**	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
बिरेश चौबे	सहायक कुलसचिव
दिव्यांगी एन चौधरी*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
हरेशकुमार चौधरी	सहायक स्टाफ नर्स
पन्नाबेन चौधरी	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
रोहित चौधरी	तकनीकी अधीक्षक
कृपेश चौहान	कनिष्ठ लेखापाल
प्रवीण सिंह चौहान**	कनिष्ठ अधीक्षक
प्रतीककुमार के चावड़ा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
प्रेम कुमार चोपड़ा	कुलसचिव
पारुलबेन पी क्रिस्चियन	सहायक स्टाफ नर्स
तपस कुमार दास	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
दिनेष बी देसाई	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
वाराप्रसाद धानीकेला*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
भावना धाराणी	कनिष्ठ लेखापाल
तेज बहादुर गुरुंग	सहायक
सुपिन गोपी	तकनीकी अधीक्षक
हेमंत कुमार गुप्ता	कनिष्ठ सहायक
लक्ष्मी पी हीरानी	प्रयोगशाला सहायक
विष्णु देथ जे जे*	सहायक अभियंता
योगेश दत्तात्रया जड़े	कनिष्ठ अधीक्षक
निविता नवल जैन	कनिष्ठ लेखा सहायक
सुदर्शनी जैन	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
अचिन्त्या जाना**	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
एन जयकुमार	सहायक अभियंता
मीना जोशी	सहायक कुलसचिव
संतोष कुमार जोशी	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
जितेश वी के	अधीक्षक
नवदीवाला अंकुर के	प्रयोगशाला सहायक
पायल कबारिया	कनिष्ठ सहायक
आशीष सोहनलाल कनौजिया	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
धर्मेशकुमार वी कपाड़िया	प्रयोगशाला परिचारक
मंगेशकर कराडे**	कनिष्ठ अभियंता
हनी एम खामार	कनिष्ठ सहायक
चिराग डी खुहा	कनिष्ठ लेखा सहायक
अनिल कुमार	कनिष्ठ लेखा सहायक
राजन कुमार*	पुस्तकालय सूचना सहायक
संजय कुमार	सहायक कुलसचिव
शरद कुमार	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
विकास कुमार	अधिशासी अभियंता (सिविल)
टी एस कुंम्बार*	पुस्तकालयाध्यक्ष
प्रजापति रामानंद एल*	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
दीपककुमार के लालपुरा	कनिष्ठ सहायक
पिजूष मजुमदार	सहायक कुलसचिव
परेश बी मकवाना	कनिष्ठ लेखा सहायक
प्रशांत जी मकवाना	सहायक
श्रीकांत शिवाजी माली	कनिष्ठ अधीक्षक
इब्राहिम मल्लिक**	सहायक अभियंता
विजय मीना	कनिष्ठ लेखापाल

कर्मचारियों के नाम	पदनाम
जय मेहता*	कनिष्ठ लेखापाल
पार्थ आर मेहता	कनिष्ठ सहायक
लक्ष्मी कांत मिश्रा	सहायक अधिशासी अभियंता
प्रदीपभाई के निनामा	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
धर्मेन्द्रकुमार एस पांचाल	सहायक अभियंता
आशीष कुमार पाण्डे	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
संजीव कुमार पाण्डे	लेखा अधिकारी
प्रगनेश पारिख	तकनीकी अधीक्षक
भाविक परमार	कनिष्ठ लेखा सहायक
दिनेश एच परमार	वरिष्ठ शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
शैलेशकुमार जे पटनी	कनिष्ठ सहायक
आकाश महेन्द्र कुमार पटेल	कनिष्ठ अधीक्षक
अरिका पटेल	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
भीकाभाई आर पटेल	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
दर्शन सी पटेल	सहायक
हर्षद पटेल	लेखा अधिकारी
जिगनेश एस पटेल	प्रयोगशाला सहायक
कामिनी पटेल	सहायक
सचिन मगनलाल पटेल	वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक
संजय टी पटेल	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
संकेतकुमार पटेल	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
ट्विंकल पटेल	लेखा अधिकारी
जितेन्द्र पुखराज पवार	कनिष्ठ लेखापाल
कृष्णा पिलोजपरा**	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
डॉन अगत्सी प्लाकल**	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
जयेश प्रजापति	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
रज्जी**	कनिष्ठ अभियंता
नरेन्द्र जे. राबड़िया	कनिष्ठ सहायक
वैभवी राउलजी	कनिष्ठ सहायक
संतोष राउत	अधीक्षक
प्रणव रोहित	सहायक कुलसचिव
पवित्र कुमार राउत	कनिष्ठ लेखापाल
सास्वति रॉय	सहायक कुलसचिव
कुमार अंकित साहा	कनिष्ठ लेखा सहायक
शीबाराम साहू	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
रूपाली एम साल्वे	कनिष्ठ सहायक
जय हितेश संपत	कनिष्ठ लेखा सहायक
कोमल संगतानी	सहायक
सुजीत कुमार शाह	सहायक
विरल वाई शाह	अधीक्षक
दीपक शर्मा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
हृदेश कुमार शर्मा	उप कुलसचिव
मुकेश शर्मा	वरिष्ठ स्टाफ नर्स
गौरव शुक्ला	अधीक्षक
नितिन शुक्ला	तकनीकी अधीक्षक
मंतशा एन सिद्दीकी	पुस्तकालय सूचना सहायक
गौरव कुमार सिंह	कनिष्ठ अधीक्षक
हरीश सिंह	कनिष्ठ सहायक
रत्नेश कुमार सिंह	सहायक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
मृगेश आर सोलंकी	कनिष्ठ अधीक्षक
टेनिल्स सोलंकी	अधीक्षक
जतिनकुमार एम सोनी**	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
निलेश सोनी*	कनिष्ठ अभियंता
रवि सुभाष सोनी	सहायक अधिशासी अभियंता
हीरल सूचक	कनिष्ठ लेखापाल
रविराज वी सुखाड़िया	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
निशा ताहिलियानी*	कनिष्ठ लेखापाल
सचिन एस तावड़े	तकनीकी अधीक्षक
प्रभुजी ठाकोर	प्रयोगशाला परिचारक
सुप्रेश थालेश्वरी	प्रयोगशाला परिचारक
शुभम राजेन्द्र टोंगिरे**	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
अमन त्रिपाठी**	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
सूर्यकांत त्यागी**	कनिष्ठ अभियंता
राजेन्द्र वैष्णव	लेखा अधिकारी
लक्ष्मीप्रिया जी. वलप्पिल	कनिष्ठ लेखापाल
पियूषभाई पी. वाणकर	सहायक
पटेल राजेन्द्रभाई वसंतभाई**	कनिष्ठ मददगार
मनीश यादव**	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
अंजनाबा आर ज़ाला	कनिष्ठ लेखापाल
देवेन्द्रसिंन दहयाजी ज़ाला	चालक

* वर्ष के उस भाग के लिए
** वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए

पूर्व छात्रों के साथ संबंध

पूर्व छात्र संलग्नता

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के करीब 50% पूर्व छात्रों ने लगातार तीसरे वर्ष भी "वार्षिक पूर्व छात्र दान" में अपना योगदान दिया, जिसमें अवरस्नातक तथा अधिस्नातक पूर्व छात्रों ने बराबर का योगदान दिया है। यह विश्व के उच्च शैक्षणिक संस्थानों के पूर्व छात्रों की अधिकतम प्रतिभागिता दर में शामिल है। यह भी उल्लेखनीय है कि भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पूर्व छात्र अपने करियर के प्रारंभिक या मध्यांतर में हैं किंतु उनके द्वारा पिछले तीन वर्षों में 21 अक्षय छात्रवृत्तियां स्थापित की जा चुकी हैं, जो उनके अपनी मातृसंस्था के प्रति लगाव व प्रतिबद्धता का साक्ष्य है।

पूर्व छात्र पहल

पूर्व छात्र मास्टरक्लास श्रृंखला

मास्टरक्लास सत्र विद्यार्थियों को संस्थान के पूर्व छात्रों से जोड़ने और विभिन्न करियर पथों पर उनकी अमूल्य जानकारी को एकत्रित करने में सहायक होते हैं। यह पूर्व छात्रों द्वारा आयोजित दोस्ताना व आरामदेह आभासी वेबिनार होते हैं जिसमें पूर्व छात्रों और विद्यार्थियों के बीच सवाल-जवाब तथा व्यावसायिक विश्व में प्रवेश करने के बारे में चर्चा होती है।

किसले पंकज (बीटेक/ईई/2013) ने अगस्त 28, 2021 में, 'स्मार्ट वाहन तथा उनके ऊर्जा स्रोत' पर एक ऑनलाइन मास्टरक्लास प्रस्तुत किया। किसले वर्तमान में मिसेलियो विद्युत वाहन, बेंगलोर में प्रमुख प्रौद्योगिकी अधिकारी पद पर कार्यरत हैं।

हर्ष गुप्ता (बीटेक/एमई/2015) ने अक्टूबर 30, 2021 को, 'प्रभावशाली और रमणीय प्रस्तुति कैसे दें' पर एक ऑनलाइन सत्र प्रस्तुत किया। हर्ष वर्तमान में विसा, बेंगलोर में उत्पाद प्रमुख के पद पर कार्यरत हैं।

ऋत्विक बैनर्जी (एमटेक/ईई/2014) ने नवंबर 14, 2021 को, 'विध्वंसकारक प्रौद्योगिकी की मशीनों और मानव का जुड़ाव' पर एक ऑनलाइन सत्र प्रस्तुत किया। ऋत्विक वर्तमान में ईपीएफएल, स्विटजरलैंड से पीएचडी कर रहे हैं।

डॉ सुमितवा मुखर्जी (पीएचडी/एचएसएस/2014) ने जनवरी 15, 2022 को 'व्यवहारिक एआई की ओर: एल्गोरिथ्म के बारे में मनोविज्ञान' पर एक ऑनलाइन सत्र प्रस्तुत किया। डॉ सुमितवा वर्तमान में भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली में सहायक प्राध्यापक हैं।

पूर्व छात्र स्टार्टअप संवाद

पूर्व छात्र उद्यमकर्ता अपने उद्यम की ऊर्जा, रणनीतिक विचार, सफलता प्रबंधन, और स्टार्ट-अप प्रक्षेप पथ के ऊपर अपने विचार साझा करते हैं।

प्रथम स्टार्टअप संवाद जनवरी 12, 2022 को आयोजित किया गया। **शौर्य सिन्हा** (बीटेक/ईई/2013) तथा **प्रशांत बोरडे** (बीटेक/ईई/2012) ने अपनी उद्यम ऊर्जा, रणनीतिक विचार, सफलता प्रबंध, तथा स्टार्टअप प्रक्षेप पथ पर अपनी अंतरदृष्टि सबके समक्ष रखी। शौर्य और प्रशांत एक वित्तीय सेवा, रेको, इनकॉर्प के संस्थापक हैं।

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर पूर्व छात्र समूह

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर पूर्व छात्र समूह का आधिकारिक रूप से प्रमोचन भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर पूर्व छात्र पोर्टल पर पूर्व छात्र संचार, संवाद और बैठकें स्थापित करने के लिए किया गया था। पूर्व छात्र समूह पूर्व छात्र समुदाय के लिए एक सहायक यंत्र के तौर पर कार्य करता है तथा भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर समुदाय के साथ भा॰प्रौ॰सं॰ कॉमरेड्स को जोड़ता है।

युवा पूर्व छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर पूर्व छात्र अनुसंधान, शिक्षण, उद्यमशीलता, तथा लोक सेवा जैसे कई क्षेत्रों में अपना प्रभाव छोड़ रहे हैं। उनकी ऐसी उपलब्धियों को पहले ही पहचानने और प्रेरित करने के उद्देश्य से संस्थान ने "युवा पूर्व छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार" की स्थापना निम्नलिखित श्रेणियों में की है, जिससे वे अधिक चुनौतियों तथा उनके जीवन व करियर की प्रभावशाली भूमिकाओं का चयन कर सकें:

- उत्कृष्ट पेशेवर उपलब्धि
- उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि
- उत्कृष्ट उद्यमशीलता
- नेतृत्व, लोक शक्ति, लोक प्रभाव, तथा स्वयंसेवा में उत्कृष्टता

सम्मानित पूर्व छात्र कार्यक्रम

वे व्यक्ति जो भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के स्नातक नहीं हैं तथा भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर की प्रतिष्ठा, कल्याण, ख्याति, तथा प्रभावशीलता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, ऐसे लोगों को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के सम्मानित पूर्व छात्र के रूप में जाना जाता है।

सह पूर्व छात्र कार्यक्रम

वे व्यक्ति जो भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में पाठ्येत्तर गतिविधियों, अंत:शिक्षुता, परियोजना, पहल, आदि के लिए अपना कुछ समय बिताते हैं, या गैर-उपाधि छात्र, और संकाय सदस्य सह पूर्व छात्र कार्यक्रम की सदस्यता प्राप्त करने के लिए पात्र हैं।

आईओएस तथा एंड्रॉइड पर भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर पूर्व छात्र एप

पूर्व छात्र संबंध कार्यालय ने आईओएस और एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म पर भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर पूर्व छात्र एप का प्रवर्तन किया है। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के सभी समुदाय सदस्य मोबाइल एप के माध्यम से पूर्व छात्र पोर्टल से जुड़ सकते हैं।

पूर्व छात्र उपलब्धियां

निसर्ग शाह (बीटेक/ईई/2014) के सिंगापोर स्थित स्टार्टअप एफ्फेबल.एआई ने प्राइम वेंचर पार्टनर, डेकाकॉर्न कैपिटल, तथा एसजीइन्नोवेट से यूएसडी 2 मिलियन की निधि जमा की है। एफ्फेबल ने कुल यूएसडी 2.8 मिलियन एकत्रित किए हैं।

शशांक अग्रवाल (बीटेक/एमई/2014) ने मेसेशुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान, संराअ का एडवर्ड एल हॉर्टन अध्येतावृत्ति पुरस्कार 2021 प्राप्त किया है। वे एमआईटी से पीएचडी कर रहे हैं।

डॉ दीक्षी अंगिरा (पीएचडी/सीएच/2020) को फुलब्राइट नेहरू छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है। वर्तमान में वे आईआईएससी बेंगलोर में पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता हैं।

डॉ जाग्रति गंगोपाध्याय (पीएचडी/एचएसएस/2018) ने अपना प्रथम एकालाप 'संस्कृति, संदर्भ, और वृद्ध भारतीयों की आयु, भारत और उसके बाहर की कहानियां', स्प्रिंगर प्रकाशित किया है। वर्तमान में वे मनीपाल मानविकी केंद्र, कर्णाटक में सहायक प्राध्यापक पद पर कार्यरत हैं।

अमनदीप कौर (बीटेक/सीएल/2014) ने सिविल सेवा परीक्षा 2020 में अखिल भारतीय रैंक 734 के साथ उत्तीर्ण की है। वर्तमान में वे अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह पुलिस सेवा (डीएएनआईपीएस), दिल्ली में अधिकारी पद पर सेवारत हैं।

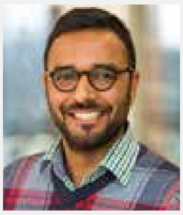

डॉ योगेश गोयल (बीटेक/सीएल/2012) का चयन 2021 एस॰टी॰ए॰टी॰ वंडरकिड में हुआ है। एस॰टी॰ए॰टी॰ वंडरकिड अपने करियर के प्रारंभिक समय के वे वैज्ञानिक हैं जिनका विज्ञान और औषधि क्षेत्र में किया गया कार्य उत्कृष्टता के लिए चयनित किया गया है। डॉ योगेश वर्तमान में उत्तरपश्चिमी विश्वविद्यालय, संराअ में सहायक प्राध्यापक पद पर हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में संकाय पद पर कार्यरत पूर्व छात्र

- **डॉ दीपेश कुमार** (पीएचडी/ईई/2018) भा॰प्रौ॰सं॰ बी॰एच॰यू॰, वाराणसी में सहायक प्रध्यापक हैं।
- **डॉ देबायन भट्टाचार्य** (पीएचडी/सीई/2019) भा॰प्रौ॰सं॰ दिल्ली में सहायक प्राध्यापक हैं।
- **डॉ सरन आधार** (पीएचडी/सीई /2021) भा॰प्रौ॰सं॰ जोधपुर में सहायक प्राध्यापक हैं।
- **डॉ कलिंग ताकी** (पीएचडी/सीई /2021) भा॰प्रौ॰सं॰ गुवाहाटी में सहायक प्राध्यापक हैं।

पूर्व छात्रों द्वारा दान

भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर को पूर्व छात्रों द्वारा प्राप्त दान से विभिन्न कार्यक्रमों में बाईस पूर्व छात्र छात्रवृत्तियां, पांच कक्षा छात्रवृत्तियां, और बैच उपहार निधि स्थापित की गई हैं।

पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान पूर्व छात्रों द्वारा किया गया दान

	विव 2019-20	**विव 2020-21**	**विव 2021-22**
पूर्व छात्र संख्या	1762	2208	2749
कुल दानकर्ता	883	1215	1381
दान का प्रतिशत	50.10%	55.00%	50.23%

पांच की शक्ति

पांच की शक्ति आने वाले वर्षों में भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पूर्व छात्रों द्वारा रु॰ पांच लाख के व्यक्तिगत दान से 50 छात्रवृत्तियां स्थापित करने की संस्थान की एक साहसिक पहल है। इस नीति के तहत, पूर्व छात्रों द्वारा दी गई रु॰ पांच लाख की राशि से प्रति वर्ष रु॰ 1 लाख की छात्रवृत्ति स्थापित होगी।

- पूर्व छात्र रु॰ 5 लाख दान करते हैं
- इतनी ही राशि किसी गैर-सरकारी दानकर्ता की राशि से मिला कर रु॰ 10 लाख की धन राशि जुटाई जाती है।
- संस्थान 10 लाख रुपये के संयुक्त योगदान से मेल खाता है, जिससे कुल 20 लाख रुपये का कोष तैयार होता है।
- रु॰ 20 लाख के कोष से प्रति वर्ष निरंतर रु॰ 1 लाख की छात्रवृत्ति स्थापित होती रहेगी।

वित्त वर्ष 2021-2022 में पूर्व छात्र अनुदान से स्थापित की गई छात्रवृत्तियां

छात्रवृत्ति का नाम	**दानकर्ता पूर्व छात्र**
डॉ टी जी विश्वेश्वरैया छात्रवृत्ति	अविनाश तुमकुर
	अपर्णा तुमकुर
निशा और विपिन जैन छात्रवृत्ति	श्रुति जैन
श्री आनंदीलाल बुबना छात्रवृत्ति	ऋषि बुबना
श्री सत्यनारायण ककरानिया छात्रवृत्ति	ऋषि बुबना
सेवा छात्रवृत्ति	यष कोटक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर 382 055

www.iitgn.ac.in